

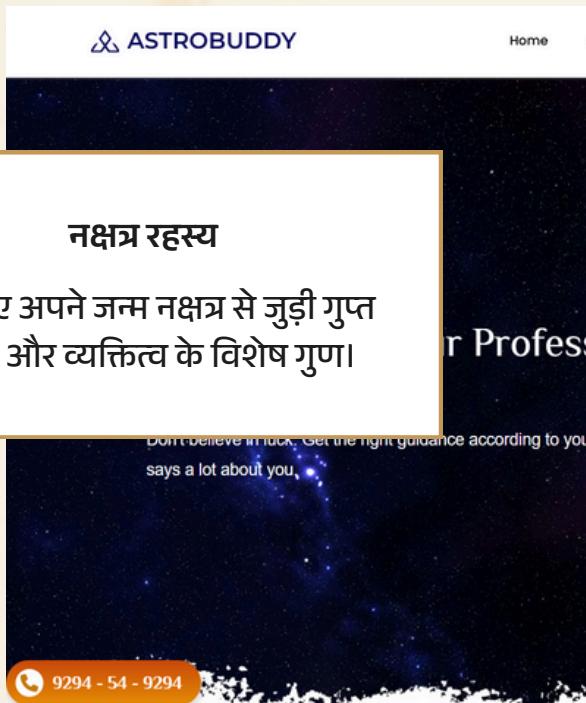


Premium Janam Kundali



The futuristic vision deeply studied & created by renowned Pandits.

एस्ट्रोबडी – जीवन की हर समस्या का ज्योतिषीय समाधान



The screenshot shows the AstroBuddy website homepage. The header features the logo and navigation links for Home and About. The main banner has a dark background with a starry sky and a central illustration of a sage reading a book, surrounded by zodiac symbols. The text "Don't believe in luck. Get the right guidance according to your sign. Your sign says a lot about you." is displayed. A call-to-action button at the bottom left says "9294 - 54 - 9294".

महादश मार्गदर्शन

वर्तमान महादशा आपके करियर, वित्त और रिश्तों को कैसे प्रभावित कर रही है – सही दिशा पाएँ।



नक्षत्र रहस्य

जानिए अपने जन्म नक्षत्र से जुड़ी गुप्त बातें और व्यक्तित्व के विशेष गुण।

Professional

रत्न सुझाव

आपके ग्रहों की स्थिति के अनुसार सही और प्रमाणित रत्न धारण करने की सलाह।

SHOP NOW →



 www.divinestones.in

यह प्रीमियम कुंडली सिर्फ शुरुआत है। सम्पूर्ण मार्गदर्शन के लिए एस्ट्रोबडी से जुड़ें।

आज ही हमारे प्रमाणित ज्योतिषाचार्यों से बात करें।

 www.astro-buddy.com

Mr. Ahuja

जन्म विवरण

लिंग	:	पुरुष
जन्म दिन	:	4 अगस्त 1978
जन्म वार	:	शुक्रवार
जन्म समय	:	15:15:00 घंटे
इष्टकाल	:	23:43:46 घटी
जन्म स्थान	:	Jabalpur
देश	:	India

अक्षांश	:	23उ10'00
रेखांश	:	79पू57'00
समयक्षेत्र	:	-05:30:00 घंटे
समय संशोधन	:	00:00:00 घंटे
जी.एम.टी. समय	:	09:45:00 घंटे
स्थानीय समय संस्कार	:	-00:10:12 घंटे
स्थानीय समय	:	15:04:48 घंटे
सांपातिक काल	:	11:55:13 घंटे
सनसाइन (सायन सूर्य)	:	सिंह
लग्न राशि	:	वृश्चिक 25:43:03

पारिवारिक विवरण

दादा का नाम	:	
पिता का नाम	:	
माता का नाम	:	
जाति	:	
गोत्र	:	

अवकहडा चक्र

1. वर्ण	:	ब्राह्मण
2. वश्य	:	जलचर
3. नक्षत्र - चरण	:	आश्लेषा - 2
4. योनि	:	मार्जर
5. चन्द्र राशि स्वामी	:	चन्द्र
6. गण	:	राक्षस
7. चन्द्र राशि	:	कर्क
8. नाड़ी	:	अन्त्य
वर्ग	:	श्वान
युज्ञा	:	मध्य
हंसक (तत्व)	:	जल
नामाक्षर	:	झू
राशि पाया	:	चाँदी
नक्षत्र पाया	:	चाँदी

जन्मकालीन पंचांगादि

चैत्रादि विधि	:	
विक्रम संवत्	:	2035
मास	:	श्रावण
कार्तिकादि विधि	:	
विक्रम संवत्	:	2034
मास	:	आषाढ़
शक संवत्	:	1900
सूर्य अयन/गोल	:	दक्षिणायण/उत्तर
ऋतु	:	वर्षा
पक्ष	:	शुक्ल
ज्योतिषिय वार	:	शुक्रवार
सूर्योदयी तिथि	:	कृष्ण अमावस्या
तिथि समाप्तिकाल	:	06:30:43 घंटे
जन्मकालीन तिथि	:	1:53:04 घटी
सूर्योदयी नक्षत्र	:	शुक्ल प्रतिपदा

नक्षत्र समाप्तिकाल	:	आश्लेषा
	:	07:06:31 घंटे
	:	63:22:33 घटी
जन्मकालीन नक्षत्र	:	आश्लेषा
सूर्योदयी योग	:	व्यतिपात
योग समाप्तिकाल	:	03:15:52 घंटे
जन्मकालीन योग	:	53:45:55 घटी
सूर्योदयी करण	:	नाग
करण समाप्तिकाल	:	06:30:43 घंटे
जन्मकालीन करण	:	1:53:04 घटी
किंस्तुम्भ	:	

सूर्योदय समय	:	05:45:30 घंटे
अंश	:	कर्क 17:43:37
सूर्यस्त समय	:	18:46:48 घंटे
अंश	:	कर्क 18:15:03
आगामी सूर्योदय	:	शनिवार 05:45:54 घंटे
चन्द्र का नक्षत्र प्रवेश	:	4 अगस्त 78 04:18:53
चन्द्र का नक्षत्र निकास	:	5 अगस्त 78 07:06:31
भयात	:	27:20:18 घटी
भभोग	:	66:59:05 घटी
जन्मकालीन दशा	:	बुध-सूर्य-केतु
दशा भोग्यकाल	:	बुध 10व.-0मा.-27दि.
अयनांश	:	-23:33:30 लहरी



नक्षत्र का फल

आपका जन्म आश्लेषा नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ है अतः आपकी जन्म राशि कर्क तथा राशि स्वामी चन्द्रमा होगा। अवकहड़ा चक्र के अनुसार -

- वर्ण - ब्राह्मण
- वश्य - जलचर
- योनि - मार्जार
- गण - राक्षस
- नाड़ी - अन्त्य

जन्म नाम का प्रारम्भ दू अक्षर से होना चाहिये।

शास्त्रों के अनुसार

आश्लेषा नक्षत्र में जन्म होने से निम्नवत् फल प्राप्त होंगे -

1. बृहज्ञातक के अनुसार -

शठसर्वभक्षपापः कृतद्वधूर्तश्च भौजन्गो।

2. जातक पारिजात के अनुसार -

सार्पे मूढमतिः कृतद्वचनः कोपी दुराचारवान्।

3. मानसागरी के अनुसार -

सर्वभक्षीं कृतांतश्च कृतद्वो वंचकः खलः। आश्लेषायां नरो जातः कृतकर्मा हि जायते॥

4. जातकाभरण के अनुसार -

वृथाटनः स्यादतिदुष्टचेष्टः कष्टप्रदक्षापि वृथा जननानाम्।

सार्पे सदर्थो हि वृथार्पितार्थः कंदर्पसंतप्तमना मनुष्यः॥

आश्लेषा नक्षत्र में जन्म होने से जातक सर्वभक्षी, कूर स्वभाव, कृतद्व, क्रोधी, दूसरों को कष्ट देने वाला, व्यर्थ भ्रमण करने वाला, धन को व्यर्थ गँवाने वाला, कामी, दुराचारी तथा अपने कार्य को करने वाला होता है।

आधुनिक मत से

आश्लेषा नक्षत्र में जन्म होने से जातक चतुर बुद्धि, कल्पना प्रवीण, परिवर्तनशील आचरण युक्त, जल्दी ही बदल जाने वाला, शीघ्र ही प्रसन्न हो जाने वाला, हँसमुख, धारा-प्रवाह बोलने वाला, बातचीत में दूसरों की अनुकृति करने वाला, कलात्मक अभिरुचियों वाला, साहित्य तथा संगीत प्रेमी, यात्राप्रिय, कामासक्त, कभी-कभार चोरी करने वाला, आलसी, स्वार्थी, अकस्मात् आहत होने वाला होता है।

पाद (पाया) फल

आश्लेषा नक्षत्र का जन्म चाँदी के पाये में कहा जाता है, जो शुभ एवं श्रेष्ठ माना है।

स्वास्थ्य

आश्लेषा नक्षत्र का अधिकार फेफड़े, उदर, ग्रासनलिका के निम्न भाग, अग्राशय व लीवर पर है, अतः पापाक्रांत होने पर इन अंगों से सम्बन्धित रोग की संभावना रहती है।

आश्लेषा मूल-संज्ञक नक्षत्र है, द्वितीय चरण के अनुसार फल - धन नाशक

उपाय

आश्लेषा नक्षत्र के स्वामी तक्षक राज (सर्प देवता) हैं। अतः इनकी शान्ति के लिये सोने के नाग-दम्पति बनवा कर आश्लेषा नक्षत्र वाले दिन प्राण-प्रतिष्ठा करके, कुमकुम, अगर-गंध, पुष्प, गुग्गुल, धूप, घृत-दीप और घृतक्षीर के नैवेद्य द्वारा पूजन करना चाहिये। हवन सामग्री में घृत और शक्कर मिला कर निम्नदत्त मंत्र से 108 बार आहुति दें -



ॐ नमोस्तु सर्पेभ्यो ये के च पृथिवी मनुः ये अन्तरिक्षेदिवितेभ्यः सर्पेभ्यो नमः। ॐ तक्षकेश्वराय नमः॥

ब्राह्मण वर्ण का फल

स्वधर्मकर्मनिरतः शास्त्राध्ययनतत्परः:

विनीतः सर्वकार्यषु ब्रह्मवर्णभवो नरः॥ (जातकोत्तम)

ब्राह्मण वर्ण में जन्म होने से जातक अपने धार्मिक कार्यों में लीन, शास्त्राभ्यसनी और नम्रतापूर्वक समस्त कार्यों का संपादन करने वाला होता है।

राक्षसगण फल

उन्मादी भीषणाकारः सर्वदा कलहप्रियः।

पुरुषो दुर्सं बूरते प्रमेही राक्षसे गणे॥ (मानसागरी)

राक्षसगण में जन्म हुआ है अतः जातक उन्मादी, भयंकर स्वरूप, झगड़ालू, प्रमेही और कटुबचन बोलने वाला होगा।

मार्जार योनि फल

शूरः स्वकाय दक्षश्च मिष्ठान्नपानभक्षकः।

निर्भयो दुःस्वभावश्च नरो मार्जारयोनिजः॥ (मानसागरी)

मार्जार योनि में जन्म हुआ है अतः जातक -वीर, अपने कार्य में समर्थ, मिष्ठान्न-पान खानेवाला, निर्भय और दुष्टस्वभाव वाला होगा।

विवाह, मैत्री एवं साझेदारी

अश्विनी, पुनर्वसु चतुर्थ चरण, पुष्य, चित्रा, धनिष्ठा प्रथम-द्वितीय चरण में जन्मे जातक सर्वश्रेष्ठ रहते हैं।

Mr. Ahuja

शुक्रवार 4 अगस्त 1978 15:15:00
 शहर: Jabalpur
 राज्य: Madhya Pradesh
 देश: India

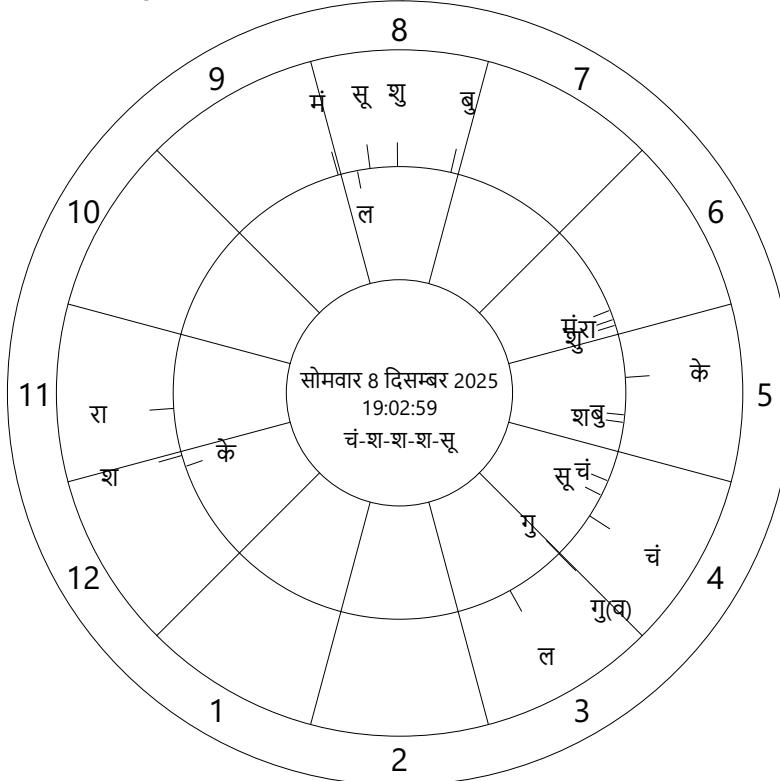
समयक्षेत्र: -5:30:00
 समय संशोधन: 0
 रेखांश: 79°57'00
 अक्षांश: 23°10'00

59. Dasha Effects Browser
 इष्टकाल: 23:43:46
 सूर्योदय: 4 अगस्त 78 05:45:30
 सूर्यास्त: 4 अगस्त 78 18:46:48
 अयनांश : -23:33:30 लहरी

दशा ब्राउज़र टूल -विशेषताएँ

बु 01-09-1971	चं 31-08-2021	श 30-11-2025	श 30-11-2025	श 30-11-2025
के 31-08-1988	मं 01-07-2022	बु 02-03-2026	बु 15-12-2025	बु 03-12-2025
शु 01-09-1995	रा 30-01-2023	के 23-05-2026	के 28-12-2025	के 05-12-2025
सू 01-09-2015	गु 31-07-2024	शु 25-06-2026	शु 02-01-2026	शु 05-12-2025
चं 31-08-2021	श 30-11-2025	सू 30-09-2026	सू 17-01-2026	सू 08-12-2025
मं 31-08-2031	बु 02-07-2027	चं 29-10-2026	चं 22-01-2026	चं 09-12-2025
रा 31-08-2038	के 30-11-2028	मं 16-12-2026	मं 30-01-2026	मं 10-12-2025
गु 30-08-2056	शु 01-07-2029	रा 19-01-2027	रा 04-02-2026	रा 11-12-2025
श 30-08-2072	सू 02-03-2031	गु 15-04-2027	गु 18-02-2026	गु 13-12-2025

अंदर: जन्म कुण्डली - बाहर: गोचर कुण्डली



गोचर कुण्डली अष्टकवर्ग कक्षा

कक्षा	अष्टक.	सर्वांगक
सू in वृश्चिक	0 (बु)	2 25
चं in कर्क	0 (सू)	3 25
मं in धनु	0 (शा)	4 30
बु in वृश्चिक	1 (शा)	5 25
गु in मिथुन	0 (ल)	4 29
शु in वृश्चिक	1 (शु)	5 25
श in मीन	0 (शा)	1 23

गोचर कुण्डली

अश	शुभत्व	षड्
सू 22:29:29	अतिमित्र	0.80
च 12:07:01	स्वराशि	1.30
मं 00:42:32	सम	1.26
बु 01:53:50	मित्र	0.91
गु 29:45:06	अतिशत्रु	1.31
शु 15:29:26	मित्र	0.96
श 01:02:04	मित्र	1.04
रा 18:56:33	स्वराशि	
के 18:56:33	सम	



शनि की लघु कल्याणी दैया व कंटक शनि

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से चतुर्थ एवं अष्टम् स्थान में शनि का भ्रमण लघु कल्याणी दैया कहलाता है -

कल्याणी प्रददाति वै रविसुतो राशेश्वर्तुर्धाष्टमे ।

आपकी जन्म राशि कर्क है, जब शनि चतुर्थ अर्थात् तुला राशि में तथा अष्टम् अर्थात् कुंभ राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की लघु कल्याणी दैया कहलायेगी।

चन्द्र लग्न से गोचर में शनि चतुर्थ, सप्तम, दशम स्थान में हो तो कंटक शनि कहलाता है।

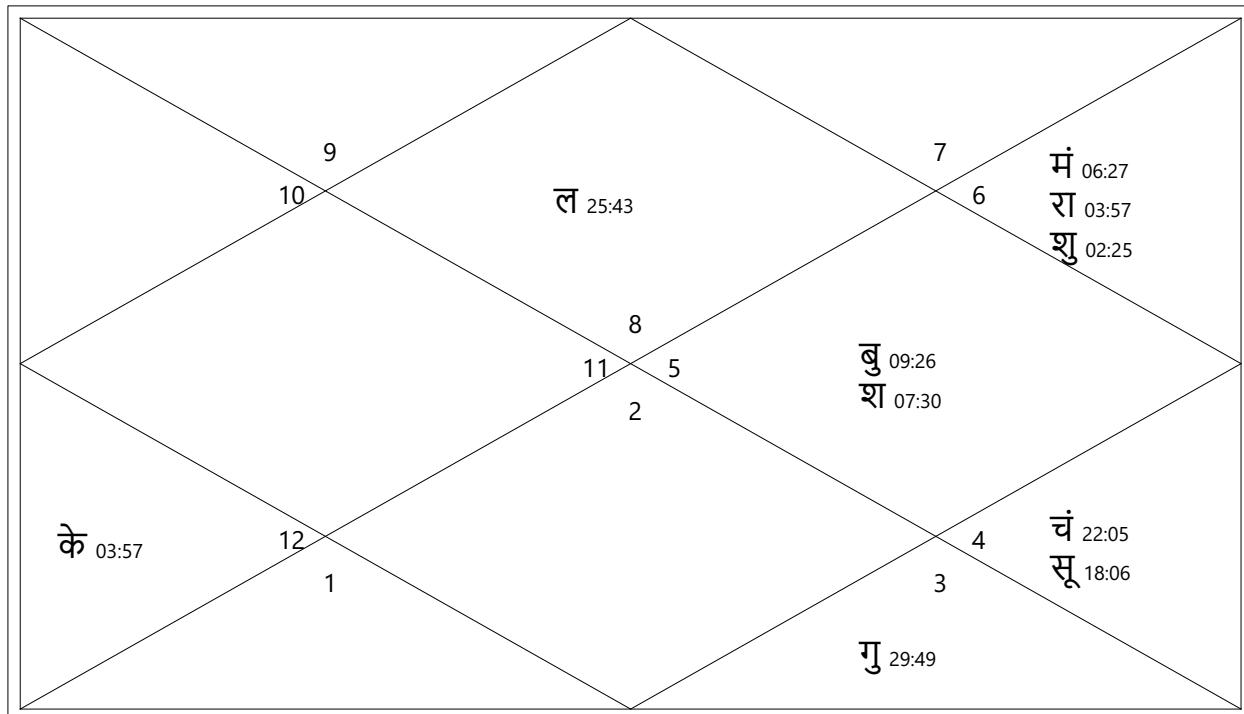
आपकी जन्म राशि कर्क है अतः जब शनि तुला, मकर और मेष में भ्रमण करेगा तो कंटक शनि कहा जायेगा।

आपके जीवन में लघु कल्याणी दैया व कंटक शनि कब-कब चलेगा इसकी जानकारी निम्न तालिका से करें -

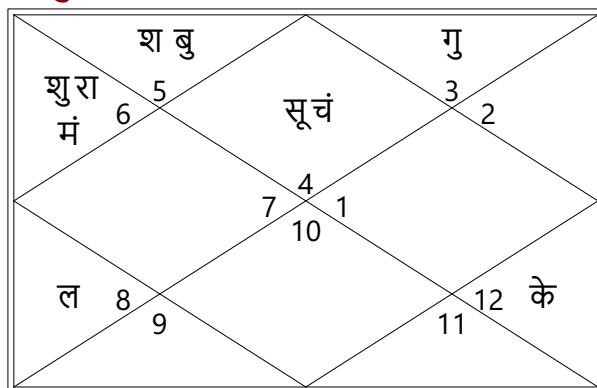
	शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग	
					शनि	सर्व
दैया की प्रथम आवृत्ति						
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	तुला तुला (व)	06-10-1982 31-05-1985	21-12-1984 16-09-1985	2-2-15 0-3-15	3	26
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	मकर मकर (व)	20-03-1990 14-12-1990	20-06-1990 05-03-1993	0-3-0 2-2-21	5	31
अष्टम स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	कुंभ कुंभ (व)	05-03-1993 09-11-1993	15-10-1993 02-06-1995	0-7-10 1-6-23	4	25
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	मेष मेष (व)	17-04-1998	06-06-2000	2-1-19 --	4	37
दैया की द्वितीय आवृत्ति						
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	तुला तुला (व)	15-11-2011 04-08-2012	16-05-2012 02-11-2014	0-6-1 2-2-28	3	26
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	मकर मकर (व)	24-01-2020 12-07-2022	29-04-2022 17-01-2023	2-3-5 0-6-5	5	31
अष्टम स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	कुंभ कुंभ (व)	29-04-2022 17-01-2023	12-07-2022 29-03-2025	0-2-13 2-2-12	4	25
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	मेष मेष (व)	02-06-2027 23-02-2028	20-10-2027 08-08-2029	0-4-18 1-5-15	4	37
दैया की तृतीय आवृत्ति						
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	तुला तुला (व)	27-01-2041 26-09-2041	06-02-2041 11-12-2043	0-0-9 2-2-15	3	26
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	मकर मकर (व)	06-03-2049 04-12-2049	09-07-2049 24-02-2052	0-4-3 2-2-20	5	31
अष्टम स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	कुंभ कुंभ (व)	24-02-2052 01-09-2054	14-05-2054 05-02-2055	2-2-20 0-5-4	4	25
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	मेष मेष (व)	07-04-2057	27-05-2059	2-1-20 --	4	37



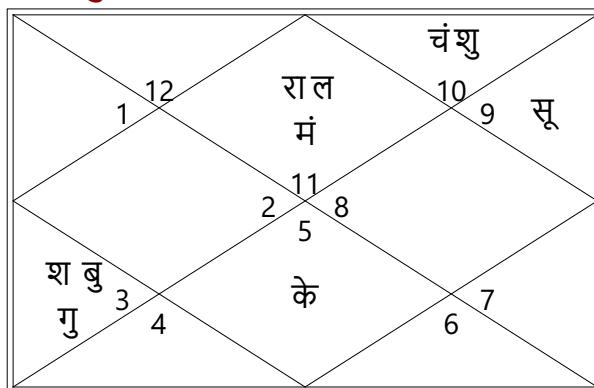
4 अगस्त 1978 * शुक्रवार * 15:15:00 घंटे



चंद्र कुण्डली



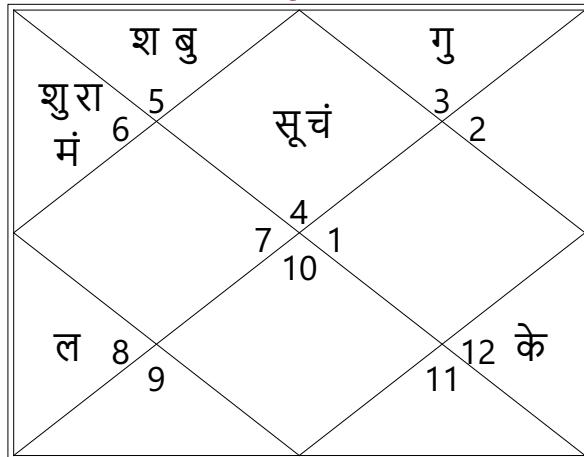
नवांश कुण्डली



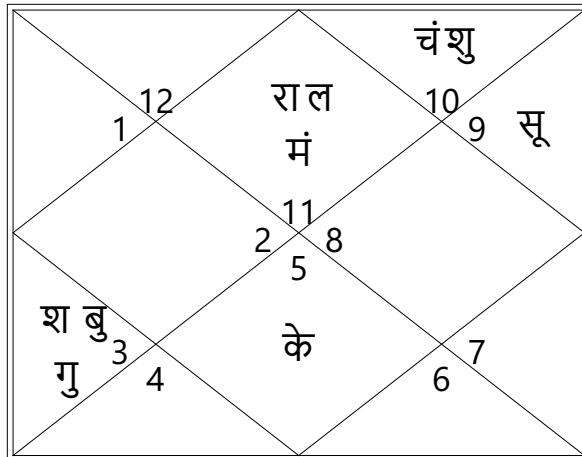
ग्रह	व/अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	रा. स्वा.	न. स्वा.	उप स्वा.	उप स्वा.	शुभा- शुभ	षड्बल
लग्न		वृश्चिक	25:43:03		ज्येष्ठा	3	मं	बु	रा	शु		
सूर्य		कर्क	18:06:21	00:57:28	आश्लेषा	1	चं	बु	बु	गु	सम	1.30
चन्द्र		कर्क	22:05:53	11:56:04	आश्लेषा	2	चं	बु	सू	के	स्वराशि	1.02
मंगल		कन्या	06:27:29	00:37:07	उत्तराफाल्गुनी	3	बु	सू	बु	गु	सम	1.44
बुध		सिंह	09:26:20	00:02:53	मघा	3	सू	के	श	श	अतिमित्र	1.38
गुरु		मिथुन	29:49:39	00:13:07	पुनर्वसु	3	बु	गु	चं	गु	सम	1.12
शुक्र		कन्या	02:25:42	01:05:01	उत्तराफाल्गुनी	2	बु	सू	गु	सू	नीच	1.34
शनि		सिंह	07:30:41	00:07:20	मघा	3	सू	के	रा	मं	सम	1.37
राहु		कन्या	03:57:08	-00:06:44	उत्तराफाल्गुनी	3	बु	सू	श	शु	स्वराशि	
केतु		मीन	03:57:08	-00:06:44	उत्तराभाद्रपद	1	गु	श	श	बु	स्वराशि	



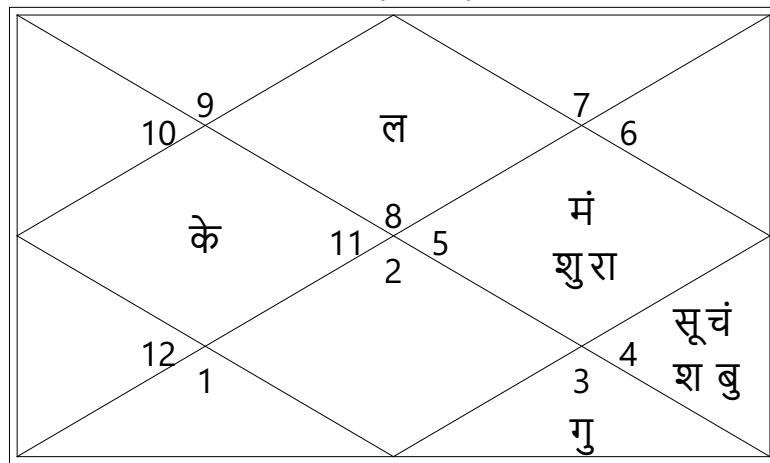
चन्द्र कुण्डली



नवांश



भाव (श्रीपति)



भाव स्पष्ट - श्रीपति विधि

भाव	भाव आरम्भ	भाव मध्य	भाव अन्त
प्रथम भाव	वृश्चिक 12:17:17	वृश्चिक 25:43:03	धनु 12:17:17
द्वितीय भाव	धनु 12:17:17	धनु 28:51:31	मकर 15:25:44
तृतीय भाव	मकर 15:25:44	कुंभ 01:59:58	कुंभ 18:34:12
चतुर्थ भाव	कुंभ 18:34:12	मीन 05:08:26	मीन 18:34:12
पंचम भाव	मीन 18:34:12	मेष 01:59:58	मेष 15:25:44
षष्ठ भाव	मेष 15:25:44	मेष 28:51:31	वृष 12:17:17
सप्तम भाव	वृष 12:17:17	वृष 25:43:03	मिथुन 12:17:17
अष्टम भाव	मिथुन 12:17:17	मिथुन 28:51:31	कर्क 15:25:44
नवम भाव	कर्क 15:25:44	सिंह 01:59:58	सिंह 18:34:12
दशम भाव	सिंह 18:34:12	कन्या 05:08:26	कन्या 18:34:12
एकादश भाव	कन्या 18:34:12	तुला 01:59:58	तुला 15:25:44
द्वादश भाव	तुला 15:25:44	तुला 28:51:31	वृश्चिक 12:17:17

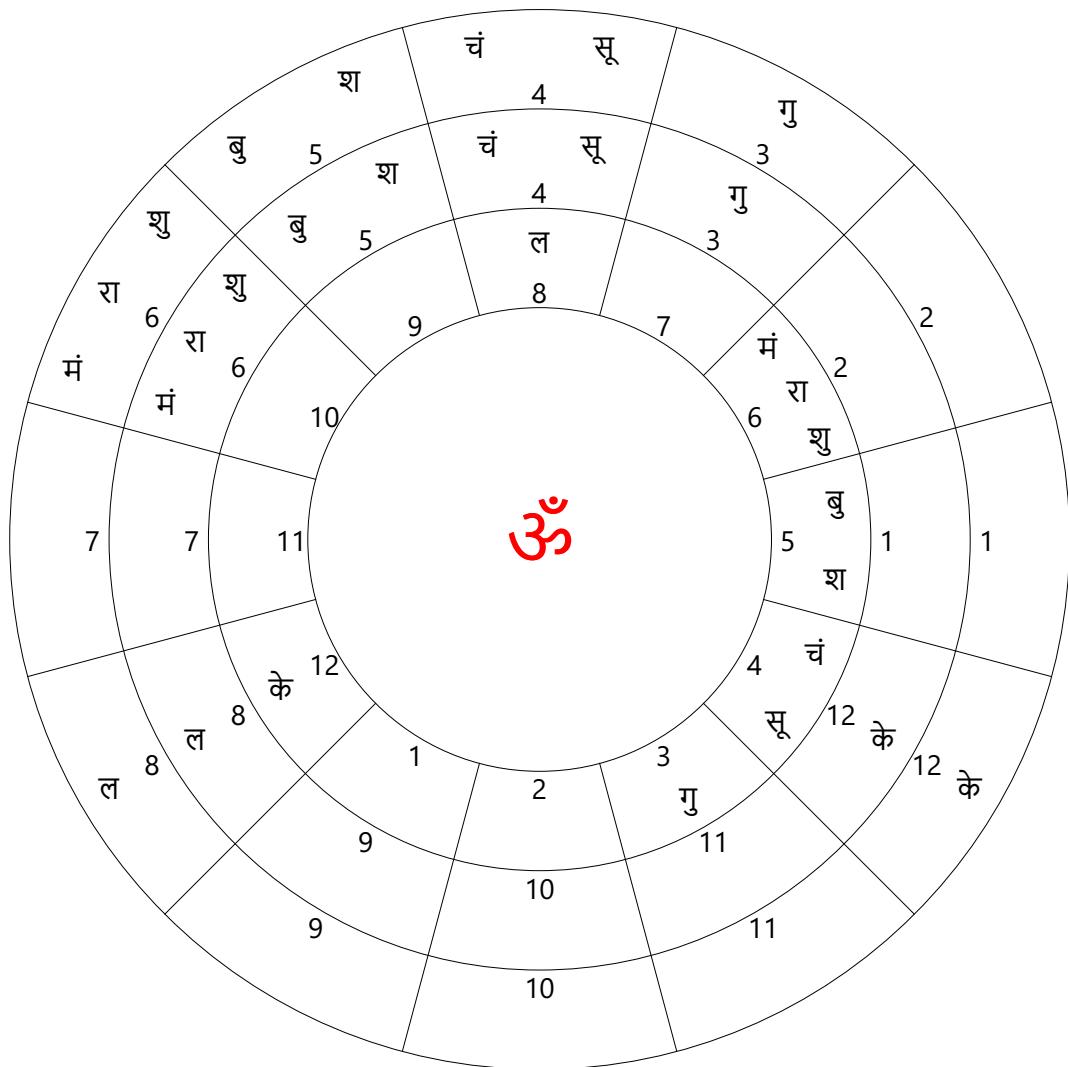


सुदर्शन चक्र

बाह्य वृत : सूर्य कुण्डली

मध्य वृत : चन्द्र कुण्डली

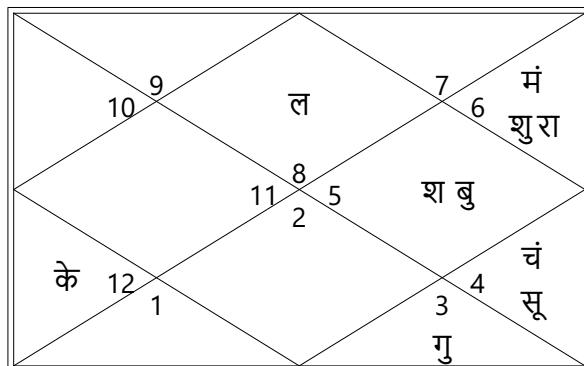
आन्तरिक वृत : जन्म कुण्डली



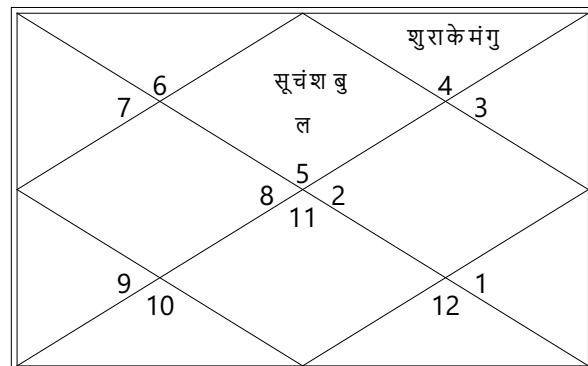
सुदर्शन चक्र के बाह्य वृत में सूर्य कुण्डली, मध्य वृत में चन्द्र कुण्डली व आन्तरिक वृत में जन्म कुण्डली बना कर तीनों कुण्डलियों के विभिन्न भावों में स्थित ग्रहों का एक साथ विश्लेषण किया जाता है।



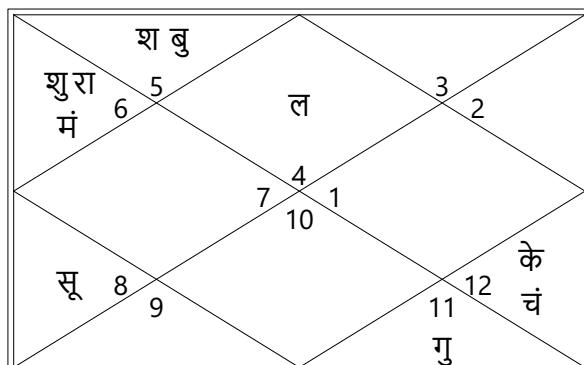
जन्म कुण्डली



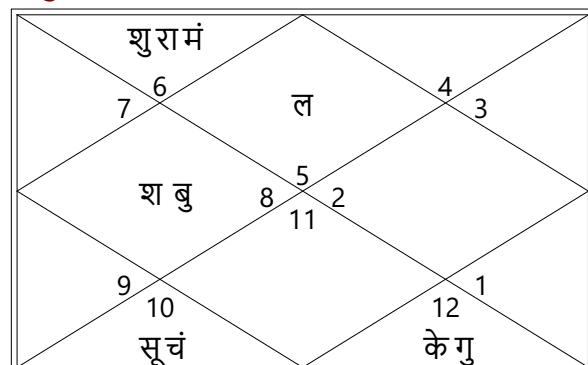
होरा (धन-सम्पत्ति)



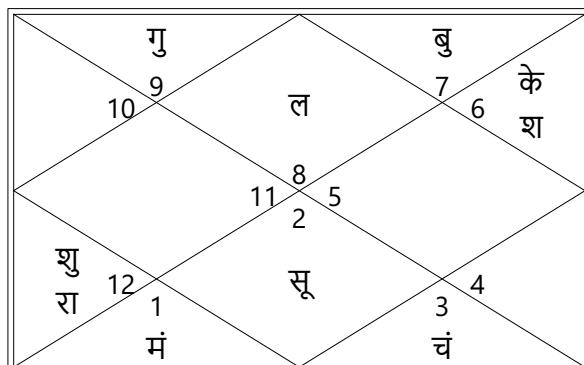
द्रेष्काण (भाई-बहन)



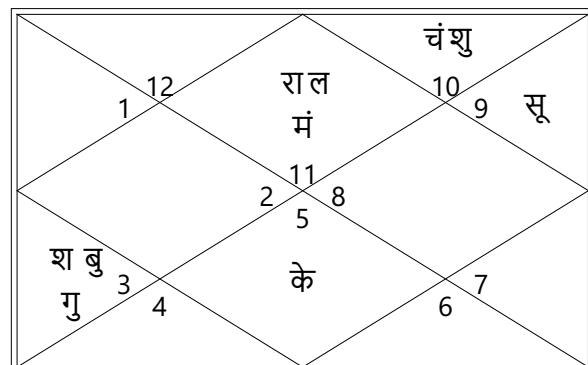
चतुर्थांश (भाग्य)



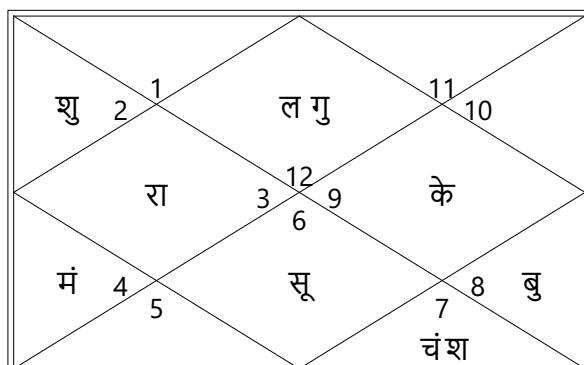
सप्तांश (संतान)



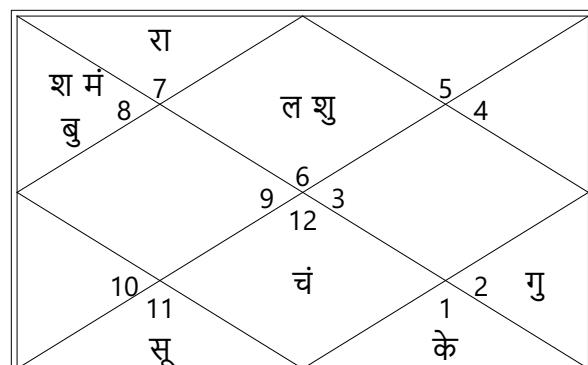
नवांश (जीवनसाथी)



दशांश (कर्मफल)

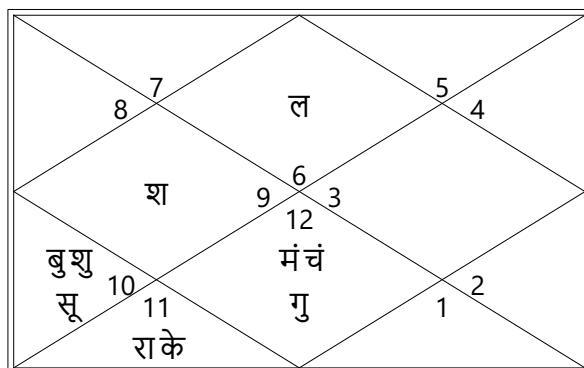


द्वादशांश (माता-पिता)

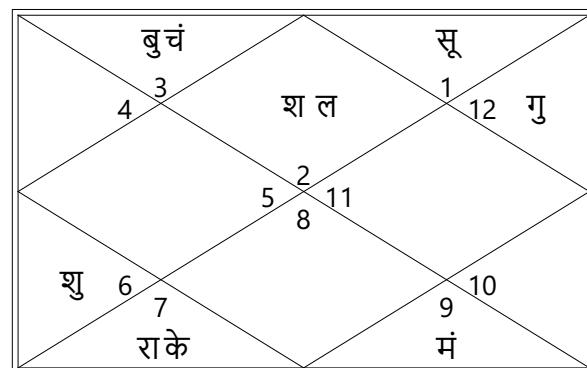




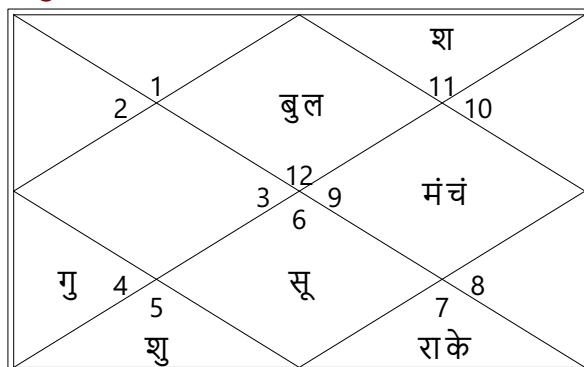
षोडशांश (वाहन)



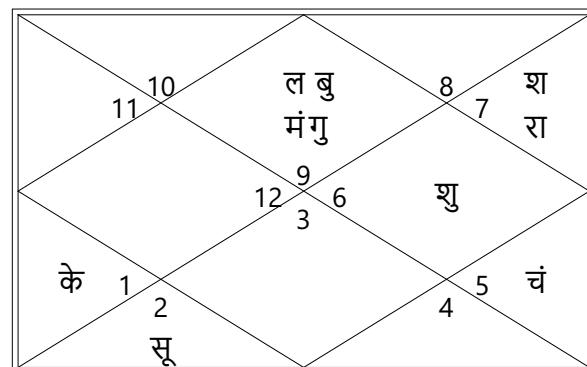
विंशांश (उपासना)



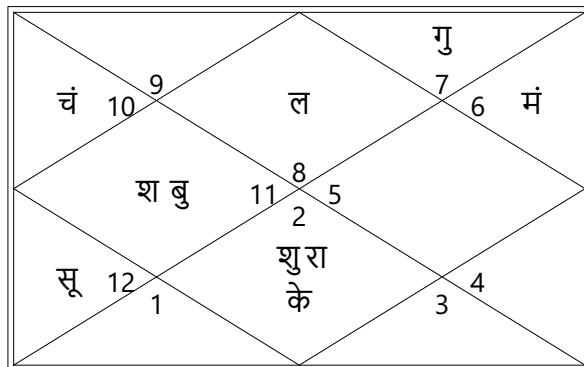
चतुर्विंशांश (विद्या)



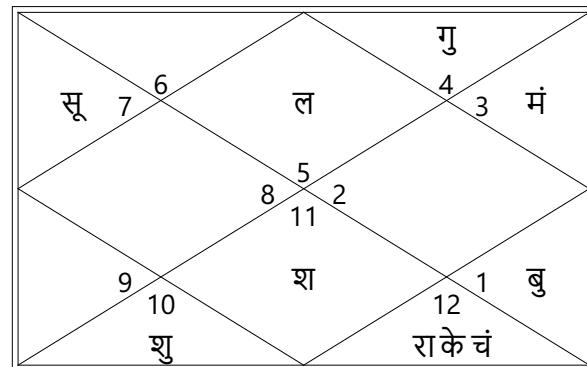
सप्तविंशांश (बलाबल)



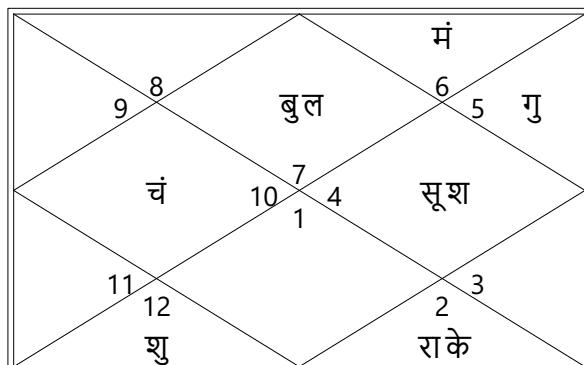
त्रिंशांश (अरिष्ट)



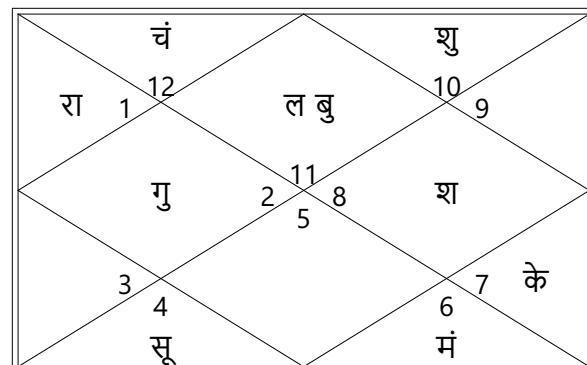
खवेदांश (शुभ-अशुभफल)



अक्षवेदांश (सभी क्षेत्र)



षष्ठ्यांश (सभी क्षेत्र)





ॐ

उपग्रह

गुलिकादि उपग्रह समूह

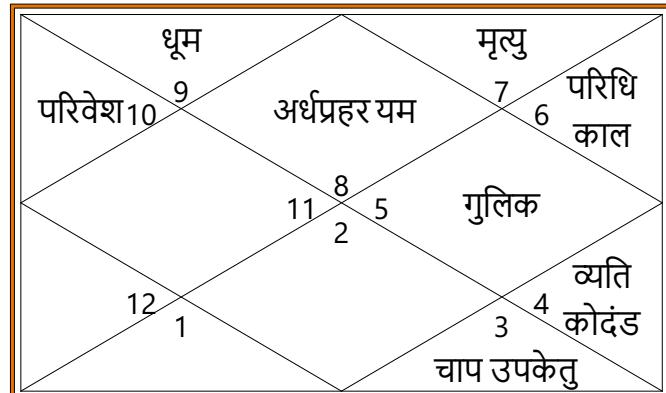
जन्म मध्याह्न से सूर्यास्त के बीच * सूर्योदय-सूर्यास्त : 05:45-18:46 * जन्मवार : शुक्रवार

उपग्रह	स्वामी	उपग्रह की अवधि	आरम्भ (पराशर विधि)				अन्त (कालिदास विधि)			
			राशि	अंश	नक्षत्र	पद	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
कालवेला	सू.	09:00-10:38	कन्या	01:51:01	उ.फाल्गुनी	2	कन्या	24:18:17	चित्रा	1
परिधि	च	10:38-12:16	कन्या	24:18:17	चित्रा	1	तुला	16:20:09	स्वाति	3
मृत्यु	मं	12:16-13:53	तुला	16:20:09	स्वाति	3	वृश्चिक	07:50:19	अनुराधा	2
अर्धप्रहर	बु	13:53-15:31	वृश्चिक	07:50:19	अनुराधा	2	वृश्चिक	29:24:24	ज्येष्ठा	4
यमकण्टक	गु	15:31-17:09	वृश्चिक	29:24:24	ज्येष्ठा	4	धनु	22:18:19	पूर्वाश्वामी	3
कोदण्ड	शु	05:45-07:23	कर्क	17:43:37	आश्लेषा	1	सिंह	09:31:02	मघा	3
गुलिक	श	07:23-09:00	सिंह	09:31:02	मघा	3	कन्या	01:51:01	उ.फाल्गुनी	2

धूमादि उपग्रह समूह

उपग्रह	स्वामी	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
धूम	मं	धनु	01:26:21	मूल	1
व्यतिपात	रा	कर्क	28:33:39	आश्लेषा	4
परिवेश	चं	मकर	28:33:39	धनिष्ठा	2
इन्द्रचाप	शु	मिथुन	01:26:21	मृगशिरा	3
उपकेतु	के	मिथुन	18:06:21	आर्द्रा	4

उपग्रह



अन्य विशेष लग्न व गणनाएं

भाव लग्न	धनु	10:06:14	योगी बिन्दु	13:32:13 कुंभ
होरा लग्न	वृष	02:28:51	योगी	रा
घटिका लग्न	कर्क	09:36:42	अवयोगी/अन्य योगी	शु/श
इन्दु लग्न	सिंह	15:00:00	64वां नवांश (चन्द्र/लग्न)	मेष/वृष
बीज स्फुट	मीन	20:21:42	22वां द्रेष्काण (लग्न/चन्द्र)	कुंभ/तुला
जन्म कुण्डली/नवांश	सम/सम 0	प्रतिशत (अशुभ)	सर्प द्रेष्काण	सूर्यचन्द्र



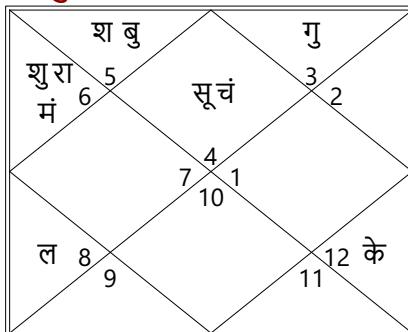
जन्म दिन : 4 अगस्त 1978, शुक्रवार
 जन्म समय : 15:15:00 घंटे
 जन्म स्थान : Jabalpur, Madhya Pradesh, India

रेखांश/अक्षांश : 79पू57'00 23उ10'00
 समयक्षेत्र : -05:30:00 घंटे
 समय संशोधन : 00:00:00 घंटे

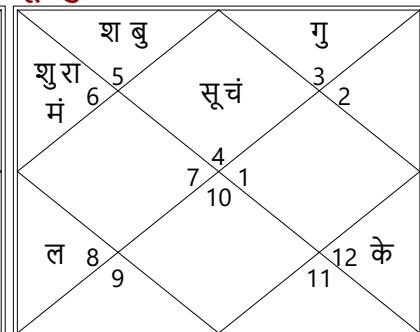
जन्म कुण्डली



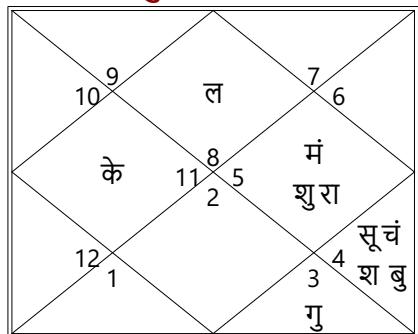
चंद्र कुण्डली



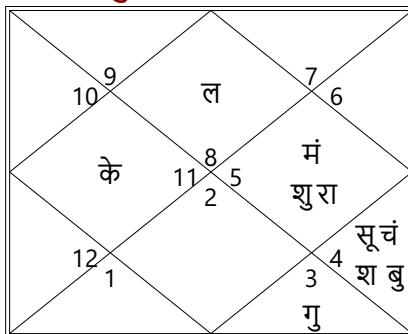
सूर्य कुण्डली



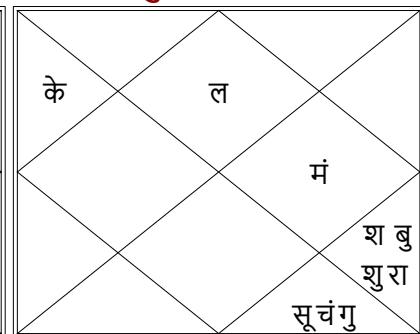
श्रीपति भाव कुण्डली



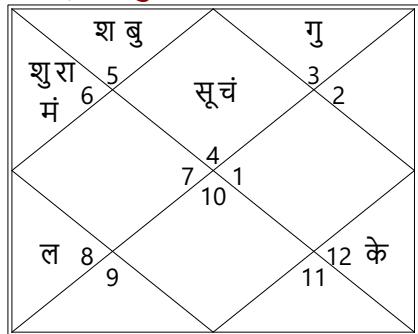
सम भाव कुण्डली



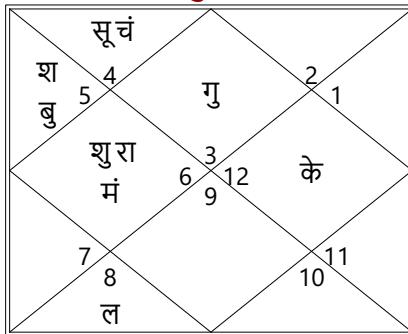
के.पी. भाव कुण्डली



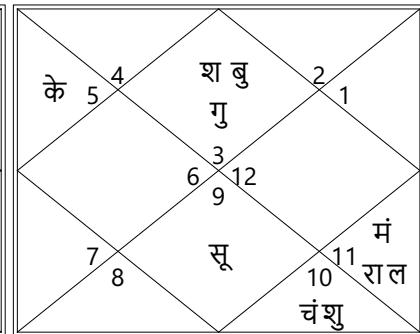
आरुढ़ लग्र कुण्डली



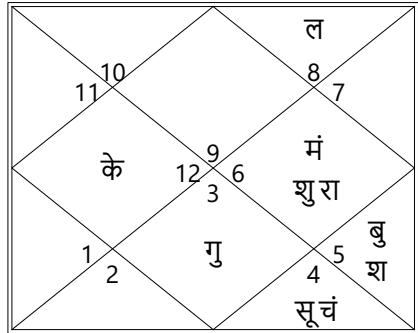
कारकांश (जन्म कुण्डली)



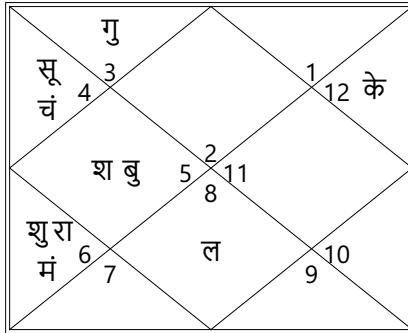
कारकांश (नवांश)



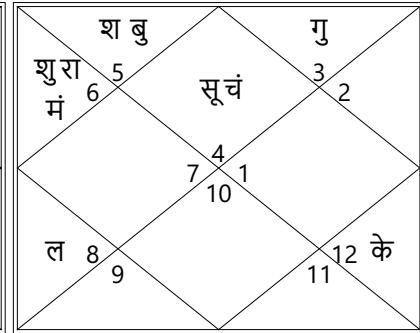
भाव लग्र कुण्डली



होरा लग्र कुण्डली



घटिका लग्र कुण्डली





नैसर्गिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	चन्द्र मंगल गुरु	सूर्य बुध	सूर्य चन्द्र गुरु केतु	सूर्य शुक्र	सूर्य चन्द्र मंगल	बुध शनि राहु केतु	बुध शुक्र राहु	गुरु शुक्र शनि	मंगल शुक्र
शत्रु	शुक्र शनि राहु केतु	राहु केतु	बुध राहु	चन्द्र	बुध शुक्र	सूर्य चन्द्र	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र शनि केतु
सम	बुध	मंगल गुरु शुक्र शनि	शुक्र शनि	मंगल गुरु शनि राहु	शनि राहु केतु	मंगल गुरु	गुरु	बुध	गुरु बुध

तात्कालिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	मंगल बुध गुरु शुक्र शनि राहु	मंगल बुध गुरु शुक्र शनि राहु	सूर्य चंद्र बुध गुरु शनि	सूर्य चंद्र मंगल गुरु शुक्र राहु	सूर्य चंद्र मंगल बुध शुक्र शनि राहु केतु	सूर्य चंद्र बुध गुरु शनि	सूर्य चंद्र मंगल गुरु शुक्र राहु	सूर्य चंद्र बुध गुरु शनि	गुरु
शत्रु	चंद्र केतु	सूर्य केतु	शुक्र राहु केतु	शनि केतु		मंगल राहु केतु	बुध केतु	मंगल शुक्र केतु	सूर्य चंद्र मंगल बुध शुक्र शनि राहु

पंचधा मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
अतिमित्र	मंगल गुरु	बुध	सूर्य चंद्र गुरु	सूर्य शुक्र	सूर्य चंद्र मंगल	बुध शनि	शुक्र राहु	गुरु शनि	
मित्र	बुध	मंगल गुरु शुक्र शनि	शनि	मंगल गुरु राहु	शनि राहु केतु	गुरु	गुरु	बुध	गुरु
सम	चंद्र शुक्र शनि राहु	सूर्य राहु	बुध केतु	चंद्र	बुध शुक्र	सूर्य चंद्र राहु केतु	सूर्य चंद्र मंगल बुध	सूर्य चंद्र शुक्र	मंगल शुक्र
शत्रु			शुक्र	शनि केतु		मंगल			बुध
अतिशत्रु	केतु	केतु	राहु				केतु	मंगल केतु	सूर्य चंद्र शनि राहु



षोडशवर्ग सारणी

षोडशवर्ग में राशियों में ग्रह

लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	वृश्चिक	कर्क	कर्क	कन्या	सिंह	मिथुन	कन्या	सिंह	कन्या
होरा	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	कर्क	वृश्चिक	मीन	कन्या	वृश्चिक	कुभ	कन्या	सिंह	मीन
चतुर्थश	सिंह	मकर	मकर	कन्या	वृश्चिक	मीन	कन्या	वृश्चिक	मीन
सप्तांश	वृश्चिक	वृष	मिथुन	मेष	तूला	धनु	मीन	कन्या	मीन
नवांश	कुभ	धनु	मकर	कुभ	मिथुन	मिथुन	मकर	मिथुन	कुभ
दशांश	मीन	कन्या	तूला	कर्क	वृश्चिक	मीन	वृष	तूला	मिथुन
द्वादशांश	कन्या	कुभ	मीन	वृश्चिक	वृश्चिक	वृष	कन्या	तूला	धनु
षोडशांश	कन्या	मकर	मीन	मीन	मकर	मीन	मकर	धनु	मेष
विंशांश	वृष	मेष	मिथुन	धनु	मिथुन	मीन	कन्या	तुला	तुला
चतुर्विंशांश	मीन	कन्या	धनु	धनु	मीन	कर्क	सिंह	कुभ	तुला
सप्तविंशांश	धनु	वृष	सिंह	धनु	धनु	धनु	कन्या	तुला	मेष
त्रिंशांश	वृश्चिक	मीन	मकर	कन्या	कुभ	तूला	वृष	कुभ	वृष
खवेदांश	सिंह	तूला	मीन	मिथुन	मेष	कर्क	मकर	कुभ	मीन
अक्षवेदांश	तूला	कर्क	मकर	कन्या	तूला	सिंह	मीन	कर्क	वृष
षष्ठ्यांश	कुभ	कर्क	मीन	कन्या	कुभ	वृष	मकर	वृष	तुला

षोडशवर्ग में शुभाशुभ

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
जन्म	सम	स्वराशि	सम	अतिमित्र	सम	नीच	सम	स्वराशि	स्वराशि
होरा	मूलत्रिक.	सम	नीच	सम	उच्च	सम	अतिशत्रु	सम	सम
द्रेष्काण	अतिमित्र	मित्र	सम	अतिमित्र	शत्रु	नीच	सम	स्वराशि	स्वराशि
चतुर्थश	सम	मित्र	सम	मित्र	स्वराशि	नीच	सम	स्वराशि	स्वराशि
सप्तांश	सम	सम	स्वराशि	सम	स्वराशि	उच्च	अतिमित्र	सम	सम
नवांश	सम	शत्रु	शत्रु	स्वराशि	अतिशत्रु	सम	सम	स्वराशि	सम
दशांश	मित्र	शत्रु	नीच	शत्रु	स्वराशि	स्वराशि	उच्च	मूलत्रिक.	मूलत्रिक.
द्वादशांश	सम	मित्र	स्वराशि	शत्रु	अतिशत्रु	नीच	अतिशत्रु	सम	सम
षोडशांश	सम	शत्रु	सम	मित्र	स्वराशि	अतिमित्र	मित्र	स्वराशि	सम
विंशांश	उच्च	सम	अतिमित्र	स्वराशि	स्वराशि	नीच	सम	सम	सम
चतुर्विंशांश	शत्रु	शत्रु	सम	नीच	उच्च	सम	मूलत्रिक.	सम	सम
सप्तविंशांश	आतेशत्रु	आतेमित्र	सम	शत्रु	स्वराशि	कन्या	उच्च	सम	सम
त्रिंशांश	सम	मित्र	अतिशत्रु	शत्रु	अतिशत्रु	स्वराशि	मूलत्रिक.	मूलत्रिक.	नीच
खवेदांश	नीच	शत्रु	सम	मित्र	उच्च	अतिमित्र	मूलत्रिक.	सम	स्वराशि
अक्षवेदांश	सम	शत्रु	सम	सम	अतिमित्र	उच्च	अतिशत्रु	उच्च	नीच
षष्ठ्यांश	सम	मित्र	अतिशत्रु	मित्र	अतिशत्रु	अतिमित्र	सम	सम	सम

विशेषक बल

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	
षड्वर्ग	15	16	13	18	12	17	11	15	11
सप्तवर्ग	14	16	14	16	12	17	11	13	11
दशवर्ग	13	16	14	13	13	17	12	12	10
षोडशवर्ग	13	16	13	14	13	17	12	13	10



ग्रहों का षड्बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	27.30	33.63	12.82	48.15	58.28	8.19	35.84
सप्तवर्गीय बल	120.00	120.00	120.00	138.75	97.50	142.50	75.00
ओज-युग्म बल	15.00	30.00	15.00	30.00	30.00	30.00	30.00
केन्द्रादिं बल	15.00	15.00	30.00	60.00	30.00	30.00	60.00
द्रेष्काण बल	0.00	15.00	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1. स्थान बल	177.30	213.63	192.82	276.90	215.78	210.69	200.84
2. दिग्बल	44.32	14.35	59.56	24.57	11.37	0.90	36.07
नतोन्त्र बल	45.26	14.74	14.74	60.00	45.26	45.26	14.74
पक्ष बल	58.67	1.33	58.67	58.67	1.33	1.33	58.67
त्रिभाग बल	0.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00	60.00
वर्ष बल	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मास बल	0.00	0.00	0.00	30.00	0.00	0.00	0.00
वार बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45.00	0.00
होरा बल	0.00	60.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
आयन बल	52.41	9.03	29.99	43.62	57.54	32.10	15.49
युद्ध बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. काल बल	171.34	85.10	103.40	192.29	164.12	123.69	148.90
4. चेष्टा बल	52.41	1.33	37.04	55.07	13.00	47.03	12.21
5. नैसर्गिक बल	60.00	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
6. द्वक बल	0.00	0.00	21.13	4.81	-0.50	17.10	3.84
कुल षड्बल	505.37	365.84	431.11	579.38	438.02	442.26	410.43
षड्बल (रूप में)	8.42	6.10	7.19	9.66	7.30	7.37	6.84
न्यूनतम वांछनीय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनीय का अंश	1.30	1.02	1.44	1.38	1.12	1.34	1.37
स्थान बल वांछित का अंश	1.07	1.61	2.01	1.68	1.31	1.58	2.09
दिग्बल वांछित का अंश	1.27	0.29	1.99	0.70	0.32	0.02	1.20
काल बल वांछित का अंश	1.53	0.85	1.54	1.72	1.47	1.24	2.22
चेष्टा बल वांछित का अंश	1.05	0.04	0.93	1.10	0.26	1.57	0.31
द्वक्बल वांछित का अंश	1.75	0.23	1.50	1.45	1.92	0.80	0.77
तुलनात्मक स्थिति	5	7	1	2	6	4	3
इष्ट फल	36.71	17.48	24.93	51.61	35.64	27.61	24.02
कष्ट फल	23.29	42.52	35.07	8.39	24.36	32.39	35.98

भावबल

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भावमध्य राशि	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सि	क	तु
भावमध्य अंश	25	25	25	25	25	25	25	25	25	25	25	25
भावाधिपति बल	431	438	410	410	438	431	442	579	365	505	579	442
भाव दिग्बल	0	20	50	30	50	20	30	10	39	60	40	50
भाव दृष्टि बल	-12	31	4	-4	-14	-33	-13	0	0	12	22	14
ग्रह	0	0	0	0	0	0	0	60	-60	0	-60	0
दिन-रात्रि	15	0	0	15	0	0	0	15	0	15	15	15
कुल भावबल	434	489	465	451	474	418	459	664	346	593	597	522



ग्रहों पर दृष्टि

दृष्टि देने वाले ग्रह

द्रष्ट ग्रह	अंश	सूर्य 108:06	चन्द्र 112:05	मंगल 156:27	बुध 129:26	गुरु 89:49	शुक्र 152:25	शनि 127:30	राहु 153:57	केतु 333:57
सूर्य	108:06	-	-	-	-	-	-	-	-	4/4 (45)
चन्द्र	112:05	-	-	-	-	-	-	-	-	4/4 (41)
मंगल	156:27	1/4 (9)	1/4 (7)	-	-	3/4 (21)	-	-	-	4/4 (58)
बुध	129:26	-	-	-	-	1/4 (4)	-	-	-	- (10)
गुरु	89:49	-	-	1/4 (3)	-	-	1/4 (1)	-	1/4 (2)	3/4 (57)
शुक्र	152:25	1/4 (7)	1/4 (5)	-	-	3/4 (17)	-	-	-	4/4 (56)
शनि	127:30	-	-	-	-	1/4 (3)	-	-	-	- (7)
राहु	153:57	1/4 (7)	1/4 (5)	-	-	3/4 (19)	-	-	-	4/4 (60)
केतु	333:57	1/2 (37)	1/2 (39)	4/4 (54)	3/4 (47)	1/4 (55)	4/4 (59)	3/4 (46)	4/4 (60)	-

श्रीपति भावों पर दृष्टि

दृष्टि देने वाले ग्रह

द्रष्ट भाव	अंश	सूर्य 108:06	चन्द्र 112:05	मंगल 156:27	बुध 129:26	गुरु 89:49	शुक्र 152:25	शनि 127:30	राहु 153:57	केतु 333:57
प्रथम	235:43	22	26	43	36	34	38	35	36	38
द्वितीय	268:51	21	13	37	10	58	31	8	57	2
तृतीय	301:59	53	55	4	45	46	-	48	31	-
चतुर्थ	335:08	36	38	57	47	54	58	46	59	-
पंचम	01:59	23	25	60	33	13	45	32	45	-
षष्ठ	28:51	9	11	37	20	-	31	51	57	12
सप्तम	55:43	-	-	20	6	-	18	23	38	36
अष्टम	88:51	-	-	3	-	-	1	-	2	57
नवम	121:59	-	-	-	-	1	-	-	-	31
दशम	155:08	8	6	-	-	20	-	-	-	59
एकादश	181:59	28	24	-	11	46	-	48	-	45
द्वादश	208:51	39	41	11	34	59	13	49	12	57



ग्रहों की अवस्थाएं

ग्रह	जाग्रदाद्य अवस्था (3 का समूह)	बालाद्य अवस्था (5 का समूह)	लज्जिताद्य अवस्था (6 का समूह)	दीप्ताद्य अवस्था (9 का समूह)	शयनाद्य अवस्था (12 का समूह)
सूर्य	स्वप्न (मध्यमफल)	कुमार (आधाफल)	तृष्णित मुदित	दीन (समक्षेत्र)	कौतुक (सानन्द ज्ञानी)
चन्द्र	जागृत (पूर्णफल)	कुमार (आधाफल)	तृष्णित क्षोभित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	कौतुक (पुण्य धनवान)
मंगल	सुषुप्ति (शून्यफल)	वृद्ध (अत्यलपफल)	मुदित	दीन (समक्षेत्र)	गमन (भ्रमणशील/खुजली)
बुध	स्वप्न (मध्यमफल)	कुमार (आधाफल)	क्षुधित	मुदित (अधिमित्र)	गमन (विवित्र भवन वाला)
गुरु	सुषुप्ति (शून्यफल)	मृत (शून्यफल)		दीन (समक्षेत्र)	आगम (अनेकप्रकार वाहन)
शुक्र	सुषुप्ति (शून्यफल)	मृत (शून्यफल)		खल (पापराशि)	गमन (मानसिक कष्ट)
शनि	सुषुप्ति (शून्यफल)	कुमार (आधाफल)		दीन (समक्षेत्र)	कौतुक (भूमि व सम्पत्तियुक्त)
राहु	जागृत (पूर्णफल)	मृत (शून्यफल)	मुदित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	गमन (अनेक सन्तान)
केतु	जागृत (पूर्णफल)	मृत (शून्यफल)	लज्जित मुदित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	गमन (महाधनी गुणी दानी)

टिप्पणी - जाग्रदाद्य व बालाद्य अवस्थाओं में कोष्ठक में ग्रहों के फल की मात्रा व शयनाद्य अवस्था में ग्रहों की अवस्थाओं का फल दिया गया है।

नीचभंग योग

शुक्र के नीचभंग योग :-

- शुक्र का डिस्पोजिटर केन्द्र में है।

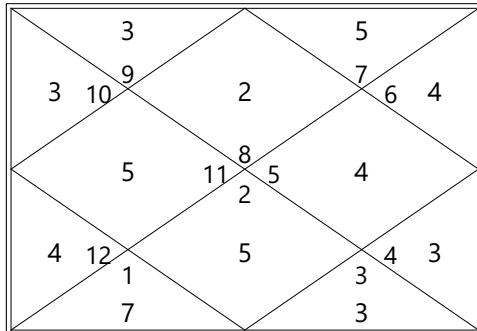


अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

सूर्य

सूर्य राशि	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	
शनि	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
गुरु	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	4
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
बुध	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
लग्न	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	6
योग	3	4	4	5	2	3	3	5	4	7	5	3	48

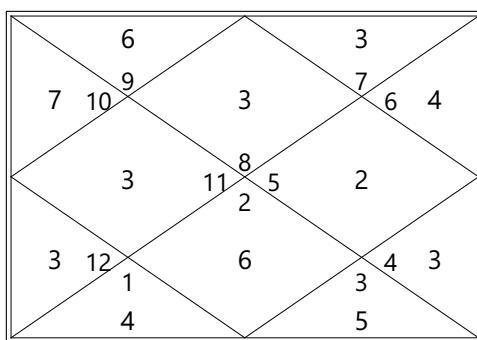
सूर्य



चन्द्र

चन्द्र राशि	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	
शनि	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	4
गुरु	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	7
मंगल	1	0	0	1	1	0	1	1	0	0	0	1	7
सूर्य	0	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	6
शुक्र	1	0	0	0	1	1	1	0	1	0	0	1	7
बुध	0	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	8
चन्द्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
लग्न	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
योग	3	2	4	3	3	6	7	3	3	4	6	5	49

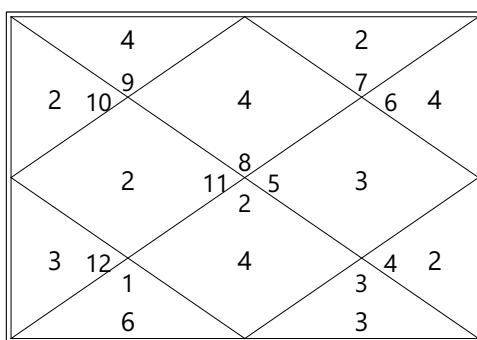
चन्द्र



मंगल

मंगल राशि	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	
शनि	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	7
गुरु	0	0	1	0	0	0	1	1	1	1	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	5
शुक्र	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	1	1	4
बुध	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	4
चन्द्र	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	3
लग्न	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	5
योग	4	2	4	4	2	2	3	6	4	3	2	3	39

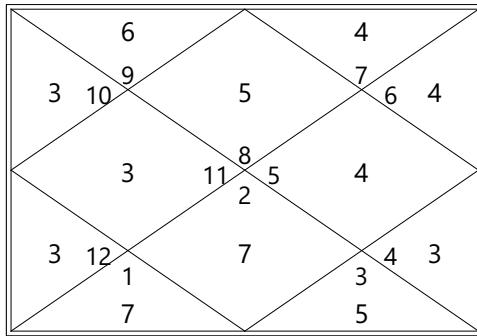
मंगल



बुध

बुध राशि	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	
शनि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
गुरु	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	1	0	4
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
सूर्य	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	5
शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चन्द्र	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	1	0	6
लग्न	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	7
योग	4	4	4	5	6	3	3	7	7	5	3	3	54

बुध



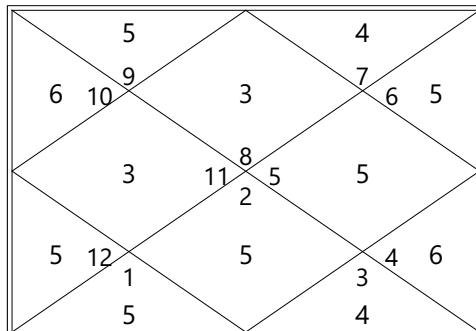


अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

गुरु

गुरु राशि	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	
शनि	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	7
सूर्य	0	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	9
शुक्र	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	6
बुध	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	1	8
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	5
लग्न	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	9
योग	4	6	5	5	4	3	5	6	3	5	5	5	56

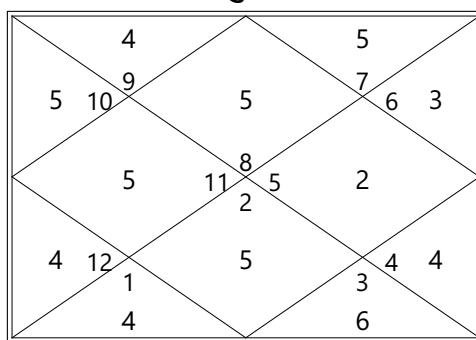
गुरु



शुक्र

शुक्र राशि	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	
शनि	0	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	0	7
गुरु	0	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	0	5
मंगल	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	6
सूर्य	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	9
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	1	0	0	0	5
चन्द्र	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	9
लग्न	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	0	0	8
योग	3	5	5	4	5	5	4	4	5	6	4	2	52

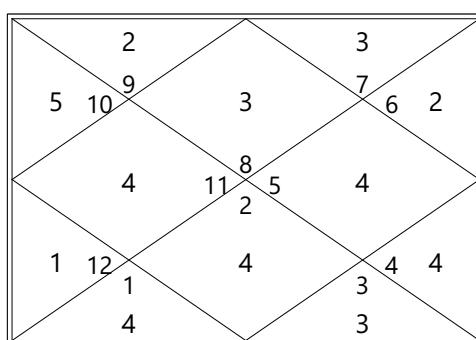
शुक्र



शनि

शनि राशि	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	0	0	4
गुरु	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	4
मंगल	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	6
सूर्य	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	7
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	3
बुध	0	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	1	6
चन्द्र	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	3
लग्न	1	1	0	1	0	1	1	0	0	0	0	0	6
योग	4	2	3	3	2	5	4	1	4	4	3	4	39

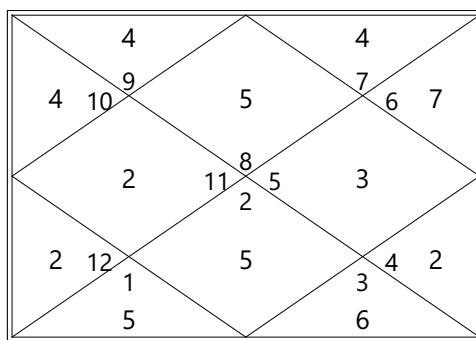
शनि



लग्न

लग्न राशि	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	
शनि	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	6
गुरु	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	9
मंगल	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	1	5
सूर्य	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	6
शुक्र	1	1	1	0	0	1	1	0	0	0	1	1	7
बुध	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	7
चन्द्र	0	1	0	0	1	1	1	0	0	0	1	0	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
योग	5	4	4	2	2	5	5	6	2	3	7	4	49

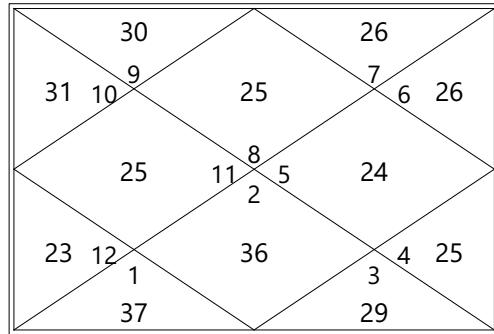
लग्न



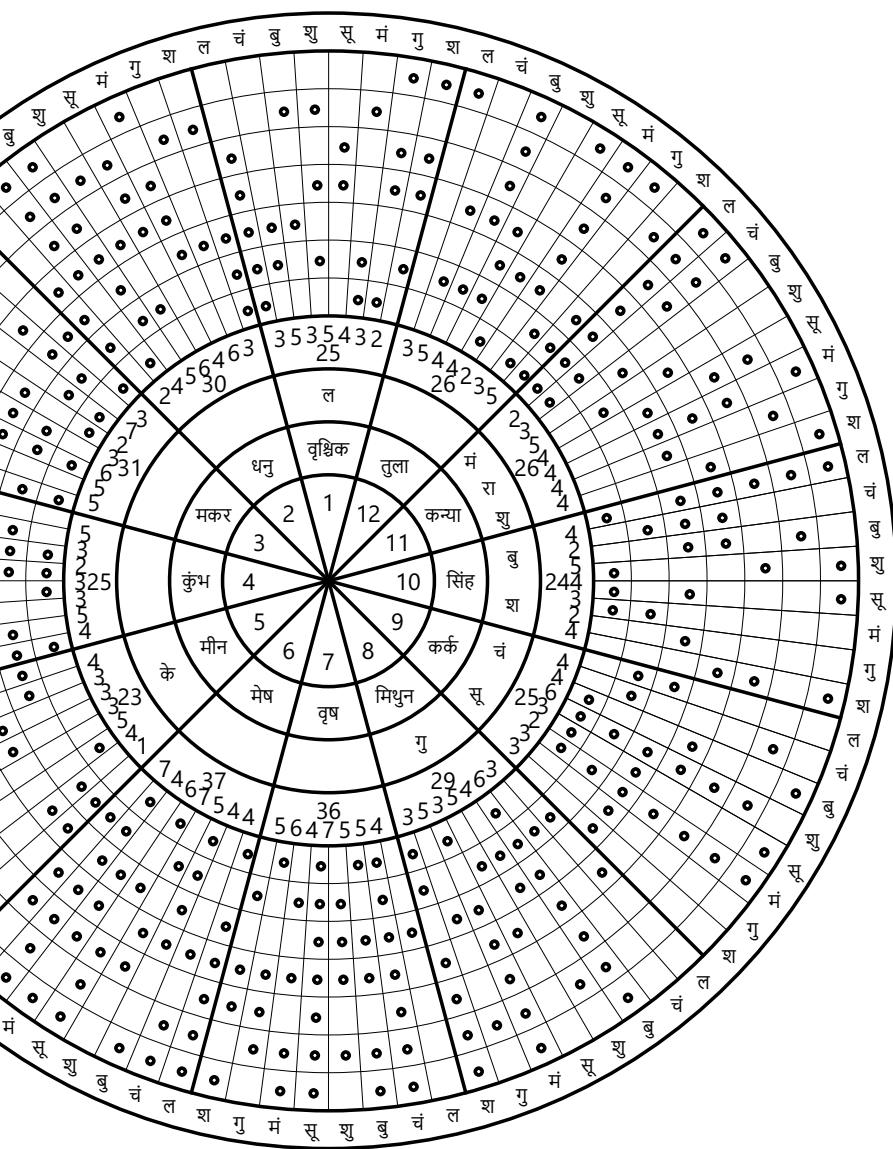


सर्वाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
लग्न	5	5	6	2	3	7	4	5	4	4	2	2	49
सूर्य	7	5	3	3	4	4	5	2	3	3	5	4	48
चंद्र	4	6	5	3	2	4	3	3	6	7	3	3	49
मंगल	6	4	3	2	3	4	2	4	4	2	2	3	39
बुध	7	7	5	3	4	4	4	5	6	3	3	3	54
गुरु	5	5	4	6	5	5	4	3	5	6	3	5	56
शुक्र	4	5	6	4	2	3	5	5	4	5	5	4	52
शनि	4	4	3	4	4	2	3	3	2	5	4	1	39
	37	36	29	25	24	26	26	25	30	31	25	23	337



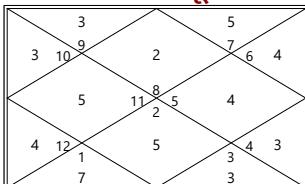
सर्वचन्चा चक्र



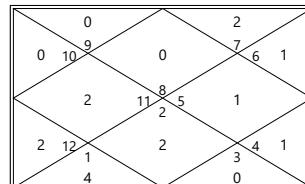


शोधन से पूर्व

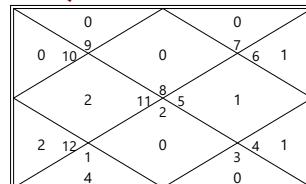
सूर्य	
राशि पिण्ड	94
ग्रह पिण्ड	35
शुद्ध पिण्ड	129



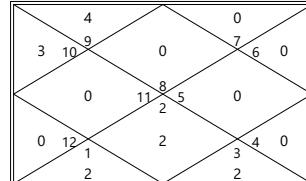
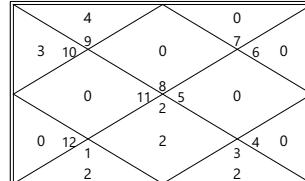
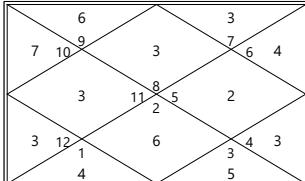
त्रिकोण शोधन



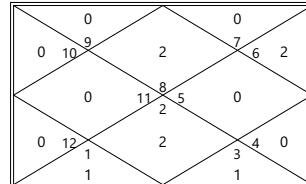
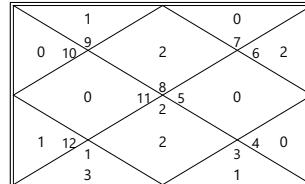
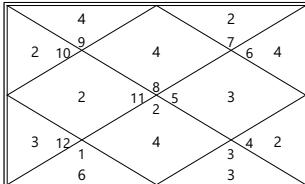
एकाधिपत्य शोधन



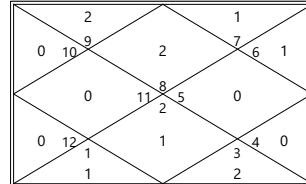
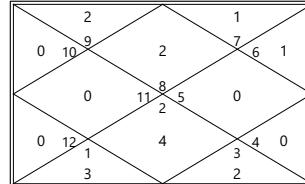
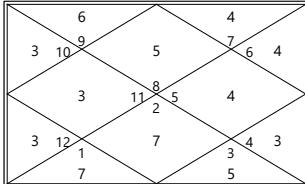
चन्द्र	
राशि पिण्ड	101
ग्रह पिण्ड	20
शुद्ध पिण्ड	121



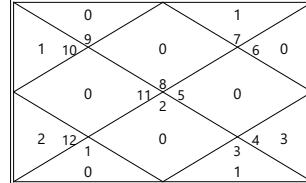
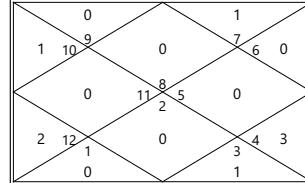
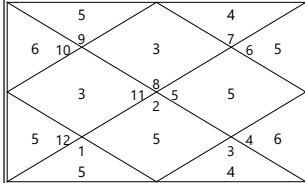
मंगल	
राशि पिण्ड	63
ग्रह पिण्ड	40
शुद्ध पिण्ड	103



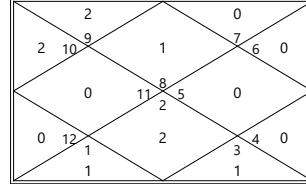
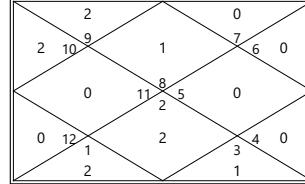
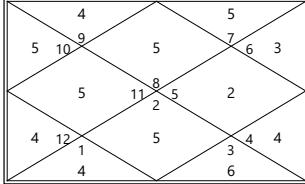
बुध	
राशि पिण्ड	80
ग्रह पिण्ड	35
शुद्ध पिण्ड	115



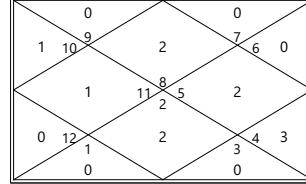
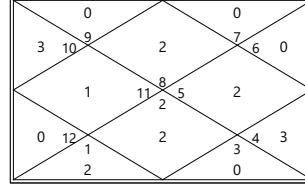
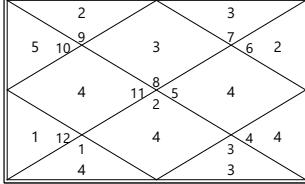
गुरु	
राशि पिण्ड	56
ग्रह पिण्ड	40
शुद्ध पिण्ड	96



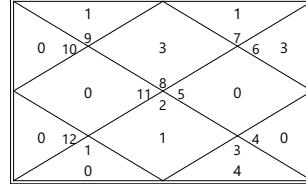
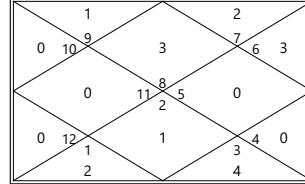
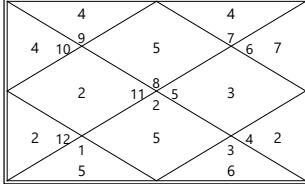
शुक्र	
राशि पिण्ड	71
ग्रह पिण्ड	10
शुद्ध पिण्ड	81



शनि	
राशि पिण्ड	84
ग्रह पिण्ड	50
शुद्ध पिण्ड	134



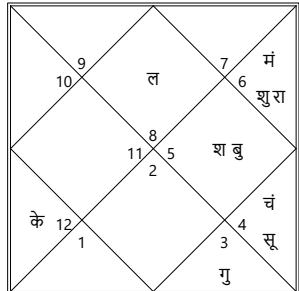
लग्न	
राशि पिण्ड	100
ग्रह पिण्ड	85
शुद्ध पिण्ड	185



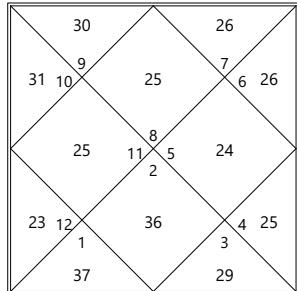


वर्ग कुण्डलिया-अष्टकवर्ग

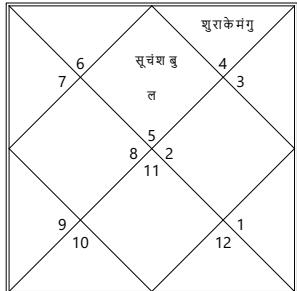
जन्म कुण्डली



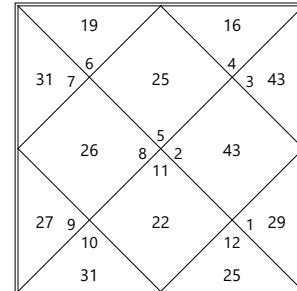
समुदाय अष्टकवर्ग



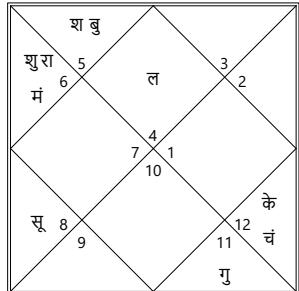
होरा (धन-सम्पत्ति)



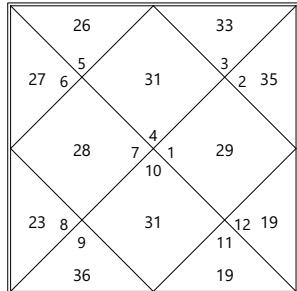
समुदाय अष्टकवर्ग



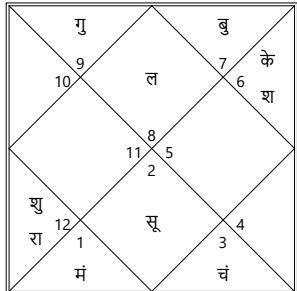
द्रेष्काण (भाई-बहन)



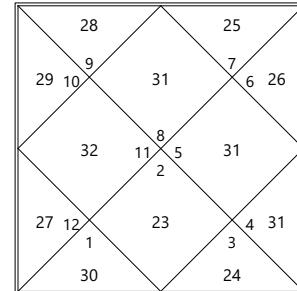
समुदाय अष्टकवर्ग



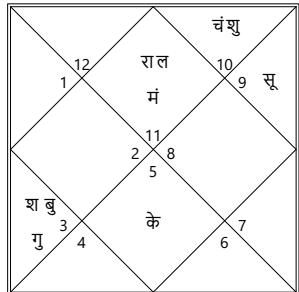
सप्तांश (संतान)



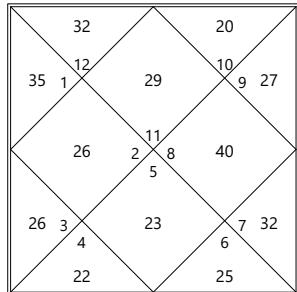
समुदाय अष्टकवर्ग



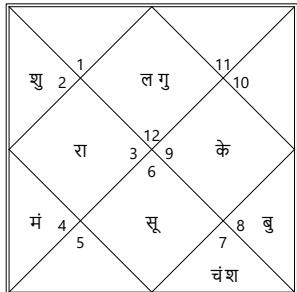
नवांश (जीवनसाथी)



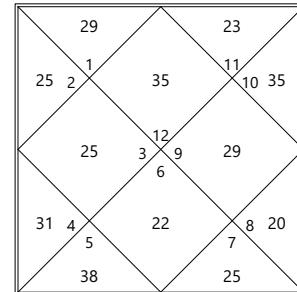
समुदाय अष्टकवर्ग



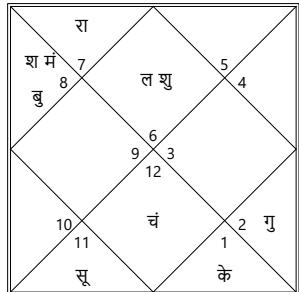
दशांश (कर्मफल)



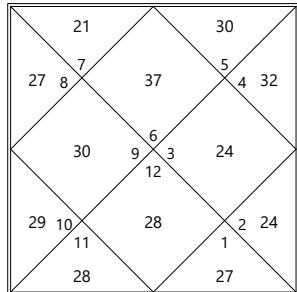
समुदाय अष्टकवर्ग



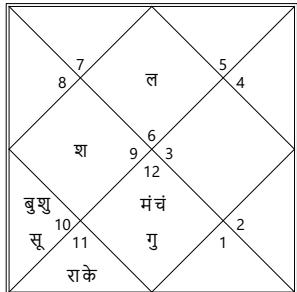
द्वादशांश (माता-पिता)



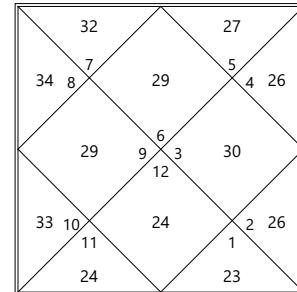
समुदाय अष्टकवर्ग



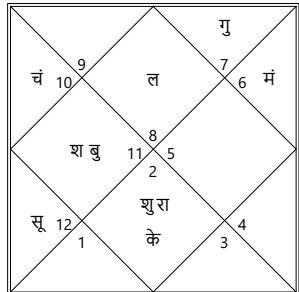
षोडशांश (वाहन)



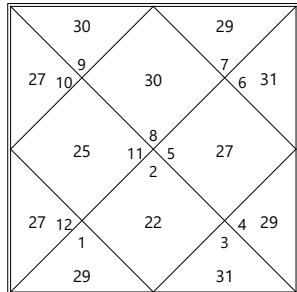
समुदाय अष्टकवर्ग



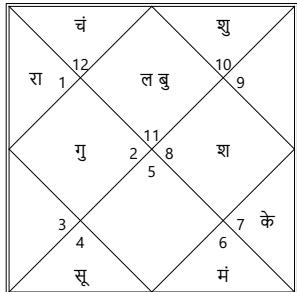
विशेषांश (अरिष्ट)



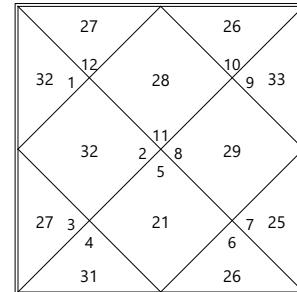
समुदाय अष्टकवर्ग



षष्ठ्यांश (सभी क्षेत्र)



समुदाय अष्टकवर्ग





ग्रहों का शारीरिक संरचना पर प्रभाव

सूक्ष्म पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग
सूर्य	हृदय का बायाँ भाग
चन्द्र	बायाँ ठेहुना
मंगल	बायाँ कान
बुध	बायाँ नासिका
गुरु	बाये घुटने का अधोभाग
शुक्र	बायाँ कान
शनि	बायाँ नासिका
राहु	बायाँ कान
केतु	दायाँ कपोल

स्थूल पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग	शरीर का अंग
सूर्य	हृदय	जाँघ
चन्द्र	हृदय	जाँघ
मंगल	कमर	पिंडलियाँ
बुध	पेट तथा कुक्षि	घुटने
गुरु	बाहु	लिंग
शुक्र	कमर	पिंडलियाँ
शनि	पेट तथा कुक्षि	घुटने
राहु	कमर	पिंडलियाँ
केतु	पैर	पेट तथा कुक्षि

नक्षत्र पद्धति

ग्रह	नक्षत्र	प्रथम मत	द्वितीय मत
सूर्य	आश्लेषा	नाखून	कान
चन्द्र	आश्लेषा	नाखून	कान
मंगल	उत्तराफाल्युनी	लिंग	बायाँ हाथ
बुध	मघा	नाक	होठ व ठोड़ी
गुरु	पुनर्वसु	अंगुलियाँ	नाक
शुक्र	उत्तराफाल्युनी	लिंग	बायाँ हाथ
शनि	मघा	नाक	होठ व ठोड़ी
राहु	उत्तराफाल्युनी	लिंग	बायाँ हाथ
केतु	उत्तराभाद्रपद	बाह्य अंग	टाँगें



विंशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध 10वर्ष-0मास-27दिन
जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

बुध (17व)

0 वर्ष से 10व0म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	04-08-1978 - 01-10-1978	
चन्द्र	01-10-1978 - 01-03-1980	
मंगल	01-03-1980 - 27-02-1981	
राहु	27-02-1981 - 16-09-1983	
गुरु	16-09-1983 - 22-12-1985	
शनि	22-12-1985 - 31-08-1988	

सूर्य (6व)

37व0म से 43व0म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	01-09-2015	19-12-2015
चन्द्र	19-12-2015 - 19-06-2016	
मंगल	19-06-2016 - 25-10-2016	
राहु	25-10-2016 - 18-09-2017	
गुरु	18-09-2017 - 07-07-2018	
शनि	07-07-2018 - 19-06-2019	
बुध	19-06-2019 - 25-04-2020	
केतु	25-04-2020 - 31-08-2020	
शुक्र	31-08-2020 - 31-08-2021	

राहु (18व)

60व0म से 78व0म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	31-08-2038 - 13-05-2041	
गुरु	13-05-2041 - 07-10-2043	
शनि	07-10-2043 - 13-08-2046	
बुध	13-08-2046 - 01-03-2049	
केतु	01-03-2049 - 20-03-2050	
शुक्र	20-03-2050 - 19-03-2053	
सूर्य	19-03-2053 - 11-02-2054	
चन्द्र	11-02-2054 - 13-08-2055	
मंगल	13-08-2055 - 30-08-2056	

केतु (7व)

10व0म से 17व0म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	31-08-1988 - 27-01-1989	
शुक्र	27-01-1989 - 29-03-1990	
सूर्य	29-03-1990 - 04-08-1990	
चन्द्र	04-08-1990 - 05-03-1991	
मंगल	05-03-1991 - 01-08-1991	
राहु	01-08-1991 - 19-08-1992	
गुरु	19-08-1992 - 26-07-1993	
शनि	26-07-1993 - 03-09-1994	
बुध	03-09-1994 - 01-09-1995	

शुक्र (20व)

17व0म से 37व0म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	01-09-1995 - 31-12-1998	
सूर्य	31-12-1998 - 31-12-1999	
चन्द्र	31-12-1999 - 31-08-2001	
मंगल	31-08-2001 - 31-10-2002	
राहु	31-10-2002 - 31-10-2005	
गुरु	31-10-2005 - 01-07-2008	
शनि	01-07-2008 - 01-09-2011	
बुध	01-09-2011 - 01-07-2014	
केतु	01-07-2014 - 01-09-2015	

चन्द्र (10व)

43व0म से 53व0म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	31-08-2021 - 01-07-2022	
मंगल	01-07-2022 - 30-01-2023	
राहु	30-01-2023 - 31-07-2024	
गुरु	31-07-2024 - 30-11-2025	
शनि	30-11-2025 - 02-07-2027	
बुध	02-07-2027 - 30-11-2028	
केतु	30-11-2028 - 01-07-2029	
शुक्र	01-07-2029 - 02-03-2031	
सूर्य	02-03-2031 - 31-08-2031	

मंगल (7व)

53व0म से 60व0म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	31-08-2031 - 28-01-2032	
राहु	28-01-2032 - 14-02-2033	
गुरु	14-02-2033 - 21-01-2034	
शनि	21-01-2034 - 02-03-2035	
बुध	02-03-2035 - 27-02-2036	
केतु	27-02-2036 - 25-07-2036	
शुक्र	25-07-2036 - 24-09-2037	
सूर्य	24-09-2037 - 30-01-2038	
चन्द्र	30-01-2038 - 31-08-2038	

गुरु (16व)

78व0म से 94व0म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	30-08-2056 - 19-10-2058	
शनि	19-10-2058 - 01-05-2061	
बुध	01-05-2061 - 07-08-2063	
केतु	07-08-2063 - 13-07-2064	
शुक्र	13-07-2064 - 14-03-2067	
सूर्य	14-03-2067 - 31-12-2067	
चन्द्र	31-12-2067 - 01-05-2069	
मंगल	01-05-2069 - 07-04-2070	
राहु	07-04-2070 - 30-08-2072	

शनि (19व)

94व0म से 113व0म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	30-08-2072 - 03-09-2075	
बुध	03-09-2075 - 13-05-2078	
केतु	13-05-2078 - 22-06-2079	
शुक्र	22-06-2079 - 22-08-2082	
सूर्य	22-08-2082 - 04-08-2083	
चन्द्र	04-08-2083 - 04-03-2085	
मंगल	04-03-2085 - 13-04-2086	
राहु	13-04-2086 - 17-02-2089	
गुरु	17-02-2089 - 31-08-2091	



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

बुध महादशा : 04-08-1978 से 31-08-1988

आयु : ०व ०म से १०व ०म

बुध-बुध

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	

बुध-केतु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	

बुध-शुक्र

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	

बुध-सूर्य

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	04-08-1978 - 10-08-1978	
शुक्र	10-08-1978 - 01-10-1978	

बुध-चन्द्र

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	01-10-1978 - 13-11-1978	
मंगल	13-11-1978 - 13-12-1978	
राहु	13-12-1978 - 01-03-1979	
गुरु	01-03-1979 - 09-05-1979	
शनि	09-05-1979 - 30-07-1979	
बुध	30-07-1979 - 11-10-1979	
केतु	11-10-1979 - 10-11-1979	
शुक्र	10-11-1979 - 05-02-1980	
सूर्य	05-02-1980 - 01-03-1980	

बुध-मंगल

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	01-03-1980 - 23-03-1980	
राहु	23-03-1980 - 16-05-1980	
गुरु	16-05-1980 - 03-07-1980	
शनि	03-07-1980 - 30-08-1980	
बुध	30-08-1980 - 20-10-1980	
केतु	20-10-1980 - 10-11-1980	
शुक्र	10-11-1980 - 09-01-1981	
सूर्य	09-01-1981 - 27-01-1981	
चन्द्र	27-01-1981 - 27-02-1981	

बुध-राहु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	27-02-1981 - 16-07-1981	
गुरु	16-07-1981 - 18-11-1981	
शनि	18-11-1981 - 14-04-1982	
बुध	14-04-1982 - 24-08-1982	
केतु	24-08-1982 - 17-10-1982	
शुक्र	17-10-1982 - 21-03-1983	
सूर्य	21-03-1983 - 07-05-1983	
चन्द्र	07-05-1983 - 24-07-1983	
मंगल	24-07-1983 - 16-09-1983	

बुध-गुरु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	16-09-1983 - 04-01-1984	
शनि	04-01-1984 - 14-05-1984	
बुध	14-05-1984 - 09-09-1984	
केतु	09-09-1984 - 27-10-1984	
शुक्र	27-10-1984 - 14-03-1985	
सूर्य	14-03-1985 - 24-04-1985	
चन्द्र	24-04-1985 - 02-07-1985	
मंगल	02-07-1985 - 20-08-1985	
राहु	20-08-1985 - 22-12-1985	

बुध-शनि

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	22-12-1985 - 27-05-1986	
बुध	27-05-1986 - 13-10-1986	
केतु	13-10-1986 - 09-12-1986	
शुक्र	09-12-1986 - 22-05-1987	
सूर्य	22-05-1987 - 10-07-1987	
चन्द्र	10-07-1987 - 30-09-1987	
मंगल	30-09-1987 - 26-11-1987	
राहु	26-11-1987 - 22-04-1988	
गुरु	22-04-1988 - 31-08-1988	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

केतु महादशा : 31-08-1988 से 01-09-1995

आयु : 10व 0म से 17व 0म

केतु-केतु

10व0म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	31-08-1988	- 09-09-1988
शुक्र	09-09-1988	- 04-10-1988
सूर्य	04-10-1988	- 11-10-1988
चन्द्र	11-10-1988	- 23-10-1988
मंगल	23-10-1988	- 01-11-1988
राहु	01-11-1988	- 24-11-1988
गुरु	24-11-1988	- 13-12-1988
शनि	13-12-1988	- 06-01-1989
बुध	06-01-1989	- 27-01-1989

केतु-शुक्र

10व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	27-01-1989	- 08-04-1989
सूर्य	08-04-1989	- 29-04-1989
चन्द्र	29-04-1989	- 04-06-1989
मंगल	04-06-1989	- 29-06-1989
राहु	29-06-1989	- 01-09-1989
गुरु	01-09-1989	- 28-10-1989
शनि	28-10-1989	- 03-01-1990
बुध	03-01-1990	- 04-03-1990
केतु	04-03-1990	- 29-03-1990

केतु-सूर्य

11व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	29-03-1990	- 05-04-1990
चन्द्र	05-04-1990	- 15-04-1990
मंगल	15-04-1990	- 23-04-1990
राहु	23-04-1990	- 12-05-1990
गुरु	12-05-1990	- 29-05-1990
शनि	29-05-1990	- 18-06-1990
बुध	18-06-1990	- 06-07-1990
केतु	06-07-1990	- 14-07-1990
शुक्र	14-07-1990	- 04-08-1990

केतु-चन्द्र

12व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	04-08-1990	- 22-08-1990
मंगल	22-08-1990	- 03-09-1990
राहु	03-09-1990	- 05-10-1990
गुरु	05-10-1990	- 03-11-1990
शनि	03-11-1990	- 06-12-1990
बुध	06-12-1990	- 06-01-1991
केतु	06-01-1991	- 18-01-1991
शुक्र	18-01-1991	- 22-02-1991
सूर्य	22-02-1991	- 05-03-1991

केतु-मंगल

12व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	05-03-1991	- 14-03-1991
राहु	14-03-1991	- 05-04-1991
गुरु	05-04-1991	- 25-04-1991
शनि	25-04-1991	- 19-05-1991
बुध	19-05-1991	- 09-06-1991
केतु	09-06-1991	- 18-06-1991
शुक्र	18-06-1991	- 12-07-1991
सूर्य	12-07-1991	- 20-07-1991
चन्द्र	20-07-1991	- 01-08-1991

केतु-राहु

12व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	01-08-1991	- 28-09-1991
गुरु	28-09-1991	- 18-11-1991
शनि	18-11-1991	- 18-01-1992
बुध	18-01-1992	- 12-03-1992
केतु	12-03-1992	- 03-04-1992
शुक्र	03-04-1992	- 06-06-1992
सूर्य	06-06-1992	- 25-06-1992
चन्द्र	25-06-1992	- 27-07-1992
मंगल	27-07-1992	- 19-08-1992

केतु-गुरु

14व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	19-08-1992	- 03-10-1992
शनि	03-10-1992	- 26-11-1992
बुध	26-11-1992	- 14-01-1993
केतु	14-01-1993	- 02-02-1993
शुक्र	02-02-1993	- 31-03-1993
सूर्य	31-03-1993	- 17-04-1993
चन्द्र	17-04-1993	- 16-05-1993
मंगल	16-05-1993	- 05-06-1993
राहु	05-06-1993	- 26-07-1993

केतु-शनि

14व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	26-07-1993	- 28-09-1993
बुध	28-09-1993	- 24-11-1993
केतु	24-11-1993	- 18-12-1993
शुक्र	18-12-1993	- 23-02-1994
सूर्य	23-02-1994	- 15-03-1994
चन्द्र	15-03-1994	- 18-04-1994
मंगल	18-04-1994	- 12-05-1994
राहु	12-05-1994	- 12-07-1994
गुरु	12-07-1994	- 03-09-1994

केतु-बुध

16व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	03-09-1994	- 25-10-1994
केतु	25-10-1994	- 15-11-1994
शुक्र	15-11-1994	- 14-01-1995
सूर्य	14-01-1995	- 01-02-1995
चन्द्र	01-02-1995	- 04-03-1995
मंगल	04-03-1995	- 25-03-1995
राहु	25-03-1995	- 18-05-1995
गुरु	18-05-1995	- 05-07-1995
शनि	05-07-1995	- 01-09-1995

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

शुक्र महादशा : 01-09-1995 से 01-09-2015

आयु : 17व ०म से 37व ०म

शुक्र-शुक्र

17व0म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	01-09-1995	- 22-03-1996
सूर्य	22-03-1996	- 21-05-1996
चन्द्र	21-05-1996	- 31-08-1996
मंगल	31-08-1996	- 10-11-1996
राहु	10-11-1996	- 12-05-1997
गुरु	12-05-1997	- 21-10-1997
शनि	21-10-1997	- 02-05-1998
बुध	02-05-1998	- 21-10-1998
केतु	21-10-1998	- 31-12-1998

शुक्र-सूर्य

20व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	31-12-1998	- 18-01-1999
चन्द्र	18-01-1999	- 18-02-1999
मंगल	18-02-1999	- 11-03-1999
राहु	11-03-1999	- 05-05-1999
गुरु	05-05-1999	- 23-06-1999
शनि	23-06-1999	- 19-08-1999
बुध	19-08-1999	- 10-10-1999
केतु	10-10-1999	- 01-11-1999
शुक्र	01-11-1999	- 31-12-1999

शुक्र-चन्द्र

21व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	31-12-1999	- 20-02-2000
मंगल	20-02-2000	- 27-03-2000
राहु	27-03-2000	- 26-06-2000
गुरु	26-06-2000	- 15-09-2000
शनि	15-09-2000	- 21-12-2000
बुध	21-12-2000	- 17-03-2001
केतु	17-03-2001	- 21-04-2001
शुक्र	21-04-2001	- 01-08-2001
सूर्य	01-08-2001	- 31-08-2001

शुक्र-मंगल

23व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	31-08-2001	- 25-09-2001
राहु	25-09-2001	- 28-11-2001
गुरु	28-11-2001	- 24-01-2002
शनि	24-01-2002	- 01-04-2002
बुध	01-04-2002	- 01-06-2002
केतु	01-06-2002	- 25-06-2002
शुक्र	25-06-2002	- 04-09-2002
सूर्य	04-09-2002	- 26-09-2002
चन्द्र	26-09-2002	- 31-10-2002

शुक्र-राहु

24व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	31-10-2002	- 14-04-2003
गुरु	14-04-2003	- 07-09-2003
शनि	07-09-2003	- 27-02-2004
बुध	27-02-2004	- 31-07-2004
केतु	31-07-2004	- 03-10-2004
शुक्र	03-10-2004	- 04-04-2005
सूर्य	04-04-2005	- 29-05-2005
चन्द्र	29-05-2005	- 28-08-2005
मंगल	28-08-2005	- 31-10-2005

शुक्र-गुरु

27व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	31-10-2005	- 10-03-2006
शनि	10-03-2006	- 11-08-2006
बुध	11-08-2006	- 27-12-2006
केतु	27-12-2006	- 22-02-2007
शुक्र	22-02-2007	- 03-08-2007
सूर्य	03-08-2007	- 21-09-2007
चन्द्र	21-09-2007	- 11-12-2007
मंगल	11-12-2007	- 06-02-2008
राहु	06-02-2008	- 01-07-2008

शुक्र-शनि

29व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	01-07-2008	- 31-12-2008
बुध	31-12-2008	- 13-06-2009
केतु	13-06-2009	- 19-08-2009
शुक्र	19-08-2009	- 28-02-2010
सूर्य	28-02-2010	- 27-04-2010
चन्द्र	27-04-2010	- 01-08-2010
मंगल	01-08-2010	- 08-10-2010
राहु	08-10-2010	- 30-03-2011
गुरु	30-03-2011	- 01-09-2011

शुक्र-बुध

33व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	01-09-2011	- 25-01-2012
केतु	25-01-2012	- 26-03-2012
शुक्र	26-03-2012	- 14-09-2012
सूर्य	14-09-2012	- 05-11-2012
चन्द्र	05-11-2012	- 30-01-2013
मंगल	30-01-2013	- 31-03-2013
राहु	31-03-2013	- 03-09-2013
गुरु	03-09-2013	- 19-01-2014
शनि	19-01-2014	- 01-07-2014

शुक्र-केतु

35व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	01-07-2014	- 26-07-2014
शुक्र	26-07-2014	- 05-10-2014
सूर्य	05-10-2014	- 27-10-2014
चन्द्र	27-10-2014	- 01-12-2014
मंगल	01-12-2014	- 26-12-2014
राहु	26-12-2014	- 28-02-2015
गुरु	28-02-2015	- 26-04-2015
शनि	26-04-2015	- 02-07-2015
बुध	02-07-2015	- 01-09-2015

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

सूर्य महादशा : 01-09-2015 से 31-08-2021

आयु : 37व 0म से 43व 0म

सूर्य-सूर्य

37व0म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	01-09-2015	- 06-09-2015
चन्द्र	06-09-2015	- 15-09-2015
मंगल	15-09-2015	- 22-09-2015
राहु	22-09-2015	- 08-10-2015
गुरु	08-10-2015	- 23-10-2015
शनि	23-10-2015	- 09-11-2015
बुध	09-11-2015	- 24-11-2015
केतु	24-11-2015	- 01-12-2015
शुक्र	01-12-2015	- 19-12-2015

सूर्य-चन्द्र

37व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	19-12-2015	- 03-01-2016
मंगल	03-01-2016	- 14-01-2016
राहु	14-01-2016	- 10-02-2016
गुरु	10-02-2016	- 06-03-2016
शनि	06-03-2016	- 04-04-2016
बुध	04-04-2016	- 30-04-2016
केतु	30-04-2016	- 10-05-2016
शुक्र	10-05-2016	- 10-06-2016
सूर्य	10-06-2016	- 19-06-2016

सूर्य-मंगल

37व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	19-06-2016	- 26-06-2016
राहु	26-06-2016	- 15-07-2016
गुरु	15-07-2016	- 01-08-2016
शनि	01-08-2016	- 22-08-2016
बुध	22-08-2016	- 09-09-2016
केतु	09-09-2016	- 16-09-2016
शुक्र	16-09-2016	- 08-10-2016
सूर्य	08-10-2016	- 14-10-2016
चन्द्र	14-10-2016	- 25-10-2016

सूर्य-राहु

38व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	25-10-2016	- 13-12-2016
गुरु	13-12-2016	- 26-01-2017
शनि	26-01-2017	- 19-03-2017
बुध	19-03-2017	- 04-05-2017
केतु	04-05-2017	- 23-05-2017
शुक्र	23-05-2017	- 17-07-2017
सूर्य	17-07-2017	- 03-08-2017
चन्द्र	03-08-2017	- 30-08-2017
मंगल	30-08-2017	- 18-09-2017

सूर्य-गुरु

39व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	18-09-2017	- 27-10-2017
शनि	27-10-2017	- 13-12-2017
बुध	13-12-2017	- 23-01-2018
केतु	23-01-2018	- 09-02-2018
शुक्र	09-02-2018	- 30-03-2018
सूर्य	30-03-2018	- 13-04-2018
चन्द्र	13-04-2018	- 08-05-2018
मंगल	08-05-2018	- 25-05-2018
राहु	25-05-2018	- 07-07-2018

सूर्य-शनि

39व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	07-07-2018	- 31-08-2018
बुध	31-08-2018	- 20-10-2018
केतु	20-10-2018	- 09-11-2018
शुक्र	09-11-2018	- 06-01-2019
सूर्य	06-01-2019	- 23-01-2019
चन्द्र	23-01-2019	- 21-02-2019
मंगल	21-02-2019	- 13-03-2019
राहु	13-03-2019	- 04-05-2019
गुरु	04-05-2019	- 19-06-2019

सूर्य-बुध

40व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	19-06-2019	- 02-08-2019
केतु	02-08-2019	- 21-08-2019
शुक्र	21-08-2019	- 11-10-2019
सूर्य	11-10-2019	- 27-10-2019
चन्द्र	27-10-2019	- 22-11-2019
मंगल	22-11-2019	- 10-12-2019
राहु	10-12-2019	- 25-01-2020
गुरु	25-01-2020	- 07-03-2020
शनि	07-03-2020	- 25-04-2020

सूर्य-केतु

41व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	25-04-2020	- 02-05-2020
शुक्र	02-05-2020	- 24-05-2020
सूर्य	24-05-2020	- 30-05-2020
चन्द्र	30-05-2020	- 10-06-2020
मंगल	10-06-2020	- 17-06-2020
राहु	17-06-2020	- 06-07-2020
गुरु	06-07-2020	- 23-07-2020
शनि	23-07-2020	- 13-08-2020
बुध	13-08-2020	- 31-08-2020

सूर्य-शुक्र

42व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	31-08-2020	- 31-10-2020
सूर्य	31-10-2020	- 18-11-2020
चन्द्र	18-11-2020	- 18-12-2020
मंगल	18-12-2020	- 09-01-2021
राहु	09-01-2021	- 04-03-2021
गुरु	04-03-2021	- 22-04-2021
शनि	22-04-2021	- 19-06-2021
बुध	19-06-2021	- 10-08-2021
केतु	10-08-2021	- 31-08-2021

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

चन्द्र महादशा : 31-08-2021 से 31-08-2031

आयु : 43व 0म से 53व 0म

चन्द्र-चन्द्र		43व0म*
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	31-08-2021 - 25-09-2021	
मंगल	25-09-2021 - 13-10-2021	
राहु	13-10-2021 - 28-11-2021	
गुरु	28-11-2021 - 07-01-2022	
शनि	07-01-2022 - 25-02-2022	
बुध	25-02-2022 - 09-04-2022	
केतु	09-04-2022 - 26-04-2022	
शुक्र	26-04-2022 - 16-06-2022	
सूर्य	16-06-2022 - 01-07-2022	

चन्द्र-मंगल		43व10म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	01-07-2022 - 14-07-2022	
राहु	14-07-2022 - 15-08-2022	
गुरु	15-08-2022 - 12-09-2022	
शनि	12-09-2022 - 16-10-2022	
बुध	16-10-2022 - 15-11-2022	
केतु	15-11-2022 - 28-11-2022	
शुक्र	28-11-2022 - 02-01-2023	
सूर्य	02-01-2023 - 13-01-2023	
चन्द्र	13-01-2023 - 30-01-2023	

चन्द्र-राहु		44व5म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	30-01-2023 - 23-04-2023	
गुरु	23-04-2023 - 05-07-2023	
शनि	05-07-2023 - 29-09-2023	
बुध	29-09-2023 - 16-12-2023	
केतु	16-12-2023 - 17-01-2024	
शुक्र	17-01-2024 - 17-04-2024	
सूर्य	17-04-2024 - 15-05-2024	
चन्द्र	15-05-2024 - 29-06-2024	
मंगल	29-06-2024 - 31-07-2024	

चन्द्र-गुरु		45व11म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	31-07-2024 - 04-10-2024	
शनि	04-10-2024 - 20-12-2024	
बुध	20-12-2024 - 27-02-2025	
केतु	27-02-2025 - 28-03-2025	
शुक्र	28-03-2025 - 17-06-2025	
सूर्य	17-06-2025 - 11-07-2025	
चन्द्र	11-07-2025 - 21-08-2025	
मंगल	21-08-2025 - 18-09-2025	
राहु	18-09-2025 - 30-11-2025	

चन्द्र-शनि		47व3म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	30-11-2025 - 02-03-2026	
बुध	02-03-2026 - 23-05-2026	
केतु	23-05-2026 - 25-06-2026	
शुक्र	25-06-2026 - 30-09-2026	
सूर्य	30-09-2026 - 29-10-2026	
चन्द्र	29-10-2026 - 16-12-2026	
मंगल	16-12-2026 - 19-01-2027	
राहु	19-01-2027 - 15-04-2027	
गुरु	15-04-2027 - 02-07-2027	

चन्द्र-बुध		48व10म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	02-07-2027 - 13-09-2027	
केतु	13-09-2027 - 13-10-2027	
शुक्र	13-10-2027 - 07-01-2028	
सूर्य	07-01-2028 - 02-02-2028	
चन्द्र	02-02-2028 - 16-03-2028	
मंगल	16-03-2028 - 15-04-2028	
राहु	15-04-2028 - 02-07-2028	
गुरु	02-07-2028 - 09-09-2028	
शनि	09-09-2028 - 30-11-2028	

चन्द्र-केतु		50व3म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	30-11-2028 - 12-12-2028	
शुक्र	12-12-2028 - 17-01-2029	
सूर्य	17-01-2029 - 28-01-2029	
चन्द्र	28-01-2029 - 14-02-2029	
मंगल	14-02-2029 - 27-02-2029	
राहु	27-02-2029 - 31-03-2029	
गुरु	31-03-2029 - 28-04-2029	
शनि	28-04-2029 - 01-06-2029	
बुध	01-06-2029 - 01-07-2029	

चन्द्र-शुक्र		50व10म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	01-07-2029 - 11-10-2029	
सूर्य	11-10-2029 - 10-11-2029	
चन्द्र	10-11-2029 - 31-12-2029	
मंगल	31-12-2029 - 04-02-2030	
राहु	04-02-2030 - 07-05-2030	
गुरु	07-05-2030 - 27-07-2030	
शनि	27-07-2030 - 31-10-2030	
बुध	31-10-2030 - 25-01-2031	
केतु	25-01-2031 - 02-03-2031	

चन्द्र-सूर्य		52व6म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	02-03-2031 - 11-03-2031	
चन्द्र	11-03-2031 - 26-03-2031	
मंगल	26-03-2031 - 06-04-2031	
राहु	06-04-2031 - 03-05-2031	
गुरु	03-05-2031 - 28-05-2031	
शनि	28-05-2031 - 25-06-2031	
बुध	25-06-2031 - 21-07-2031	
केतु	21-07-2031 - 01-08-2031	
शुक्र	01-08-2031 - 31-08-2031	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

मंगल महादशा : 31-08-2031 से 31-08-2038

आयु : 53व 0म से 60व 0म

मंगल-मंगल

53व0म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	31-08-2031	- 09-09-2031
राहु	09-09-2031	- 01-10-2031
गुरु	01-10-2031	- 21-10-2031
शनि	21-10-2031	- 14-11-2031
बुध	14-11-2031	- 05-12-2031
केतु	05-12-2031	- 14-12-2031
शुक्र	14-12-2031	- 08-01-2032
सूर्य	08-01-2032	- 15-01-2032
चन्द्र	15-01-2032	- 28-01-2032

मंगल-राहु

53व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	28-01-2032	- 25-03-2032
गुरु	25-03-2032	- 15-05-2032
शनि	15-05-2032	- 15-07-2032
बुध	15-07-2032	- 07-09-2032
केतु	07-09-2032	- 30-09-2032
शुक्र	30-09-2032	- 03-12-2032
सूर्य	03-12-2032	- 22-12-2032
चन्द्र	22-12-2032	- 23-01-2033
मंगल	23-01-2033	- 14-02-2033

मंगल-गुरु

54व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	14-02-2033	- 01-04-2033
शनि	01-04-2033	- 24-05-2033
बुध	24-05-2033	- 12-07-2033
केतु	12-07-2033	- 01-08-2033
शुक्र	01-08-2033	- 26-09-2033
सूर्य	26-09-2033	- 14-10-2033
चन्द्र	14-10-2033	- 11-11-2033
मंगल	11-11-2033	- 01-12-2033
राहु	01-12-2033	- 21-01-2034

मंगल-शनि

55व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	21-01-2034	- 26-03-2034
बुध	26-03-2034	- 22-05-2034
केतु	22-05-2034	- 15-06-2034
शुक्र	15-06-2034	- 21-08-2034
सूर्य	21-08-2034	- 11-09-2034
चन्द्र	11-09-2034	- 14-10-2034
मंगल	14-10-2034	- 07-11-2034
राहु	07-11-2034	- 07-01-2035
गुरु	07-01-2035	- 02-03-2035

मंगल-बुध

56व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	02-03-2035	- 22-04-2035
केतु	22-04-2035	- 13-05-2035
शुक्र	13-05-2035	- 13-07-2035
सूर्य	13-07-2035	- 31-07-2035
चन्द्र	31-07-2035	- 30-08-2035
मंगल	30-08-2035	- 20-09-2035
राहु	20-09-2035	- 13-11-2035
गुरु	13-11-2035	- 01-01-2036
शनि	01-01-2036	- 27-02-2036

मंगल-केतु

57व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	27-02-2036	- 07-03-2036
शुक्र	07-03-2036	- 01-04-2036
सूर्य	01-04-2036	- 08-04-2036
चन्द्र	08-04-2036	- 20-04-2036
मंगल	20-04-2036	- 29-04-2036
राहु	29-04-2036	- 21-05-2036
गुरु	21-05-2036	- 10-06-2036
शनि	10-06-2036	- 04-07-2036
बुध	04-07-2036	- 25-07-2036

मंगल-शुक्र

57व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	25-07-2036	- 04-10-2036
सूर्य	04-10-2036	- 25-10-2036
चन्द्र	25-10-2036	- 30-11-2036
मंगल	30-11-2036	- 25-12-2036
राहु	25-12-2036	- 27-02-2037
गुरु	27-02-2037	- 25-04-2037
शनि	25-04-2037	- 01-07-2037
बुध	01-07-2037	- 30-08-2037
केतु	30-08-2037	- 24-09-2037

मंगल-सूर्य

59व1म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	24-09-2037	- 01-10-2037
चन्द्र	01-10-2037	- 11-10-2037
मंगल	11-10-2037	- 19-10-2037
राहु	19-10-2037	- 07-11-2037
गुरु	07-11-2037	- 24-11-2037
शनि	24-11-2037	- 14-12-2037
बुध	14-12-2037	- 01-01-2038
केतु	01-01-2038	- 09-01-2038
शुक्र	09-01-2038	- 30-01-2038

मंगल-चन्द्र

59व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	30-01-2038	- 17-02-2038
मंगल	17-02-2038	- 01-03-2038
राहु	01-03-2038	- 02-04-2038
गुरु	02-04-2038	- 01-05-2038
शनि	01-05-2038	- 03-06-2038
बुध	03-06-2038	- 04-07-2038
केतु	04-07-2038	- 16-07-2038
शुक्र	16-07-2038	- 20-08-2038
सूर्य	20-08-2038	- 31-08-2038

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

राहु महादशा : 31-08-2038 से 30-08-2056

आयु : 60व 0म से 78व 0म

राहु-राहु

60व0म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	31-08-2038	- 26-01-2039
गुरु	26-01-2039	- 07-06-2039
शनि	07-06-2039	- 10-11-2039
बुध	10-11-2039	- 28-03-2040
केतु	28-03-2040	- 25-05-2040
शुक्र	25-05-2040	- 05-11-2040
सूर्य	05-11-2040	- 25-12-2040
चन्द्र	25-12-2040	- 17-03-2041
मंगल	17-03-2041	- 13-05-2041

राहु-गुरु

62व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	13-05-2041	- 07-09-2041
शनि	07-09-2041	- 24-01-2042
बुध	24-01-2042	- 28-05-2042
केतु	28-05-2042	- 18-07-2042
शुक्र	18-07-2042	- 11-12-2042
सूर्य	11-12-2042	- 24-01-2043
चन्द्र	24-01-2043	- 07-04-2043
मंगल	07-04-2043	- 28-05-2043
राहु	28-05-2043	- 07-10-2043

राहु-शनि

65व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	07-10-2043	- 20-03-2044
बुध	20-03-2044	- 14-08-2044
केतु	14-08-2044	- 14-10-2044
शुक्र	14-10-2044	- 05-04-2045
सूर्य	05-04-2045	- 27-05-2045
चन्द्र	27-05-2045	- 22-08-2045
मंगल	22-08-2045	- 22-10-2045
राहु	22-10-2045	- 27-03-2046
गुरु	27-03-2046	- 13-08-2046

राहु-बुध

68व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	13-08-2046	- 23-12-2046
केतु	23-12-2046	- 15-02-2047
शुक्र	15-02-2047	- 20-07-2047
सूर्य	20-07-2047	- 05-09-2047
चन्द्र	05-09-2047	- 21-11-2047
मंगल	21-11-2047	- 15-01-2048
राहु	15-01-2048	- 03-06-2048
गुरु	03-06-2048	- 05-10-2048
शनि	05-10-2048	- 01-03-2049

राहु-केतु

70व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	01-03-2049	- 24-03-2049
शुक्र	24-03-2049	- 26-05-2049
सूर्य	26-05-2049	- 15-06-2049
चन्द्र	15-06-2049	- 17-07-2049
मंगल	17-07-2049	- 08-08-2049
राहु	08-08-2049	- 04-10-2049
गुरु	04-10-2049	- 25-11-2049
शनि	25-11-2049	- 24-01-2050
बुध	24-01-2050	- 20-03-2050

राहु-शुक्र

71व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	20-03-2050	- 18-09-2050
सूर्य	18-09-2050	- 12-11-2050
चन्द्र	12-11-2050	- 11-02-2051
मंगल	11-02-2051	- 16-04-2051
राहु	16-04-2051	- 28-09-2051
गुरु	28-09-2051	- 21-02-2052
शनि	21-02-2052	- 12-08-2052
बुध	12-08-2052	- 14-01-2053
केतु	14-01-2053	- 19-03-2053

राहु-सूर्य

74व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	19-03-2053	- 05-04-2053
चन्द्र	05-04-2053	- 02-05-2053
मंगल	02-05-2053	- 21-05-2053
राहु	21-05-2053	- 10-07-2053
गुरु	10-07-2053	- 23-08-2053
शनि	23-08-2053	- 14-10-2053
बुध	14-10-2053	- 29-11-2053
केतु	29-11-2053	- 18-12-2053
शुक्र	18-12-2053	- 11-02-2054

राहु-चन्द्र

75व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	11-02-2054	- 29-03-2054
मंगल	29-03-2054	- 30-04-2054
राहु	30-04-2054	- 21-07-2054
गुरु	21-07-2054	- 02-10-2054
शनि	02-10-2054	- 28-12-2054
बुध	28-12-2054	- 15-03-2055
केतु	15-03-2055	- 16-04-2055
शुक्र	16-04-2055	- 17-07-2055
सूर्य	17-07-2055	- 13-08-2055

राहु-मंगल

77व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	13-08-2055	- 04-09-2055
राहु	04-09-2055	- 01-11-2055
गुरु	01-11-2055	- 22-12-2055
शनि	22-12-2055	- 21-02-2056
बुध	21-02-2056	- 15-04-2056
केतु	15-04-2056	- 07-05-2056
शुक्र	07-05-2056	- 10-07-2056
उत्तर	10-07-2056	- 30-07-2056
चन्द्र	30-07-2056	- 30-08-2056

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

गुरु महादशा : 30-08-2056 से 30-08-2072

आयु : 78व 0म से 94व 0म

गुरु-गुरु

78व0म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	30-08-2056	- 12-12-2056
शनि	12-12-2056	- 15-04-2057
बुध	15-04-2057	- 03-08-2057
केतु	03-08-2057	- 18-09-2057
शुक्र	18-09-2057	- 25-01-2058
सूर्य	25-01-2058	- 05-03-2058
चन्द्र	05-03-2058	- 09-05-2058
मंगल	09-05-2058	- 24-06-2058
राहु	24-06-2058	- 19-10-2058

गुरु-शनि

80व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	19-10-2058	- 14-03-2059
बुध	14-03-2059	- 23-07-2059
केतु	23-07-2059	- 15-09-2059
शुक्र	15-09-2059	- 16-02-2060
सूर्य	16-02-2060	- 03-04-2060
चन्द्र	03-04-2060	- 19-06-2060
मंगल	19-06-2060	- 12-08-2060
राहु	12-08-2060	- 29-12-2060
गुरु	29-12-2060	- 01-05-2061

गुरु-बुध

82व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	01-05-2061	- 26-08-2061
केतु	26-08-2061	- 14-10-2061
शुक्र	14-10-2061	- 28-02-2062
सूर्य	28-02-2062	- 11-04-2062
चन्द्र	11-04-2062	- 19-06-2062
मंगल	19-06-2062	- 06-08-2062
राहु	06-08-2062	- 08-12-2062
गुरु	08-12-2062	- 29-03-2063
शनि	29-03-2063	- 07-08-2063

गुरु-केतु

85व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	07-08-2063	- 27-08-2063
शुक्र	27-08-2063	- 23-10-2063
सूर्य	23-10-2063	- 09-11-2063
चन्द्र	09-11-2063	- 07-12-2063
मंगल	07-12-2063	- 27-12-2063
राहु	27-12-2063	- 16-02-2064
गुरु	16-02-2064	- 01-04-2064
शनि	01-04-2064	- 25-05-2064
बुध	25-05-2064	- 13-07-2064

गुरु-शुक्र

85व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	13-07-2064	- 22-12-2064
सूर्य	22-12-2064	- 09-02-2065
चन्द्र	09-02-2065	- 01-05-2065
मंगल	01-05-2065	- 27-06-2065
राहु	27-06-2065	- 20-11-2065
गुरु	20-11-2065	- 30-03-2066
शनि	30-03-2066	- 31-08-2066
बुध	31-08-2066	- 16-01-2067
केतु	16-01-2067	- 14-03-2067

गुरु-सूर्य

88व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	14-03-2067	- 28-03-2067
चन्द्र	28-03-2067	- 22-04-2067
मंगल	22-04-2067	- 09-05-2067
राहु	09-05-2067	- 22-06-2067
गुरु	22-06-2067	- 30-07-2067
शनि	30-07-2067	- 15-09-2067
बुध	15-09-2067	- 26-10-2067
केतु	26-10-2067	- 12-11-2067
शुक्र	12-11-2067	- 31-12-2067

गुरु-चन्द्र

89व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	31-12-2067	- 09-02-2068
मंगल	09-02-2068	- 09-03-2068
राहु	09-03-2068	- 21-05-2068
गुरु	21-05-2068	- 25-07-2068
शनि	25-07-2068	- 10-10-2068
बुध	10-10-2068	- 18-12-2068
केतु	18-12-2068	- 15-01-2069
शुक्र	15-01-2069	- 07-04-2069
सूर्य	07-04-2069	- 01-05-2069

गुरु-मंगल

90व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	01-05-2069	- 21-05-2069
राहु	21-05-2069	- 11-07-2069
गुरु	11-07-2069	- 25-08-2069
शनि	25-08-2069	- 18-10-2069
बुध	18-10-2069	- 06-12-2069
केतु	06-12-2069	- 25-12-2069
शुक्र	25-12-2069	- 20-02-2070
सूर्य	20-02-2070	- 09-03-2070
चन्द्र	09-03-2070	- 07-04-2070

गुरु-राहु

91व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	07-04-2070	- 16-08-2070
गुरु	16-08-2070	- 11-12-2070
शनि	11-12-2070	- 29-04-2071
बुध	29-04-2071	- 31-08-2071
केतु	31-08-2071	- 21-10-2071
शुक्र	21-10-2071	- 15-03-2072
सूर्य	15-03-2072	- 28-04-2072
चन्द्र	28-04-2072	- 10-07-2072
मंगल	10-07-2072	- 30-08-2072

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

शनि महादशा : 30-08-2072 से 31-08-2091

आयु : 94व 0म से 113व 0म

शनि-शनि

94व0म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	30-08-2072	- 20-02-2073
बुध	20-02-2073	- 26-07-2073
केतु	26-07-2073	- 28-09-2073
शुक्र	28-09-2073	- 30-03-2074
सूर्य	30-03-2074	- 24-05-2074
चन्द्र	24-05-2074	- 24-08-2074
मंगल	24-08-2074	- 27-10-2074
राहु	27-10-2074	- 10-04-2075
गुरु	10-04-2075	- 03-09-2075

शनि-बुध

97व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	03-09-2075	- 20-01-2076
केतु	20-01-2076	- 18-03-2076
शुक्र	18-03-2076	- 29-08-2076
सूर्य	29-08-2076	- 17-10-2076
चन्द्र	17-10-2076	- 07-01-2077
मंगल	07-01-2077	- 05-03-2077
राहु	05-03-2077	- 30-07-2077
गुरु	30-07-2077	- 09-12-2077
शनि	09-12-2077	- 13-05-2078

शनि-केतु

99व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	13-05-2078	- 06-06-2078
शुक्र	06-06-2078	- 12-08-2078
सूर्य	12-08-2078	- 02-09-2078
चन्द्र	02-09-2078	- 05-10-2078
मंगल	05-10-2078	- 29-10-2078
राहु	29-10-2078	- 29-12-2078
गुरु	29-12-2078	- 21-02-2079
शनि	21-02-2079	- 26-04-2079
बुध	26-04-2079	- 22-06-2079

शनि-शुक्र

100व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	22-06-2079	- 01-01-2080
सूर्य	01-01-2080	- 28-02-2080
चन्द्र	28-02-2080	- 03-06-2080
मंगल	03-06-2080	- 09-08-2080
राहु	09-08-2080	- 30-01-2081
गुरु	30-01-2081	- 03-07-2081
शनि	03-07-2081	- 02-01-2082
बुध	02-01-2082	- 15-06-2082
केतु	15-06-2082	- 22-08-2082

शनि-सूर्य

104व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	22-08-2082	- 08-09-2082
चन्द्र	08-09-2082	- 07-10-2082
मंगल	07-10-2082	- 27-10-2082
राहु	27-10-2082	- 18-12-2082
गुरु	18-12-2082	- 02-02-2083
शनि	02-02-2083	- 29-03-2083
बुध	29-03-2083	- 18-05-2083
केतु	18-05-2083	- 07-06-2083
शुक्र	07-06-2083	- 04-08-2083

शनि-चन्द्र

105व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	04-08-2083	- 21-09-2083
मंगल	21-09-2083	- 25-10-2083
राहु	25-10-2083	- 19-01-2084
गुरु	19-01-2084	- 05-04-2084
शनि	05-04-2084	- 06-07-2084
बुध	06-07-2084	- 26-09-2084
केतु	26-09-2084	- 30-10-2084
शुक्र	30-10-2084	- 03-02-2085
सूर्य	03-02-2085	- 04-03-2085

शनि-मंगल

106व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	04-03-2085	- 28-03-2085
राहु	28-03-2085	- 27-05-2085
गुरु	27-05-2085	- 20-07-2085
शनि	20-07-2085	- 22-09-2085
बुध	22-09-2085	- 19-11-2085
केतु	19-11-2085	- 12-12-2085
शुक्र	12-12-2085	- 18-02-2086
सूर्य	18-02-2086	- 10-03-2086
चन्द्र	10-03-2086	- 13-04-2086

शनि-राहु

107व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	13-04-2086	- 16-09-2086
गुरु	16-09-2086	- 02-02-2087
शनि	02-02-2087	- 16-07-2087
बुध	16-07-2087	- 11-12-2087
केतु	11-12-2087	- 10-02-2088
शुक्र	10-02-2088	- 01-08-2088
सूर्य	01-08-2088	- 22-09-2088
चन्द्र	22-09-2088	- 18-12-2088
मंगल	18-12-2088	- 17-02-2089

शनि-गुरु

110व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	17-02-2089	- 20-06-2089
शनि	20-06-2089	- 14-11-2089
बुध	14-11-2089	- 25-03-2090
केतु	25-03-2090	- 18-05-2090
शुक्र	18-05-2090	- 19-10-2090
सूर्य	19-10-2090	- 04-12-2090
चन्द्र	04-12-2090	- 19-02-2091
मंगल	19-02-2091	- 14-04-2091
राहु	14-04-2091	- 31-08-2091

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

चंद्र-गुरु-सूर्य

आरम्भ	17-06-2025
अन्त	11-07-2025
सूर्य	18-06-2025 14:29
चंद्र	20-06-2025 15:11
मंगल	22-06-2025 01:16
राहु	25-06-2025 16:56
गुरु	28-06-2025 22:51
शनि	02-07-2025 19:22
बुध	06-07-2025 06:10
केतु	07-07-2025 16:15
शुक्र	11-07-2025 17:39

चंद्र-गुरु-चंद्र

आरम्भ	11-07-2025
अन्त	21-08-2025
चंद्र	15-07-2025 02:49
मंगल	17-07-2025 11:38
राहु	23-07-2025 13:44
गुरु	28-07-2025 23:35
शनि	04-08-2025 09:48
बुध	10-08-2025 03:47
केतु	12-08-2025 12:36
शुक्र	19-08-2025 06:56
सूर्य	21-08-2025 07:38

चंद्र-गुरु-मंगल

आरम्भ	21-08-2025
अन्त	18-09-2025
मंगल	22-08-2025 23:24
राहु	27-08-2025 05:40
गुरु	31-08-2025 00:34
शनि	04-09-2025 12:31
बुध	08-09-2025 13:07
केतु	10-09-2025 04:53
शुक्र	14-09-2025 22:31
सूर्य	16-09-2025 08:36
चंद्र	18-09-2025 17:25

चंद्र-गुरु-राह

आरम्भ	18-09-2025
अन्त	30-11-2025
राहु	29-09-2025 16:23
गुरु	09-10-2025 10:09
शनि	20-10-2025 23:44
बुध	31-10-2025 08:06
केतु	04-11-2025 14:22
शुक्र	16-11-2025 18:33
सूर्य	20-11-2025 10:13
चंद्र	26-11-2025 12:19
मंगल	30-11-2025 18:35

चंद्र-शनि-शनि

आरम्भ	30-11-2025
अन्त	02-03-2026
शनि	15-12-2025 06:31
बुध	28-12-2025 05:50
केतु	02-01-2026 14:02
शुक्र	17-01-2026 20:17
सूर्य	22-01-2026 10:10
चंद्र	30-01-2026 01:17
मंगल	04-02-2026 09:29
राहु	18-02-2026 03:07
गुरु	02-03-2026 08:07

चंद्र-शनि-बुध

आरम्भ	02-03-2026
अन्त	23-05-2026
बुध	13-03-2026 22:40
केतु	18-03-2026 17:22
शुक्र	01-04-2026 09:04
सूर्य	05-04-2026 11:23
चंद्र	12-04-2026 07:14
मंगल	17-04-2026 01:55
राहु	29-04-2026 08:51
गुरु	10-05-2026 07:01
शनि	23-05-2026 06:20

चंद्र-शनि-केतु

आरम्भ	23-05-2026
अन्त	25-06-2026
केतु	25-05-2026 05:34
शुक्र	30-05-2026 20:30
सूर्य	01-06-2026 12:59
चंद्र	04-06-2026 08:27
मंगल	06-06-2026 07:41
राहु	11-06-2026 09:07
गुरु	15-06-2026 21:04
शनि	21-06-2026 05:16
बुध	25-06-2026 23:58

चंद्र-शनि-शुक्र

आरम्भ	25-06-2026
अन्त	30-09-2026
शुक्र	12-07-2026 01:30
सूर्य	16-07-2026 21:09
चंद्र	24-07-2026 21:55
मंगल	30-07-2026 12:51
राहु	13-08-2026 23:50
गुरु	26-08-2026 20:16
शनि	11-09-2026 02:31
बुध	24-09-2026 18:13
केतु	30-09-2026 09:10

चंद्र-शनि-सूर्य

आरम्भ	30-09-2026
अन्त	29-10-2026
सूर्य	01-10-2026 19:51
चंद्र	04-10-2026 05:41
मंगल	05-10-2026 22:10
राहु	10-10-2026 06:16
गुरु	14-10-2026 02:47
शनि	18-10-2026 16:40
बुध	22-10-2026 18:59
केतु	24-10-2026 11:28
शुक्र	29-10-2026 07:07

चंद्र-शनि-चंद्र

आरम्भ	29-10-2026
अन्त	16-12-2026
चंद्र	02-11-2026 07:30
मंगल	05-11-2026 02:58
राहु	12-11-2026 08:28
गुरु	18-11-2026 18:40
शनि	26-11-2026 09:48
बुध	03-12-2026 05:39
केतु	06-12-2026 01:07
शुक्र	14-12-2026 01:53
सूर्य	16-12-2026 11:43

चंद्र-शनि-मंगल

आरम्भ	16-12-2026
अन्त	19-01-2027
मंगल	18-12-2026 10:57
राहु	23-12-2026 12:23
गुरु	28-12-2026 00:20
शनि	02-01-2027 08:32
बुध	07-01-2027 03:14
केतु	09-01-2027 02:27
शुक्र	14-01-2027 17:23
सूर्य	16-01-2027 09:52
चंद्र	19-01-2027 05:20

चंद्र-शनि-राहु

आरम्भ	19-01-2027
अन्त	15-04-2027
राहु	01-02-2027 05:37
गुरु	12-02-2027 19:12
शनि	26-02-2027 12:50
बुध	10-03-2027 19:46
केतु	15-03-2027 21:13
शुक्र	30-03-2027 08:12
सूर्य	03-04-2027 16:17
चंद्र	10-04-2027 21:47
मंगल	15-04-2027 23:13



विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

चंद्र-शनि-गुरु		चंद्र-बुध-बुध		चंद्र-बुध-केतु		चंद्र-बुध-शुक्र	
आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त
गुरु	26-04-2027 05:58	बुध	12-07-2027 11:00	केतु	15-09-2027 03:17	शुक्र	27-10-2027 22:23
शनि	08-05-2027 10:58	केतु	16-07-2027 17:38	शुक्र	20-09-2027 04:01	सूर्य	01-11-2027 05:52
बुध	19-05-2027 09:08	शुक्र	28-07-2027 22:50	सूर्य	21-09-2027 16:14	चंद्र	08-11-2027 10:20
केतु	23-05-2027 21:05	सूर्य	01-08-2027 14:48	चंद्र	24-09-2027 04:36	मंगल	13-11-2027 11:04
शुक्र	05-06-2027 17:30	चंद्र	07-08-2027 17:24	मंगल	25-09-2027 22:52	राहु	26-11-2027 09:32
सूर्य	09-06-2027 14:02	मंगल	12-08-2027 00:02	राहु	30-09-2027 11:31	गुरु	07-12-2027 21:29
चंद्र	16-06-2027 00:15	राहु	22-08-2027 23:55	गुरु	04-10-2027 12:06	शनि	21-12-2027 13:12
मंगल	20-06-2027 12:12	गुरु	01-09-2027 18:29	शनि	09-10-2027 06:48	बुध	02-01-2028 18:24
राहु	02-07-2027 01:47	शनि	13-09-2027 09:02	बुध	13-10-2027 13:26	केतु	07-01-2028 19:08

चंद्र-बुध-सूर्य		चंद्र-बुध-चंद्र		चंद्र-बुध-मंगल		चंद्र-बुध-राहु	
आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त
सूर्य	09-01-2028 02:11	चंद्र	06-02-2028 06:17	मंगल	18-03-2028 13:09	राहु	27-04-2028 14:42
चंद्र	11-01-2028 05:55	मंगल	08-02-2028 18:39	राहु	23-03-2028 01:49	गुरु	07-05-2028 23:04
मंगल	12-01-2028 18:08	राहु	15-02-2028 05:53	गुरु	27-03-2028 02:24	शनि	20-05-2028 06:00
राहु	16-01-2028 15:17	गुरु	20-02-2028 23:51	शनि	31-03-2028 21:06	बुध	31-05-2028 05:53
गुरु	20-01-2028 02:04	शनि	27-02-2028 19:43	बुध	05-04-2028 03:43	केतु	04-06-2028 18:33
शनि	24-01-2028 04:23	बुध	04-03-2028 22:19	केतु	06-04-2028 21:59	शुक्र	17-06-2028 17:00
बुध	27-01-2028 20:20	केतु	07-03-2028 10:41	शुक्र	11-04-2028 22:43	सूर्य	21-06-2028 14:09
केतु	29-01-2028 08:34	शुक्र	14-03-2028 15:09	सूर्य	13-04-2028 10:56	चंद्र	28-06-2028 01:22
शुक्र	02-02-2028 16:03	सूर्य	16-03-2028 18:54	चंद्र	15-04-2028 23:18	मंगल	02-07-2028 14:02

चंद्र-बुध-गुरु		चंद्र-बुध-शनि		चंद्र-केतु-केतु		चंद्र-केतु-शुक्र	
आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त
गुरु	11-07-2028 18:48	शनि	22-09-2028 13:07	केतु	01-12-2028 05:25	शुक्र	18-12-2028 20:20
शनि	22-07-2028 16:58	बुध	04-10-2028 03:40	शुक्र	03-12-2028 07:08	सूर्य	20-12-2028 14:57
बुध	01-08-2028 11:32	केतु	08-10-2028 22:21	सूर्य	03-12-2028 22:03	चंद्र	23-12-2028 13:58
केतु	05-08-2028 12:07	शुक्र	22-10-2028 14:04	चंद्र	04-12-2028 22:54	मंगल	25-12-2028 15:41
शुक्र	17-08-2028 00:04	सूर्य	26-10-2028 16:22	मंगल	05-12-2028 16:18	राहु	30-12-2028 23:31
सूर्य	20-08-2028 10:52	चंद्र	02-11-2028 12:13	राहु	07-12-2028 13:02	गुरु	04-01-2029 17:09
चंद्र	26-08-2028 04:51	मंगल	07-11-2028 06:55	गुरु	09-12-2028 04:49	शनि	10-01-2029 08:05
मंगल	30-08-2028 05:26	राहु	19-11-2028 13:51	शनि	11-12-2028 04:02	बुध	15-01-2029 08:49
राहु	09-09-2028 13:48	गुरु	30-11-2028 12:01	बुध	12-12-2028 22:18	केतु	17-01-2029 10:32



विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

चंद्र-केतु-सूर्य

आरम्भ	17-01-2029
अन्त	28-01-2029
सूर्य	17-01-2029 23:19
चंद्र	18-01-2029 20:37
मंगल	19-01-2029 11:32
राहु	21-01-2029 01:53
गुरु	22-01-2029 11:58
शनि	24-01-2029 04:27
बुध	25-01-2029 16:40
केतु	26-01-2029 07:35
शुक्र	28-01-2029 02:12

चंद्र-केतु-चंद्र

आरम्भ	28-01-2029
अन्त	14-02-2029
चंद्र	29-01-2029 13:42
मंगल	30-01-2029 14:34
राहु	02-02-2029 06:29
गुरु	04-02-2029 15:18
शनि	07-02-2029 10:46
बुध	09-02-2029 23:08
केतु	10-02-2029 23:59
शुक्र	13-02-2029 23:00
सूर्य	14-02-2029 20:19

चंद्र-केतु-मंगल

आरम्भ	14-02-2029
अन्त	27-02-2029
मंगल	15-02-2029 13:43
राहु	17-02-2029 10:27
गुरु	19-02-2029 02:14
शनि	21-02-2029 01:27
बुध	22-02-2029 19:43
केतु	23-02-2029 13:07
शुक्र	25-02-2029 14:49
सूर्य	26-02-2029 05:44
चंद्र	27-02-2029 06:36

चंद्र-केतु-राहु

आरम्भ	27-02-2029
अन्त	31-03-2029
राहु	04-03-2029 01:39
गुरु	08-03-2029 07:55
शनि	13-03-2029 09:21
बुध	17-03-2029 22:01
केतु	19-03-2029 18:45
शुक्र	25-03-2029 02:36
सूर्य	26-03-2029 16:57
चंद्र	29-03-2029 08:52
मंगल	31-03-2029 05:36

चंद्र-केतु-गुरु

आरम्भ	31-03-2029
अन्त	28-04-2029
गुरु	04-04-2029 00:30
शनि	08-04-2029 12:27
बुध	12-04-2029 13:03
केतु	14-04-2029 04:49
शुक्र	18-04-2029 22:27
सूर्य	20-04-2029 08:32
चंद्र	22-04-2029 17:21
मंगल	24-04-2029 09:07
राहु	28-04-2029 15:23

चंद्र-केतु-शनि

आरम्भ	28-04-2029
अन्त	01-06-2029
शनि	03-05-2029 23:35
बुध	08-05-2029 18:16
केतु	10-05-2029 17:30
शुक्र	16-05-2029 08:26
सूर्य	18-05-2029 00:55
चंद्र	20-05-2029 20:23
मंगल	22-05-2029 19:37
राहु	27-05-2029 21:04
गुरु	01-06-2029 09:01

चंद्र-केतु-बुध

आरम्भ	01-06-2029
अन्त	01-07-2029
बुध	05-06-2029 15:38
केतु	07-06-2029 09:53
शुक्र	12-06-2029 10:37
सूर्य	13-06-2029 22:50
चंद्र	16-06-2029 11:12
मंगल	18-06-2029 05:28
राहु	22-06-2029 18:07
गुरु	26-06-2029 18:43
शनि	01-07-2029 13:24

चंद्र-शुक्र-शुक्र

आरम्भ	01-07-2029
अन्त	11-10-2029
शुक्र	18-07-2029 11:14
सूर्य	23-07-2029 12:59
चंद्र	31-07-2029 23:53
मंगल	06-08-2029 21:56
राहु	22-08-2029 03:10
गुरु	04-09-2029 15:50
शनि	20-09-2029 17:22
बुध	05-10-2029 02:19
केतु	11-10-2029 00:21

चंद्र-शुक्र-सूर्य

आरम्भ	11-10-2029
अन्त	10-11-2029
सूर्य	12-10-2029 12:53
चंद्र	15-10-2029 01:45
मंगल	16-10-2029 20:22
राहु	21-10-2029 09:56
गुरु	25-10-2029 11:20
शनि	30-10-2029 07:00
बुध	03-11-2029 14:29
केतु	05-11-2029 09:05
शुक्र	10-11-2029 10:50

चंद्र-शुक्र-चंद्र

आरम्भ	10-11-2029
अन्त	31-12-2029
चंद्र	14-11-2029 16:18
मंगल	17-11-2029 15:19
राहु	25-11-2029 05:56
गुरु	02-12-2029 00:16
शनि	10-12-2029 01:02
बुध	17-12-2029 05:30
केतु	20-12-2029 04:32
शुक्र	28-12-2029 15:26
सूर्य	31-12-2029 04:19

चंद्र-शुक्र-मंगल

आरम्भ	31-12-2029
अन्त	04-02-2030
मंगल	02-01-2030 06:02
राहु	07-01-2030 13:52
गुरु	12-01-2030 07:29
शनि	17-01-2030 22:26
बुध	22-01-2030 23:10
केतु	25-01-2030 00:52
शुक्र	30-01-2030 22:55
सूर्य	01-02-2030 17:31
चंद्र	04-02-2030 16:33

चंद्र-शुक्र-राहु

आरम्भ	04-02-2030
अन्त	07-05-2030
राहु	18-02-2030 09:16
गुरु	02-03-2030 13:27
शनि	17-03-2030 00:26
बुध	29-03-2030 22:53
केतु	04-04-2030 06:44
शुक्र	19-04-2030 11:58
सूर्य	24-04-2030 01:32
चंद्र	01-05-2030 16:10
मंगल	07-05-2030 00:00



अष्टोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य 0वर्ष 10मास 21दिन
जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

सूर्य (6व)

0 वर्ष 0व10म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	-	चन्द्र 25-06-1979 - 25-07-1981
चन्द्र	-	मंगल 25-07-1981 - 04-09-1982
मंगल	-	बुध 04-09-1982 - 13-01-1985
बुध	-	शनि 13-01-1985 - 04-06-1986
शनि	-	गुरु 04-06-1986 - 23-01-1989
गुरु	-	राहु 23-01-1989 - 24-09-1990
राहु	-	शुक्र 24-09-1990 - 24-08-1993
शुक्र	04-08-1978 - 25-06-1979	सूर्य 24-08-1993 - 24-06-1994

चन्द्र (15व)

0व10म -15व10म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	25-06-1979 - 25-07-1981	मंगल 25-07-1981 - 04-09-1982
मंगल	मंगल 25-07-1981 - 04-09-1982	बुध 04-09-1982 - 13-01-1985
बुध	बुध 04-09-1982 - 13-01-1985	शनि 13-01-1985 - 04-06-1986
शनि	शनि 13-01-1985 - 04-06-1986	गुरु 04-06-1986 - 23-01-1989
गुरु	गुरु 04-06-1986 - 23-01-1989	राहु 23-01-1989 - 24-09-1990
राहु	राहु 23-01-1989 - 24-09-1990	शुक्र 24-09-1990 - 24-08-1993
शुक्र	शुक्र 24-09-1990 - 24-08-1993	सूर्य 24-08-1993 - 24-06-1994

मंगल (8व)

15व10म 23व10म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	24-06-1994 - 27-01-1995	बुध 27-01-1995 - 01-05-1996
बुध	बुध 27-01-1995 - 01-05-1996	शनि 01-05-1996 - 26-01-1997
शनि	शनि 01-05-1996 - 26-01-1997	गुरु 26-01-1997 - 24-06-1998
गुरु	गुरु 26-01-1997 - 24-06-1998	राहु 24-06-1998 - 15-05-1999
राहु	राहु 24-06-1998 - 15-05-1999	शुक्र 15-05-1999 - 03-12-2000
शुक्र	शुक्र 15-05-1999 - 03-12-2000	सूर्य 03-12-2000 - 15-05-2001
सूर्य	सूर्य 03-12-2000 - 15-05-2001	चन्द्र 15-05-2001 - 24-06-2002

बुध (17व)

23व10म 40व10म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	24-06-2002 - 26-02-2005	शनि 25-06-2019 - 28-05-2020
शनि	26-02-2005 - 24-09-2006	गुरु 28-05-2020 - 01-03-2022
गुरु	24-09-2006 - 20-09-2009	राहु 01-03-2022 - 11-04-2023
राहु	20-09-2009 - 11-08-2011	शुक्र 11-04-2023 - 21-03-2025
शुक्र	11-08-2011 - 30-11-2014	सूर्य 21-03-2025 - 10-10-2025
सूर्य	30-11-2014 - 10-11-2015	चन्द्र 10-10-2025 - 01-03-2027
चन्द्र	10-11-2015 - 22-03-2018	मंगल 01-03-2027 - 27-11-2027
मंगल	22-03-2018 - 25-06-2019	बुध 27-11-2027 - 24-06-2029

शनि (10व)

40व10म 50व10म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	25-06-2019 - 28-05-2020	गुरु 24-06-2029 - 27-10-2032
गुरु	गुरु 28-05-2020 - 01-03-2022	राहु 27-10-2032 - 07-12-2034
राहु	राहु 01-03-2022 - 11-04-2023	शुक्र 07-12-2034 - 17-08-2038
शुक्र	शुक्र 11-04-2023 - 21-03-2025	सूर्य 17-08-2038 - 07-09-2039
सूर्य	सूर्य 21-03-2025 - 10-10-2025	चन्द्र 07-09-2039 - 28-04-2042
चन्द्र	चन्द्र 10-10-2025 - 01-03-2027	मंगल 28-04-2042 - 24-09-2043
मंगल	मंगल 01-03-2027 - 27-11-2027	बुध 24-09-2043 - 20-09-2046
बुध	बुध 27-11-2027 - 24-06-2029	शनि 20-09-2046 - 24-06-2048

गुरु (19व)

50व10म 69व10म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	24-06-2029 - 27-10-2032	राहु 27-10-2032 - 07-12-2034
राहु	राहु 27-10-2032 - 07-12-2034	शुक्र 07-12-2034 - 17-08-2038
शुक्र	शुक्र 07-12-2034 - 17-08-2038	सूर्य 17-08-2038 - 07-09-2039
सूर्य	सूर्य 17-08-2038 - 07-09-2039	चन्द्र 07-09-2039 - 28-04-2042
चन्द्र	चन्द्र 07-09-2039 - 28-04-2042	मंगल 28-04-2042 - 24-09-2043
मंगल	मंगल 28-04-2042 - 24-09-2043	बुध 24-09-2043 - 20-09-2046
बुध	बुध 24-09-2043 - 20-09-2046	शनि 20-09-2046 - 24-06-2048

राहु (12व)

69व10म 81व10म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	24-06-2048 - 24-10-2049	शुक्र 23-06-2060 - 24-07-2064
शुक्र	24-10-2049 - 23-02-2052	सूर्य 24-07-2064 - 23-09-2065
सूर्य	23-02-2052 - 23-10-2052	चन्द्र 23-09-2065 - 23-08-2068
चन्द्र	चन्द्र 23-10-2052 - 24-06-2054	मंगल 23-08-2068 - 14-03-2070
मंगल	मंगल 24-06-2054 - 15-05-2055	बुध 14-03-2070 - 04-07-2073
बुध	बुध 15-05-2055 - 04-04-2057	शनि 04-07-2073 - 14-06-2075
शनि	शनि 04-04-2057 - 14-05-2058	गुरु 14-06-2075 - 22-02-2079
गुरु	गुरु 14-05-2058 - 23-06-2060	राहु 22-02-2079 - 24-06-2081

शुक्र (21व)

81व10म 102व10म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	शुक्र 23-06-2060 - 24-07-2064	सूर्य 24-07-2064 - 23-09-2065
सूर्य	सूर्य 24-07-2064 - 23-09-2065	चन्द्र 23-09-2065 - 23-08-2068
चन्द्र	चन्द्र 23-09-2065 - 23-08-2068	मंगल 23-08-2068 - 14-03-2070
मंगल	मंगल 23-08-2068 - 14-03-2070	बुध 14-03-2070 - 04-07-2073
बुध	बुध 14-03-2070 - 04-07-2073	शनि 04-07-2073 - 14-06-2075
शनि	शनि 04-07-2073 - 14-06-2075	गुरु 14-06-2075 - 22-02-2079
गुरु	गुरु 14-06-2075 - 22-02-2079	राहु 22-02-2079 - 24-06-2081

अष्टोत्तरी दशा लागू करने का नियम :

लग्न के अतिरिक्त राहु लग्नेश से केन्द्र या त्रिकोण में हो या कृष्णपक्ष में दिन में या शुक्लपक्ष में रात्रि में जन्म हो।

शास्त्रीय मत से आपकी कुण्डली में अष्टोत्तरी दशा लागू होती है।



अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

सूर्य-शुक्र	चंद्र-चंद्र	चंद्र-मंगल	चंद्र-बुध	चंद्र-शनि
आरम्भ 04-08-1978	आरम्भ 25-06-1979	आरम्भ 25-07-1981	आरम्भ 04-09-1982	आरम्भ 13-01-1985
अन्त 25-06-1979	अन्त 25-07-1981	अन्त 04-09-1982	अन्त 13-01-1985	अन्त 04-06-1986
शुक्र	चंद्र	मंगल	बुध	शनि
सूर्य 09-08-1978	मंगल 04-12-1979	बुध 27-10-1981	शनि 07-04-1983	गुरु 29-05-1985
चंद्र 07-10-1978	बुध 02-04-1980	शनि 03-12-1981	गुरु 06-09-1983	राहु 25-07-1985
मंगल 08-11-1978	शनि 11-06-1980	गुरु 13-02-1982	राहु 11-12-1983	शुक्र 31-10-1985
बुध 14-01-1979	गुरु 23-10-1980	राहु 30-03-1982	शुक्र 26-05-1984	सूर्य 28-11-1985
शनि 23-02-1979	राहु 16-01-1981	शुक्र 17-06-1982	सूर्य 13-07-1984	चंद्र 07-02-1986
गुरु 08-05-1979	शुक्र 12-06-1981	सूर्य 09-07-1982	चंद्र 10-11-1984	मंगल 16-03-1986
राहु 25-06-1979	सूर्य 25-07-1981	चंद्र 04-09-1982	मंगल 13-01-1985	बुध 04-06-1986

चंद्र-गुरु	चंद्र-राहु	चंद्र-शुक्र	चंद्र-सूर्य	मंगल-मंगल
आरम्भ 04-06-1986	आरम्भ 23-01-1989	आरम्भ 24-09-1990	आरम्भ 24-08-1993	आरम्भ 24-06-1994
अन्त 23-01-1989	अन्त 24-09-1990	अन्त 24-08-1993	अन्त 24-06-1994	अन्त 27-01-1995
गुरु 21-11-1986	राहु 01-04-1989	शुक्र 19-04-1991	सूर्य 10-09-1993	मंगल 10-07-1994
राहु 08-03-1987	शुक्र 28-07-1989	सूर्य 17-06-1991	चंद्र 22-10-1993	बुध 14-08-1994
शुक्र 11-09-1987	सूर्य 31-08-1989	चंद्र 12-11-1991	मंगल 14-11-1993	शनि 03-09-1994
सूर्य 04-11-1987	चंद्र 23-11-1989	मंगल 30-01-1992	बुध 01-01-1994	गुरु 11-10-1994
चंद्र 17-03-1988	मंगल 08-01-1990	बुध 16-07-1992	शनि 29-01-1994	राहु 04-11-1994
मंगल 27-05-1988	बुध 13-04-1990	शनि 22-10-1992	गुरु 23-03-1994	शुक्र 16-12-1994
बुध 26-10-1988	शनि 09-06-1990	गुरु 28-04-1993	राहु 26-04-1994	सूर्य 28-12-1994
शनि 23-01-1989	गुरु 24-09-1990	राहु 24-08-1993	शुक्र 24-06-1994	चंद्र 27-01-1995

मंगल-बुध	मंगल-शनि	मंगल-गुरु	मंगल-राहु	मंगल-शुक्र
आरम्भ 27-01-1995	आरम्भ 01-05-1996	आरम्भ 26-01-1997	आरम्भ 24-06-1998	आरम्भ 15-05-1999
अन्त 01-05-1996	अन्त 26-01-1997	अन्त 24-06-1998	अन्त 15-05-1999	अन्त 03-12-2000
बुध 09-04-1995	शनि 26-05-1996	गुरु 27-04-1997	राहु 31-07-1998	शुक्र 03-09-1999
शनि 22-05-1995	गुरु 12-07-1996	राहु 23-06-1997	शुक्र 02-10-1998	सूर्य 04-10-1999
गुरु 11-08-1995	राहु 12-08-1996	शुक्र 01-10-1997	सूर्य 20-10-1998	चंद्र 22-12-1999
राहु 01-10-1995	शुक्र 03-10-1996	सूर्य 29-10-1997	चंद्र 04-12-1998	मंगल 02-02-2000
शुक्र 29-12-1995	सूर्य 18-10-1996	चंद्र 09-01-1998	मंगल 28-12-1998	बुध 02-05-2000
सूर्य 24-01-1996	चंद्र 25-11-1996	मंगल 16-02-1998	बुध 17-02-1999	शनि 23-06-2000
चंद्र 28-03-1996	मंगल 15-12-1996	बुध 08-05-1998	शनि 19-03-1999	गुरु 01-10-2000
मंगल 01-05-1996	बुध 26-01-1997	शनि 24-06-1998	गुरु 15-05-1999	राहु 03-12-2000



अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

मंगल-सूर्य	मंगल-चंद्र	बुध-बुध	बुध-शनि	बुध-गुरु
आरम्भ 03-12-2000	आरम्भ 15-05-2001	आरम्भ 24-06-2002	आरम्भ 26-02-2005	आरम्भ 24-09-2006
अन्त 15-05-2001	अन्त 24-06-2002	अन्त 26-02-2005	अन्त 24-09-2006	अन्त 20-09-2009
सूर्य 12-12-2000	चंद्र 10-07-2001	बुध 25-11-2002	शनि 20-04-2005	गुरु 04-04-2007
चंद्र 04-01-2001	मंगल 09-08-2001	शनि 24-02-2003	गुरु 30-07-2005	राहु 03-08-2007
मंगल 16-01-2001	बुध 12-10-2001	गुरु 15-08-2003	राहु 02-10-2005	शुक्र 03-03-2008
बुध 10-02-2001	शनि 18-11-2001	राहु 01-12-2003	शुक्र 22-01-2006	सूर्य 02-05-2008
शनि 25-02-2001	गुरु 29-01-2002	शुक्र 08-06-2004	सूर्य 23-02-2006	चंद्र 01-10-2008
गुरु 26-03-2001	राहु 15-03-2002	सूर्य 02-08-2004	चंद्र 14-05-2006	मंगल 21-12-2008
राहु 13-04-2001	शुक्र 02-06-2002	चंद्र 15-12-2004	मंगल 25-06-2006	बुध 11-06-2009
शुक्र 15-05-2001	सूर्य 24-06-2002	मंगल 26-02-2005	बुध 24-09-2006	शनि 20-09-2009

बुध-राहु	बुध-शुक्र	बुध-सूर्य	बुध-चंद्र	बुध-मंगल
आरम्भ 20-09-2009	आरम्भ 11-08-2011	आरम्भ 30-11-2014	आरम्भ 10-11-2015	आरम्भ 22-03-2018
अन्त 11-08-2011	अन्त 30-11-2014	अन्त 10-11-2015	अन्त 22-03-2018	अन्त 25-06-2019
राहु 06-12-2009	शुक्र 02-04-2012	सूर्य 19-12-2014	चंद्र 09-03-2016	मंगल 25-04-2018
शुक्र 19-04-2010	सूर्य 08-06-2012	चंद्र 05-02-2015	मंगल 12-05-2016	बुध 06-07-2018
सूर्य 27-05-2010	चंद्र 22-11-2012	मंगल 03-03-2015	बुध 25-09-2016	शनि 18-08-2018
चंद्र 31-08-2010	मंगल 20-02-2013	बुध 26-04-2015	शनि 13-12-2016	गुरु 07-11-2018
मंगल 21-10-2010	बुध 29-08-2013	शनि 28-05-2015	गुरु 14-05-2017	राहु 28-12-2018
बुध 07-02-2011	शनि 19-12-2013	गुरु 28-07-2015	राहु 18-08-2017	शुक्र 27-03-2019
शनि 12-04-2011	गुरु 19-07-2014	राहु 04-09-2015	शुक्र 02-02-2018	सूर्य 22-04-2019
गुरु 11-08-2011	राहु 30-11-2014	शुक्र 10-11-2015	सूर्य 22-03-2018	चंद्र 25-06-2019

शनि-शनि	शनि-गुरु	शनि-राहु	शनि-शुक्र	शनि-सूर्य
आरम्भ 25-06-2019	आरम्भ 28-05-2020	आरम्भ 01-03-2022	आरम्भ 11-04-2023	आरम्भ 21-03-2025
अन्त 28-05-2020	अन्त 01-03-2022	अन्त 11-04-2023	अन्त 21-03-2025	अन्त 10-10-2025
शनि 26-07-2019	गुरु 18-09-2020	राहु 15-04-2022	शुक्र 27-08-2023	सूर्य 02-04-2025
गुरु 23-09-2019	राहु 28-11-2020	शुक्र 03-07-2022	सूर्य 06-10-2023	चंद्र 30-04-2025
राहु 31-10-2019	शुक्र 02-04-2021	सूर्य 26-07-2022	चंद्र 12-01-2024	मंगल 15-05-2025
शुक्र 05-01-2020	सूर्य 08-05-2021	चंद्र 20-09-2022	मंगल 05-03-2024	बुध 16-06-2025
सूर्य 23-01-2020	चंद्र 05-08-2021	मंगल 20-10-2022	बुध 25-06-2024	शनि 04-07-2025
चंद्र 10-03-2020	मंगल 22-09-2021	बुध 23-12-2022	शनि 29-08-2024	गुरु 09-08-2025
मंगल 04-04-2020	बुध 01-01-2022	शनि 30-01-2023	गुरु 01-01-2025	राहु 01-09-2025
बुध 28-05-2020	शनि 01-03-2022	गुरु 11-04-2023	राहु 21-03-2025	शुक्र 10-10-2025



अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

शनि-चंद्र	शनि-मंगल	शनि-बुध	गुरु-गुरु	गुरु-राहु
आरम्भ 10-10-2025	आरम्भ 01-03-2027	आरम्भ 27-11-2027	आरम्भ 24-06-2029	आरम्भ 27-10-2032
अन्त 01-03-2027	अन्त 27-11-2027	अन्त 24-06-2029	अन्त 27-10-2032	अन्त 07-12-2034
चंद्र 20-12-2025	मंगल 22-03-2027	बुध 26-02-2028	गुरु 25-01-2030	राहु 20-01-2033
मंगल 26-01-2026	बुध 03-05-2027	शनि 19-04-2028	राहु 09-06-2030	शुक्र 19-06-2033
बुध 16-04-2026	शनि 28-05-2027	गुरु 29-07-2028	शुक्र 02-02-2031	सूर्य 01-08-2033
शनि 02-06-2026	गुरु 15-07-2027	राहु 01-10-2028	सूर्य 11-04-2031	चंद्र 16-11-2033
गुरु 30-08-2026	राहु 14-08-2027	शुक्र 21-01-2029	चंद्र 27-09-2031	मंगल 12-01-2034
राहु 26-10-2026	शुक्र 05-10-2027	सूर्य 22-02-2029	मंगल 27-12-2031	बुध 14-05-2034
शुक्र 01-02-2027	सूर्य 20-10-2027	चंद्र 12-05-2029	बुध 06-07-2032	शनि 24-07-2034
सूर्य 01-03-2027	चंद्र 27-11-2027	मंगल 24-06-2029	शनि 27-10-2032	गुरु 07-12-2034

गुरु-शुक्र	गुरु-सूर्य	गुरु-चंद्र	गुरु-मंगल	गुरु-बुध
आरम्भ 07-12-2034	आरम्भ 17-08-2038	आरम्भ 07-09-2039	आरम्भ 28-04-2042	आरम्भ 24-09-2043
अन्त 17-08-2038	अन्त 07-09-2039	अन्त 28-04-2042	अन्त 24-09-2043	अन्त 20-09-2046
शुक्र 26-08-2035	सूर्य 08-09-2038	चंद्र 19-01-2040	मंगल 05-06-2042	बुध 14-03-2044
सूर्य 09-11-2035	चंद्र 31-10-2038	मंगल 30-03-2040	बुध 25-08-2042	शनि 23-06-2044
चंद्र 15-05-2036	मंगल 29-11-2038	बुध 29-08-2040	शनि 11-10-2042	गुरु 01-01-2045
मंगल 23-08-2036	बुध 28-01-2039	शनि 26-11-2040	गुरु 10-01-2043	राहु 02-05-2045
बुध 23-03-2037	शनि 05-03-2039	गुरु 15-05-2041	राहु 08-03-2043	शुक्र 01-12-2045
शनि 26-07-2037	गुरु 12-05-2039	राहु 30-08-2041	शुक्र 16-06-2043	सूर्य 30-01-2046
गुरु 20-03-2038	राहु 24-06-2039	शुक्र 05-03-2042	सूर्य 14-07-2043	चंद्र 01-07-2046
राहु 17-08-2038	शुक्र 07-09-2039	सूर्य 28-04-2042	चंद्र 24-09-2043	मंगल 20-09-2046

गुरु-शनि	राहु-राहु	राहु-शुक्र	राहु-सूर्य	राहु-चंद्र
आरम्भ 20-09-2046	आरम्भ 24-06-2048	आरम्भ 24-10-2049	आरम्भ 23-02-2052	आरम्भ 23-10-2052
अन्त 24-06-2048	अन्त 24-10-2049	अन्त 23-02-2052	अन्त 23-10-2052	अन्त 24-06-2054
शनि 18-11-2046	राहु 17-08-2048	शुक्र 07-04-2050	सूर्य 07-03-2052	चंद्र 16-01-2053
गुरु 12-03-2047	शुक्र 19-11-2048	सूर्य 25-05-2050	चंद्र 10-04-2052	मंगल 02-03-2053
राहु 22-05-2047	सूर्य 16-12-2048	चंद्र 20-09-2050	मंगल 28-04-2052	बुध 06-06-2053
शुक्र 24-09-2047	चंद्र 22-02-2049	मंगल 22-11-2050	बुध 05-06-2052	शनि 01-08-2053
सूर्य 30-10-2047	मंगल 30-03-2049	बुध 05-04-2051	शनि 28-06-2052	गुरु 16-11-2053
चंद्र 27-01-2048	बुध 15-06-2049	शनि 23-06-2051	गुरु 10-08-2052	राहु 23-01-2054
मंगल 14-03-2048	शनि 30-07-2049	गुरु 20-11-2051	राहु 06-09-2052	शुक्र 21-05-2054
बुध 24-06-2048	गुरु 24-10-2049	राहु 23-02-2052	शुक्र 23-10-2052	सूर्य 24-06-2054



अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

राहु-मंगल	राहु-बुध	राहु-शनि	राहु-गुरु	शुक्र-शुक्र
आरम्भ 24-06-2054	आरम्भ 15-05-2055	आरम्भ 04-04-2057	आरम्भ 14-05-2058	आरम्भ 23-06-2060
अन्त 15-05-2055	अन्त 04-04-2057	अन्त 14-05-2058	अन्त 23-06-2060	अन्त 24-07-2064
मंगल 18-07-2054	बुध 31-08-2055	शनि 11-05-2057	गुरु 27-09-2058	शुक्र 09-04-2061
बुध 07-09-2054	शनि 03-11-2055	गुरु 22-07-2057	राहु 22-12-2058	सूर्य 01-07-2061
शनि 07-10-2054	गुरु 04-03-2056	राहु 05-09-2057	शुक्र 21-05-2059	चंद्र 24-01-2062
गुरु 03-12-2054	राहु 19-05-2056	शुक्र 23-11-2057	सूर्य 02-07-2059	मंगल 15-05-2062
राहु 08-01-2055	शुक्र 30-09-2056	सूर्य 15-12-2057	चंद्र 18-10-2059	बुध 05-01-2063
शुक्र 13-03-2055	सूर्य 08-11-2056	चंद्र 09-02-2058	मंगल 14-12-2059	शनि 23-05-2063
सूर्य 31-03-2055	चंद्र 11-02-2057	मंगल 12-03-2058	बुध 13-04-2060	गुरु 09-02-2064
चंद्र 15-05-2055	मंगल 04-04-2057	बुध 14-05-2058	शनि 23-06-2060	राहु 24-07-2064

शुक्र-सूर्य	शुक्र-चंद्र	शुक्र-मंगल	शुक्र-बुध	शुक्र-शनि
आरम्भ 24-07-2064	आरम्भ 23-09-2065	आरम्भ 23-08-2068	आरम्भ 14-03-2070	आरम्भ 04-07-2073
अन्त 23-09-2065	अन्त 23-08-2068	अन्त 14-03-2070	अन्त 04-07-2073	अन्त 14-06-2075
सूर्य 17-08-2064	चंद्र 18-02-2066	मंगल 04-10-2068	बुध 20-09-2070	शनि 07-09-2073
चंद्र 15-10-2064	मंगल 08-05-2066	बुध 02-01-2069	शनि 10-01-2071	गुरु 10-01-2074
मंगल 15-11-2064	बुध 23-10-2066	शनि 23-02-2069	गुरु 11-08-2071	राहु 30-03-2074
बुध 21-01-2065	शनि 29-01-2067	गुरु 03-06-2069	राहु 23-12-2071	शुक्र 15-08-2074
शनि 02-03-2065	गुरु 05-08-2067	राहु 05-08-2069	शुक्र 14-08-2072	सूर्य 24-09-2074
गुरु 16-05-2065	राहु 01-12-2067	शुक्र 24-11-2069	सूर्य 20-10-2072	चंद्र 01-01-2075
राहु 02-07-2065	शुक्र 25-06-2068	सूर्य 26-12-2069	चंद्र 05-04-2073	मंगल 22-02-2075
शुक्र 23-09-2065	सूर्य 23-08-2068	चंद्र 14-03-2070	मंगल 04-07-2073	बुध 14-06-2075

शुक्र-गुरु	शुक्र-राहु	सूर्य-सूर्य	सूर्य-चंद्र	सूर्य-मंगल
आरम्भ 14-06-2075	आरम्भ 22-02-2079	आरम्भ 24-06-2081	आरम्भ 23-10-2081	आरम्भ 24-08-2082
अन्त 22-02-2079	अन्त 24-06-2081	अन्त 23-10-2081	अन्त 24-08-2082	अन्त 02-02-2083
गुरु 06-02-2076	राहु 28-05-2079	सूर्य 30-06-2081	चंद्र 05-12-2081	मंगल 05-09-2082
राहु 05-07-2076	शुक्र 10-11-2079	चंद्र 17-07-2081	मंगल 27-12-2081	बुध 30-09-2082
शुक्र 25-03-2077	सूर्य 27-12-2079	मंगल 26-07-2081	बुध 13-02-2082	शनि 15-10-2082
सूर्य 08-06-2077	चंद्र 23-04-2080	बुध 14-08-2081	शनि 13-03-2082	गुरु 13-11-2082
चंद्र 12-12-2077	मंगल 26-06-2080	शनि 26-08-2081	गुरु 06-05-2082	राहु 01-12-2082
मंगल 22-03-2078	बुध 07-11-2080	गुरु 16-09-2081	राहु 09-06-2082	शुक्र 01-01-2083
बुध 20-10-2078	शनि 25-01-2081	राहु 30-09-2081	शुक्र 07-08-2082	सूर्य 10-01-2083
शनि 22-02-2079	गुरु 24-06-2081	शुक्र 23-10-2081	सूर्य 24-08-2082	चंद्र 02-02-2083



योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(प्रथम चक्र)

भोग्य दशा : भ्रामरी 2वर्ष 4मास 13दिन

भ्रामरी (4व)	0 वर्ष -	2वर्ष4म	भद्रिका (5व)	2वर्ष4म -	7वर्ष4म	उल्का (6व)	7वर्ष4म -	13वर्ष4म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
भ्रामरी मं			भद्रिकाबु	17-12-1980	28-08-1981	उल्का श	17-12-1985	17-12-1986
भद्रिकाबु			उल्का श	28-08-1981	28-06-1982	सिद्धा शु	17-12-1986	17-02-1988
उल्का श	04-08-1978	18-08-1978	सिद्धा शु	28-06-1982	18-06-1983	संकटा रा	17-02-1988	18-06-1989
सिद्धा शु	18-08-1978	29-05-1979	संकटा रा	18-06-1983	28-07-1984	मंगला चं	18-06-1989	17-08-1989
संकटा रा	29-05-1979	17-04-1980	मंगला चं	28-07-1984	17-09-1984	पिंगला सू	17-08-1989	17-12-1989
मंगला चं	17-04-1980	28-05-1980	पिंगला सू	17-09-1984	27-12-1984	धान्या गु	17-12-1989	18-06-1990
पिंगला सू	28-05-1980	17-08-1980	धान्या गु	27-12-1984	28-05-1985	भ्रामरी मं	18-06-1990	16-02-1991
धान्या गु	17-08-1980	17-12-1980	भ्रामरी मं	28-05-1985	17-12-1985	भद्रिका बु	16-02-1991	18-12-1991

सिद्धा (7व)	13वर्ष4म -	20वर्ष4म	संकटा (8व)	20वर्ष4म -	28वर्ष4म	मंगला (1व)	28वर्ष4म -	29वर्ष4म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
सिद्धा शु	18-12-1991	28-04-1993	संकटा रा	17-12-1998	27-09-2000	मंगला चं	17-12-2006	27-12-2006
संकटा रा	28-04-1993	17-11-1994	मंगला चं	27-09-2000	17-12-2000	पिंगला सू	27-12-2006	17-01-2007
मंगला चं	17-11-1994	27-01-1995	पिंगला सू	17-12-2000	28-05-2001	धान्या गु	17-01-2007	16-02-2007
पिंगला सू	27-01-1995	18-06-1995	धान्या गु	28-05-2001	27-01-2002	भ्रामरी मं	16-02-2007	29-03-2007
धान्या गु	18-06-1995	17-01-1996	भ्रामरी मं	27-01-2002	17-12-2002	भद्रिका बु	29-03-2007	18-05-2007
भ्रामरी मं	17-01-1996	27-10-1996	भद्रिकाबु	17-12-2002	27-01-2004	उल्का श	18-05-2007	18-07-2007
भद्रिकाबु	27-10-1996	17-10-1997	उल्का श	27-01-2004	28-05-2005	सिद्धा शु	18-07-2007	27-09-2007
उल्का श	17-10-1997	17-12-1998	सिद्धा शु	28-05-2005	17-12-2006	संकटा रा	27-09-2007	18-12-2007

पिंगला (2व)	29वर्ष4म -	31वर्ष4म	धान्या (3व)	31वर्ष4म -	34वर्ष4म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
पिंगला सू	18-12-2007	27-01-2008	धान्या गु	17-12-2009	18-03-2010
धान्या गु	27-01-2008	28-03-2008	भ्रामरी मं	18-03-2010	18-07-2010
भ्रामरी मं	28-03-2008	17-06-2008	भद्रिकाबु	18-07-2010	17-12-2010
भद्रिकाबु	17-06-2008	27-09-2008	उल्का श	17-12-2010	18-06-2011
उल्का श	27-09-2008	26-01-2009	सिद्धा शु	18-06-2011	17-01-2012
सिद्धा शु	26-01-2009	17-06-2009	संकटा रा	17-01-2012	16-09-2012
संकटा रा	17-06-2009	27-11-2009	मंगला चं	16-09-2012	17-10-2012
मंगला चं	27-11-2009	17-12-2009	पिंगला सू	17-10-2012	17-12-2012



योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(द्वितीय चक्र)

भामरी (4व)	34व4म -	38व4म	भद्रिका (5व)	38व4म -	43व4म	उल्का (6व)	43व4म -	49व4म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
भामरी मं	17-12-2012	28-05-2013	भद्रिकाबु	17-12-2016	27-08-2017	उल्का श	17-12-2021	17-12-2022
भद्रिकाबु	28-05-2013	17-12-2013	उल्का श	27-08-2017	28-06-2018	सिद्धा शु	17-12-2022	16-02-2024
उल्का श	17-12-2013	17-08-2014	सिद्धा शु	28-06-2018	18-06-2019	संकटा रा	16-02-2024	17-06-2025
सिद्धा शु	17-08-2014	29-05-2015	संकटा रा	18-06-2019	28-07-2020	मंगला चं	17-06-2025	17-08-2025
संकटा रा	29-05-2015	17-04-2016	मंगला चं	28-07-2020	16-09-2020	पिंगला सू	17-08-2025	17-12-2025
मंगला चं	17-04-2016	28-05-2016	पिंगला सू	16-09-2020	27-12-2020	धान्या गु	17-12-2025	18-06-2026
पिंगला सू	28-05-2016	17-08-2016	धान्या गु	27-12-2020	28-05-2021	भामरी मं	18-06-2026	16-02-2027
धान्या गु	17-08-2016	17-12-2016	भामरी मं	28-05-2021	17-12-2021	भद्रिका बु	16-02-2027	17-12-2027

सिद्धा (7व)	49व4म -	56व4म	संकटा (8व)	56व4म -	64व4म	मंगला (1व)	64व4म -	65व4म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
सिद्धा शु	17-12-2027	28-04-2029	संकटा रा	17-12-2034	26-09-2036	मंगला चं	17-12-2042	27-12-2042
संकटा रा	28-04-2029	17-11-2030	मंगला चं	26-09-2036	17-12-2036	पिंगला सू	27-12-2042	16-01-2043
मंगला चं	17-11-2030	27-01-2031	पिंगला सू	17-12-2036	28-05-2037	धान्या गु	16-01-2043	16-02-2043
पिंगला सू	27-01-2031	18-06-2031	धान्या गु	28-05-2037	26-01-2038	भामरी मं	16-02-2043	28-03-2043
धान्या गु	18-06-2031	17-01-2032	भामरी मं	26-01-2038	17-12-2038	भद्रिका बु	28-03-2043	18-05-2043
भामरी मं	17-01-2032	27-10-2032	भद्रिकाबु	17-12-2038	27-01-2040	उल्का श	18-05-2043	18-07-2043
भद्रिकाबु	27-10-2032	17-10-2033	उल्का श	27-01-2040	28-05-2041	सिद्धा शु	18-07-2043	27-09-2043
उल्का श	17-10-2033	17-12-2034	सिद्धा शु	28-05-2041	17-12-2042	संकटा रा	27-09-2043	17-12-2043

पिंगला (2व)	65व4म -	67व4म	धान्या (3व)	67व4म -	70व4म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
पिंगला सू	17-12-2043	27-01-2044	धान्या गु	17-12-2045	18-03-2046
धान्या गु	27-01-2044	28-03-2044	भामरी मं	18-03-2046	18-07-2046
भामरी मं	28-03-2044	17-06-2044	भद्रिकाबु	18-07-2046	17-12-2046
भद्रिकाबु	17-06-2044	26-09-2044	उल्का श	17-12-2046	18-06-2047
उल्का श	26-09-2044	26-01-2045	सिद्धा शु	18-06-2047	17-01-2048
सिद्धा शु	26-01-2045	17-06-2045	संकटा रा	17-01-2048	16-09-2048
संकटा रा	17-06-2045	26-11-2045	मंगला चं	16-09-2048	17-10-2048
मंगला चं	26-11-2045	17-12-2045	पिंगला सू	17-10-2048	16-12-2048



योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(तृतीय चक्र)

भामरी (4व)		70व4म -	74व4म	भद्रिका (5व)		74व4म -	79व4म	उल्का (6व)		79व4म -	85व4म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
भामरी मं	16-12-2048	28-05-2049	भद्रिकाबु	16-12-2052	27-08-2053	उल्का श	17-12-2057	17-12-2058	सिद्धा शु	17-12-2058	16-02-2060
भद्रिकाबु	28-05-2049	17-12-2049	उल्का श	27-08-2053	27-06-2054	सिद्धा शु	16-02-2060	17-06-2061	संकटा रा	17-06-2061	17-08-2061
उल्का श	17-12-2049	17-08-2050	सिद्धा शु	27-06-2054	18-06-2055	संकटा रा	17-06-2061	17-12-2061	मंगला चं	17-06-2061	17-08-2061
सिद्धा शु	17-08-2050	28-05-2051	संकटा रा	18-06-2055	27-07-2056	मंगला चं	17-06-2061	17-12-2061	पिंगला सू	17-08-2061	17-12-2061
संकटा रा	28-05-2051	17-04-2052	मंगला चं	27-07-2056	16-09-2056	पिंगला सू	17-08-2061	17-12-2061	धान्या गु	17-12-2061	17-06-2062
मंगला चं	17-04-2052	28-05-2052	पिंगला सू	16-09-2056	27-12-2056	धान्या गु	17-12-2061	17-06-2062	भामरी मं	17-06-2062	16-02-2063
पिंगला सू	28-05-2052	17-08-2052	धान्या गु	27-12-2056	28-05-2057	भामरी मं	17-08-2062	17-12-2063	भद्रिका बु	16-02-2063	17-12-2063
धान्या गु	17-08-2052	16-12-2052		28-05-2057	17-12-2057						

सिद्धा (7व)		85व4म -	92व4म	संकटा (8व)		92व4म -	100व4म	मंगला (1व)		100व4म -	101व4म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
सिद्धा शु	17-12-2063	27-04-2065	संकटा रा	17-12-2070	26-09-2072	मंगला चं	17-12-2078	27-12-2078	पिंगला सू	27-12-2078	16-01-2079
संकटा रा	27-04-2065	16-11-2066	मंगला चं	26-09-2072	16-12-2072	पिंगला सू	16-12-2072	28-05-2073	धान्या गु	16-01-2079	16-02-2079
मंगला चं	16-11-2066	26-01-2067	पिंगला सू	16-12-2072	28-05-2073	धान्या गु	28-05-2073	26-01-2074	भामरी मं	16-02-2079	28-03-2079
पिंगला सू	26-01-2067	17-06-2067	धान्या गु	28-05-2073	26-01-2074	भामरी मं	26-01-2074	17-12-2074	भद्रिका बु	28-03-2079	18-05-2079
धान्या गु	17-06-2067	16-01-2068	भामरी मं	26-01-2074	17-12-2074	भद्रिका बु	17-12-2074	27-01-2076	उल्का श	18-05-2079	18-07-2079
भामरी मं	16-01-2068	27-10-2068	उल्का श	27-01-2076	28-05-2077	सिद्धा शु	18-07-2079	27-09-2079	सिद्धा शु	18-07-2079	27-09-2079
भद्रिका बु	27-10-2068	17-10-2069	सिद्धा शु	28-05-2077	17-12-2078				संकटा रा	27-09-2079	17-12-2079
उल्का श	17-10-2069	17-12-2070									

पिंगला (2व)		101व4म -	103व4म	धान्या (3व)		103व4म -	106व4म	
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
पिंगला सू	17-12-2079	27-01-2080	धान्या गु	16-12-2081	18-03-2082			
धान्या गु	27-01-2080	27-03-2080	भामरी मं	18-03-2082	18-07-2082			
भामरी मं	27-03-2080	17-06-2080	भद्रिका बु	18-07-2082	17-12-2082			
भद्रिका बु	17-06-2080	26-09-2080	उल्का श	17-12-2082	17-06-2083			
उल्का श	26-09-2080	26-01-2081	सिद्धा शु	17-06-2083	16-01-2084			
सिद्धा शु	26-01-2081	17-06-2081	संकटा रा	16-01-2084	16-09-2084			
संकटा रा	17-06-2081	26-11-2081	मंगला चं	16-09-2084	16-10-2084			
मंगला चं	26-11-2081	16-12-2081	पिंगला सू	16-10-2084	16-12-2084			



कालचक्र महा व अन्तर दशाएं

* भोग्य दशा : कर्क 17व 6मा 0दि * जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

कर्क (21व)	0व 0मा	सिंह (5व)	31व 5म	मिथुन (9व)	47व 5म	वृष (16व)	54व 5म
आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त	आरम्भ	अन्त
4 कर्क	5 सिंह	04-02-1996	3 मिथुन जी	03-02-2001	8 वृश्चिक	03-02-2010	
3 मिथुन जी 04-08-1978	6 कन्या	05-07-1996	4 कर्क	04-11-2001	7 तुला	05-06-2011	
2 वृष	7 तुला	04-12-1996	5 सिंह	05-08-2002	6 कन्या	04-10-2012	
1 मेष	8 वृश्चिक	05-05-1997	6 कन्या	06-05-2003	5 सिंह	03-02-2014	
12 मीन	9 धनु	05-10-1997	7 तुला	04-02-2004	4 कर्क	05-06-2015	
11 कुंभ	10 मकर दे	06-03-1998	8 वृश्चिक	04-11-2004	3 मिथुन जी	04-10-2016	
10 मकर दे	11 कुंभ	05-08-1998	9 धनु	05-08-2005	2 वृष	03-02-2018	
9 धनु	12 मीन	04-01-1999	10 मकर दे	06-05-2006	1 मेष	05-06-2019	
8 वृश्चिक	1 मेष	05-06-1999	11 कुंभ	04-02-2007	12 मीन	04-10-2020	
7 तुला	2 वृष	05-11-1999	12 मीन	05-11-2007	11 कुंभ	03-02-2022	
6 कन्या	3 मिथुन जी	05-04-2000	1 मेष	04-08-2008	10 मकर दे	05-06-2023	
5 सिंह	4 कर्क	04-09-2000	2 वृष	05-05-2009	9 धनु	04-10-2024	
मेष (7व)	64व 5म	मीन (10व)	68व 5म	कुंभ (4व)	72व 5म	मकर (4व)	82व 5म
आरम्भ	03-02-2026	आरम्भ	03-02-2033	आरम्भ	03-02-2043	आरम्भ	03-02-2047
अन्त	04-09-2026	अन्त	04-12-2033	अन्त	05-06-2043	अन्त	05-06-2047
1 मेष	6 कन्या	03-02-2033	5 सिंह	03-02-2043	4 कर्क	03-02-2047	
2 वृष	5 सिंह	04-12-2033	6 कन्या	05-06-2043	3 मिथुन जी	05-06-2047	
3 मिथुन जी 05-04-2027	4 कर्क	05-10-2034	7 तुला	05-10-2043	2 वृष	05-10-2047	
4 कर्क	3 मिथुन जी	05-08-2035	8 वृश्चिक	04-02-2044	1 मेष	04-02-2048	
5 सिंह	2 वृष	04-06-2036	9 धनु	04-06-2044	12 मीन	04-06-2048	
6 कन्या	1 मेष	05-04-2037	10 मकर दे	04-10-2044	11 कुंभ	04-10-2048	
7 तुला	12 मीन	03-02-2038	11 कुंभ	03-02-2045	10 मकर दे	03-02-2049	
8 वृश्चिक	10 मकर दे	05-10-2039	12 मीन	05-06-2045	9 धनु	05-06-2049	
9 धनु	9 धनु	04-08-2040	1 मेष	04-10-2045	8 वृश्चिक	04-10-2049	
10 मकर दे	8 वृश्चिक	05-06-2041	2 वृष	03-02-2046	7 तुला	03-02-2050	
11 कुंभ	7 तुला	05-04-2042	3 मिथुन जी	05-06-2046	6 कन्या	05-06-2050	
12 मीन			4 कर्क	05-10-2046	5 सिंह	04-10-2050	
धनु (10व)	89व 5म	मेष (7व)	105व 5म	वृष (16व)	114व 5म	मिथुन (9व)	135व 6म
आरम्भ	03-02-2051	आरम्भ	03-02-2061	आरम्भ	03-02-2068	आरम्भ	03-02-2084
अन्त	05-12-2051	अन्त	04-09-2061	अन्त	04-06-2069	अन्त	03-11-2084
3 मिथुन जी 03-02-2051	1 मेष	03-02-2061	8 वृश्चिक	03-02-2068	3 मिथुन जी	03-02-2084	
4 कर्क	2 वृष	04-09-2061	7 तुला	04-06-2069	4 कर्क	03-11-2084	
5 सिंह	3 मिथुन जी	05-04-2062	6 कन्या	04-10-2070	5 सिंह	04-08-2085	
6 कन्या	4 कर्क	04-11-2062	5 सिंह	03-02-2072	6 कन्या	05-05-2086	
7 तुला	5 सिंह	05-06-2063	4 कर्क	04-06-2073	7 तुला	03-02-2087	
8 वृश्चिक	6 कन्या	04-01-2064	3 मिथुन जी	04-10-2074	8 वृश्चिक	04-11-2087	
9 धनु	7 तुला	04-08-2064	2 वृष	03-02-2076	9 धनु	04-08-2088	
10 मकर दे	8 वृश्चिक	05-03-2065	1 मेष	04-06-2077	10 मकर दे	05-05-2089	
11 कुंभ	9 धनु	04-10-2065	12 मीन	04-10-2078	11 कुंभ	03-02-2090	
12 मीन	10 मकर दे	05-05-2066	11 कुंभ	03-02-2080	12 मीन	04-11-2090	
1 मेष	11 कुंभ	04-12-2066	10 मकर दे	04-06-2081	1 मेष	05-08-2091	
2 वृष	12 मीन	05-07-2067	9 धनु	04-10-2082	2 वृष	04-05-2092	

* तिथियाँ दशा आरम्भ काल की दी गई हैं। *



कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

कर्क-मिथुन जी

आरम्भ	04-08-1978
अन्त	05-08-1978
मिथुन	
कक्ष	
सिंह	
कन्या	
तुला	
वृश्चिक	
धनु	
मकर	
कुंभ	
मीन	
मेष	
वृष	04-08-1978

कर्क-वृष

आरम्भ	05-08-1978
अन्त	05-05-1980
वृश्चिक	05-08-1978
तुला	27-09-1978
कन्या	20-11-1978
सिंह	12-01-1979
तुला	06-03-1979
वृश्चिक	मिथुन
धनु	29-04-1979
मकर	13-08-1979
कुंभ	05-10-1979
मीन	28-11-1979
मेष	20-01-1980
वृष	13-03-1980

कर्क-मेष

आरम्भ	05-05-1980
अन्त	04-02-1982
मेष	05-05-1980
वृष	28-06-1980
मिथुन	20-08-1980
कक्ष	12-10-1980
सिंह	04-12-1980
तुला	27-01-1981
कन्या	21-03-1981
वृश्चिक	13-05-1981
धनु	05-07-1981
मकर	28-08-1981
कुंभ	20-10-1981
मीन	12-12-1981

कर्क-मीन

आरम्भ	04-02-1982
अन्त	05-11-1983
कन्या	04-02-1982
सिंह	29-03-1982
कक्ष	21-05-1982
वृश्चिक	13-07-1982
धनु	05-09-1982
मेष	28-10-1982
मीन	20-12-1982
कुंभ	11-02-1983
मकर	06-04-1983
धनु	29-05-1983
वृश्चिक	21-07-1983
मिथुन	12-09-1983
तुला	12-09-1983

कर्क-कुंभ

आरम्भ	05-11-1983
अन्त	05-08-1985
सिंह	05-11-1983
कन्या	28-12-1983
तुला	19-02-1984
वृश्चिक	12-04-1984
धनु	05-06-1984
मकर	28-07-1984
कुंभ	19-09-1984
मीन	12-11-1984
मेष	04-01-1985
वृष	26-02-1985
मिथुन	20-04-1985
कक्ष	13-06-1985

कर्क-मकर दे

आरम्भ	05-08-1985
अन्त	06-05-1987
कर्क	05-08-1985
मिथुन	27-09-1985
वृष	19-11-1985
मेष	12-01-1986
मीन	06-03-1986
कुंभ	28-04-1986
मकर	20-06-1986
धनु	13-08-1986
वृश्चिक	05-10-1986
तुला	27-11-1986
कन्या	20-01-1987
सिंह	14-03-1987

कर्क-धनु

आरम्भ	06-05-1987
अन्त	03-02-1989
मिथुन	06-05-1987
कक्ष	28-06-1987
सिंह	21-08-1987
कन्या	13-10-1987
तुला	05-12-1987
वृश्चिक	27-01-1988
धनु	21-03-1988
मकर	13-05-1988
कुंभ	05-07-1988
मीन	27-08-1988
मेष	20-10-1988
वृष	12-12-1988

कर्क-वृश्चिक

आरम्भ	03-02-1989
अन्त	04-11-1990
वृश्चिक	03-02-1989
तुला	28-03-1989
कन्या	21-05-1989
सिंह	13-07-1989
कक्ष	04-09-1989
मिथुन	28-10-1989
वृष	20-12-1989
मेष	11-02-1990
मीन	05-04-1990
कुंभ	29-05-1990
मकर	21-07-1990
धनु	12-09-1990

कर्क-तुला

आरम्भ	04-11-1990
अन्त	05-08-1992
मेष	04-11-1990
वृष	28-12-1990
मिथुन	19-02-1991
कक्ष	13-04-1991
सिंह	05-06-1991
कन्या	29-07-1991
तुला	20-09-1991
वृश्चिक	12-11-1991
धनु	05-01-1992
मकर	27-02-1992
कुंभ	20-04-1992
मीन	12-06-1992

कर्क-कन्या

आरम्भ	05-08-1992
अन्त	06-05-1994
कन्या	05-08-1992
सिंह	27-09-1992
कक्ष	19-11-1992
मिथुन	11-01-1993
वृष	06-03-1993
मेष	28-04-1993
मीन	20-06-1993
कुंभ	12-08-1993
मकर	05-10-1993
धनु	27-11-1993
वृश्चिक	19-01-1994
तुला	13-03-1994

कर्क-सिंह

आरम्भ	06-05-1994
अन्त	04-02-1996
सिंह	06-05-1994
कन्या	28-06-1994
तुला	20-08-1994
वृश्चिक	13-10-1994
धनु	05-12-1994
मकर	27-01-1995
कुंभ	21-03-1995
मीन	14-05-1995
मेष	06-07-1995
वृष	28-08-1995
मिथुन	20-10-1995
कक्ष	13-12-1995

सिंह-सिंह

आरम्भ	04-02-1996
अन्त	05-07-1996
सिंह	04-02-1996
कन्या	17-02-1996
तुला	29-02-1996
वृश्चिक	13-03-1996
धनु	26-03-1996
मकर	07-04-1996
कुंभ	20-04-1996
मीन	03-05-1996
मेष	15-05-1996
वृष	28-05-1996
मिथुन	10-06-1996
कक्ष	22-06-1996

सिंह-कन्या

आरम्भ	05-07-1996
अन्त	04-12-1996
मेष	04-12-1996
वृष	17-12-1996
मिथुन	30-12-1996
कक्ष	11-01-1997
सिंह	24-01-1997
कन्या	06-02-1997
तुला	18-02-1997
वृश्चिक	03-03-1997
धनु	16-03-1997
मकर	28-03-1997
कुंभ	10-04-1997
मीन	23-04-1997

सिंह-तुला

आरम्भ	04-12-1996
अन्त	05-05-1997
वृश्चिक	05-05-1997
तुला	18-05-1997
कन्या	31-05-1997
सिंह	13-06-1997
कक्ष	25-06-1997
मिथुन	08-07-1997
वृष	21-07-1997
मेष	02-08-1997
मीन	15-08-1997
कुंभ	28-08-1997
मकर	09-09-1997
धनु	22-09-1997

सिंह-वृश्चिक

आरम्भ	05-05-1997
अन्त	05-10-1997
वृश्चिक	05-05-1997
तुला	18-05-1997
कन्या	31-05-1997
सिंह	13-06-1997
कक्ष	25-06-1997
मिथुन	08-07-1997
वृष	21-07-1997
मेष	02-08-1997
मीन	15-08-1997
कुंभ	28-08-1997
मकर	09-09-1997
धनु	22-09-1997



कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

सिंह-धनु

आरम्भ 05-10-1997

अन्त 06-03-1998

मिथुन 05-10-1997

कक्ष 17-10-1997

सिंह 30-10-1997

कन्या 12-11-1997

तुला 24-11-1997

वृश्चिक 07-12-1997

धनु 20-12-1997

मकर 01-01-1998

कुंभ 14-01-1998

मीन 27-01-1998

मेष 08-02-1998

वृष 21-02-1998

सिंह-मकर दे

आरम्भ 06-03-1998

अन्त 05-08-1998

मिथुन 19-03-1998

कक्ष 31-03-1998

वृष 13-04-1998

धनु 26-04-1998

कुंभ 08-05-1998

मकर 21-05-1998

धनु 03-06-1998

वृश्चिक 15-06-1998

मीन 28-06-1998

कन्या 11-07-1998

तुला 23-07-1998

सिंह-कुंभ

आरम्भ 05-08-1998

अन्त 04-01-1999

सिंह 05-08-1998

कन्या 18-08-1998

तुला 30-08-1998

वृश्चिक 12-09-1998

धनु 25-09-1998

मकर 07-10-1998

कुंभ 20-10-1998

मीन 02-11-1998

वृश्चिक 14-11-1998

मेष 27-11-1998

मिथुन 10-12-1998

कक्ष 23-12-1998

सिंह-मीन

आरम्भ 04-01-1999

अन्त 05-06-1999

कन्या 04-01-1999

सिंह 17-01-1999

तुला 30-01-1999

वृश्चिक 11-02-1999

धनु 24-02-1999

मेष 09-03-1999

मीन 21-03-1999

कुंभ 03-04-1999

मकर 16-04-1999

धनु 28-04-1999

वृश्चिक 11-05-1999

तुला 24-05-1999

सिंह-मेष

आरम्भ 05-06-1999

अन्त 05-11-1999

मेष 05-06-1999

वृष 18-06-1999

मिथुन 01-07-1999

कक्ष 13-07-1999

सिंह 26-07-1999

कन्या 08-08-1999

तुला 20-08-1999

वृश्चिक 02-09-1999

धनु 15-09-1999

मकर 28-09-1999

कुंभ 10-10-1999

मीन 23-10-1999

सिंह-वृष

आरम्भ 05-11-1999

अन्त 05-04-2000

वृश्चिक 05-11-1999

तुला 17-11-1999

कन्या 30-11-1999

सिंह 13-12-1999

कक्ष 25-12-1999

मिथुन 07-01-2000

वृष 20-01-2000

मेष 01-02-2000

मीन 14-02-2000

कुंभ 27-02-2000

मकर 10-03-2000

धनु 23-03-2000

सिंह-मिथुन जी

आरम्भ 05-04-2000

अन्त 04-09-2000

मिथुन 05-04-2000

कक्ष 17-04-2000

सिंह 30-04-2000

कन्या 13-05-2000

तुला 25-05-2000

वृश्चिक 07-06-2000

धनु 20-06-2000

मकर 03-07-2000

कुंभ 15-07-2000

मीन 28-07-2000

वृश्चिक 10-08-2000

धनु 22-08-2000

सिंह-कर्क

आरम्भ 04-09-2000

अन्त 03-02-2001

कर्क 04-09-2000

मिथुन 17-09-2000

वृष 29-09-2000

मेष 12-10-2000

मीन 25-10-2000

कुंभ 06-11-2000

मकर 19-11-2000

धनु 02-12-2000

वृश्चिक 14-12-2000

तुला 27-12-2000

कन्या 09-01-2001

सिंह 21-01-2001

मिथुन-मिथुन जी

आरम्भ 03-02-2001

अन्त 04-11-2001

मिथुन 03-02-2001

कर्क 26-02-2001

सिंह 21-03-2001

कन्या 13-04-2001

तुला 05-05-2001

वृश्चिक 28-05-2001

धनु 20-06-2001

मकर 13-07-2001

कुंभ 05-08-2001

मीन 28-08-2001

वृष 19-09-2001

सिंह 12-10-2001

मिथुन-कर्क

आरम्भ 04-11-2001

अन्त 05-08-2002

कर्क 04-11-2001

मिथुन 27-11-2001

वृष 20-12-2001

मेष 12-01-2002

मीन 03-02-2002

कुंभ 26-02-2002

धनु 13-04-2002

वृश्चिक 06-05-2002

तुला 29-05-2002

कन्या 20-06-2002

सिंह 13-07-2002

मिथुन-सिंह

आरम्भ 05-08-2002

अन्त 06-05-2003

सिंह 05-08-2002

कन्या 28-08-2002

वृश्चिक 12-10-2002

धनु 04-11-2002

मकर 27-11-2002

कुंभ 20-12-2002

मीन 12-01-2003

वृष 04-02-2003

मेष 26-02-2003

मिथुन 21-03-2003

कर्क 13-04-2003

मिथुन-कन्या

आरम्भ 06-05-2003

अन्त 04-02-2004

सिंह 06-05-2003

कन्या 29-05-2003

वृश्चिक 21-06-2003

मिथुन 13-07-2003

धनु 05-08-2003

मेष 28-08-2003

मीन 20-09-2003

कुंभ 13-10-2003

वृश्चिक 05-11-2003

धनु 27-11-2003

मकर 04-08-2004

मिथुन-तुला

आरम्भ 04-02-2004

अन्त 04-11-2004

कर्क 04-02-2004

मिथुन 21-03-2004

वृश्चिक 12-04-2004

सिंह 05-05-2004

कन्या 28-05-2004

तुला 20-06-2004

वृश्चिक 13-07-2004

धनु 04-08-2004

मकर 27-08-2004

कुंभ 19-09-2004

मीन 12-10-2004

मिथुन-वृश्चिक

आरम्भ 04-11-2004

अन्त 05-08-2005

वृश्चिक 04-11-2004

तुला 27-11-2004

कन्या 19-12-2004

सिंह 11-01-2005

वृश्चिक 03-02-2005

मिथुन 26-02-2005

धनु 21-03-2005

मेष 13-04-2005

मीन 05-05-2005

कुंभ 28-05-2005

मकर 20-06-2005

मिथुन-धनु

आरम्भ 05-08-2005

अन्त 06-05-2006

धनु 05-08-2005

वृश्चिक 28-08-2005

कर्क 13-09-2005

सिंह 12-10-2005

कन्या 19-11-2005

तुला 04-12-2005

वृश्चिक 27-11-2005

धनु 20-12-2005

मकर 12-01-2006

कुंभ 03-02-2006

मीन 26-02-2006

वृश्चिक 21-03-2006

धनु 13-04-2006





कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

मिथुन-मकर दे

आरम्भ 06-05-2006

अन्त 04-02-2007

कर्क 06-05-2006

मिथुन 28-05-2006

वृष 20-06-2006

मेष 13-07-2006

मीन 05-08-2006

कुंभ 28-08-2006

मकर 20-09-2006

धनु 12-10-2006

वृश्चिक 04-11-2006

तुला 27-11-2006

कन्या 20-12-2006

सिंह 12-01-2007

मिथुन-कुंभ

आरम्भ 04-02-2007

अन्त 05-11-2007

सिंह 04-02-2007

कन्या 26-02-2007

तुला 21-03-2007

वृश्चिक 13-04-2007

धनु 06-05-2007

मकर 29-05-2007

कुंभ 21-06-2007

मीन 13-07-2007

सेष 05-08-2007

वृष 28-08-2007

मिथुन 20-09-2007

कर्क 13-10-2007

मिथुन-मीन

आरम्भ 05-11-2007

अन्त 04-08-2008

कन्या 05-11-2007

सिंह 27-11-2007

कर्क 20-12-2007

मिथुन 12-01-2008

वृष 04-02-2008

मेष 27-02-2008

मीन 20-03-2008

कुंभ 12-04-2008

मकर 05-05-2008

धनु 28-05-2008

वृश्चिक 20-06-2008

तुला 13-07-2008

मिथुन-मेष

आरम्भ 04-08-2008

अन्त 05-05-2009

मेष 04-08-2008

वृष 27-08-2008

मिथुन 19-09-2008

कर्क 12-10-2008

सिंह 04-11-2008

कन्या 27-11-2008

तुला 19-12-2008

वृश्चिक 11-01-2009

धनु 03-02-2009

मकर 26-02-2009

कुंभ 21-03-2009

मीन 13-04-2009

मिथुन-वृष

आरम्भ 05-05-2009

अन्त 03-02-2010

वृश्चिक 05-05-2009

तुला 28-05-2009

कन्या 20-06-2009

सिंह 13-07-2009

कर्क 05-08-2009

मिथुन 28-08-2009

वृष 19-09-2009

मेष 12-10-2009

मीन 04-11-2009

कुंभ 27-11-2009

मकर 20-12-2009

धनु 11-01-2010

वृष-वृश्चिक

आरम्भ 03-02-2010

अन्त 05-06-2011

वृश्चिक 03-02-2010

तुला 16-03-2010

कन्या 25-04-2010

सिंह 05-06-2010

कर्क 16-07-2010

मिथुन 25-08-2010

वृष 05-10-2010

मेष 14-11-2010

मीन 25-12-2010

कुंभ 04-02-2011

मकर 16-03-2011

धनु 26-04-2011

वृष-तुला

आरम्भ 05-06-2011

अन्त 04-10-2012

मेष 05-06-2011

वृष 16-07-2011

मिथुन 25-08-2011

कर्क 05-10-2011

सिंह 15-11-2011

कन्या 25-12-2011

तुला 04-02-2012

वृश्चिक 15-03-2012

धनु 25-04-2012

मकर 05-06-2012

कुंभ 15-07-2012

मीन 25-08-2012

वृष-कन्या

आरम्भ 04-10-2012

अन्त 03-02-2014

कन्या 04-10-2012

सिंह 14-11-2012

कर्क 24-12-2012

मिथुन 03-02-2013

वृष 16-03-2013

मेष 25-04-2013

मीन 05-06-2013

कुंभ 15-07-2013

मकर 25-08-2013

धनु 05-10-2013

वृश्चिक 14-11-2013

तुला 25-12-2013

वृष-सिंह

आरम्भ 03-02-2014

अन्त 05-06-2015

सिंह 03-02-2014

कन्या 16-03-2014

तुला 25-04-2014

वृश्चिक 05-06-2014

धनु 16-07-2014

मकर 25-08-2014

कुंभ 05-10-2014

मीन 14-11-2014

मेष 25-12-2014

वृश्चिक 04-02-2015

तुला 05-06-2015

कन्या 15-07-2015

सिंह 25-08-2015

वृष-कर्क

आरम्भ 05-06-2015

अन्त 04-10-2016

कर्क 05-06-2015

मिथुन 16-07-2015

वृष 25-08-2015

मेष 05-10-2015

मीन 15-11-2015

कुंभ 25-12-2015

मकर 04-02-2016

धनु 15-03-2016

वृश्चिक 25-04-2016

तुला 05-06-2016

कन्या 15-07-2016

सिंह 25-08-2016

वृष-मिथुन जी

आरम्भ 04-10-2016

अन्त 03-02-2018

मिथुन 04-10-2016

कर्क 14-11-2016

सिंह 24-12-2016

कन्या 03-02-2017

तुला 16-03-2017

वृश्चिक 25-04-2017

धनु 05-06-2017

मकर 15-07-2017

कुंभ 25-08-2017

मीन 05-10-2017

मेष 14-11-2017

वृष 25-12-2017

वृष-वृष

आरम्भ 03-02-2018

अन्त 05-06-2019

वृश्चिक 03-02-2018

तुला 16-03-2018

कन्या 25-04-2018

सिंह 05-06-2018

कर्क 16-07-2018

मिथुन 25-08-2018

वृष 05-10-2018

मेष 14-11-2018

वृश्चिक 25-12-2018

धनु 25-04-2020

मकर 04-06-2020

कुंभ 15-07-2020

मीन 25-08-2020

वृष-मेष

आरम्भ 05-06-2019

अन्त 04-10-2020

मेष 05-06-2019

वृष 16-07-2019

मिथुन 25-08-2019

कर्क 05-10-2019

सिंह 15-11-2019

कन्या 25-12-2019

तुला 04-02-2020

वृश्चिक 15-03-2020

धनु 25-04-2020

मकर 04-06-2020

कुंभ 15-07-2020

मीन 25-08-2020

वृष-मीन

आरम्भ 04-10-2020

अन्त 03-02-2022

मीन 04-10-2020

सिंह 14-11-2020

कर्क 24-12-2020

मिथुन 03-02-2021

वृष 16-03-2021

मेष 25-04-2021

मीन 05-06-2021

कुंभ 15-07-2021

मीन 14-11-2021

वृश्चिक 25-08-2021

धनु 04-10-2021

वृश्चिक 14-11-2021

मिथुन 16-03-2023

वृष-कुंभ

आरम्भ 03-02-2022

अन्त 05-06-2023

कुंभ 03-02-2022

सिंह 16-03-2022

कन्या 25-04-2022

तुला 03-02-2021

वृश्चिक 05-06-2022

धनु 16-07-2022

मकर 25-08-2022

कुंभ 05-10-2022

मीन 14-11-2022

मेष 25-12-2022

वृष 03-02-2023

मिथुन 16-03-2023

कर्क 26-04-2023





कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

वृष-मकर दे

आरम्भ 05-06-2023

अन्त 04-10-2024

कर्क	05-06-2023
मिथुन	16-07-2023
वृष	25-08-2023
मेष	05-10-2023
मीन	15-11-2023
कुंभ	25-12-2023
मकर	04-02-2024
धनु	15-03-2024
वृश्चिक	25-04-2024
तुला	04-06-2024
कन्या	15-07-2024
सिंह	25-08-2024

वृष-धनु

आरम्भ 04-10-2024

अन्त 03-02-2026

मिथुन	04-10-2024
कर्क	14-11-2024
सिंह	24-12-2024
कन्या	03-02-2025
तुला	16-03-2025
वृश्चिक	25-04-2025
धनु	05-06-2025
मकर	15-07-2025
धनु	25-08-2025
मीन	04-10-2025
मेष	14-11-2025
वृष	25-12-2025

मेष-मेष

आरम्भ 03-02-2026

अन्त 04-09-2026

मेष	03-02-2026
वृष	21-02-2026
मिथुन	11-03-2026
कर्क	28-03-2026
सिंह	15-04-2026
कन्या	03-05-2026
तुला	21-05-2026
वृश्चिक	07-06-2026
धनु	25-06-2026
मकर	13-07-2026
कुंभ	31-07-2026
मीन	17-08-2026

मेष-वृष

आरम्भ 04-09-2026

अन्त 05-04-2027

वृश्चिक	04-09-2026
तुला	22-09-2026
कन्या	10-10-2026
सिंह	28-10-2026
कर्क	14-11-2026
मिथुन	02-12-2026
वृष	20-12-2026
मेष	07-01-2027
मीन	24-01-2027
कुंभ	11-02-2027
मकर	01-03-2027
धनु	19-03-2027

मेष-मिथुन जी

आरम्भ 05-04-2027

अन्त 04-11-2027

मिथुन	05-04-2027
कर्क	23-04-2027
सिंह	11-05-2027
कन्या	29-05-2027
तुला	15-06-2027
वृश्चिक	03-07-2027
धनु	21-07-2027
मकर	08-08-2027
कुंभ	25-08-2027
मीन	12-09-2027
मेष	30-09-2027
वृष	18-10-2027

मेष-कर्क

आरम्भ 04-11-2027

अन्त 04-06-2028

कर्क	04-11-2027
मिथुन	22-11-2027
वृष	10-12-2027
मेष	28-12-2027
मीन	14-01-2028
कुंभ	01-02-2028
मकर	19-02-2028
धनु	08-03-2028
वृश्चिक	25-03-2028
तुला	12-04-2028
कन्या	30-04-2028
सिंह	18-05-2028

मेष-सिंह

आरम्भ 04-06-2028

अन्त 03-01-2029

सिंह	04-06-2028
कन्या	22-06-2028
तुला	10-07-2028
वृश्चिक	28-07-2028
धनु	14-08-2028
मकर	01-09-2028
कुंभ	19-09-2028
मीन	07-10-2028
मेष	24-10-2028
वृष	11-11-2028
मिथुन	29-11-2028
कर्क	17-12-2028

मेष-कन्या

आरम्भ 03-01-2029

अन्त 05-08-2029

कन्या	03-01-2029
सिंह	21-01-2029
कर्क	08-02-2029
मिथुन	26-02-2029
वृष	15-03-2029
मेष	02-04-2029
मीन	20-04-2029
कुंभ	08-05-2029
मकर	26-05-2029
धनु	12-06-2029
वृश्चिक	30-06-2029
तुला	18-07-2029

मेष-तुला

आरम्भ 05-08-2029

अन्त 06-03-2030

मेष	05-08-2029
वृष	22-08-2029
मिथुन	09-09-2029
कर्क	27-09-2029
सिंह	15-10-2029
कन्या	01-11-2029
तुला	19-11-2029
वृश्चिक	07-12-2029
धनु	25-12-2029
मकर	11-01-2030
कुंभ	29-01-2030
मीन	16-02-2030

मेष-वृश्चिक

आरम्भ 06-03-2030

अन्त 05-10-2030

वृश्चिक	06-03-2030
तुला	23-03-2030
कन्या	10-04-2030
सिंह	28-04-2030
कर्क	16-05-2030
मिथुन	02-06-2030
वृष	20-06-2030
मेष	08-07-2030
मीन	26-07-2030
कुंभ	12-08-2030
मकर	30-08-2030
धनु	17-09-2030

मेष-धनु

आरम्भ 05-10-2030

अन्त 06-05-2031

मिथुन	05-10-2030
कर्क	22-10-2030
सिंह	09-11-2030
कन्या	27-11-2030
तुला	15-12-2030
वृश्चिक	01-01-2031
धनु	19-01-2031
मकर	06-02-2031
कुंभ	24-02-2031
मीन	13-03-2031
मेष	31-03-2031
वृष	18-04-2031

मेष-मकर दे

आरम्भ 06-05-2031

अन्त 05-12-2031

कर्क	06-05-2031
मिथुन	23-05-2031
वृष	10-06-2031
मेष	28-06-2031
मीन	16-07-2031
कुंभ	02-08-2031
मकर	20-08-2031
धनु	07-09-2031
वृश्चिक	25-09-2031
तुला	13-10-2031
कन्या	30-10-2031
सिंह	17-11-2031

मेष-कुंभ

आरम्भ 05-12-2031

अन्त 05-07-2032

सिंह	05-12-2031
कन्या	23-12-2031
तुला	09-01-2032
वृश्चिक	27-01-2032
धनु	14-02-2032
मकर	03-03-2032
कुंभ	20-03-2032
मीन	07-04-2032
मेष	25-04-2032
वृश्चिक	30-05-2032
तुला	17-06-2032

मेष-मीन

आरम्भ 05-07-2032

अन्त 03-02-2033

कन्या	05-07-2032
सिंह	23-07-2032
कर्क	09-08-2032
मिथुन	27-08-2032
वृष	14-09-2032
मेष	02-10-2032
मीन	19-10-2032
कुंभ	06-11-2032
मकर	24-11-2032
धनु	12-12-2032
वृश्चिक	29-12-2032
तुला	16-01-2033

मीन-कन्या

आरम्भ 03-02-2033

अन्त 04-12-2033

कन्या	03-02-2033
सिंह	28-02-2033
कर्क	26-03-2033
मिथुन	20-04-2033
वृष	15-05-2033
मेष	10-06-2033
मीन	05-07-2033
कुंभ	30-07-2033
मकर	25-08-2033
धनु	19-09-2033
वृश्चिक	15-10-2033
तुला	09-11-2033





कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

मीन-सिंह

आरम्भ	04-12-2033
अन्त	05-10-2034
सिंह	04-12-2033
कन्या	30-12-2033
तुला	24-01-2034
वृश्चिक	18-02-2034
धनु	16-03-2034
मकर	10-04-2034
कुंभ	05-05-2034
मीन	31-05-2034
मेष	25-06-2034
वृष	21-07-2034
मिथुन	15-08-2034
कर्क	09-09-2034

मीन-कर्क

आरम्भ	05-10-2034
अन्त	05-08-2035
कर्क	05-10-2034
मिथुन	30-10-2034
वृष	24-11-2034
मेष	20-12-2034
मीन	14-01-2035
कुंभ	08-02-2035
मकर	06-03-2035
वृश्चिक	26-04-2035
धनु	31-03-2035
तुला	21-05-2035
कन्या	15-06-2035
सिंह	11-07-2035

मीन-मिथुन जी

आरम्भ	05-08-2035
अन्त	04-06-2036
मिथुन	05-08-2035
कर्क	30-08-2035
सिंह	25-09-2035
कन्या	20-10-2035
तुला	14-11-2035
वृश्चिक	10-12-2035
धनु	04-01-2036
मकर	30-01-2036
मेष	29-11-2036
कुंभ	24-02-2036
मीन	20-03-2036
सेष	15-04-2036
वृष	10-05-2036

मीन-वृष

आरम्भ	04-06-2036
अन्त	05-04-2037
वृश्चिक	04-06-2036
तुला	30-06-2036
कन्या	25-07-2036
सिंह	19-08-2036
कर्क	14-09-2036
मिथुन	09-10-2036
वृष	04-11-2036
मेष	29-11-2036
मीन	24-12-2036
कुंभ	19-01-2037
मकर	13-02-2037
धनु	10-03-2037

मीन-मेष

आरम्भ	05-04-2037
अन्त	03-02-2038
मेष	05-04-2037
वृष	30-04-2037
मिथुन	25-05-2037
कर्क	20-06-2037
सिंह	15-07-2037
कन्या	10-08-2037
तुला	04-09-2037
वृश्चिक	29-09-2037
धनु	25-10-2037
मकर	19-11-2037
कुंभ	14-12-2037
मीन	09-01-2038

मीन-मीन

आरम्भ	03-02-2038
अन्त	04-12-2038
कन्या	03-02-2038
सिंह	28-02-2038
कर्क	26-03-2038
मिथुन	20-04-2038
वृष	16-05-2038
मेष	10-06-2038
मीन	05-07-2038
कुंभ	31-07-2038
मकर	25-08-2038
धनु	19-09-2038
वृश्चिक	15-10-2038
तुला	09-11-2038

मीन-कुंभ

आरम्भ	04-12-2038
अन्त	05-10-2039
सिंह	04-12-2038
कन्या	30-12-2038
तुला	24-01-2039
वृश्चिक	19-02-2039
धनु	16-03-2039
मेष	10-04-2039
कुंभ	06-05-2039
मीन	31-05-2039
सेष	25-06-2039
वृष	21-07-2039
मिथुन	15-08-2039
कर्क	09-09-2039

मीन-मकर दे

आरम्भ	05-10-2039
अन्त	04-08-2040
कर्क	05-10-2039
मिथुन	30-10-2039
वृष	25-11-2039
मेष	20-12-2039
मीन	14-01-2040
कुंभ	09-02-2040
मकर	05-03-2040
धनु	30-03-2040
वृश्चिक	25-04-2040
तुला	20-05-2040
कन्या	14-06-2040
सिंह	10-07-2040

मीन-धनु

आरम्भ	04-08-2040
अन्त	05-06-2041
मिथुन	04-08-2040
कर्क	30-08-2040
सिंह	24-09-2040
कन्या	19-10-2040
तुला	14-11-2040
वृश्चिक	09-12-2040
धनु	03-01-2041
मकर	29-01-2041
कुंभ	23-02-2041
मीन	20-03-2041
सेष	15-04-2041
वृष	10-05-2041

मीन-वृश्चिक

आरम्भ	05-06-2041
अन्त	05-04-2042
वृश्चिक	05-06-2041
तुला	30-06-2041
कन्या	25-07-2041
सिंह	20-08-2041
कर्क	14-09-2041
मिथुन	09-10-2041
वृष	04-11-2041
मेष	29-11-2041
मीन	24-12-2041
कुंभ	19-01-2042
मकर	13-02-2042
धनु	11-03-2042

मीन-तुला

आरम्भ	05-04-2042
अन्त	03-02-2043
मेष	05-04-2042
वृष	30-04-2042
मिथुन	26-05-2042
कर्क	20-06-2042
सिंह	15-07-2042
कन्या	10-08-2042
तुला	04-09-2042
वृश्चिक	29-09-2042
धनु	25-10-2042
मकर	19-11-2042
कुंभ	15-12-2042
मीन	09-01-2043

कुंभ-सिंह

आरम्भ	03-02-2043
अन्त	05-06-2043
सिंह	03-02-2043
कन्या	13-02-2043
तुला	24-02-2043
वृश्चिक	06-03-2043
धनु	16-03-2043
मेष	26-03-2043
कुंभ	05-04-2043
मीन	15-04-2043
सेष	25-04-2043
वृष	06-05-2043
मिथुन	16-05-2043
कर्क	26-05-2043

कुंभ-कन्या

आरम्भ	05-06-2043
अन्त	05-10-2043
कर्क	25-06-2043
मिथुन	05-07-2043
वृष	16-07-2043
मेष	26-07-2043
मीन	05-08-2043
कुंभ	15-08-2043
मकर	25-08-2043
धनु	04-09-2043
वृश्चिक	15-09-2043
तुला	25-09-2043

कुंभ-तुला

आरम्भ	05-10-2043
अन्त	04-02-2044
मेष	05-10-2043
वृष	15-10-2043
मिथुन	25-10-2043
कर्क	04-11-2043
सिंह	14-11-2043
कन्या	25-11-2043
तुला	05-12-2043
वृश्चिक	15-12-2043
धनु	25-12-2043
मकर	04-01-2044
कुंभ	14-01-2044
मीन	24-01-2044

कुंभ-वृश्चिक

आरम्भ	04-02-2044
अन्त	04-06-2044
वृश्चिक	04-02-2044
तुला	14-02-2044
कन्या	24-02-2044
सिंह	05-03-2044
कर्क	15-03-2044
मिथुन	25-03-2044
वृष	04-04-2044
मेष	15-04-2044
मीन	25-04-2044
कुंभ	05-05-2044
मकर	15-05-2044
धनु	25-05-2044



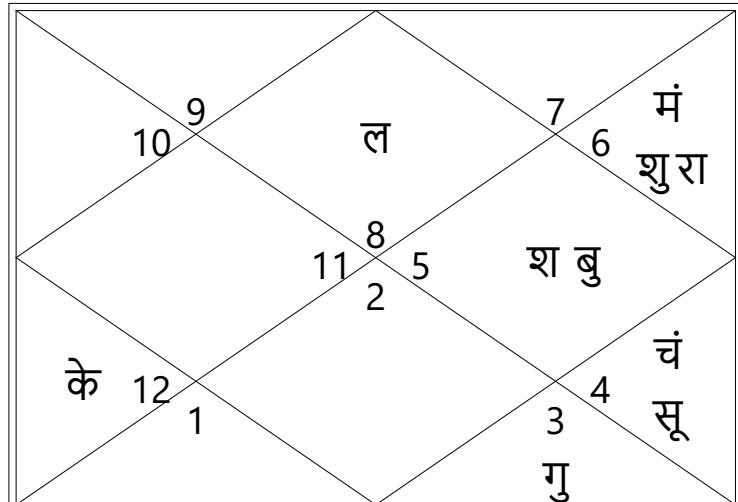


जैमिनी पद्धति

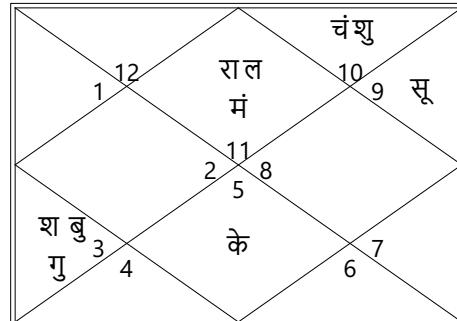
चर कारक

आत्म	अमात्य	भ्रातृ	मातृ	पितृ	ज्ञाति	स्त्री
गुरु	चंद्र	सूर्य	बुध	शनि	मंगल	शुक्र
29:49	22:05	18:06	09:26	07:30	06:27	02:25

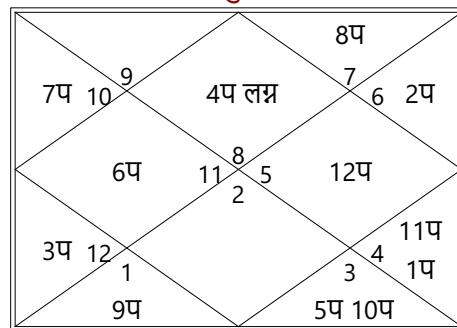
जन्म कुण्डली 4 अगस्त 1978 15:15:00 घंटा Balpur, Madhya Pradesh, India



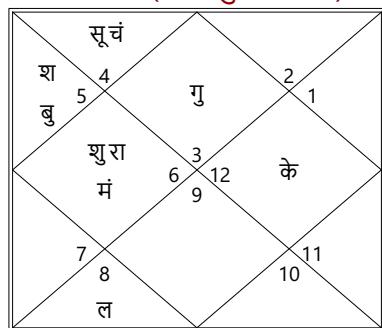
नवांश



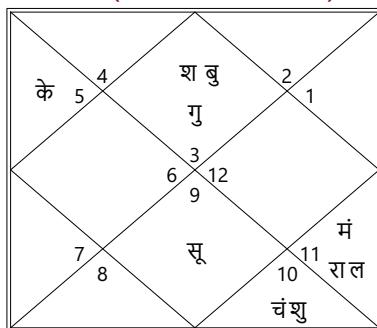
पद कुण्डली



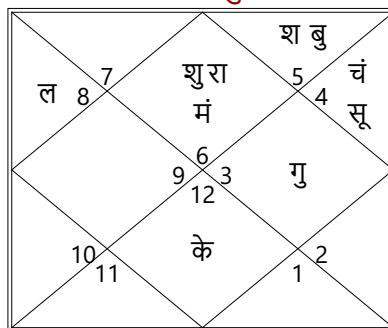
कारकांश (जन्म कुण्डली में)



स्वांश (कारकांश नवांश में)



उपपद लग्न कुण्डली



जैमिनी दृष्टियाँ

द्विस्वभाव राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ
मं-गु-शु-रा-के
चर व स्थिर राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ

विशेष गणनाएं

- | | |
|------------------|------------------|
| जैमिनी होरा लग्न | : कन्या 10:28:17 |
| वर्णद लग्न | : कुंभ |
| प्राणपद लग्न | : मिथुन 15:38:40 |
| आरुढ़ लग्न | : कक्षी |
| उपपद | : कन्या |
| दध राशि | : तुला, मकर |
| ब्रह्मा | : मंगल |
| महेश्वर | : शनि |
| रुद्र | : शुक्र |



जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (10व)	0व0म	तुला (11व)	10व0म	कन्या (1व)	21व0म	सिंह (1व)	21व11म
आरम्भ	04-08-1978	आरम्भ	04-08-1988	आरम्भ	04-08-1999	आरम्भ	03-08-2000
अन्त	04-08-1988	अन्त	04-08-1999	अन्त	03-08-2000	अन्त	04-08-2001
7 तुला	05-06-1979	8 वृश्चिक	04-07-1989	7 तुला	04-09-1999	6 कन्या	03-09-2000
6 कन्या	04-04-1980	9 धनु	04-06-1990	8 वृश्चिक	04-10-1999	7 तुला	03-10-2000
5 सिंह	02-02-1981	10 मकर	05-05-1991	9 धनु	04-11-1999	8 वृश्चिक	03-11-2000
4 कर्क	04-12-1981	11 कुंभ	04-04-1992	10 मकर	04-12-1999	9 धनु	03-12-2000
3 मिथुन	04-10-1982	12 मीन	05-03-1993	11 कुंभ	03-01-2000	10 मकर	03-01-2001
2 वृष	04-08-1983	1 मेष	02-02-1994	12 मीन	03-02-2000	11 कुंभ	02-02-2001
1 मेष	04-06-1984	2 वृष	03-01-1995	1 मेष	04-03-2000	12 मीन	05-03-2001
12 मीन	04-04-1985	3 मिथुन	04-12-1995	2 वृष	04-04-2000	1 मेष	04-04-2001
11 कुंभ	02-02-1986	4 कर्क	03-11-1996	3 मिथुन	04-05-2000	2 वृष	04-05-2001
10 मकर	04-12-1986	5 सिंह	04-10-1997	4 कर्क	04-06-2000	3 मिथुन	04-06-2001
9 धनु	04-10-1987	6 कन्या	03-09-1998	5 सिंह	04-07-2000	4 कर्क	04-07-2001
8 वृश्चिक	04-08-1988	7 तुला	04-08-1999	6 कन्या	03-08-2000	5 सिंह	04-08-2001

कर्क (12व)	23व0म	मिथुन (2व)	35व0म	वृष (4व)	37व0म	मेष (5व)	41व0म
आरम्भ	04-08-2001	आरम्भ	04-08-2013	आरम्भ	04-08-2015	आरम्भ	04-08-2019
अन्त	04-08-2013	अन्त	04-08-2015	अन्त	04-08-2019	अन्त	03-08-2024
3 मिथुन	04-08-2002	2 वृष	03-10-2013	1 मेष	04-12-2015	2 वृष	03-01-2020
2 वृष	04-08-2003	1 मेष	03-12-2013	12 मीन	04-04-2016	3 मिथुन	03-06-2020
1 मेष	03-08-2004	12 मीन	02-02-2014	11 कुंभ	03-08-2016	4 कर्क	03-11-2020
12 मीन	04-08-2005	11 कुंभ	04-04-2014	10 मकर	03-12-2016	5 सिंह	04-04-2021
11 कुंभ	04-08-2006	10 मकर	04-06-2014	9 धनु	04-04-2017	6 कन्या	03-09-2021
10 मकर	04-08-2007	9 धनु	04-08-2014	8 वृश्चिक	04-08-2017	7 तुला	02-02-2022
9 धनु	03-08-2008	8 वृश्चिक	04-10-2014	7 तुला	03-12-2017	8 वृश्चिक	04-07-2022
8 वृश्चिक	04-08-2009	7 तुला	04-12-2014	6 कन्या	04-04-2018	9 धनु	04-12-2022
7 तुला	04-08-2010	6 कन्या	02-02-2015	5 सिंह	04-08-2018	10 मकर	05-05-2023
6 कन्या	04-08-2011	5 सिंह	04-04-2015	4 कर्क	04-12-2018	11 कुंभ	04-10-2023
5 सिंह	03-08-2012	4 कर्क	04-06-2015	3 मिथुन	04-04-2019	12 मीन	04-03-2024
4 कर्क	04-08-2013	3 मिथुन	04-08-2015	2 वृष	04-08-2019	1 मेष	03-08-2024

मीन (9व)	45व11म	कुंभ (5व)	54व11म	मकर (5व)	60व0म	धनु (6व)	65व0म
आरम्भ	03-08-2024	आरम्भ	03-08-2033	आरम्भ	04-08-2038	आरम्भ	04-08-2043
अन्त	03-08-2033	अन्त	04-08-2038	अन्त	04-08-2043	अन्त	03-08-2049
1 मेष	04-05-2025	12 मीन	03-01-2034	9 धनु	03-01-2039	8 वृश्चिक	02-02-2044
2 वृष	02-02-2026	1 मेष	04-06-2034	8 वृश्चिक	04-06-2039	7 तुला	03-08-2044
3 मिथुन	03-11-2026	2 वृष	03-11-2034	7 तुला	03-11-2039	6 कन्या	02-02-2045
4 कर्क	04-08-2027	3 मिथुन	04-04-2035	6 कन्या	03-04-2040	5 सिंह	03-08-2045
5 सिंह	04-05-2028	4 कर्क	03-09-2035	5 सिंह	03-09-2040	4 कर्क	02-02-2046
6 कन्या	02-02-2029	5 सिंह	03-02-2036	4 कर्क	02-02-2041	3 मिथुन	04-08-2046
7 तुला	03-11-2029	6 कन्या	04-07-2036	3 मिथुन	04-07-2041	2 वृष	02-02-2047
8 वृश्चिक	04-08-2030	7 तुला	03-12-2036	2 वृष	03-12-2041	1 मेष	04-08-2047
9 धनु	05-05-2031	8 वृश्चिक	04-05-2037	1 मेष	04-05-2042	12 मीन	02-02-2048
10 मकर	03-02-2032	9 धनु	03-10-2037	12 मीन	04-10-2042	11 कुंभ	03-08-2048
11 कुंभ	03-11-2032	10 मकर	04-03-2038	11 कुंभ	05-03-2043	10 मकर	02-02-2049
12 मीन	03-08-2033	11 कुंभ	04-08-2038	10 मकर	04-08-2043	9 धनु	03-08-2049



जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (10व)	70व11म	तुला (11व)	81व0म	कन्या (1व)	91व11म	सिंह (1व)	93व0म
आरम्भ	03-08-2049	आरम्भ	04-08-2059	आरम्भ	03-08-2070	आरम्भ	04-08-2071
अन्त	04-08-2059	अन्त	03-08-2070	अन्त	04-08-2071	अन्त	03-08-2072
7 तुला	04-06-2050	8 वृश्चिक	04-07-2060	7 तुला	03-09-2070	6 कन्या	03-09-2071
6 कन्या	04-04-2051	9 धनु	03-06-2061	8 वृश्चिक	03-10-2070	7 तुला	04-10-2071
5 सिंह	02-02-2052	10 मकर	04-05-2062	9 धनु	03-11-2070	8 वृश्चिक	03-11-2071
4 कर्क	03-12-2052	11 कुंभ	04-04-2063	10 मकर	03-12-2070	9 धनु	03-12-2071
3 मिथुन	03-10-2053	12 मीन	04-03-2064	11 कुंभ	03-01-2071	10 मकर	03-01-2072
2 वृष	04-08-2054	1 मेष	02-02-2065	12 मीन	02-02-2071	11 कुंभ	02-02-2072
1 मेष	04-06-2055	2 वृष	02-01-2066	1 मेष	04-03-2071	12 मीन	04-03-2072
12 मीन	03-04-2056	3 मिथुन	03-12-2066	2 वृष	04-04-2071	1 मेष	03-04-2072
11 कुंभ	02-02-2057	4 कर्क	03-11-2067	3 मिथुन	04-05-2071	2 वृष	04-05-2072
10 मकर	03-12-2057	5 सिंह	03-10-2068	4 कर्क	04-06-2071	3 मिथुन	03-06-2072
9 धनु	03-10-2058	6 कन्या	03-09-2069	5 सिंह	04-07-2071	4 कर्क	03-07-2072
8 वृश्चिक	04-08-2059	7 तुला	03-08-2070	6 कन्या	04-08-2071	5 सिंह	03-08-2072
कर्क (12व)	93व11म	मिथुन (2व)	105व11म	वृष (4व)	107व11म	मेष (5व)	111व11म
आरम्भ	03-08-2072	आरम्भ	03-08-2084	आरम्भ	03-08-2086	आरम्भ	03-08-2090
अन्त	03-08-2084	अन्त	03-08-2086	अन्त	03-08-2090	अन्त	03-08-2095
3 मिथुन	03-08-2073	2 वृष	03-10-2084	1 मेष	03-12-2086	2 वृष	02-01-2091
2 वृष	03-08-2074	1 मेष	03-12-2084	12 मीन	04-04-2087	3 मिथुन	04-06-2091
1 मेष	04-08-2075	12 मीन	01-02-2085	11 कुंभ	04-08-2087	4 कर्क	03-11-2091
12 मीन	03-08-2076	11 कुंभ	03-04-2085	10 मकर	03-12-2087	5 सिंह	03-04-2092
11 कुंभ	03-08-2077	10 मकर	03-06-2085	9 धनु	03-04-2088	6 कन्या	02-09-2092
10 मकर	03-08-2078	9 धनु	03-08-2085	8 वृश्चिक	03-08-2088	7 तुला	01-02-2093
9 धनु	04-08-2079	8 वृश्चिक	03-10-2085	7 तुला	03-12-2088	8 वृश्चिक	04-07-2093
8 वृश्चिक	03-08-2080	7 तुला	03-12-2085	6 कन्या	03-04-2089	9 धनु	03-12-2093
7 तुला	03-08-2081	6 कन्या	02-02-2086	5 सिंह	03-08-2089	10 मकर	04-05-2094
6 कन्या	03-08-2082	5 सिंह	04-04-2086	4 कर्क	03-12-2089	11 कुंभ	03-10-2094
5 सिंह	04-08-2083	4 कर्क	03-06-2086	3 मिथुन	04-04-2090	12 मीन	04-03-2095
4 कर्क	03-08-2084	3 मिथुन	03-08-2086	2 वृष	03-08-2090	1 मेष	03-08-2095
मीन (9व)	116व11म	कुंभ (5व)	126व0म	मकर (5व)	131व0म	धनु (6व)	136व0म
आरम्भ	03-08-2095	आरम्भ	04-08-2104	आरम्भ	04-08-2109	आरम्भ	04-08-2114
अन्त	04-08-2104	अन्त	04-08-2109	अन्त	04-08-2114	अन्त	04-08-2120
1 मेष	03-05-2096	12 मीन	03-01-2105	9 धनु	03-01-2110	8 वृश्चिक	03-02-2115
2 वृष	01-02-2097	1 मेष	04-06-2105	8 वृश्चिक	04-06-2110	7 तुला	04-08-2115
3 मिथुन	02-11-2097	2 वृष	03-11-2105	7 तुला	03-11-2110	6 कन्या	03-02-2116
4 कर्क	03-08-2098	3 मिथुन	04-04-2106	6 कन्या	05-04-2111	5 सिंह	04-08-2116
5 सिंह	04-05-2099	4 कर्क	04-09-2106	5 सिंह	04-09-2111	4 कर्क	02-02-2117
6 कन्या	02-02-2100	5 सिंह	03-02-2107	4 कर्क	03-02-2112	3 मिथुन	04-08-2117
7 तुला	03-11-2100	6 कन्या	05-07-2107	3 मिथुन	04-07-2112	2 वृष	02-02-2118
8 वृश्चिक	04-08-2101	7 तुला	04-12-2107	2 वृष	03-12-2112	1 मेष	04-08-2118
9 धनु	05-05-2102	8 वृश्चिक	04-05-2108	1 मेष	05-05-2113	12 मीन	03-02-2119
10 मकर	03-02-2103	9 धनु	03-10-2108	12 मीन	04-10-2113	11 कुंभ	04-08-2119
11 कुंभ	04-11-2103	10 मकर	05-03-2109	11 कुंभ	05-03-2114	10 मकर	03-02-2120
12 मीन	04-08-2104	11 कुंभ	04-08-2109	10 मकर	04-08-2114	9 धनु	04-08-2120



जैमिनी स्थिर दशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कन्या (9व)	0वर्ष	तुला (7व)	9वर्ष	वृश्चिक (8व)	16वर्ष	धनु (9व)	24वर्ष
आरम्भ	04-08-1978	आरम्भ	04-08-1987	आरम्भ	04-08-1994	आरम्भ	04-08-2002
अन्त	04-08-1987	अन्त	04-08-1994	अन्त	04-08-2002	अन्त	04-08-2011
6 कन्या	05-05-1979	1 मेष	04-03-1988	8 वृश्चिक	05-04-1995	3 मिथुन	05-05-2003
5 सिंह	03-02-1980	2 वृष	03-10-1988	7 तुला	04-12-1995	4 कर्क	03-02-2004
4 कर्क	03-11-1980	3 मिथुन	04-05-1989	6 कन्या	03-08-1996	5 सिंह	03-11-2004
3 मिथुन	04-08-1981	4 कर्क	04-12-1989	5 सिंह	04-04-1997	6 कन्या	04-08-2005
2 वृष	05-05-1982	5 सिंह	05-07-1990	4 कर्क	03-12-1997	7 तुला	05-05-2006
1 मेष	03-02-1983	6 कन्या	03-02-1991	3 मिथुन	04-08-1998	8 वृश्चिक	03-02-2007
12 मीन	04-11-1983	7 तुला	04-09-1991	2 वृष	04-04-1999	9 धनु	03-11-2007
11 कुंभ	04-08-1984	8 वृश्चिक	04-04-1992	1 मेष	04-12-1999	10 मकर	03-08-2008
10 मकर	05-05-1985	9 धनु	03-11-1992	12 मीन	03-08-2000	11 कुंभ	04-05-2009
9 धनु	02-02-1986	10 मकर	04-06-1993	11 कुंभ	04-04-2001	12 मीन	02-02-2010
8 वृश्चिक	03-11-1986	11 कुंभ	03-01-1994	10 मकर	03-12-2001	1 मेष	03-11-2010
7 तुला	04-08-1987	12 मीन	04-08-1994	9 धनु	04-08-2002	2 वृष	04-08-2011

मकर (7व)	33वर्ष	कुंभ (8व)	40वर्ष	मीन (9व)	48वर्ष	मेष (7व)	57वर्ष
आरम्भ	04-08-2011	आरम्भ	04-08-2018	आरम्भ	04-08-2026	आरम्भ	04-08-2035
अन्त	04-08-2018	अन्त	04-08-2026	अन्त	04-08-2035 <th>अन्त</th> <td>04-08-2042</td>	अन्त	04-08-2042
4 कर्क	04-03-2012	5 सिंह	04-04-2019	6 कन्या	05-05-2027	1 मेष	04-03-2036
3 मिथुन	03-10-2012	6 कन्या	04-12-2019	5 सिंह	03-02-2028	2 वृष	03-10-2036
2 वृष	04-05-2013	7 तुला	03-08-2020	4 कर्क	03-11-2028	3 मिथुन	04-05-2037
1 मेष	03-12-2013	8 वृश्चिक	04-04-2021	3 मिथुन	03-08-2029	4 कर्क	03-12-2037
12 मीन	04-07-2014	9 धनु	03-12-2021	2 वृष	04-05-2030	5 सिंह	04-07-2038
11 कुंभ	02-02-2015	10 मकर	04-08-2022	1 मेष	02-02-2031	6 कन्या	02-02-2039
10 मकर	04-09-2015	11 कुंभ	04-04-2023	12 मीन	03-11-2031	7 तुला	03-09-2039
9 धनु	04-04-2016	12 मीन	04-12-2023	11 कुंभ	03-08-2032	8 वृश्चिक	03-04-2040
8 वृश्चिक	03-11-2016	1 मेष	03-08-2024	10 मकर	04-05-2033	9 धनु	02-11-2040
7 तुला	04-06-2017	2 वृष	04-04-2025	9 धनु	02-02-2034	10 मकर	04-06-2041
6 कन्या	03-01-2018	3 मिथुन	03-12-2025	8 वृश्चिक	03-11-2034	11 कुंभ	03-01-2042
5 सिंह	04-08-2018	4 कर्क	04-08-2026	7 तुला	04-08-2035	12 मीन	04-08-2042

वृष (8व)	64वर्ष	मिथुन (9व)	72वर्ष	कर्क (7व)	81वर्ष	सिंह (8व)	87वर्ष
आरम्भ	04-08-2042	आरम्भ	04-08-2050	आरम्भ	04-08-2059	आरम्भ	03-08-2066
अन्त	04-08-2050	अन्त	04-08-2059	अन्त	03-08-2066 <th>अन्त</th> <td>03-08-2074</td>	अन्त	03-08-2074
8 वृश्चिक	04-04-2043	3 मिथुन	05-05-2051	4 कर्क	04-03-2060	5 सिंह	04-04-2067
7 तुला	04-12-2043	4 कर्क	02-02-2052	3 मिथुन	03-10-2060	6 कन्या	03-12-2067
6 कन्या	03-08-2044	5 सिंह	02-11-2052	2 वृष	04-05-2061	7 तुला	03-08-2068
5 सिंह	04-04-2045	6 कन्या	03-08-2053	1 मेष	03-12-2061	8 वृश्चिक	03-04-2069
4 कर्क	03-12-2045	7 तुला	04-05-2054	12 मीन	04-07-2062	9 धनु	03-12-2069
3 मिथुन	04-08-2046	8 वृश्चिक	02-02-2055	11 कुंभ	02-02-2063	10 मकर	03-08-2070
2 वृष	04-04-2047	9 धनु	03-11-2055	10 मकर	03-09-2063	11 कुंभ	04-04-2071
1 मेष	04-12-2047	10 मकर	03-08-2056	9 धनु	03-04-2064	12 मीन	03-12-2071
12 मीन	03-08-2048	11 कुंभ	04-05-2057	8 वृश्चिक	02-11-2064	1 मेष	03-08-2072
11 कुंभ	04-04-2049	12 मीन	02-02-2058	7 तुला	03-06-2065	2 वृष	03-04-2073
10 मकर	03-12-2049	1 मेष	03-11-2058	6 कन्या	02-01-2066	3 मिथुन	03-12-2073
9 धनु	04-08-2050	2 वृष	04-08-2059	5 सिंह	03-08-2066	4 कर्क	03-08-2074



निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कर्क (12व)	०व ०म	वृष (3व)	१२व ०म	मिथुन (२व)	१५व ०म	मीन (९व)	१७व ०म
आरम्भ	04-08-1978	आरम्भ	04-08-1990	आरम्भ	04-08-1993	आरम्भ	04-08-1995
अन्त	04-08-1990	अन्त	04-08-1993	अन्त	04-08-1995	अन्त	03-08-2004
4 कर्क	04-08-1978	8 वृश्चिक	04-08-1990	3 मिथुन	04-08-1993	6 कन्या	04-08-1995
3 मिथुन	04-08-1979	7 तुला	03-11-1990	4 कर्क	04-10-1993	5 सिंह	04-05-1996
2 वृष	04-08-1980	6 कन्या	03-02-1991	5 सिंह	04-12-1993	4 कर्क	02-02-1997
1 मेष	04-08-1981	5 सिंह	05-05-1991	6 कन्या	02-02-1994	3 मिथुन	03-11-1997
12 मीन	04-08-1982	4 कर्क	04-08-1991	7 तुला	04-04-1994	2 वृष	04-08-1998
11 कुंभ	04-08-1983	3 मिथुन	04-11-1991	8 वृश्चिक	04-06-1994	1 मेष	05-05-1999
10 मकर	04-08-1984	2 वृष	03-02-1992	9 धनु	04-08-1994	12 मीन	03-02-2000
9 धनु	04-08-1985	1 मेष	04-05-1992	10 मकर	04-10-1994	11 कुंभ	03-11-2000
8 वृश्चिक	04-08-1986	12 मीन	04-08-1992	11 कुंभ	04-12-1994	10 मकर	04-08-2001
7 तुला	04-08-1987	11 कुंभ	03-11-1992	12 मीन	03-02-1995	9 धनु	05-05-2002
6 कन्या	04-08-1988	10 मकर	02-02-1993	1 मेष	05-04-1995	8 वृश्चिक	03-02-2003
5 सिंह	04-08-1989	9 धनु	04-05-1993	2 वृष	04-06-1995	7 तुला	04-11-2003

सिंह (1व)	२५व ११म	मेष (५व)	२७व ०म	वृष (३व)	३२व ०म	कुंभ (५व)	३५व ०म
आरम्भ	03-08-2004	आरम्भ	04-08-2005	आरम्भ	04-08-2010	आरम्भ	04-08-2013
अन्त	04-08-2005	अन्त	04-08-2010	अन्त	04-08-2013	अन्त	04-08-2018
5 सिंह	03-08-2004	1 मेष	04-08-2005	8 वृश्चिक	04-08-2010	5 सिंह	04-08-2013
6 कन्या	03-09-2004	2 वृष	03-01-2006	7 तुला	03-11-2010	6 कन्या	03-01-2014
7 तुला	03-10-2004	3 मिथुन	04-06-2006	6 कन्या	03-02-2011	7 तुला	04-06-2014
8 वृश्चिक	03-11-2004	4 कर्क	03-11-2006	5 सिंह	05-05-2011	8 वृश्चिक	03-11-2014
9 धनु	03-12-2004	5 सिंह	04-04-2007	4 कर्क	04-08-2011	9 धनु	04-04-2015
10 मकर	03-01-2005	6 कन्या	04-09-2007	3 मिथुन	03-11-2011	10 मकर	04-09-2015
11 कुंभ	02-02-2005	7 तुला	03-02-2008	2 वृष	03-02-2012	11 कुंभ	03-02-2016
12 मीन	04-03-2005	8 वृश्चिक	04-07-2008	1 मेष	04-05-2012	12 मीन	04-07-2016
1 मेष	04-04-2005	9 धनु	03-12-2008	12 मीन	03-08-2012	1 मेष	03-12-2016
2 वृष	04-05-2005	10 मकर	04-05-2009	11 कुंभ	03-11-2012	2 वृष	04-05-2017
3 मिथुन	04-06-2005	11 कुंभ	04-10-2009	10 मकर	02-02-2013	3 मिथुन	03-10-2017
4 कर्क	04-07-2005	12 मीन	05-03-2010	9 धनु	04-05-2013	4 कर्क	05-03-2018

कन्या (1व)	४०व ०म	मिथुन (२व)	४१व ०म	मीन (९व)	४३व ०म	मेष (५व)	५२व ०म
आरम्भ	04-08-2018	आरम्भ	04-08-2019	आरम्भ	04-08-2021	आरम्भ	04-08-2030
अन्त	04-08-2019	अन्त	04-08-2021	अन्त	04-08-2030	अन्त	04-08-2035
6 कन्या	04-08-2018	3 मिथुन	04-08-2019	6 कन्या	04-08-2021	1 मेष	04-08-2030
5 सिंह	03-09-2018	4 कर्क	04-10-2019	5 सिंह	04-05-2022	2 वृष	03-01-2031
4 कर्क	04-10-2018	5 सिंह	04-12-2019	4 कर्क	02-02-2023	3 मिथुन	04-06-2031
3 मिथुन	03-11-2018	6 कन्या	03-02-2020	3 मिथुन	03-11-2023	4 कर्क	03-11-2031
2 वृष	04-12-2018	7 तुला	04-04-2020	2 वृष	03-08-2024	5 सिंह	03-04-2032
1 मेष	03-01-2019	8 वृश्चिक	03-06-2020	1 मेष	04-05-2025	6 कन्या	03-09-2032
12 मीन	02-02-2019	9 धनु	03-08-2020	12 मीन	02-02-2026	7 तुला	02-02-2033
11 कुंभ	05-03-2019	10 मकर	03-10-2020	11 कुंभ	03-11-2026	8 वृश्चिक	04-07-2033
10 मकर	04-04-2019	11 कुंभ	03-12-2020	10 मकर	04-08-2027	9 धनु	03-12-2033
9 धनु	05-05-2019	12 मीन	02-02-2021	9 धनु	04-05-2028	10 मकर	04-05-2034
8 वृश्चिक	04-06-2019	1 मेष	04-04-2021	8 वृश्चिक	02-02-2029	11 कुंभ	04-10-2034
7 तुला	05-07-2019	2 वृष	04-06-2021	7 तुला	03-11-2029	12 मीन	05-03-2035



निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (10व)	57व 0म	कुंभ (5व)	58व 11म	वृष (3व)	61व 0म	वृष (3व)	68व 0म
आरम्भ	04-08-2035	आरम्भ	04-07-2042	आरम्भ	04-08-2047	आरम्भ	03-08-2052
अन्त	04-07-2042	अन्त	04-08-2047	अन्त	03-08-2052	अन्त	03-04-2056
1 मेष	04-08-2035	12 मीन	04-07-2042	4 कर्क	04-08-2047	4 कर्क	03-08-2052
2 वृष	03-06-2036	1 मेष	03-12-2042	3 मिथुन	03-11-2047	3 मिथुन	04-05-2053
3 मिथुन	04-04-2037	2 वृष	05-05-2043	2 वृष	02-02-2048	2 वृष	02-02-2054
8 वृश्चिक	03-08-2037	3 मिथुन	04-10-2043	1 मेष	04-05-2048	1 मेष	03-11-2054
7 तुला	04-06-2038	4 कर्क	04-03-2044	12 मीन	03-08-2048	5 सिंह	04-08-2055
6 कन्या	04-04-2039	5 सिंह	03-08-2044	11 कुंभ	02-11-2048	6 कन्या	03-09-2055
6 कन्या	03-01-2040	6 कन्या	04-03-2045	10 मकर	02-02-2049	7 तुला	04-10-2055
7 तुला	03-06-2040	7 तुला	03-10-2045	9 धनु	04-05-2049	8 वृश्चिक	03-11-2055
8 वृश्चिक	02-11-2040	8 वृश्चिक	04-05-2046	8 वृश्चिक	03-08-2049	9 धनु	04-12-2055
9 धनु	04-04-2041	7 तुला	03-11-2046	7 तुला	04-05-2050	10 मकर	03-01-2056
10 मकर	03-09-2041	6 कन्या	02-02-2047	6 कन्या	02-02-2051	11 कुंभ	02-02-2056
11 कुंभ	02-02-2042	5 सिंह	05-05-2047	5 सिंह	03-11-2051	12 मीन	04-03-2056

सिंह (1व)	77व 0म	सिंह (1व)	87व 11म	मेष (5व)	94व 11म	वृष (3व)	103व 11म
आरम्भ	03-04-2056	आरम्भ	03-12-2063	आरम्भ	04-05-2070	आरम्भ	02-02-2075
अन्त	03-12-2063	अन्त	04-05-2070	अन्त	02-02-2075	अन्त	01-02-2081
1 मेष	03-04-2056	1 मेष	03-12-2063	10 मकर	04-05-2070	2 वृष	02-02-2075
2 वृष	04-05-2056	2 वृष	02-11-2064	11 कुंभ	03-10-2070	1 मेष	04-05-2075
3 मिथुन	03-06-2056	3 मिथुन	03-10-2065	12 मीन	04-03-2071	12 मीन	04-08-2075
4 कर्क	04-07-2056	1 मेष	03-08-2066	1 मेष	04-08-2071	11 कुंभ	03-11-2075
5 सिंह	03-08-2056	2 वृष	03-01-2067	2 वृष	04-03-2072	10 मकर	02-02-2076
6 कन्या	04-07-2057	3 मिथुन	04-06-2067	3 मिथुन	03-10-2072	9 धनु	04-05-2076
7 तुला	04-06-2058	4 कर्क	03-11-2067	4 कर्क	04-05-2073	8 वृश्चिक	03-08-2076
8 वृश्चिक	04-05-2059	5 सिंह	03-04-2068	7 तुला	02-11-2073	7 तुला	04-05-2077
9 धनु	03-04-2060	6 कन्या	02-09-2068	6 कन्या	02-02-2074	6 कन्या	02-02-2078
10 मकर	04-03-2061	7 तुला	02-02-2069	5 सिंह	04-05-2074	5 सिंह	03-11-2078
11 कुंभ	02-02-2062	8 वृश्चिक	04-07-2069	4 कर्क	03-08-2074	4 कर्क	04-08-2079
12 मीन	03-01-2063	9 धनु	03-12-2069	3 मिथुन	03-11-2074	3 मिथुन	04-05-2080

वृष (3व)	110व 11म	कुंभ (5व)	122व 0म	कन्या (1व)	132व 0म	कन्या (1व)	135व 0म
आरम्भ	01-02-2081	आरम्भ	03-10-2086	आरम्भ	03-06-2090	आरम्भ	03-10-2099
अन्त	03-10-2086	अन्त	03-06-2090	अन्त	03-10-2099	अन्त	04-06-2102
2 वृष	01-02-2081	3 मिथुन	03-10-2086	8 वृश्चिक	03-06-2090	8 वृश्चिक	03-10-2099
1 मेष	02-11-2081	4 कर्क	04-03-2087	7 तुला	04-07-2090	3 मिथुन	04-08-2100
5 सिंह	03-08-2082	5 सिंह	04-08-2087	6 कन्या	03-08-2090	4 कर्क	04-10-2100
6 कन्या	03-01-2083	6 कन्या	04-03-2088	5 सिंह	04-07-2091	5 सिंह	03-12-2100
7 तुला	04-06-2083	7 तुला	03-10-2088	4 कर्क	03-06-2092	6 कन्या	02-02-2101
8 वृश्चिक	03-11-2083	8 वृश्चिक	04-05-2089	3 मिथुन	04-05-2093	7 तुला	04-04-2101
9 धनु	03-04-2084	2 वृष	03-12-2089	2 वृष	03-04-2094	8 वृश्चिक	04-06-2101
10 मकर	02-09-2084	1 मेष	02-01-2090	1 मेष	04-03-2095	9 धनु	04-08-2101
11 कुंभ	01-02-2085	12 मीन	02-02-2090	12 मीन	02-02-2096	10 मकर	04-10-2101
12 मीन	04-07-2085	11 कुंभ	04-03-2090	11 कुंभ	02-01-2097	11 कुंभ	04-12-2101
1 मेष	03-12-2085	10 मकर	04-04-2090	10 मकर	03-12-2097	12 मीन	03-02-2102
2 वृष	04-05-2086	9 धनु	04-05-2090	9 धनु	03-11-2098	1 मेष	04-04-2102



द्वगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कर्क (12व)	0व 0म*	वृष (3व)	12व 0म	मिथुन (2व)	15व 0म	मीन (9व)	17व 0म
आरम्भ	04-08-1978	आरम्भ	04-08-1990	आरम्भ	04-08-1993	आरम्भ	04-08-1995
अन्त	04-08-1990	अन्त	04-08-1993	अन्त	04-08-1995	अन्त	03-08-2004
4 कर्क	04-08-1978	8 वृश्चिक	04-08-1990	3 मिथुन	04-08-1993	6 कन्या	04-08-1995
3 मिथुन	04-08-1979	7 तुला	03-11-1990	4 कर्क	04-10-1993	5 सिंह	04-05-1996
2 वृष	04-08-1980	6 कन्या	03-02-1991	5 सिंह	04-12-1993	4 कर्क	02-02-1997
1 मेष	04-08-1981	5 सिंह	05-05-1991	6 कन्या	02-02-1994	3 मिथुन	03-11-1997
12 मीन	04-08-1982	4 कर्क	04-08-1991	7 तुला	04-04-1994	2 वृष	04-08-1998
11 कुंभ	04-08-1983	3 मिथुन	04-11-1991	8 वृश्चिक	04-06-1994	1 मेष	05-05-1999
10 मकर	04-08-1984	2 वृष	03-02-1992	9 धनु	04-08-1994	12 मीन	03-02-2000
9 धनु	04-08-1985	1 मेष	04-05-1992	10 मकर	04-10-1994	11 कुंभ	03-11-2000
8 वृश्चिक	04-08-1986	12 मीन	04-08-1992	11 कुंभ	04-12-1994	10 मकर	04-08-2001
7 तुला	04-08-1987	11 कुंभ	03-11-1992	12 मीन	03-02-1995	9 धनु	05-05-2002
6 कन्या	04-08-1988	10 मकर	02-02-1993	1 मेष	05-04-1995	8 वृश्चिक	03-02-2003
5 सिंह	04-08-1989	9 धनु	04-05-1993	2 वृष	04-06-1995	7 तुला	04-11-2003

सिंह (1व)	25व 11म	मेष (5व)	27व 0म	वृष (3व)	32व 0म	कुंभ (5व)	35व 0म
आरम्भ	03-08-2004	आरम्भ	04-08-2005	आरम्भ	04-08-2010	आरम्भ	04-08-2013
अन्त	04-08-2005	अन्त	04-08-2010	अन्त	04-08-2013	अन्त	04-08-2018
5 सिंह	03-08-2004	1 मेष	04-08-2005	8 वृश्चिक	04-08-2010	5 सिंह	04-08-2013
6 कन्या	03-09-2004	2 वृष	03-01-2006	7 तुला	03-11-2010	6 कन्या	03-01-2014
7 तुला	03-10-2004	3 मिथुन	04-06-2006	6 कन्या	03-02-2011	7 तुला	04-06-2014
8 वृश्चिक	03-11-2004	4 कर्क	03-11-2006	5 सिंह	05-05-2011	8 वृश्चिक	03-11-2014
9 धनु	03-12-2004	5 सिंह	04-04-2007	4 कर्क	04-08-2011	9 धनु	04-04-2015
10 मकर	03-01-2005	6 कन्या	04-09-2007	3 मिथुन	03-11-2011	10 मकर	04-09-2015
11 कुंभ	02-02-2005	7 तुला	03-02-2008	2 वृष	03-02-2012	11 कुंभ	03-02-2016
12 मीन	04-03-2005	8 वृश्चिक	04-07-2008	1 मेष	04-05-2012	12 मीन	04-07-2016
1 मेष	04-04-2005	9 धनु	03-12-2008	12 मीन	03-08-2012	1 मेष	03-12-2016
2 वृष	04-05-2005	10 मकर	04-05-2009	11 कुंभ	03-11-2012	2 वृष	04-05-2017
3 मिथुन	04-06-2005	11 कुंभ	04-10-2009	10 मकर	02-02-2013	3 मिथुन	03-10-2017
4 कर्क	04-07-2005	12 मीन	05-03-2010	9 धनु	04-05-2013	4 कर्क	05-03-2018

कन्या (1व)	40व 0म	मिथुन (2व)	41व 0म	मीन (9व)	43व 0म	मेष (5व)	52व 0म
आरम्भ	04-08-2018	आरम्भ	04-08-2019	आरम्भ	04-08-2021	आरम्भ	04-08-2030
अन्त	04-08-2019	अन्त	04-08-2021	अन्त	04-08-2030	अन्त	04-08-2035
6 कन्या	04-08-2018	3 मिथुन	04-08-2019	6 कन्या	04-08-2021	1 मेष	04-08-2030
5 सिंह	03-09-2018	4 कर्क	04-10-2019	5 सिंह	04-05-2022	2 वृष	03-01-2031
4 कर्क	04-10-2018	5 सिंह	04-12-2019	4 कर्क	02-02-2023	3 मिथुन	04-06-2031
3 मिथुन	03-11-2018	6 कन्या	03-02-2020	3 मिथुन	03-11-2023	4 कर्क	03-11-2031
2 वृष	04-12-2018	7 तुला	04-04-2020	2 वृष	03-08-2024	5 सिंह	03-04-2032
1 मेष	03-01-2019	8 वृश्चिक	03-06-2020	1 मेष	04-05-2025	6 कन्या	03-09-2032
12 मीन	02-02-2019	9 धनु	03-08-2020	12 मीन	02-02-2026	7 तुला	02-02-2033
11 कुंभ	05-03-2019	10 मकर	03-10-2020	11 कुंभ	03-11-2026	8 वृश्चिक	04-07-2033
10 मकर	04-04-2019	11 कुंभ	03-12-2020	10 मकर	04-08-2027	9 धनु	03-12-2033
9 धनु	05-05-2019	12 मीन	02-02-2021	9 धनु	04-05-2028	10 मकर	04-05-2034
8 वृश्चिक	04-06-2019	1 मेष	04-04-2021	8 वृश्चिक	02-02-2029	11 कुंभ	04-10-2034
7 तुला	05-07-2019	2 वृष	04-06-2021	7 तुला	03-11-2029	12 मीन	05-03-2035



द्वगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (10व)	57व 0म	कुंभ (5व)	58व 11म	वृष (3व)	61व 0म	वृष (3व)	68व 0म
आरम्भ	04-08-2035	आरम्भ	04-07-2042	आरम्भ	04-08-2047	आरम्भ	03-08-2052
अन्त	04-07-2042	अन्त	04-08-2047	अन्त	03-08-2052	अन्त	03-04-2056
1 मेष	04-08-2035	12 मीन	04-07-2042	4 कर्क	04-08-2047	4 कर्क	03-08-2052
2 वृष	03-06-2036	1 मेष	03-12-2042	3 मिथुन	03-11-2047	3 मिथुन	04-05-2053
3 मिथुन	04-04-2037	2 वृष	05-05-2043	2 वृष	02-02-2048	2 वृष	02-02-2054
8 वृश्चिक	03-08-2037	3 मिथुन	04-10-2043	1 मेष	04-05-2048	1 मेष	03-11-2054
7 तुला	04-06-2038	4 कर्क	04-03-2044	12 मीन	03-08-2048	5 सिंह	04-08-2055
6 कन्या	04-04-2039	5 सिंह	03-08-2044	11 कुंभ	02-11-2048	6 कन्या	03-09-2055
6 कन्या	03-01-2040	6 कन्या	04-03-2045	10 मकर	02-02-2049	7 तुला	04-10-2055
7 तुला	03-06-2040	7 तुला	03-10-2045	9 धनु	04-05-2049	8 वृश्चिक	03-11-2055
8 वृश्चिक	02-11-2040	8 वृश्चिक	04-05-2046	8 वृश्चिक	03-08-2049	9 धनु	04-12-2055
9 धनु	04-04-2041	7 तुला	03-11-2046	7 तुला	04-05-2050	10 मकर	03-01-2056
10 मकर	03-09-2041	6 कन्या	02-02-2047	6 कन्या	02-02-2051	11 कुंभ	02-02-2056
11 कुंभ	02-02-2042	5 सिंह	05-05-2047	5 सिंह	03-11-2051	12 मीन	04-03-2056

सिंह (1व)	77व 0म	सिंह (1व)	87व 11म	मेष (5व)	94व 11म	वृष (3व)	103व 11म
आरम्भ	03-04-2056	आरम्भ	03-12-2063	आरम्भ	04-05-2070	आरम्भ	02-02-2075
अन्त	03-12-2063	अन्त	04-05-2070	अन्त	02-02-2075	अन्त	01-02-2081
1 मेष	03-04-2056	1 मेष	03-12-2063	10 मकर	04-05-2070	2 वृष	02-02-2075
2 वृष	04-05-2056	2 वृष	02-11-2064	11 कुंभ	03-10-2070	1 मेष	04-05-2075
3 मिथुन	03-06-2056	3 मिथुन	03-10-2065	12 मीन	04-03-2071	12 मीन	04-08-2075
4 कर्क	04-07-2056	1 मेष	03-08-2066	1 मेष	04-08-2071	11 कुंभ	03-11-2075
5 सिंह	03-08-2056	2 वृष	03-01-2067	2 वृष	04-03-2072	10 मकर	02-02-2076
6 कन्या	04-07-2057	3 मिथुन	04-06-2067	3 मिथुन	03-10-2072	9 धनु	04-05-2076
7 तुला	04-06-2058	4 कर्क	03-11-2067	4 कर्क	04-05-2073	8 वृश्चिक	03-08-2076
8 वृश्चिक	04-05-2059	5 सिंह	03-04-2068	7 तुला	02-11-2073	7 तुला	04-05-2077
9 धनु	03-04-2060	6 कन्या	02-09-2068	6 कन्या	02-02-2074	6 कन्या	02-02-2078
10 मकर	04-03-2061	7 तुला	02-02-2069	5 सिंह	04-05-2074	5 सिंह	03-11-2078
11 कुंभ	02-02-2062	8 वृश्चिक	04-07-2069	4 कर्क	03-08-2074	4 कर्क	04-08-2079
12 मीन	03-01-2063	9 धनु	03-12-2069	3 मिथुन	03-11-2074	3 मिथुन	04-05-2080

वृष (3व)	110व 11म	कुंभ (5व)	122व 0म	कन्या (1व)	132व 0म	कन्या (1व)	135व 0म
आरम्भ	01-02-2081	आरम्भ	03-10-2086	आरम्भ	03-06-2090	आरम्भ	03-10-2099
अन्त	03-10-2086	अन्त	03-06-2090	अन्त	03-10-2099	अन्त	04-06-2102
2 वृष	01-02-2081	3 मिथुन	03-10-2086	8 वृश्चिक	03-06-2090	8 वृश्चिक	03-10-2099
1 मेष	02-11-2081	4 कर्क	04-03-2087	7 तुला	04-07-2090	3 मिथुन	04-08-2100
5 सिंह	03-08-2082	5 सिंह	04-08-2087	6 कन्या	03-08-2090	4 कर्क	04-10-2100
6 कन्या	03-01-2083	6 कन्या	04-03-2088	5 सिंह	04-07-2091	5 सिंह	03-12-2100
7 तुला	04-06-2083	7 तुला	03-10-2088	4 कर्क	03-06-2092	6 कन्या	02-02-2101
8 वृश्चिक	03-11-2083	8 वृश्चिक	04-05-2089	3 मिथुन	04-05-2093	7 तुला	04-04-2101
9 धनु	03-04-2084	2 वृष	03-12-2089	2 वृष	03-04-2094	8 वृश्चिक	04-06-2101
10 मकर	02-09-2084	1 मेष	02-01-2090	1 मेष	04-03-2095	9 धनु	04-08-2101
11 कुंभ	01-02-2085	12 मीन	02-02-2090	12 मीन	02-02-2096	10 मकर	04-10-2101
12 मीन	04-07-2085	11 कुंभ	04-03-2090	11 कुंभ	02-01-2097	11 कुंभ	04-12-2101
1 मेष	03-12-2085	10 मकर	04-04-2090	10 मकर	03-12-2097	12 मीन	03-02-2102
2 वृष	04-05-2086	9 धनु	04-05-2090	9 धनु	03-11-2098	1 मेष	04-04-2102



नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कुंभ (6व)	०व ०म	मीन (3व)	६व ०म	मेष (5व)	९व ०म	वृष (4व)	१४व ०म
आरम्भ	04-08-1978	आरम्भ	04-08-1984	आरम्भ	04-08-1987	आरम्भ	04-08-1992
अन्त	04-08-1984	अन्त	04-08-1987	अन्त	04-08-1992	अन्त	03-08-1996
5 सिंह	04-08-1978	6 कन्या	04-08-1984	1 मेष	04-08-1987	8 वृश्चिक	04-08-1992
6 कन्या	03-02-1979	5 सिंह	03-11-1984	2 वृष	03-01-1988	7 तुला	03-12-1992
7 तुला	04-08-1979	4 कर्क	02-02-1985	3 मिथुन	04-06-1988	6 कन्या	04-04-1993
8 वृश्चिक	03-02-1980	3 मिथुन	05-05-1985	4 कर्क	03-11-1988	5 सिंह	04-08-1993
9 धनु	04-08-1980	2 वृष	04-08-1985	5 सिंह	04-04-1989	4 कर्क	04-12-1993
10 मकर	02-02-1981	1 मेष	03-11-1985	6 कन्या	03-09-1989	3 मिथुन	04-04-1994
11 कुंभ	04-08-1981	12 मीन	02-02-1986	7 तुला	02-02-1990	2 वृष	04-08-1994
12 मीन	02-02-1982	11 कुंभ	05-05-1986	8 वृश्चिक	05-07-1990	9 धनु	04-12-1994
1 मेष	04-08-1982	10 मकर	04-08-1986	9 धनु	04-12-1990	12 मीन	05-04-1995
2 वृष	03-02-1983	9 धनु	03-11-1986	10 मकर	05-05-1991	11 कुंभ	04-08-1995
3 मिथुन	04-08-1983	8 वृश्चिक	03-02-1987	11 कुंभ	04-10-1991	10 मकर	04-12-1995
4 कर्क	03-02-1984	7 तुला	05-05-1987	12 मीन	04-03-1992	9 धनु	04-04-1996
मिथुन (2व)		कर्क (12व)		सिंह (11व)		कन्या (11व)	
आरम्भ	03-08-1996	आरम्भ	04-08-1998	आरम्भ	04-08-2010	आरम्भ	04-08-2021
अन्त	04-08-1998	अन्त	04-08-2010	अन्त	04-08-2021	अन्त	03-08-2032
3 मिथुन	03-08-1996	4 कर्क	04-08-1998	5 सिंह	04-08-2010	6 कन्या	04-08-2021
4 कर्क	03-10-1996	3 मिथुन	04-08-1999	6 कन्या	05-07-2011	5 सिंह	04-07-2022
5 सिंह	03-12-1996	2 वृष	03-08-2000	7 तुला	03-06-2012	4 कर्क	04-06-2023
6 कन्या	02-02-1997	1 मेष	04-08-2001	8 वृश्चिक	04-05-2013	3 मिथुन	04-05-2024
7 तुला	04-04-1997	12 मीन	04-08-2002	9 धनु	04-04-2014	2 वृष	04-04-2025
8 वृश्चिक	04-06-1997	11 कुंभ	04-08-2003	10 मकर	05-03-2015	1 मेष	05-03-2026
9 धनु	04-08-1997	10 मकर	03-08-2004	11 कुंभ	03-02-2016	12 मीन	02-02-2027
10 मकर	04-10-1997	9 धनु	04-08-2005	12 मीन	03-01-2017	11 कुंभ	03-01-2028
11 कुंभ	03-12-1997	8 वृश्चिक	04-08-2006	1 मेष	03-12-2017	10 मकर	03-12-2028
12 मीन	02-02-1998	7 तुला	04-08-2007	2 वृष	03-11-2018	9 धनु	03-11-2029
1 मेष	04-04-1998	6 कन्या	03-08-2008	3 मिथुन	04-10-2019	8 वृश्चिक	04-10-2030
2 वृष	04-06-1998	5 सिंह	04-08-2009	4 कर्क	03-09-2020	7 तुला	03-09-2031
तुला (11व)		वृश्चिक (10व)		धनु (6व)		मकर (7व)	
आरम्भ	03-08-2032	आरम्भ	04-08-2043	आरम्भ	03-08-2053	आरम्भ	04-08-2059
अन्त	04-08-2043	अन्त	03-08-2053	अन्त	04-08-2059	अन्त	03-08-2066
1 मेष	03-08-2032	8 वृश्चिक	04-08-2043	3 मिथुन	03-08-2053	4 कर्क	04-08-2059
2 वृष	04-07-2033	7 तुला	03-06-2044	4 कर्क	02-02-2054	3 मिथुन	04-03-2060
3 मिथुन	04-06-2034	6 कन्या	04-04-2045	5 सिंह	04-08-2054	2 वृष	03-10-2060
4 कर्क	05-05-2035	5 सिंह	02-02-2046	6 कन्या	02-02-2055	1 मेष	04-05-2061
5 सिंह	03-04-2036	4 कर्क	03-12-2046	7 तुला	04-08-2055	12 मीन	03-12-2061
6 कन्या	04-03-2037	3 मिथुन	04-10-2047	8 वृश्चिक	02-02-2056	11 कुंभ	04-07-2062
7 तुला	02-02-2038	2 वृष	03-08-2048	9 धनु	03-08-2056	10 मकर	02-02-2063
8 वृश्चिक	03-01-2039	1 मेष	03-06-2049	10 मकर	02-02-2057	9 धनु	03-09-2063
9 धनु	04-12-2039	12 मीन	04-04-2050	11 कुंभ	03-08-2057	8 वृश्चिक	03-04-2064
10 मकर	02-11-2040	11 कुंभ	02-02-2051	12 मीन	02-02-2058	7 तुला	02-11-2064
11 कुंभ	03-10-2041	10 मकर	04-12-2051	1 मेष	04-08-2058	6 कन्या	03-06-2065
12 मीन	03-09-2042	9 धनु	03-10-2052	2 वृष	02-02-2059	5 सिंह	02-01-2066



नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

कुंभ (6व)	87व 11म	मीन (3व)	93व 11म	मेष (5व)	97व 0म	वृष (4व)	101व 11म
आरम्भ	03-08-2066	आरम्भ	03-08-2072	आरम्भ	04-08-2075	आरम्भ	03-08-2080
अन्त	03-08-2072	अन्त	04-08-2075	अन्त	03-08-2080	अन्त	03-08-2084
5 सिंह	03-08-2066	6 कन्या	03-08-2072	1 मेष	04-08-2075	8 वृश्चिक	03-08-2080
6 कन्या	02-02-2067	5 सिंह	02-11-2072	2 वृष	03-01-2076	7 तुला	03-12-2080
7 तुला	04-08-2067	4 कर्क	02-02-2073	3 मिथुन	03-06-2076	6 कन्या	03-04-2081
8 वृश्चिक	02-02-2068	3 मिथुन	04-05-2073	4 कर्क	02-11-2076	5 सिंह	03-08-2081
9 धनु	03-08-2068	2 वृष	03-08-2073	5 सिंह	03-04-2077	4 कर्क	03-12-2081
10 मकर	02-02-2069	1 मेष	02-11-2073	6 कन्या	03-09-2077	3 मिथुन	04-04-2082
11 कुंभ	03-08-2069	12 मीन	02-02-2074	7 तुला	02-02-2078	2 वृष	03-08-2082
12 मीन	02-02-2070	11 कुंभ	04-05-2074	8 वृश्चिक	04-07-2078	1 मेष	03-12-2082
1 मेष	03-08-2070	10 मकर	03-08-2074	9 धनु	03-12-2078	12 मीन	04-04-2083
2 वृष	02-02-2071	9 धनु	03-11-2074	10 मकर	04-05-2079	11 कुंभ	04-08-2083
3 मिथुन	04-08-2071	8 वृश्चिक	02-02-2075	11 कुंभ	03-10-2079	10 मकर	03-12-2083
4 कर्क	02-02-2072	7 तुला	04-05-2075	12 मीन	04-03-2080	9 धनु	03-04-2084
मिथुन (2व)	105व 11म	कर्क (12व)	107व 11म	सिंह (11व)	119व 11म	कन्या (11व)	131व 0म
आरम्भ	03-08-2084	आरम्भ	03-08-2086	आरम्भ	03-08-2098	आरम्भ	04-08-2109
अन्त	03-08-2086	अन्त	03-08-2098	अन्त	04-08-2109	अन्त	04-08-2120
3 मिथुन	03-08-2084	4 कर्क	03-08-2086	5 सिंह	03-08-2098	6 कन्या	04-08-2109
4 कर्क	03-10-2084	3 मिथुन	04-08-2087	6 कन्या	04-07-2099	5 सिंह	05-07-2110
5 सिंह	03-12-2084	2 वृष	03-08-2088	7 तुला	04-06-2100	4 कर्क	04-06-2111
6 कन्या	01-02-2085	1 मेष	03-08-2089	8 वृश्चिक	05-05-2101	3 मिथुन	04-05-2112
7 तुला	03-04-2085	12 मीन	03-08-2090	9 धनु	04-04-2102	2 वृष	04-04-2113
8 वृश्चिक	03-06-2085	11 कुंभ	04-08-2091	10 मकर	05-03-2103	1 मेष	05-03-2114
9 धनु	03-08-2085	10 मकर	03-08-2092	11 कुंभ	03-02-2104	12 मीन	03-02-2115
10 मकर	03-10-2085	9 धनु	03-08-2093	12 मीन	03-01-2105	11 कुंभ	03-01-2116
11 कुंभ	03-12-2085	8 वृश्चिक	03-08-2094	1 मेष	04-12-2105	10 मकर	03-12-2116
12 मीन	02-02-2086	7 तुला	03-08-2095	2 वृष	03-11-2106	9 धनु	03-11-2117
1 मेष	04-04-2086	6 कन्या	03-08-2096	3 मिथुन	04-10-2107	8 वृश्चिक	04-10-2118
2 वृष	03-06-2086	5 सिंह	03-08-2097	4 कर्क	03-09-2108	7 तुला	04-09-2119
तुला (11व)	142व 0म	वृश्चिक (10व)	153व 0म	धनु (6व)	163व 0म	मकर (7व)	169व 0म
आरम्भ	04-08-2120	आरम्भ	04-08-2131	आरम्भ	04-08-2141	आरम्भ	04-08-2147
अन्त	04-08-2131	अन्त	04-08-2141	अन्त	04-08-2147	अन्त	04-08-2154
1 मेष	04-08-2120	8 वृश्चिक	04-08-2131	3 मिथुन	04-08-2141	4 कर्क	04-08-2147
2 वृष	04-07-2121	7 तुला	04-06-2132	4 कर्क	02-02-2142	3 मिथुन	04-03-2148
3 मिथुन	04-06-2122	6 कन्या	04-04-2133	5 सिंह	04-08-2142	2 वृष	03-10-2148
4 कर्क	05-05-2123	5 सिंह	02-02-2134	6 कन्या	02-02-2143	1 मेष	04-05-2149
5 सिंह	04-04-2124	4 कर्क	04-12-2134	7 तुला	04-08-2143	12 मीन	03-12-2149
6 कन्या	05-03-2125	3 मिथुन	04-10-2135	8 वृश्चिक	03-02-2144	11 कुंभ	04-07-2150
7 तुला	02-02-2126	2 वृष	03-08-2136	9 धनु	03-08-2144	10 मकर	02-02-2151
8 वृश्चिक	03-01-2127	1 मेष	04-06-2137	10 मकर	02-02-2145	9 धनु	03-09-2151
9 धनु	04-12-2127	12 मीन	04-04-2138	11 कुंभ	04-08-2145	8 वृश्चिक	04-04-2152
10 मकर	03-11-2128	11 कुंभ	03-02-2139	12 मीन	02-02-2146	7 तुला	03-11-2152
11 कुंभ	04-10-2129	10 मकर	04-12-2139	1 मेष	04-08-2146	6 कन्या	04-06-2153
12 मीन	03-09-2130	9 धनु	03-10-2140	2 वृष	02-02-2147	5 सिंह	03-01-2154



नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (10व)	०व ०म	मिथुन (२व)	१०व ०म	मकर (५व)	१२व ०म	सिंह (१व)	१७व ०म
आरम्भ	04-08-1978	आरम्भ	04-08-1988	आरम्भ	04-08-1990	आरम्भ	04-08-1995
अन्त	04-08-1988	अन्त	04-08-1990	अन्त	04-08-1995	अन्त	03-08-1996
8 वृश्चिक	04-08-1978	3 मिथुन	04-08-1988	4 कर्क	04-08-1990	5 सिंह	04-08-1995
7 तुला	05-06-1979	4 कक्ष	03-10-1988	3 मिथुन	03-01-1991	6 कन्या	04-09-1995
6 कन्या	04-04-1980	5 सिंह	03-12-1988	2 वृष	04-06-1991	7 तुला	04-10-1995
5 सिंह	02-02-1981	6 कन्या	02-02-1989	1 मेष	04-11-1991	8 वृश्चिक	04-11-1995
4 कर्क	04-12-1981	7 तुला	04-04-1989	12 मीन	04-04-1992	9 धनु	04-12-1995
3 मिथुन	04-10-1982	8 वृश्चिक	04-06-1989	11 कुंभ	03-09-1992	10 मकर	03-01-1996
2 वृष	04-08-1983	9 धनु	04-08-1989	10 मकर	02-02-1993	11 कुंभ	03-02-1996
1 मेष	04-06-1984	10 मकर	04-10-1989	9 धनु	04-07-1993	12 मीन	04-03-1996
12 मीन	04-04-1985	11 कुंभ	04-12-1989	8 वृश्चिक	04-12-1993	1 मेष	04-04-1996
11 कुंभ	02-02-1986	12 मीन	02-02-1990	7 तुला	05-05-1994	2 वृष	04-05-1996
10 मकर	04-12-1986	1 मेष	04-04-1990	6 कन्या	04-10-1994	3 मिथुन	04-06-1996
9 धनु	04-10-1987	2 वृष	04-06-1990	5 सिंह	05-03-1995	4 कर्क	04-07-1996
मीन (९व)	१७व ११म	तुला (१०व)	२७व ०म	वृष (३व)	३७व ०म	धनु (६व)	४०व ०म
आरम्भ	03-08-1996	आरम्भ	04-08-2005	आरम्भ	04-08-2015	आरम्भ	04-08-2018
अन्त	04-08-2005	अन्त	04-08-2015	अन्त	04-08-2018	अन्त	03-08-2024
6 कन्या	03-08-1996	1 मेष	04-08-2005	8 वृश्चिक	04-08-2015	3 मिथुन	04-08-2018
5 सिंह	04-05-1997	2 वृष	04-06-2006	7 तुला	03-11-2015	4 कर्क	02-02-2019
4 कर्क	02-02-1998	3 मिथुन	04-04-2007	6 कन्या	03-02-2016	5 सिंह	04-08-2019
3 मिथुन	03-11-1998	4 कर्क	03-02-2008	5 सिंह	04-05-2016	6 कन्या	03-02-2020
2 वृष	04-08-1999	5 सिंह	03-12-2008	4 कर्क	03-08-2016	7 तुला	03-08-2020
1 मेष	04-05-2000	6 कन्या	04-10-2009	3 मिथुन	03-11-2016	8 वृश्चिक	02-02-2021
12 मीन	02-02-2001	7 तुला	04-08-2010	2 वृष	02-02-2017	9 धनु	04-08-2021
11 कुंभ	03-11-2001	8 वृश्चिक	04-06-2011	1 मेष	04-05-2017	10 मकर	02-02-2022
10 मकर	04-08-2002	9 धनु	04-04-2012	12 मीन	04-08-2017	11 कुंभ	04-08-2022
9 धनु	05-05-2003	10 मकर	02-02-2013	11 कुंभ	03-11-2017	12 मीन	02-02-2023
8 वृश्चिक	03-02-2004	11 कुंभ	03-12-2013	10 मकर	02-02-2018	1 मेष	04-08-2023
7 तुला	03-11-2004	12 मीन	04-10-2014	9 धनु	05-05-2018	2 वृष	03-02-2024
कर्क (१२व)	४५व ११म	कुंभ (५व)	५७व ११म	कन्या (१व)	६२व ११म	मेष (५व)	६४व ०म
आरम्भ	03-08-2024	आरम्भ	03-08-2036	आरम्भ	03-08-2041	आरम्भ	04-08-2042
अन्त	03-08-2036	अन्त	03-08-2041	अन्त	04-08-2042	अन्त	04-08-2047
4 कर्क	03-08-2024	5 सिंह	03-08-2036	6 कन्या	03-08-2041	1 मेष	04-08-2042
3 मिथुन	04-08-2025	6 कन्या	02-01-2037	5 सिंह	03-09-2041	2 वृष	03-01-2043
2 वृष	04-08-2026	7 तुला	04-06-2037	4 कर्क	03-10-2041	3 मिथुन	04-06-2043
1 मेष	04-08-2027	8 वृश्चिक	03-11-2037	3 मिथुन	03-11-2041	4 कर्क	03-11-2043
12 मीन	03-08-2028	9 धनु	04-04-2038	2 वृष	03-12-2041	5 सिंह	03-04-2044
11 कुंभ	03-08-2029	10 मकर	03-09-2038	1 मेष	03-01-2042	6 कन्या	03-09-2044
10 मकर	04-08-2030	11 कुंभ	02-02-2039	12 मीन	02-02-2042	7 तुला	02-02-2045
9 धनु	04-08-2031	12 मीन	04-07-2039	11 कुंभ	04-03-2042	8 वृश्चिक	04-07-2045
8 वृश्चिक	03-08-2032	1 मेष	04-12-2039	10 मकर	04-04-2042	9 धनु	03-12-2045
7 तुला	03-08-2033	2 वृष	04-05-2040	9 धनु	04-05-2042	10 मकर	04-05-2046
6 कन्या	04-08-2034	3 मिथुन	03-10-2040	8 वृश्चिक	04-06-2042	11 कुंभ	03-10-2046
5 सिंह	04-08-2035	4 कर्क	04-03-2041	7 तुला	04-07-2042	12 मीन	05-03-2047



नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (10व)	69व 0म	मिथुन (2व)	70व 11म	मकर (5व)	81व 0म	मकर (5व)	87व 11म
आरम्भ	04-08-2047	आरम्भ	04-08-2051	आरम्भ	03-06-2060	आरम्भ	03-10-2065
अन्त	04-08-2051	अन्त	03-06-2060	अन्त	03-10-2065	अन्त	03-06-2069
8 वृश्चिक	04-08-2047	3 मिथुन	04-08-2051	2 वृष	03-06-2060	2 वृष	03-10-2065
7 तुला	03-06-2048	4 कक्ष	03-06-2052	1 मेष	02-11-2060	1 मेष	04-05-2066
6 कन्या	04-04-2049	5 सिंह	04-04-2053	12 मीन	03-04-2061	9 धनु	03-12-2066
6 कन्या	02-02-2050	6 कन्या	02-02-2054	11 कुंभ	03-09-2061	10 मकर	03-01-2067
7 तुला	04-04-2050	7 तुला	03-12-2054	10 मकर	02-02-2062	11 कुंभ	02-02-2067
8 वृश्चिक	04-06-2050	8 वृश्चिक	04-10-2055	9 धनु	04-07-2062	12 मीन	05-03-2067
9 धनु	04-08-2050	9 धनु	03-08-2056	8 वृश्चिक	03-12-2062	1 मेष	04-04-2067
10 मकर	03-10-2050	10 मकर	03-06-2057	7 तुला	04-05-2063	2 वृष	04-05-2067
11 कुंभ	03-12-2050	11 कुंभ	04-04-2058	6 कन्या	04-10-2063	3 मिथुन	04-06-2067
12 मीन	02-02-2051	12 मीन	02-02-2059	5 सिंह	04-03-2064	4 कक्ष	04-07-2067
1 मेष	04-04-2051	4 कक्ष	04-08-2059	4 कर्क	03-08-2064	5 सिंह	04-08-2067
2 वृष	04-06-2051	3 मिथुन	03-01-2060	3 मिथुन	04-03-2065	6 कन्या	03-07-2068
सिंह (1व)	98व 11म	मीन (9व)	101व 11म	वृष (3व)	103व 11म	धनु (6व)	113व 0म
आरम्भ	03-06-2069	आरम्भ	03-11-2079	आरम्भ	01-02-2085	आरम्भ	03-08-2092
अन्त	03-11-2079	अन्त	01-02-2085	अन्त	03-08-2092	अन्त	03-06-2098
7 तुला	03-06-2069	3 मिथुन	03-11-2079	10 मकर	01-02-2085	5 सिंह	03-08-2092
8 वृश्चिक	04-05-2070	1 मेष	03-08-2080	9 धनु	04-05-2085	6 कन्या	01-02-2093
9 धनु	04-04-2071	2 वृष	03-06-2081	8 वृश्चिक	03-08-2085	7 तुला	03-08-2093
10 मकर	04-03-2072	3 मिथुन	04-04-2082	7 तुला	04-05-2086	8 वृश्चिक	02-02-2094
11 कुंभ	02-02-2073	6 कन्या	02-02-2083	6 कन्या	02-02-2087	9 धनु	03-08-2094
12 मीन	02-01-2074	5 सिंह	04-05-2083	5 सिंह	03-11-2087	10 मकर	02-02-2095
1 मेष	03-12-2074	4 कक्ष	04-08-2083	4 कर्क	03-08-2088	11 कुंभ	03-08-2095
2 वृष	03-11-2075	3 मिथुन	03-11-2083	3 मिथुन	04-05-2089	12 मीन	02-02-2096
3 मिथुन	03-10-2076	2 वृष	02-02-2084	2 वृष	02-02-2090	1 मेष	03-08-2096
6 कन्या	03-08-2077	1 मेष	03-05-2084	1 मेष	03-11-2090	2 वृष	01-02-2097
5 सिंह	04-05-2078	12 मीन	03-08-2084	3 मिथुन	04-08-2091	5 सिंह	03-08-2097
4 कर्क	02-02-2079	11 कुंभ	02-11-2084	4 कर्क	02-02-2092	6 कन्या	02-01-2098
कुंभ (5व)	118व 11म	कुंभ (5व)	126व 0म	कन्या (1व)	137व 0म	मेष (5व)	144व 0म
आरम्भ	03-06-2098	आरम्भ	04-10-2103	आरम्भ	05-06-2107	आरम्भ	03-11-2116
अन्त	04-10-2103	अन्त	05-06-2107	अन्त	03-11-2116	अन्त	05-05-2122
7 तुला	03-06-2098	7 तुला	04-10-2103	4 कर्क	05-06-2107	4 कर्क	03-11-2116
8 वृश्चिक	03-11-2098	8 वृश्चिक	04-05-2104	3 मिथुन	04-05-2108	5 सिंह	04-04-2117
9 धनु	04-04-2099	2 वृष	03-12-2104	2 वृष	04-04-2109	6 कन्या	03-09-2117
10 मकर	03-09-2099	1 मेष	03-01-2105	1 मेष	05-03-2110	7 तुला	02-02-2118
11 कुंभ	02-02-2100	12 मीन	02-02-2105	12 मीन	03-02-2111	8 वृश्चिक	05-07-2118
12 मीन	04-07-2100	11 कुंभ	05-03-2105	11 कुंभ	04-01-2112	9 धनु	04-12-2118
1 मेष	03-12-2100	10 मकर	04-04-2105	10 मकर	03-12-2112	10 मकर	05-05-2119
2 वृष	05-05-2101	9 धनु	05-05-2105	9 धनु	03-11-2113	11 कुंभ	04-10-2119
3 मिथुन	04-10-2101	8 वृश्चिक	04-06-2105	8 वृश्चिक	04-10-2114	12 मीन	04-03-2120
4 कर्क	05-03-2102	7 तुला	04-07-2105	1 मेष	04-08-2115	1 मेष	04-08-2120
5 सिंह	04-08-2102	6 कन्या	04-08-2105	2 वृष	03-01-2116	2 वृष	05-03-2121
6 कन्या	05-03-2103	5 सिंह	05-07-2106	3 मिथुन	04-06-2116	3 मिथुन	04-10-2121



लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (10व)	०१ ०८	सिंह (१व)	१०१ ०८	वृष (३व)	१११ ०८	कुंभ (५व)	१४१ ०८
आरम्भ	०४-०८-१९७८	आरम्भ	०४-०८-१९८८	आरम्भ	०४-०८-१९८९	आरम्भ	०४-०८-१९९२
अन्त	०४-०८-१९८८	अन्त	०४-०८-१९८९	अन्त	०४-०८-१९९२	अन्त	०४-०८-१९९७
८ वृश्चिक	०४-०८-१९७८	५ सिंह	०४-०८-१९८८	८ वृश्चिक	०४-०८-१९८९	५ सिंह	०४-०८-१९९२
७ तुला	०५-०६-१९७९	६ कन्या	०३-०९-१९८८	७ तुला	०३-११-१९८९	६ कन्या	०३-०१-१९९३
६ कर्क	०४-०४-१९८०	७ तुला	०३-१०-१९८८	६ कर्क	०२-०२-१९९०	७ तुला	०४-०६-१९९३
५ सिंह	०२-०२-१९८१	८ वृश्चिक	०३-११-१९८८	५ सिंह	०५-०५-१९९०	८ वृश्चिक	०३-११-१९९३
४ कर्क	०४-१२-१९८१	९ धनु	०३-१२-१९८८	४ कर्क	०४-०८-१९९०	९ धनु	०४-०४-१९९४
३ मिथुन	०४-१०-१९८२	१० मकर	०३-०१-१९८९	३ मिथुन	०३-११-१९९०	१० मकर	०३-०९-१९९४
२ वृष	०४-०८-१९८३	११ कुंभ	०२-०२-१९८९	२ वृष	०३-०२-१९९१	११ कुंभ	०३-०२-१९९५
१ मेष	०४-०६-१९८४	१२ मीन	०५-०३-१९८९	१ मेष	०५-०५-१९९१	१२ मीन	०५-०७-१९९५
१२ मीन	०४-०४-१९८५	१ मेष	०४-०४-१९८९	१२ मीन	०४-०८-१९९१	१ मेष	०४-१२-१९९५
११ कुंभ	०२-०२-१९८६	२ वृष	०४-०५-१९८९	११ कुंभ	०४-११-१९९१	२ वृष	०४-०५-१९९६
१० मकर	०४-१२-१९८६	३ मिथुन	०४-०६-१९८९	१० मकर	०३-०२-१९९२	३ मिथुन	०३-१०-१९९६
९ धनु	०४-१०-१९८७	४ कर्क	०४-०७-१९८९	९ धनु	०४-०५-१९९२	४ कर्क	०५-०३-१९९७

तुला (10व)	१९१ ०८	कर्क (१२व)	२९१ ०८	मेष (५व)	४११ ०८	मकर (५व)	४५१ ११८
आरम्भ	०४-०८-१९९७	आरम्भ	०४-०८-२००७	आरम्भ	०४-०८-२०१९	आरम्भ	०३-०८-२०२४
अन्त	०४-०८-२००७	अन्त	०४-०८-२०१९	अन्त	०३-०८-२०२४	अन्त	०३-०८-२०२९
१ मेष	०४-०८-१९९७	४ कर्क	०४-०८-२००७	१ मेष	०४-०८-२०१९	४ कर्क	०३-०८-२०२४
२ वृष	०४-०६-१९९८	३ मिथुन	०३-०८-२००८	२ वृष	०३-०१-२०२०	३ मिथुन	०२-०१-२०२५
३ मिथुन	०४-०४-१९९९	२ वृष	०४-०८-२००९	३ मिथुन	०३-०६-२०२०	२ वृष	०४-०६-२०२५
४ कर्क	०३-०२-२०००	१ मेष	०४-०८-२०१०	४ कर्क	०३-११-२०२०	१ मेष	०३-११-२०२५
५ सिंह	०३-१२-२०००	१२ मीन	०४-०८-२०११	५ सिंह	०४-०४-२०२१	१२ मीन	०४-०४-२०२६
६ कन्या	०४-१०-२००१	११ कुंभ	०३-०८-२०१२	६ कन्या	०३-०९-२०२१	११ कुंभ	०३-०९-२०२६
७ तुला	०४-०८-२००२	१० मकर	०४-०८-२०१३	७ तुला	०२-०२-२०२२	१० मकर	०२-०२-२०२७
८ वृश्चिक	०४-०६-२००३	९ धनु	०४-०८-२०१४	८ वृश्चिक	०४-०७-२०२२	९ धनु	०५-०७-२०२७
९ धनु	०४-०४-२००४	८ वृश्चिक	०४-०८-२०१५	९ धनु	०४-१२-२०२२	८ वृश्चिक	०४-१२-२०२७
१० मकर	०२-०२-२००५	७ तुला	०३-०८-२०१६	१० मकर	०५-०५-२०२३	७ तुला	०४-०५-२०२८
११ कुंभ	०३-१२-२००५	६ कन्या	०४-०८-२०१७	११ कुंभ	०४-१०-२०२३	६ कन्या	०३-१०-२०२८
१२ मीन	०४-१०-२००६	५ सिंह	०४-०८-२०१८	१२ मीन	०४-०३-२०२४	५ सिंह	०४-०३-२०२९

कन्या (१व)	५०१ ११८	मिथुन (२व)	५२१ ०८	मीन (११व)	५३१ ११८	धनु (६व)	६२१ ११८
आरम्भ	०३-०८-२०२९	आरम्भ	०४-०८-२०३०	आरम्भ	०३-०८-२०३२	आरम्भ	०३-०८-२०४१
अन्त	०४-०८-२०३०	अन्त	०३-०८-२०३२	अन्त	०३-०८-२०४१	अन्त	०४-०८-२०४७
६ कन्या	०३-०८-२०२९	३ मिथुन	०४-०८-२०३०	६ कन्या	०३-०८-२०३२	३ मिथुन	०३-०८-२०४१
५ सिंह	०३-०९-२०२९	४ कर्क	०४-१०-२०३०	५ सिंह	०३-१२-२०३०	४ कर्क	०२-०२-२०४२
४ कर्क	०३-१०-२०२९	५ सिंह	०३-१२-२०३०	४ कर्क	०२-०२-२०३४	५ सिंह	०४-०८-२०४२
३ मिथुन	०३-११-२०२९	६ कन्या	०२-०२-२०३१	३ मिथुन	०३-११-२०३४	६ कन्या	०२-०२-२०४३
२ वृष	०३-१२-२०२९	७ तुला	०४-०४-२०३१	२ वृष	०४-०८-२०३५	७ तुला	०४-०८-२०४३
१ मेष	०३-०१-२०३०	८ वृश्चिक	०४-०६-२०३१	१ मेष	०४-०५-२०३६	८ वृश्चिक	०२-०२-२०४४
१२ मीन	०२-०२-२०३०	९ धनु	०४-०८-२०३१	१२ मीन	०२-०२-२०३७	९ धनु	०३-०८-२०४४
११ कुंभ	०५-०३-२०३०	१० मकर	०४-१०-२०३१	११ कुंभ	०३-११-२०३७	१० मकर	०२-०२-२०४५
१० मकर	०४-०४-२०३०	११ कुंभ	०४-१२-२०३१	१० मकर	०४-०८-२०३८	११ कुंभ	०३-०८-२०४५
९ धनु	०४-०५-२०३०	१२ मीन	०३-०२-२०३२	९ धनु	०५-०५-२०३९	१२ मीन	०२-०२-२०४६
८ वृश्चिक	०४-०६-२०३०	१ मेष	०३-०४-२०३२	८ वृश्चिक	०३-०२-२०४०	१ मेष	०४-०८-२०४६
७ तुला	०४-०७-२०३०	२ वृष	०३-०६-२०३२	७ तुला	०२-११-२०४०	२ वृष	०२-०२-२०४७



लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

सिंह (1व)	69व 0म	सिंह (1व)	80व 0म	वृष (3व)	89व 0म	वृष (3व)	95व 11म
आरम्भ	04-08-2047	आरम्भ	03-08-2048	आरम्भ	03-11-2058	आरम्भ	04-05-2062
अन्त	03-08-2048	अन्त	03-11-2058	अन्त	04-05-2062	अन्त	03-09-2069
5 सिंह	04-08-2047	5 सिंह	03-08-2048	7 तुला	03-11-2058	7 तुला	04-05-2062
6 कन्या	03-09-2047	6 कन्या	04-07-2049	6 कन्या	02-02-2059	6 कन्या	02-02-2063
7 तुला	04-10-2047	7 तुला	04-06-2050	5 सिंह	04-05-2059	5 सिंह	03-11-2063
8 वृश्चिक	03-11-2047	8 वृश्चिक	05-05-2051	4 कर्क	04-08-2059	4 कर्क	03-08-2064
9 धनु	04-12-2047	9 धनु	03-04-2052	3 मिथुन	03-11-2059	3 मिथुन	04-05-2065
10 मकर	03-01-2048	10 मकर	04-03-2053	2 वृष	02-02-2060	2 वृष	02-02-2066
11 कुंभ	02-02-2048	11 कुंभ	02-02-2054	1 मेष	04-05-2060	1 मेष	03-11-2066
12 मीन	04-03-2048	12 मीन	03-01-2055	12 मीन	03-08-2060	5 सिंह	04-08-2067
1 मेष	03-04-2048	1 मेष	04-12-2055	11 कुंभ	02-11-2060	6 कन्या	03-01-2068
2 वृष	04-05-2048	2 वृष	02-11-2056	10 मकर	02-02-2061	7 तुला	03-06-2068
3 मिथुन	03-06-2048	3 मिथुन	03-10-2057	9 धनु	04-05-2061	8 वृश्चिक	02-11-2068
4 कर्क	04-07-2048	8 वृश्चिक	04-08-2058	8 वृश्चिक	03-08-2061	9 धनु	03-04-2069
कुंभ (5व)	97व 11म	वृश्चिक (10व)	105व 0म	मेष (5व)	111व 11म	मकर (5व)	113व 11म
आरम्भ	03-09-2069	आरम्भ	04-06-2075	आरम्भ	04-03-2081	आरम्भ	04-07-2086
अन्त	04-06-2075	अन्त	04-03-2081	अन्त	04-07-2086	अन्त	01-02-2093
10 मकर	03-09-2069	7 तुला	04-06-2075	12 मीन	04-03-2081	9 धनु	04-07-2086
11 कुंभ	02-02-2070	6 कन्या	03-04-2076	1 मेष	03-08-2081	8 वृश्चिक	03-12-2086
12 मीन	04-07-2070	2 वृष	02-01-2077	2 वृष	04-03-2082	7 तुला	04-05-2087
1 मेष	03-12-2070	3 मिथुन	03-06-2077	3 मिथुन	03-10-2082	6 कन्या	03-10-2087
2 वृष	04-05-2071	4 कर्क	02-11-2077	4 कर्क	04-05-2083	5 सिंह	04-03-2088
3 मिथुन	04-10-2071	5 सिंह	04-04-2078	4 कर्क	04-08-2083	4 कर्क	03-08-2088
4 कर्क	04-03-2072	6 कन्या	03-09-2078	3 मिथुन	03-01-2084	3 मिथुन	04-03-2089
5 सिंह	03-08-2072	7 तुला	02-02-2079	2 वृष	03-06-2084	2 वृष	03-10-2089
6 कन्या	04-03-2073	8 वृश्चिक	04-07-2079	1 मेष	02-11-2084	1 मेष	04-05-2090
7 तुला	03-10-2073	9 धनु	03-12-2079	12 मीन	03-04-2085	1 मेष	03-08-2090
8 वृश्चिक	04-05-2074	10 मकर	04-05-2080	11 कुंभ	02-09-2085	2 वृष	04-06-2091
8 वृश्चिक	03-08-2074	11 कुंभ	03-10-2080	10 मकर	02-02-2086	3 मिथुन	03-04-2092
मिथुन (2व)	124व 0म	मिथुन (2व)	127व 0म	धनु (6व)	133व 0म	कन्या (1व)	144व 0म
आरम्भ	01-02-2093	आरम्भ	01-02-2097	आरम्भ	03-02-2106	आरम्भ	04-09-2111
अन्त	01-02-2097	अन्त	03-02-2106	अन्त	04-09-2111	अन्त	04-07-2113
6 कन्या	01-02-2093	6 कन्या	01-02-2097	4 कर्क	03-02-2106	5 सिंह	04-09-2111
7 तुला	03-04-2093	7 तुला	03-12-2097	5 सिंह	04-08-2106	4 कर्क	04-10-2111
8 वृश्चिक	03-06-2093	8 वृश्चिक	03-10-2098	6 कन्या	03-02-2107	3 मिथुन	04-11-2111
9 धनु	03-08-2093	9 धनु	03-08-2099	7 तुला	04-08-2107	2 वृष	04-12-2111
10 मकर	03-10-2093	10 मकर	04-06-2100	8 वृश्चिक	03-02-2108	1 मेष	04-01-2112
11 कुंभ	03-12-2093	11 कुंभ	04-04-2101	9 धनु	04-08-2108	12 मीन	03-02-2112
12 मीन	02-02-2094	12 मीन	03-02-2102	10 मकर	02-02-2109	11 कुंभ	04-03-2112
1 मेष	03-04-2094	6 कन्या	04-08-2102	11 कुंभ	04-08-2109	10 मकर	04-04-2112
2 वृष	03-06-2094	5 सिंह	05-05-2103	12 मीन	02-02-2110	9 धनु	04-05-2112
3 मिथुन	03-08-2094	4 कर्क	03-02-2104	1 मेष	04-08-2110	8 वृश्चिक	04-06-2112
4 कर्क	04-06-2095	3 मिथुन	03-11-2104	2 वृष	03-02-2111	7 तुला	04-07-2112
5 सिंह	03-04-2096	3 मिथुन	04-08-2105	6 कन्या	04-08-2111	6 कन्या	04-08-2112



शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (9व)	०१ ०८	धनु (9व)	९व ०८	मकर (9व)	१७व ११म	कुंभ (9व)	२७व ०८
आरम्भ	04-08-1978	आरम्भ	04-08-1987	आरम्भ	03-08-1996	आरम्भ	04-08-2005
अन्त	04-08-1987	अन्त	03-08-1996	अन्त	04-08-2005	अन्त	04-08-2014
8 वृश्चिक	04-08-1978	9 धनु	04-08-1987	10 मकर	03-08-1996	11 कुंभ	04-08-2005
7 तुला	05-05-1979	10 मकर	04-05-1988	9 धनु	04-05-1997	12 मीन	05-05-2006
6 कन्या	03-02-1980	11 कुंभ	02-02-1989	8 वृश्चिक	02-02-1998	1 मेष	03-02-2007
5 सिंह	03-11-1980	12 मीन	03-11-1989	7 तुला	03-11-1998	2 वृष	03-11-2007
4 कर्क	04-08-1981	1 मेष	04-08-1990	6 कन्या	04-08-1999	3 मिथुन	03-08-2008
3 मिथुन	05-05-1982	2 वृष	05-05-1991	5 सिंह	04-05-2000	4 कर्क	04-05-2009
2 वृष	03-02-1983	3 मिथुन	03-02-1992	4 कर्क	02-02-2001	5 सिंह	02-02-2010
1 मेष	04-11-1983	4 कक	03-11-1992	3 मिथुन	03-11-2001	6 कन्या	03-11-2010
12 मीन	04-08-1984	5 सिंह	04-08-1993	2 वृष	04-08-2002	7 तुला	04-08-2011
11 कुंभ	05-05-1985	6 कन्या	05-05-1994	1 मेष	05-05-2003	8 वृश्चिक	04-05-2012
10 मकर	02-02-1986	7 तुला	03-02-1995	12 मीन	03-02-2004	9 धनु	02-02-2013
9 धनु	03-11-1986	8 वृश्चिक	04-11-1995	11 कुंभ	03-11-2004	10 मकर	03-11-2013
मीन (9व)		मेष (9व)		वृष (9व)		मिथुन (9व)	
आरम्भ	04-08-2014	आरम्भ	04-08-2023	आरम्भ	03-08-2032	आरम्भ	03-08-2041
अन्त	04-08-2023	अन्त	03-08-2032	अन्त	03-08-2041	अन्त	04-08-2050
12 मीन	04-08-2014	1 मेष	04-08-2023	2 वृष	03-08-2032	3 मिथुन	03-08-2041
11 कुंभ	05-05-2015	2 वृष	04-05-2024	1 मेष	04-05-2033	4 कर्क	04-05-2042
10 मकर	03-02-2016	3 मिथुन	02-02-2025	12 मीन	02-02-2034	5 सिंह	02-02-2043
9 धनु	03-11-2016	4 कक	03-11-2025	11 कुंभ	03-11-2034	6 कन्या	03-11-2043
8 वृश्चिक	04-08-2017	5 सिंह	04-08-2026	10 मकर	04-08-2035	7 तुला	03-08-2044
7 तुला	05-05-2018	6 कन्या	05-05-2027	9 धनु	04-05-2036	8 वृश्चिक	04-05-2045
6 कन्या	02-02-2019	7 तुला	03-02-2028	8 वृश्चिक	02-02-2037	9 धनु	02-02-2046
5 सिंह	03-11-2019	8 वृश्चिक	03-11-2028	7 तुला	03-11-2037	10 मकर	03-11-2046
4 कर्क	03-08-2020	9 धनु	03-08-2029	6 कन्या	04-08-2038	11 कुंभ	04-08-2047
3 मिथुन	04-05-2021	10 मकर	04-05-2030	5 सिंह	05-05-2039	12 मीन	04-05-2048
2 वृष	02-02-2022	11 कुंभ	02-02-2031	4 कर्क	03-02-2040	1 मेष	02-02-2049
1 मेष	03-11-2022	12 मीन	03-11-2031	3 मिथुन	02-11-2040	2 वृष	03-11-2049
कर्क (9व)		सिंह (9व)		कन्या (9व)		तुला (9व)	
आरम्भ	04-08-2050	आरम्भ	04-08-2059	आरम्भ	03-08-2068	आरम्भ	03-08-2077
अन्त	04-08-2059	अन्त	03-08-2068	अन्त	03-08-2077	अन्त	03-08-2086
4 कर्क	04-08-2050	5 सिंह	04-08-2059	6 कन्या	03-08-2068	7 तुला	03-08-2077
3 मिथुन	05-05-2051	6 कन्या	04-05-2060	5 सिंह	04-05-2069	8 वृश्चिक	04-05-2078
2 वृष	02-02-2052	7 तुला	02-02-2061	4 कर्क	02-02-2070	9 धनु	02-02-2079
1 मेष	02-11-2052	8 वृश्चिक	03-11-2061	3 मिथुन	03-11-2070	10 मकर	03-11-2079
12 मीन	03-08-2053	9 धनु	03-08-2062	2 वृष	04-08-2071	11 कुंभ	03-08-2080
11 कुंभ	04-05-2054	10 मकर	04-05-2063	1 मेष	04-05-2072	12 मीन	04-05-2081
10 मकर	02-02-2055	11 कुंभ	02-02-2064	12 मीन	02-02-2073	1 मेष	02-02-2082
9 धनु	03-11-2055	12 मीन	02-11-2064	11 कुंभ	02-11-2073	2 वृष	03-11-2082
8 वृश्चिक	03-08-2056	1 मेष	03-08-2065	10 मकर	03-08-2074	3 मिथुन	04-08-2083
7 तुला	04-05-2057	2 वृष	04-05-2066	9 धनु	04-05-2075	4 कर्क	03-05-2084
6 कन्या	02-02-2058	3 मिथुन	02-02-2067	8 वृश्चिक	02-02-2076	5 सिंह	01-02-2085
5 सिंह	03-11-2058	4 कक	03-11-2067	7 तुला	02-11-2076	6 कन्या	02-11-2085



त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग दशा : बुध ६व ८म १८दि

जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

बुध (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध		
केतु		
शुक्र		
सूर्य	04-08-1978	12-09-1978
चन्द्र	12-09-1978	23-08-1979
मंगल	23-08-1979	20-04-1980
राहु	20-04-1980	01-01-1982
गुरु	01-01-1982	07-07-1983
शनि	07-07-1983	22-04-1985

केतु (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	22-04-1985	31-07-1985
शुक्र	31-07-1985	11-05-1986
सूर्य	11-05-1986	04-08-1986
चन्द्र	04-08-1986	24-12-1986
मंगल	24-12-1986	03-04-1987
राहु	03-04-1987	14-12-1987
गुरु	14-12-1987	29-07-1988
शनि	29-07-1988	24-04-1989
बुध	24-04-1989	22-12-1989

शुक्र (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	22-12-1989	12-03-1992
सूर्य	12-03-1992	11-11-1992
चन्द्र	11-11-1992	22-12-1993
मंगल	22-12-1993	02-10-1994
राहु	02-10-1994	01-10-1996
गुरु	01-10-1996	13-07-1998
शनि	13-07-1998	22-08-2000
बुध	22-08-2000	13-07-2002
केतु	13-07-2002	23-04-2003

सूर्य (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	23-04-2003	05-07-2003
चन्द्र	05-07-2003	04-11-2003
मंगल	04-11-2003	28-01-2004
राहु	28-01-2004	03-09-2004
गुरु	03-09-2004	17-03-2005
शनि	17-03-2005	03-11-2005
बुध	03-11-2005	29-05-2006
केतु	29-05-2006	22-08-2006
शुक्र	22-08-2006	23-04-2007

चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	23-04-2007	12-11-2007
मंगल	12-11-2007	02-04-2008
राहु	02-04-2008	02-04-2009
गुरु	02-04-2009	21-02-2010
शनि	21-02-2010	13-03-2011
बुध	13-03-2011	21-02-2012
केतु	21-02-2012	12-07-2012
शुक्र	12-07-2012	22-08-2013
सूर्य	22-08-2013	22-12-2013

मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	22-12-2013	31-03-2014
राहु	31-03-2014	12-12-2014
गुरु	12-12-2014	27-07-2015
शनि	27-07-2015	22-04-2016
बुध	22-04-2016	19-12-2016
केतु	19-12-2016	29-03-2017
शुक्र	29-03-2017	07-01-2018
सूर्य	07-01-2018	02-04-2018
चन्द्र	02-04-2018	22-08-2018

राहु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	22-08-2018	10-06-2020
गुरु	10-06-2020	15-01-2022
शनि	15-01-2022	10-12-2023
बुध	10-12-2023	22-08-2025
केतु	22-08-2025	04-05-2026
शुक्र	04-05-2026	04-05-2028
सूर्य	04-05-2028	09-12-2028
चन्द्र	09-12-2028	09-12-2029
मंगल	09-12-2029	22-08-2030

गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	22-08-2030	23-01-2032
शनि	23-01-2032	01-10-2033
बुध	01-10-2033	06-04-2035
केतु	06-04-2035	20-11-2035
शुक्र	20-11-2035	30-08-2037
सूर्य	30-08-2037	13-03-2038
चन्द्र	13-03-2038	31-01-2039
मंगल	31-01-2039	16-09-2039
राहु	16-09-2039	22-04-2041

शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	22-04-2041	24-04-2043
बुध	24-04-2043	08-02-2045
केतु	08-02-2045	05-11-2045
शुक्र	05-11-2045	16-12-2047
सूर्य	16-12-2047	03-08-2048
चन्द्र	03-08-2048	24-08-2049
मंगल	24-08-2049	21-05-2050
राहु	21-05-2050	13-04-2052
गुरु	13-04-2052	21-12-2053



त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध ६व ८म १८दि

जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

बुध (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	21-12-2053	31-07-2055
केतु	31-07-2055	28-03-2056
शुक्र	28-03-2056	16-02-2058
सूर्य	16-02-2058	11-09-2058
चन्द्र	11-09-2058	22-08-2059
मंगल	22-08-2059	20-04-2060
राहु	20-04-2060	31-12-2061
गुरु	31-12-2061	06-07-2063
शनि	06-07-2063	22-04-2065

केतु (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	22-04-2065	30-07-2065
शुक्र	30-07-2065	10-05-2066
सूर्य	10-05-2066	03-08-2066
चन्द्र	03-08-2066	24-12-2066
मंगल	24-12-2066	02-04-2067
राहु	02-04-2067	14-12-2067
गुरु	14-12-2067	28-07-2068
शनि	28-07-2068	24-04-2069
बुध	24-04-2069	21-12-2069

शुक्र (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	21-12-2069	12-03-2072
सूर्य	12-03-2072	10-11-2072
चन्द्र	10-11-2072	21-12-2073
मंगल	21-12-2073	01-10-2074
राहु	01-10-2074	01-10-2076
गुरु	01-10-2076	12-07-2078
शनि	12-07-2078	21-08-2080
बुध	21-08-2080	12-07-2082
केतु	12-07-2082	22-04-2083

सूर्य (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	22-04-2083	04-07-2083
चन्द्र	04-07-2083	03-11-2083
मंगल	03-11-2083	27-01-2084
राहु	27-01-2084	02-09-2084
गुरु	02-09-2084	16-03-2085
शनि	16-03-2085	02-11-2085
बुध	02-11-2085	28-05-2086
केतु	28-05-2086	22-08-2086
शुक्र	22-08-2086	22-04-2087

चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	22-04-2087	11-11-2087
मंगल	11-11-2087	01-04-2088
राहु	01-04-2088	01-04-2089
गुरु	01-04-2089	20-02-2090
शनि	20-02-2090	12-03-2091
बुध	12-03-2091	20-02-2092
केतु	20-02-2092	11-07-2092
शुक्र	11-07-2092	21-08-2093
सूर्य	21-08-2093	21-12-2093

मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	21-12-2093	30-03-2094
राहु	30-03-2094	11-12-2094
गुरु	11-12-2094	26-07-2095
शनि	26-07-2095	21-04-2096
बुध	21-04-2096	19-12-2096
केतु	19-12-2096	28-03-2097
शुक्र	28-03-2097	06-01-2098
सूर्य	06-01-2098	01-04-2098
चन्द्र	01-04-2098	21-08-2098

राहु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	21-08-2098	10-06-2100
गुरु	10-06-2100	15-01-2102
शनि	15-01-2102	10-12-2103
बुध	10-12-2103	22-08-2105
केतु	22-08-2105	05-05-2106
शुक्र	05-05-2106	04-05-2108
सूर्य	04-05-2108	09-12-2108
चन्द्र	09-12-2108	10-12-2109
मंगल	10-12-2109	22-08-2110

गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	22-08-2110	24-01-2112
शनि	24-01-2112	02-10-2113
बुध	02-10-2113	07-04-2115
केतु	07-04-2115	20-11-2115
शुक्र	20-11-2115	30-08-2117
सूर्य	30-08-2117	13-03-2118
चन्द्र	13-03-2118	01-02-2119
मंगल	01-02-2119	16-09-2119
राहु	16-09-2119	22-04-2121

शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	22-04-2121	25-04-2123
बुध	25-04-2123	08-02-2125
केतु	08-02-2125	05-11-2125
शुक्र	05-11-2125	16-12-2127
सूर्य	16-12-2127	03-08-2128
चन्द्र	03-08-2128	24-08-2129
मंगल	24-08-2129	21-05-2130
राहु	21-05-2130	14-04-2132
गुरु	14-04-2132	22-12-2133



त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध ३व ४म ९दि
 जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध		
केतु		
शुक्र		
सूर्य	04-08-1978	23-08-1978
चन्द्र	23-08-1978	12-02-1979
मंगल	12-02-1979	13-06-1979
राहु	13-06-1979	18-04-1980
गुरु	18-04-1980	19-01-1981
शनि	19-01-1981	13-12-1981

केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	13-12-1981	31-01-1982
शुक्र	31-01-1982	23-06-1982
सूर्य	23-06-1982	04-08-1982
चन्द्र	04-08-1982	14-10-1982
मंगल	14-10-1982	03-12-1982
राहु	03-12-1982	10-04-1983
गुरु	10-04-1983	01-08-1983
शनि	01-08-1983	14-12-1983
बुध	14-12-1983	13-04-1984

शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	13-04-1984	24-05-1985
सूर्य	24-05-1985	23-09-1985
चन्द्र	23-09-1985	13-04-1986
मंगल	13-04-1986	03-09-1986
राहु	03-09-1986	03-09-1987
गुरु	03-09-1987	23-07-1988
शनि	23-07-1988	13-08-1989
बुध	13-08-1989	24-07-1990
केतु	24-07-1990	13-12-1990

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	13-12-1990	18-01-1991
चन्द्र	18-01-1991	20-03-1991
मंगल	20-03-1991	02-05-1991
राहु	02-05-1991	20-08-1991
गुरु	20-08-1991	25-11-1991
शनि	25-11-1991	20-03-1992
बुध	20-03-1992	01-07-1992
केतु	01-07-1992	13-08-1992
शुक्र	13-08-1992	12-12-1992

चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	12-12-1992	24-03-1993
मंगल	24-03-1993	03-06-1993
राहु	03-06-1993	03-12-1993
गुरु	03-12-1993	14-05-1994
शनि	14-05-1994	23-11-1994
बुध	23-11-1994	14-05-1995
केतु	14-05-1995	24-07-1995
शुक्र	24-07-1995	12-02-1996
सूर्य	12-02-1996	13-04-1996

मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	13-04-1996	02-06-1996
राहु	02-06-1996	07-10-1996
गुरु	07-10-1996	29-01-1997
शनि	29-01-1997	13-06-1997
बुध	13-06-1997	12-10-1997
केतु	12-10-1997	30-11-1997
शुक्र	30-11-1997	21-04-1998
सूर्य	21-04-1998	03-06-1998
चन्द्र	03-06-1998	13-08-1998

राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	13-08-1998	08-07-1999
गुरु	08-07-1999	25-04-2000
शनि	25-04-2000	07-04-2001
बुध	07-04-2001	11-02-2002
केतु	11-02-2002	19-06-2002
शुक्र	19-06-2002	20-06-2003
सूर्य	20-06-2003	07-10-2003
चन्द्र	07-10-2003	07-04-2004
मंगल	07-04-2004	13-08-2004

गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	13-08-2004	29-04-2005
शनि	29-04-2005	04-03-2006
बुध	04-03-2006	05-12-2006
केतु	05-12-2006	28-03-2007
शुक्र	28-03-2007	16-02-2008
सूर्य	16-02-2008	23-05-2008
चन्द्र	23-05-2008	02-11-2008
मंगल	02-11-2008	23-02-2009
राहु	23-02-2009	13-12-2009

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	13-12-2009	14-12-2010
बुध	14-12-2010	06-11-2011
केतु	06-11-2011	20-03-2012
शुक्र	20-03-2012	10-04-2013
सूर्य	10-04-2013	04-08-2013
चन्द्र	04-08-2013	12-02-2014
मंगल	12-02-2014	27-06-2014
राहु	27-06-2014	09-06-2015
गुरु	09-06-2015	13-04-2016



त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध ३व ४म ९दि
 जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	13-04-2016	31-01-2017
केतु	31-01-2017	01-06-2017
शुक्र	01-06-2017	12-05-2018
सूर्य	12-05-2018	23-08-2018
चन्द्र	23-08-2018	12-02-2019
मंगल	12-02-2019	12-06-2019
राहु	12-06-2019	18-04-2020
गुरु	18-04-2020	19-01-2021
शनि	19-01-2021	12-12-2021

केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	12-12-2021	31-01-2022
शुक्र	31-01-2022	22-06-2022
सूर्य	22-06-2022	04-08-2022
चन्द्र	04-08-2022	14-10-2022
मंगल	14-10-2022	03-12-2022
राहु	03-12-2022	09-04-2023
गुरु	09-04-2023	01-08-2023
शनि	01-08-2023	14-12-2023
बुध	14-12-2023	13-04-2024

शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	13-04-2024	24-05-2025
सूर्य	24-05-2025	22-09-2025
चन्द्र	22-09-2025	13-04-2026
मंगल	13-04-2026	02-09-2026
राहु	02-09-2026	02-09-2027
गुरु	02-09-2027	23-07-2028
शनि	23-07-2028	13-08-2029
बुध	13-08-2029	24-07-2030
केतु	24-07-2030	13-12-2030

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	13-12-2030	18-01-2031
चन्द्र	18-01-2031	20-03-2031
मंगल	20-03-2031	02-05-2031
राहु	02-05-2031	19-08-2031
गुरु	19-08-2031	25-11-2031
शनि	25-11-2031	19-03-2032
बुध	19-03-2032	01-07-2032
केतु	01-07-2032	12-08-2032
शुक्र	12-08-2032	12-12-2032

चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	12-12-2032	24-03-2033
मंगल	24-03-2033	03-06-2033
राहु	03-06-2033	02-12-2033
गुरु	02-12-2033	14-05-2034
शनि	14-05-2034	22-11-2034
बुध	22-11-2034	14-05-2035
केतु	14-05-2035	24-07-2035
शुक्र	24-07-2035	12-02-2036
सूर्य	12-02-2036	13-04-2036

मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	13-04-2036	01-06-2036
राहु	01-06-2036	07-10-2036
गुरु	07-10-2036	29-01-2037
शनि	29-01-2037	13-06-2037
बुध	13-06-2037	11-10-2037
केतु	11-10-2037	30-11-2037
शुक्र	30-11-2037	21-04-2038
सूर्य	21-04-2038	03-06-2038
चन्द्र	03-06-2038	13-08-2038

राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	13-08-2038	08-07-2039
गुरु	08-07-2039	25-04-2040
शनि	25-04-2040	07-04-2041
बुध	07-04-2041	11-02-2042
केतु	11-02-2042	19-06-2042
शुक्र	19-06-2042	19-06-2043
सूर्य	19-06-2043	07-10-2043
चन्द्र	07-10-2043	06-04-2044
मंगल	06-04-2044	12-08-2044

गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	12-08-2044	29-04-2045
शनि	29-04-2045	03-03-2046
बुध	03-03-2046	04-12-2046
केतु	04-12-2046	28-03-2047
शुक्र	28-03-2047	16-02-2048
सूर्य	16-02-2048	23-05-2048
चन्द्र	23-05-2048	01-11-2048
मंगल	01-11-2048	23-02-2049
राहु	23-02-2049	12-12-2049

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	12-12-2049	13-12-2050
बुध	13-12-2050	06-11-2051
केतु	06-11-2051	20-03-2052
शुक्र	20-03-2052	10-04-2053
सूर्य	10-04-2053	03-08-2053
चन्द्र	03-08-2053	12-02-2054
मंगल	12-02-2054	27-06-2054
राहु	27-06-2054	09-06-2055
गुरु	09-06-2055	12-04-2056



त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध ३व ४म १दि
 जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	12-04-2056	31-01-2057
केतु	31-01-2057	31-05-2057
शुक्र	31-05-2057	11-05-2058
सूर्य	11-05-2058	23-08-2058
चन्द्र	23-08-2058	11-02-2059
मंगल	11-02-2059	12-06-2059
राहु	12-06-2059	17-04-2060
गुरु	17-04-2060	18-01-2061
शनि	18-01-2061	12-12-2061

केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	12-12-2061	31-01-2062
शुक्र	31-01-2062	22-06-2062
सूर्य	22-06-2062	03-08-2062
चन्द्र	03-08-2062	14-10-2062
मंगल	14-10-2062	02-12-2062
राहु	02-12-2062	09-04-2063
गुरु	09-04-2063	01-08-2063
शनि	01-08-2063	14-12-2063
बुध	14-12-2063	12-04-2064

शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	12-04-2064	23-05-2065
सूर्य	23-05-2065	22-09-2065
चन्द्र	22-09-2065	13-04-2066
मंगल	13-04-2066	02-09-2066
राहु	02-09-2066	02-09-2067
गुरु	02-09-2067	23-07-2068
शनि	23-07-2068	12-08-2069
बुध	12-08-2069	23-07-2070
केतु	23-07-2070	12-12-2070

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	12-12-2070	18-01-2071
चन्द्र	18-01-2071	20-03-2071
मंगल	20-03-2071	01-05-2071
राहु	01-05-2071	19-08-2071
गुरु	19-08-2071	24-11-2071
शनि	24-11-2071	19-03-2072
बुध	19-03-2072	30-06-2072
केतु	30-06-2072	12-08-2072
शुक्र	12-08-2072	12-12-2072

चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	12-12-2072	23-03-2073
मंगल	23-03-2073	02-06-2073
राहु	02-06-2073	02-12-2073
गुरु	02-12-2073	13-05-2074
शनि	13-05-2074	22-11-2074
बुध	22-11-2074	13-05-2075
केतु	13-05-2075	23-07-2075
शुक्र	23-07-2075	11-02-2076
सूर्य	11-02-2076	12-04-2076

मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	12-04-2076	01-06-2076
राहु	01-06-2076	07-10-2076
गुरु	07-10-2076	28-01-2077
शनि	28-01-2077	12-06-2077
बुध	12-06-2077	11-10-2077
केतु	11-10-2077	30-11-2077
शुक्र	30-11-2077	21-04-2078
सूर्य	21-04-2078	02-06-2078
चन्द्र	02-06-2078	13-08-2078

राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	13-08-2078	07-07-2079
गुरु	07-07-2079	24-04-2080
शनि	24-04-2080	06-04-2081
बुध	06-04-2081	11-02-2082
केतु	11-02-2082	19-06-2082
शुक्र	19-06-2082	19-06-2083
सूर्य	19-06-2083	06-10-2083
चन्द्र	06-10-2083	06-04-2084
मंगल	06-04-2084	12-08-2084

गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	12-08-2084	29-04-2085
शनि	29-04-2085	03-03-2086
बुध	03-03-2086	04-12-2086
केतु	04-12-2086	28-03-2087
शुक्र	28-03-2087	15-02-2088
सूर्य	15-02-2088	23-05-2088
चन्द्र	23-05-2088	01-11-2088
मंगल	01-11-2088	23-02-2089
राहु	23-02-2089	12-12-2089

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	12-12-2089	13-12-2090
बुध	13-12-2090	06-11-2091
केतु	06-11-2091	20-03-2092
शुक्र	20-03-2092	09-04-2093
सूर्य	09-04-2093	03-08-2093
चन्द्र	03-08-2093	12-02-2094
मंगल	12-02-2094	27-06-2094
राहु	27-06-2094	09-06-2095
गुरु	09-06-2095	12-04-2096



षोडशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल 7व 1म 10दि

जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल		
गुरु		
शनि		
केतु	04-08-1978	16-04-1979
चन्द्र	16-04-1979	11-12-1980
बुध	11-12-1980	14-09-1982
शुक्र	14-09-1982	25-07-1984
सूर्य	25-07-1984	14-09-1985

गुरु (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	14-09-1985	28-02-1987
शनि	28-02-1987	23-09-1988
केतु	23-09-1988	30-05-1990
चन्द्र	30-05-1990	15-03-1992
बुध	15-03-1992	09-02-1994
शुक्र	09-02-1994	15-02-1996
सूर्य	15-02-1996	11-05-1997
मंगल	11-05-1997	14-09-1998

शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	14-09-1998	23-05-2000
केतु	23-05-2000	15-03-2002
चन्द्र	15-03-2002	18-02-2004
बुध	18-02-2004	09-03-2006
शुक्र	09-03-2006	10-05-2008
सूर्य	10-05-2008	07-09-2009
मंगल	07-09-2009	18-02-2011
गुरु	18-02-2011	13-09-2012

केतु (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	13-09-2012	23-08-2014
चन्द्र	23-08-2014	16-09-2016
बुध	16-09-2016	28-11-2018
शुक्र	28-11-2018	27-03-2021
सूर्य	27-03-2021	29-08-2022
मंगल	29-08-2022	18-03-2024
गुरु	18-03-2024	22-11-2025
शनि	22-11-2025	14-09-2027

चन्द्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	14-09-2027	28-11-2029
बुध	28-11-2029	02-04-2032
शुक्र	02-04-2032	26-09-2034
सूर्य	26-09-2034	02-04-2036
मंगल	02-04-2036	28-11-2037
गुरु	28-11-2037	14-09-2039
शनि	14-09-2039	19-08-2041
केतु	19-08-2041	14-09-2043

बुध (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	14-09-2043	12-03-2046
शुक्र	12-03-2046	30-10-2048
सूर्य	30-10-2048	11-06-2050
मंगल	11-06-2050	14-03-2052
गुरु	14-03-2052	08-02-2054
शनि	08-02-2054	28-02-2056
केतु	28-02-2056	10-05-2058
चन्द्र	10-05-2058	13-09-2060

शुक्र (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	13-09-2060	30-06-2063
सूर्य	30-06-2063	14-03-2065
मंगल	14-03-2065	24-01-2067
गुरु	24-01-2067	29-01-2069
शनि	29-01-2069	03-04-2071
केतु	03-04-2071	31-07-2073
चन्द्र	31-07-2073	24-01-2076
बुध	24-01-2076	13-09-2078

सूर्य (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	13-09-2078	29-09-2079
मंगल	29-09-2079	18-11-2080
गुरु	18-11-2080	11-02-2082
शनि	11-02-2082	11-06-2083
केतु	11-06-2083	11-11-2084
चन्द्र	11-11-2084	20-05-2086
बुध	20-05-2086	29-12-2087
शुक्र	29-12-2087	13-09-2089

मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	13-09-2089	10-12-2090
गुरु	10-12-2090	14-04-2092
शनि	14-04-2092	25-09-2093
केतु	25-09-2093	15-04-2095
चन्द्र	15-04-2095	10-12-2096
बुध	10-12-2096	13-09-2098
शुक्र	13-09-2098	25-07-2100
सूर्य	25-07-2100	14-09-2101



द्वादशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : केतु ६व ६म ५दि
 जन्मकालीन दशा : के-ल-ल-ल-ल

केतु (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु		
बुध		
राहु		
मंगल 04-08-1978	11-08-1979	
शनि 11-08-1979	23-06-1981	
चन्द्र 23-06-1981	16-07-1983	
सूर्य 16-07-1983	23-03-1984	
गुरु 23-03-1984	09-02-1985	

बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध 09-02-1985	14-08-1986	
राहु 14-08-1986	11-05-1988	
मंगल 11-05-1988	02-05-1990	
शनि 02-05-1990	15-07-1992	
चन्द्र 15-07-1992	23-12-1994	
सूर्य 23-12-1994	15-10-1995	
गुरु 15-10-1995	31-10-1996	
केतु 31-10-1996	09-02-1998	

राहु (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु 09-02-1998	13-02-2000	
मंगल 13-02-2000	25-05-2002	
शनि 25-05-2002	09-12-2004	
चन्द्र 09-12-2004	02-10-2007	
सूर्य 02-10-2007	09-09-2008	
गुरु 09-09-2008	23-11-2009	
केतु 23-11-2009	15-05-2011	
बुध 15-05-2011	09-02-2013	

मंगल (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल 09-02-2013	09-09-2015	
शनि 09-09-2015	29-07-2018	
चन्द्र 29-07-2018	05-10-2021	
सूर्य 05-10-2021	28-10-2022	
गुरु 28-10-2022	10-03-2024	
केतु 10-03-2024	10-11-2025	
बुध 10-11-2025	01-11-2027	
राहु 01-11-2027	09-02-2030	

शनि (19व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि 09-02-2030	01-05-2033	
चन्द्र 01-05-2033	23-11-2036	
सूर्य 23-11-2036	30-01-2038	
गुरु 30-01-2038	11-08-2039	
केतु 11-08-2039	22-06-2041	
बुध 22-06-2041	06-09-2043	
राहु 06-09-2043	23-03-2046	
मंगल 23-03-2046	09-02-2049	

चन्द्र (21व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र 09-02-2049	17-01-2053	
सूर्य 17-01-2053	11-05-2054	
गुरु 11-05-2054	18-01-2056	
केतु 18-01-2056	09-02-2058	
बुध 09-02-2058	18-07-2060	
राहु 18-07-2060	11-05-2063	
मंगल 11-05-2063	19-07-2066	
शनि 19-07-2066	09-02-2070	

सूर्य (7व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य 09-02-2070	19-07-2070	
गुरु 19-07-2070	09-02-2071	
केतु 09-02-2071	18-10-2071	
बुध 18-10-2071	10-08-2072	
राहु 10-08-2072	18-07-2073	
मंगल 18-07-2073	10-08-2074	
शनि 10-08-2074	18-10-2075	
चन्द्र 18-10-2075	09-02-2077	

गुरु (9व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु 09-02-2077	31-10-2077	
केतु 31-10-2077	19-09-2078	
बुध 19-09-2078	05-10-2079	
राहु 05-10-2079	18-12-2080	
मंगल 18-12-2080	01-05-2082	
शनि 01-05-2082	10-11-2083	
चन्द्र 10-11-2083	18-07-2085	
सूर्य 18-07-2085	09-02-2086	

केतु (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु 09-02-2086	10-03-2087	
बुध 10-03-2087	19-06-2088	
राहु 19-06-2088	09-12-2089	
मंगल 09-12-2089	11-08-2091	
शनि 11-08-2091	22-06-2093	
चन्द्र 22-06-2093	15-07-2095	
सूर्य 15-07-2095	23-03-2096	
गुरु 23-03-2096	08-02-2097	



द्विसप्ततिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : चन्द्र ५व म ०दि
 जन्मकालीन दशा : चं-ल-ल-ल-ल

चन्द्र (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र		
मंगल		
बुध		
गुरु	04-08-1978	05-06-1979
शुक्र	05-06-1979	20-07-1980
शनि	20-07-1980	04-09-1981
राहु	04-09-1981	19-10-1982
सूर्य	19-10-1982	04-12-1983

मंगल (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	04-12-1983	18-01-1985
बुध	18-01-1985	05-03-1986
गुरु	05-03-1986	20-04-1987
शुक्र	20-04-1987	04-06-1988
शनि	04-06-1988	20-07-1989
राहु	20-07-1989	04-09-1990
सूर्य	04-09-1990	20-10-1991
चन्द्र	20-10-1991	03-12-1992

बुध (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	03-12-1992	18-01-1994
गुरु	18-01-1994	05-03-1995
शुक्र	05-03-1995	19-04-1996
शनि	19-04-1996	04-06-1997
राहु	04-06-1997	20-07-1998
सूर्य	20-07-1998	04-09-1999
चन्द्र	04-09-1999	19-10-2000
मंगल	19-10-2000	04-12-2001

गुरु (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	04-12-2001	19-01-2003
शुक्र	19-01-2003	04-03-2004
शनि	04-03-2004	19-04-2005
राहु	19-04-2005	04-06-2006
सूर्य	04-06-2006	20-07-2007
चन्द्र	20-07-2007	03-09-2008
मंगल	03-09-2008	19-10-2009
बुध	19-10-2009	04-12-2010

शुक्र (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	04-12-2010	19-01-2012
शनि	19-01-2012	05-03-2013
राहु	05-03-2013	20-04-2014
सूर्य	20-04-2014	04-06-2015
चन्द्र	04-06-2015	19-07-2016
मंगल	19-07-2016	03-09-2017
बुध	03-09-2017	19-10-2018
गुरु	19-10-2018	04-12-2019

शनि (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	04-12-2019	18-01-2021
राहु	18-01-2021	05-03-2022
सूर्य	05-03-2022	20-04-2023
चन्द्र	20-04-2023	04-06-2024
मंगल	04-06-2024	20-07-2025
बुध	20-07-2025	03-09-2026
गुरु	03-09-2026	19-10-2027
शुक्र	19-10-2027	03-12-2028

राहु (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	03-12-2028	18-01-2030
सूर्य	18-01-2030	05-03-2031
चन्द्र	05-03-2031	19-04-2032
मंगल	19-04-2032	04-06-2033
बुध	04-06-2033	20-07-2034
गुरु	20-07-2034	04-09-2035
शुक्र	04-09-2035	18-10-2036
शनि	18-10-2036	03-12-2037

सूर्य (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	03-12-2037	18-01-2039
चन्द्र	18-01-2039	04-03-2040
मंगल	04-03-2040	19-04-2041
बुध	19-04-2041	04-06-2042
गुरु	04-06-2042	20-07-2043
शुक्र	20-07-2043	03-09-2044
शनि	03-09-2044	19-10-2045
राहु	19-10-2045	04-12-2046

चन्द्र (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	04-12-2046	18-01-2048
मंगल	18-01-2048	04-03-2049
बुध	04-03-2049	19-04-2050
गुरु	19-04-2050	04-06-2051
शुक्र	04-06-2051	19-07-2052
शनि	19-07-2052	03-09-2053
राहु	03-09-2053	19-10-2054
सूर्य	19-10-2054	04-12-2055



द्विसप्तति समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : चन्द्र ५व ४म ०दि
 जन्मकालीन दशा : चं-ल-ल-ल-ल

मंगल (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	०४-१२-२०५५	१८-०१-२०५७
बुध	१८-०१-२०५७	०५-०३-२०५८
गुरु	०५-०३-२०५८	१९-०४-२०५९
शुक्र	१९-०४-२०५९	०३-०६-२०६०
शनि	०३-०६-२०६०	१९-०७-२०६१
राहु	१९-०७-२०६१	०३-०९-२०६२
सूर्य	०३-०९-२०६२	१९-१०-२०६३
चन्द्र	१९-१०-२०६३	०३-१२-२०६४

बुध (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	०३-१२-२०६४	१८-०१-२०६६
गुरु	१८-०१-२०६६	०५-०३-२०६७
शुक्र	०५-०३-२०६७	१९-०४-२०६८
शनि	१९-०४-२०६८	०४-०६-२०६९
राहु	०४-०६-२०६९	१९-०७-२०७०
सूर्य	१९-०७-२०७०	०३-०९-२०७१
चन्द्र	०३-०९-२०७१	१८-१०-२०७२
मंगल	१८-१०-२०७२	०३-१२-२०७३

गुरु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	०३-१२-२०७३	१८-०१-२०७५
शुक्र	१८-०१-२०७५	०४-०३-२०७६
शनि	०४-०३-२०७६	१९-०४-२०७७
राहु	१९-०४-२०७७	०४-०६-२०७८
सूर्य	०४-०६-२०७८	२०-०७-२०७९
चन्द्र	२०-०७-२०७९	०२-०९-२०८०
मंगल	०२-०९-२०८०	१८-१०-२०८१
बुध	१८-१०-२०८१	०३-१२-२०८२

शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	०३-१२-२०८२	१८-०१-२०८४
शनि	१८-०१-२०८४	०४-०३-२०८५
राहु	०४-०३-२०८५	१९-०४-२०८६
सूर्य	१९-०४-२०८६	०४-०६-२०८७
चन्द्र	०४-०६-२०८७	१९-०७-२०८८
मंगल	१९-०७-२०८८	०३-०९-२०८९
बुध	०३-०९-२०८९	१९-१०-२०९०
गुरु	१९-१०-२०९०	०३-१२-२०९१

शनि (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	०३-१२-२०९१	१७-०१-२०९३
राहु	१७-०१-२०९३	०४-०३-२०९४
सूर्य	०४-०३-२०९४	१९-०४-२०९५
चन्द्र	१९-०४-२०९५	०३-०६-२०९६
मंगल	०३-०६-२०९६	१९-०७-२०९७
बुध	१९-०७-२०९७	०३-०९-२०९८
गुरु	०३-०९-२०९८	१९-१०-२०९९
शुक्र	१९-१०-२०९९	०४-१२-२१००

राहु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	०४-१२-२१००	१९-०१-२१०२
सूर्य	१९-०१-२१०२	०५-०३-२१०३
चन्द्र	०५-०३-२१०३	१९-०४-२१०४
मंगल	१९-०४-२१०४	०४-०६-२१०५
बुध	०४-०६-२१०५	२०-०७-२१०६
गुरु	२०-०७-२१०६	०४-०९-२१०७
शुक्र	०४-०९-२१०७	१९-१०-२१०८
शनि	१९-१०-२१०८	०४-१२-२१०९

सूर्य (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	०४-१२-२१०९	१९-०१-२१११
चन्द्र	१९-०१-२१११	०५-०३-२११२
मंगल	०५-०३-२११२	२०-०४-२११३
बुध	२०-०४-२११३	०४-०६-२११४
गुरु	०४-०६-२११४	२०-०७-२११५
शुक्र	२०-०७-२११५	०३-०९-२११६
शनि	०३-०९-२११६	१९-१०-२११७
राहु	१९-१०-२११७	०४-१२-२११८

चन्द्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	०४-१२-२११८	१९-०१-२१२०
मंगल	१९-०१-२१२०	०५-०३-२१२१
बुध	०५-०३-२१२१	२०-०४-२१२२
गुरु	२०-०४-२१२२	०५-०६-२१२३
शुक्र	०५-०६-२१२३	१९-०७-२१२४
शनि	१९-०७-२१२४	०३-०९-२१२५
राहु	०३-०९-२१२५	१९-१०-२१२६
सूर्य	१९-१०-२१२६	०४-१२-२१२७

मंगल (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	०४-१२-२१२७	१८-०१-२१२९
बुध	१८-०१-२१२९	०५-०३-२१३०
गुरु	०५-०३-२१३०	२०-०४-२१३१
शुक्र	२०-०४-२१३१	०४-०६-२१३२
शनि	०४-०६-२१३२	२०-०७-२१३३
राहु	२०-०७-२१३३	०४-०९-२१३४
सूर्य	०४-०९-२१३४	१९-१०-२१३५
चन्द्र	१९-१०-२१३५	०३-१२-२१३६



षष्ठिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल ५व ३म २१दि
जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

मंगल (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल		
चन्द्र		
बुध		
शुक्र		
शनि	04-08-1978	26-07-1979
राहु	26-07-1979	26-07-1980
गुरु	26-07-1980	26-03-1982
सूर्य	26-03-1982	25-11-1983

चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	25-11-1983	01-07-1984
बुध	01-07-1984	05-02-1985
शुक्र	05-02-1985	13-09-1985
शनि	13-09-1985	20-04-1986
राहु	20-04-1986	25-11-1986
गुरु	25-11-1986	25-11-1987
सूर्य	25-11-1987	24-11-1988
मंगल	24-11-1988	25-11-1989

बुध (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	25-11-1989	02-07-1990
शुक्र	02-07-1990	06-02-1991
शनि	06-02-1991	13-09-1991
राहु	13-09-1991	19-04-1992
गुरु	19-04-1992	19-04-1993
सूर्य	19-04-1993	20-04-1994
मंगल	20-04-1994	20-04-1995
चन्द्र	20-04-1995	25-11-1995

शुक्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	25-11-1995	01-07-1996
शनि	01-07-1996	05-02-1997
राहु	05-02-1997	12-09-1997
गुरु	12-09-1997	13-09-1998
सूर्य	13-09-1998	13-09-1999
मंगल	13-09-1999	12-09-2000
चन्द्र	12-09-2000	19-04-2001
बुध	19-04-2001	25-11-2001

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	25-11-2001	02-07-2002
राहु	02-07-2002	06-02-2003
गुरु	06-02-2003	06-02-2004
सूर्य	06-02-2004	05-02-2005
मंगल	05-02-2005	06-02-2006
चन्द्र	06-02-2006	13-09-2006
बुध	13-09-2006	20-04-2007
शुक्र	20-04-2007	25-11-2007

राहु (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	25-11-2007	01-07-2008
गुरु	01-07-2008	01-07-2009
सूर्य	01-07-2009	02-07-2010
मंगल	02-07-2010	02-07-2011
चन्द्र	02-07-2011	06-02-2012
बुध	06-02-2012	12-09-2012
शुक्र	12-09-2012	19-04-2013
शनि	19-04-2013	24-11-2013

गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	24-11-2013	26-07-2015
सूर्य	26-07-2015	26-03-2017
मंगल	26-03-2017	25-11-2018
चन्द्र	25-11-2018	25-11-2019
बुध	25-11-2019	24-11-2020
शुक्र	24-11-2020	24-11-2021
शनि	24-11-2021	25-11-2022
राहु	25-11-2022	25-11-2023

सूर्य (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	25-11-2023	26-07-2025
मंगल	26-07-2025	26-03-2027
चन्द्र	26-03-2027	26-03-2028
बुध	26-03-2028	26-03-2029
शुक्र	26-03-2029	26-03-2030
शनि	26-03-2030	26-03-2031
राहु	26-03-2031	26-03-2032
गुरु	26-03-2032	24-11-2033

मंगल (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	24-11-2033	26-07-2035
चन्द्र	26-07-2035	25-07-2036
बुध	25-07-2036	25-07-2037
शुक्र	25-07-2037	26-07-2038
शनि	26-07-2038	26-07-2039
राहु	26-07-2039	25-07-2040
गुरु	25-07-2040	26-03-2042
सूर्य	26-03-2042	25-11-2043



षष्ठिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल ५व ३म २१दि
 जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	25-11-2043	01-07-2044
बुध	01-07-2044	05-02-2045
शुक्र	05-02-2045	12-09-2045
शनि	12-09-2045	19-04-2046
राहु	19-04-2046	24-11-2046
गुरु	24-11-2046	25-11-2047
सूर्य	25-11-2047	24-11-2048
मंगल	24-11-2048	24-11-2049

बुध (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	24-11-2049	01-07-2050
शुक्र	01-07-2050	05-02-2051
शनि	05-02-2051	13-09-2051
राहु	13-09-2051	19-04-2052
गुरु	19-04-2052	19-04-2053
सूर्य	19-04-2053	19-04-2054
मंगल	19-04-2054	19-04-2055
चन्द्र	19-04-2055	25-11-2055

शुक्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	25-11-2055	01-07-2056
शनि	01-07-2056	05-02-2057
राहु	05-02-2057	12-09-2057
गुरु	12-09-2057	12-09-2058
सूर्य	12-09-2058	13-09-2059
मंगल	13-09-2059	12-09-2060
चन्द्र	12-09-2060	19-04-2061
बुध	19-04-2061	24-11-2061

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	24-11-2061	01-07-2062
राहु	01-07-2062	05-02-2063
गुरु	05-02-2063	06-02-2064
सूर्य	06-02-2064	05-02-2065
मंगल	05-02-2065	05-02-2066
चन्द्र	05-02-2066	12-09-2066
बुध	12-09-2066	19-04-2067
शुक्र	19-04-2067	24-11-2067

राहु (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	24-11-2067	01-07-2068
गुरु	01-07-2068	01-07-2069
सूर्य	01-07-2069	01-07-2070
मंगल	01-07-2070	01-07-2071
चन्द्र	01-07-2071	06-02-2072
बुध	06-02-2072	12-09-2072
शुक्र	12-09-2072	19-04-2073
शनि	19-04-2073	24-11-2073

गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	24-11-2073	26-07-2075
सूर्य	26-07-2075	25-03-2077
मंगल	25-03-2077	24-11-2078
चन्द्र	24-11-2078	24-11-2079
बुध	24-11-2079	24-11-2080
शुक्र	24-11-2080	24-11-2081
शनि	24-11-2081	24-11-2082
राहु	24-11-2082	24-11-2083

सूर्य (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	24-11-2083	25-07-2085
मंगल	25-07-2085	26-03-2087
चन्द्र	26-03-2087	25-03-2088
बुध	25-03-2088	25-03-2089
शुक्र	25-03-2089	26-03-2090
शनि	26-03-2090	26-03-2091
राहु	26-03-2091	25-03-2092
गुरु	25-03-2092	24-11-2093

मंगल (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	24-11-2093	26-07-2095
चन्द्र	26-07-2095	25-07-2096
बुध	25-07-2096	25-07-2097
शुक्र	25-07-2097	25-07-2098
शनि	25-07-2098	25-07-2099
राहु	25-07-2099	26-07-2100
गुरु	26-07-2100	26-03-2102
सूर्य	26-03-2102	25-11-2103

चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	25-11-2103	01-07-2104
बुध	01-07-2104	06-02-2105
शुक्र	06-02-2105	13-09-2105
शनि	13-09-2105	20-04-2106
राहु	20-04-2106	25-11-2106
गुरु	25-11-2106	25-11-2107
सूर्य	25-11-2107	24-11-2108
मंगल	24-11-2108	25-11-2109



षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र ४व १म २३दि
 जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र		
राहु 04-08-1978	28-08-1978	
चन्द्र 28-08-1978	07-11-1978	
सूर्य 07-11-1978	29-03-1979	
गुरु 29-03-1979	28-10-1979	
मंगल 28-10-1979	07-08-1980	
बुध 07-08-1980	28-07-1981	
शनि 28-07-1981	27-09-1982	

राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु 27-09-1982	08-07-1984	
चन्द्र 08-07-1984	27-09-1984	
सूर्य 27-09-1984	08-03-1985	
गुरु 08-03-1985	07-11-1985	
मंगल 07-11-1985	27-09-1986	
बुध 27-09-1986	07-11-1987	
शनि 07-11-1987	08-03-1989	
शुक्र 08-03-1989	27-09-1990	

चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र 27-09-1990	07-10-1990	
सूर्य 07-10-1990	28-10-1990	
गुरु 28-10-1990	27-11-1990	
मंगल 27-11-1990	07-01-1991	
बुध 07-01-1991	26-02-1991	
शनि 26-02-1991	28-04-1991	
शुक्र 28-04-1991	08-07-1991	
राहु 08-07-1991	28-09-1991	

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य 28-09-1991	07-11-1991	
गुरु 07-11-1991	07-01-1992	
मंगल 07-01-1992	28-03-1992	
बुध 28-03-1992	08-07-1992	
शनि 08-07-1992	06-11-1992	
शुक्र 06-11-1992	28-03-1993	
राहु 28-03-1993	07-09-1993	
चन्द्र 07-09-1993	27-09-1993	

गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु 27-09-1993	27-12-1993	
मंगल 27-12-1993	28-04-1994	
बुध 28-04-1994	27-09-1994	
शनि 27-09-1994	29-03-1995	
शुक्र 29-03-1995	28-10-1995	
राहु 28-10-1995	27-06-1996	
चन्द्र 27-06-1996	28-07-1996	
सूर्य 28-07-1996	27-09-1996	

मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल 27-09-1996	08-03-1997	
बुध 08-03-1997	27-09-1997	
शनि 27-09-1997	29-05-1998	
शुक्र 29-05-1998	09-03-1999	
राहु 09-03-1999	27-01-2000	
चन्द्र 27-01-2000	08-03-2000	
सूर्य 08-03-2000	28-05-2000	
गुरु 28-05-2000	27-09-2000	

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध 27-09-2000	07-06-2001	
शनि 07-06-2001	08-04-2002	
शुक्र 08-04-2002	29-03-2003	
राहु 29-03-2003	08-05-2004	
चन्द्र 08-05-2004	27-06-2004	
सूर्य 27-06-2004	07-10-2004	
गुरु 07-10-2004	08-03-2005	
मंगल 08-03-2005	27-09-2005	

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि 27-09-2005	27-09-2006	
शुक्र 27-09-2006	27-11-2007	
राहु 27-11-2007	28-03-2009	
चन्द्र 28-03-2009	28-05-2009	
सूर्य 28-05-2009	27-09-2009	
गुरु 27-09-2009	29-03-2010	
मंगल 29-03-2010	27-11-2010	
बुध 27-11-2010	27-09-2011	

शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र 27-09-2011	06-02-2013	
राहु 06-02-2013	28-08-2014	
चन्द्र 28-08-2014	07-11-2014	
सूर्य 07-11-2014	29-03-2015	
गुरु 29-03-2015	28-10-2015	
मंगल 28-10-2015	07-08-2016	
बुध 07-08-2016	28-07-2017	
शनि 28-07-2017	27-09-2018	



षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र ४व १म २३दि
 भोग्य दशा : शु-ल-ल-ल-ल

राहु (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	27-09-2018	07-07-2020
चन्द्र	07-07-2020	27-09-2020
सूर्य	27-09-2020	08-03-2021
गुरु	08-03-2021	06-11-2021
मंगल	06-11-2021	27-09-2022
बुध	27-09-2022	07-11-2023
शनि	07-11-2023	08-03-2025
शुक्र	08-03-2025	27-09-2026

चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	27-09-2026	07-10-2026
सूर्य	07-10-2026	27-10-2026
गुरु	27-10-2026	27-11-2026
मंगल	27-11-2026	06-01-2027
बुध	06-01-2027	26-02-2027
शनि	26-02-2027	28-04-2027
शुक्र	28-04-2027	08-07-2027
राहु	08-07-2027	27-09-2027

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	27-09-2027	07-11-2027
गुरु	07-11-2027	07-01-2028
मंगल	07-01-2028	28-03-2028
बुध	28-03-2028	07-07-2028
शनि	07-07-2028	06-11-2028
शुक्र	06-11-2028	28-03-2029
राहु	28-03-2029	06-09-2029
चन्द्र	06-09-2029	27-09-2029

गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	27-09-2029	27-12-2029
मंगल	27-12-2029	28-04-2030
बुध	28-04-2030	27-09-2030
शनि	27-09-2030	29-03-2031
शुक्र	29-03-2031	28-10-2031
राहु	28-10-2031	27-06-2032
चन्द्र	27-06-2032	28-07-2032
सूर्य	28-07-2032	26-09-2032

मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	26-09-2032	08-03-2033
बुध	08-03-2033	27-09-2033
शनि	27-09-2033	28-05-2034
शुक्र	28-05-2034	08-03-2035
राहु	08-03-2035	27-01-2036
चन्द्र	27-01-2036	08-03-2036
सूर्य	08-03-2036	28-05-2036
गुरु	28-05-2036	26-09-2036

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	26-09-2036	07-06-2037
शनि	07-06-2037	07-04-2038
शुक्र	07-04-2038	29-03-2039
राहु	29-03-2039	07-05-2040
चन्द्र	07-05-2040	27-06-2040
सूर्य	27-06-2040	07-10-2040
गुरु	07-10-2040	08-03-2041
मंगल	08-03-2041	27-09-2041

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	27-09-2041	27-09-2042
शुक्र	27-09-2042	27-11-2043
राहु	27-11-2043	28-03-2045
चन्द्र	28-03-2045	28-05-2045
सूर्य	28-05-2045	27-09-2045
गुरु	27-09-2045	28-03-2046
मंगल	28-03-2046	27-11-2046
बुध	27-11-2046	27-09-2047

शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	27-09-2047	05-02-2049
राहु	05-02-2049	27-08-2050
चन्द्र	27-08-2050	06-11-2050
सूर्य	06-11-2050	28-03-2051
गुरु	28-03-2051	28-10-2051
मंगल	28-10-2051	07-08-2052
बुध	07-08-2052	28-07-2053
शनि	28-07-2053	27-09-2054

राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	27-09-2054	07-07-2056
चन्द्र	07-07-2056	26-09-2056
सूर्य	26-09-2056	08-03-2057
गुरु	08-03-2057	06-11-2057
मंगल	06-11-2057	27-09-2058
बुध	27-09-2058	07-11-2059
शनि	07-11-2059	08-03-2061
शुक्र	08-03-2061	27-09-2062



षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र ४व १उ २३क
जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	27-09-2062	07-10-2062
सूर्य	07-10-2062	27-10-2062
गुरु	27-10-2062	27-11-2062
मंगल	27-11-2062	06-01-2063
बुध	06-01-2063	26-02-2063
शनि	26-02-2063	28-04-2063
शुक्र	28-04-2063	08-07-2063
राहु	08-07-2063	27-09-2063

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	27-09-2063	07-11-2063
गुरु	07-11-2063	06-01-2064
मंगल	06-01-2064	28-03-2064
बुध	28-03-2064	07-07-2064
शनि	07-07-2064	06-11-2064
शुक्र	06-11-2064	28-03-2065
राहु	28-03-2065	06-09-2065
चन्द्र	06-09-2065	26-09-2065

गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	26-09-2065	27-12-2065
मंगल	27-12-2065	28-04-2066
बुध	28-04-2066	27-09-2066
शनि	27-09-2066	28-03-2067
शुक्र	28-03-2067	27-10-2067
राहु	27-10-2067	27-06-2068
चन्द्र	27-06-2068	27-07-2068
सूर्य	27-07-2068	26-09-2068

मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	26-09-2068	08-03-2069
बुध	08-03-2069	26-09-2069
शनि	26-09-2069	28-05-2070
शुक्र	28-05-2070	08-03-2071
राहु	08-03-2071	27-01-2072
चन्द्र	27-01-2072	07-03-2072
सूर्य	07-03-2072	27-05-2072
गुरु	27-05-2072	26-09-2072

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	26-09-2072	07-06-2073
शनि	07-06-2073	07-04-2074
शुक्र	07-04-2074	28-03-2075
राहु	28-03-2075	07-05-2076
चन्द्र	07-05-2076	27-06-2076
सूर्य	27-06-2076	06-10-2076
गुरु	06-10-2076	07-03-2077
मंगल	07-03-2077	26-09-2077

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	26-09-2077	27-09-2078
शुक्र	27-09-2078	27-11-2079
राहु	27-11-2079	28-03-2081
चन्द्र	28-03-2081	28-05-2081
सूर्य	28-05-2081	26-09-2081
गुरु	26-09-2081	28-03-2082
मंगल	28-03-2082	26-11-2082
बुध	26-11-2082	27-09-2083

शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	27-09-2083	05-02-2085
राहु	05-02-2085	27-08-2086
चन्द्र	27-08-2086	06-11-2086
सूर्य	06-11-2086	28-03-2087
गुरु	28-03-2087	27-10-2087
मंगल	27-10-2087	06-08-2088
बुध	06-08-2088	27-07-2089
शनि	27-07-2089	27-09-2090

राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	27-09-2090	07-07-2092
चन्द्र	07-07-2092	26-09-2092
सूर्य	26-09-2092	07-03-2093
गुरु	07-03-2093	06-11-2093
मंगल	06-11-2093	26-09-2094
बुध	26-09-2094	06-11-2095
शनि	06-11-2095	07-03-2097
शुक्र	07-03-2097	26-09-2098

चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	26-09-2098	07-10-2098
सूर्य	07-10-2098	27-10-2098
गुरु	27-10-2098	26-11-2098
मंगल	26-11-2098	06-01-2099
बुध	06-01-2099	26-02-2099
शनि	26-02-2099	28-04-2099
शुक्र	28-04-2099	08-07-2099
राहु	08-07-2099	27-09-2099



पंचोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : चन्द्र 10व 0म 27दि
 जन्मकालीन दशा : चं-ल-ल-ल-ल

चन्द्र (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र		
गुरु		
सूर्य	04-08-1978	11-04-1979
बुध	11-04-1979	19-05-1981
शनि	19-05-1981	25-08-1983
मंगल	25-08-1983	28-01-1986
शुक्र	28-01-1986	31-08-1988

गुरु (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	31-08-1988	02-10-1991
सूर्य	02-10-1991	22-10-1993
बुध	22-10-1993	14-01-1996
शनि	14-01-1996	09-06-1998
मंगल	09-06-1998	03-01-2001
शुक्र	03-01-2001	02-10-2003
चन्द्र	02-10-2003	31-08-2006

सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	31-08-2006	14-01-2008
बुध	14-01-2008	10-07-2009
शनि	10-07-2009	14-02-2011
मंगल	14-02-2011	01-11-2012
शुक्र	01-11-2012	31-08-2014
चन्द्र	31-08-2014	10-08-2016
गुरु	10-08-2016	31-08-2018

बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	31-08-2018	10-04-2020
शनि	10-04-2020	03-01-2022
मंगल	03-01-2022	13-11-2023
शुक्र	13-11-2023	05-11-2025
चन्द्र	05-11-2025	14-12-2027
गुरु	14-12-2027	07-03-2030
सूर्य	07-03-2030	31-08-2031

शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	31-08-2031	13-07-2033
मंगल	13-07-2033	14-07-2035
शुक्र	14-07-2035	31-08-2037
चन्द्र	31-08-2037	07-12-2039
गुरु	07-12-2039	01-05-2042
सूर्य	01-05-2042	07-12-2043
बुध	07-12-2043	31-08-2045

मंगल (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	31-08-2045	22-10-2047
शुक्र	22-10-2047	03-02-2050
चन्द्र	03-02-2050	09-07-2052
गुरु	09-07-2052	04-02-2055
सूर्य	04-02-2055	22-10-2056
बुध	22-10-2056	31-08-2058
शनि	31-08-2058	30-08-2060

शुक्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	30-08-2060	07-02-2063
चन्द्र	07-02-2063	10-09-2065
गुरु	10-09-2065	08-06-2068
सूर्य	08-06-2068	07-04-2070
बुध	07-04-2070	30-03-2072
शनि	30-03-2072	18-05-2074
मंगल	18-05-2074	30-08-2076

चन्द्र (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	30-08-2076	02-06-2079
गुरु	02-06-2079	01-05-2082
सूर्य	01-05-2082	10-04-2084
बुध	10-04-2084	18-05-2086
शनि	18-05-2086	23-08-2088
मंगल	23-08-2088	27-01-2091
शुक्र	27-01-2091	30-08-2093

गुरु (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	30-08-2093	30-09-2096
सूर्य	30-09-2096	22-10-2098
बुध	22-10-2098	14-01-2101
शनि	14-01-2101	09-06-2103
मंगल	09-06-2103	04-01-2106
शुक्र	04-01-2106	01-10-2108
चन्द्र	01-10-2108	01-09-2111



शताब्दीका महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र ५व ११म ४दि
 जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शुक्र (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र		
बुध		
गुरु		
मंगल 04-08-1978	08-07-1980	
शनि 08-07-1980	09-07-1983	
सूर्य 09-07-1983	07-01-1984	
चन्द्र 07-01-1984	08-07-1984	

बुध (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	08-07-1984	08-07-1985
गुरु	08-07-1985	08-07-1987
मंगल	08-07-1987	08-07-1989
शनि	08-07-1989	08-07-1992
सूर्य	08-07-1992	06-01-1993
चन्द्र	06-01-1993	08-07-1993
शुक्र	08-07-1993	08-07-1994

गुरु (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	08-07-1994	08-07-1998
मंगल	08-07-1998	08-07-2002
शनि	08-07-2002	08-07-2008
सूर्य	08-07-2008	08-07-2009
चन्द्र	08-07-2009	08-07-2010
शुक्र	08-07-2010	08-07-2012
बुध	08-07-2012	08-07-2014

मंगल (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल 08-07-2014	08-07-2018	
शनि 08-07-2018	07-07-2024	
सूर्य 07-07-2024	08-07-2025	
चन्द्र 08-07-2025	08-07-2026	
शुक्र 08-07-2026	07-07-2028	
बुध 07-07-2028	08-07-2030	
गुरु 08-07-2030	08-07-2034	

शनि (30व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि 08-07-2034	08-07-2043	
सूर्य 08-07-2043	06-01-2045	
चन्द्र 06-01-2045	08-07-2046	
शुक्र 08-07-2046	08-07-2049	
बुध 08-07-2049	07-07-2052	
गुरु 07-07-2052	08-07-2058	
मंगल 08-07-2058	07-07-2064	

सूर्य (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य 07-07-2064	06-10-2064	
चन्द्र 06-10-2064	06-01-2065	
शुक्र 06-01-2065	07-07-2065	
बुध 07-07-2065	06-01-2066	
गुरु 06-01-2066	06-01-2067	
मंगल 06-01-2067	06-01-2068	
शनि 06-01-2068	07-07-2069	

चन्द्र (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र 07-07-2069	07-10-2069	
शुक्र 07-10-2069	07-04-2070	
बुध 07-04-2070	07-10-2070	
गुरु 07-10-2070	07-10-2071	
मंगल 07-10-2071	06-10-2072	
शनि 06-10-2072	07-04-2074	
सूर्य 07-04-2074	08-07-2074	

शुक्र (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र 08-07-2074	08-07-2075	
बुध 08-07-2075	07-07-2076	
गुरु 07-07-2076	08-07-2078	
मंगल 08-07-2078	07-07-2080	
शनि 07-07-2080	08-07-2083	
सूर्य 08-07-2083	06-01-2084	
चन्द्र 06-01-2084	07-07-2084	

बुध (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध 07-07-2084	07-07-2085	
गुरु 07-07-2085	08-07-2087	
मंगल 08-07-2087	07-07-2089	
शनि 07-07-2089	07-07-2092	
सूर्य 07-07-2092	06-01-2093	
चन्द्र 06-01-2093	07-07-2093	
शुक्र 07-07-2093	07-07-2094	



चतुर्शीतिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य 7व 1म 10दि
जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
चन्द्र		
मंगल	04-08-1978	05-11-1978
बुध	05-11-1978	23-07-1980
गुरु	23-07-1980	10-04-1982
शुक्र	10-04-1982	28-12-1983
शनि	28-12-1983	14-09-1985

चन्द्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	14-09-1985	02-06-1987
मंगल	02-06-1987	17-02-1989
बुध	17-02-1989	05-11-1990
गुरु	05-11-1990	23-07-1992
शुक्र	23-07-1992	10-04-1994
शनि	10-04-1994	27-12-1995
सूर्य	27-12-1995	14-09-1997

मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	14-09-1997	02-06-1999
बुध	02-06-1999	17-02-2001
गुरु	17-02-2001	05-11-2002
शुक्र	05-11-2002	23-07-2004
शनि	23-07-2004	10-04-2006
सूर्य	10-04-2006	27-12-2007
चन्द्र	27-12-2007	14-09-2009

बुध (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	14-09-2009	02-06-2011
गुरु	02-06-2011	17-02-2013
शुक्र	17-02-2013	05-11-2014
शनि	05-11-2014	23-07-2016
सूर्य	23-07-2016	10-04-2018
चन्द्र	10-04-2018	27-12-2019
मंगल	27-12-2019	13-09-2021

गुरु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	13-09-2021	02-06-2023
शुक्र	02-06-2023	17-02-2025
शनि	17-02-2025	05-11-2026
सूर्य	05-11-2026	23-07-2028
चन्द्र	23-07-2028	10-04-2030
मंगल	10-04-2030	27-12-2031
बुध	27-12-2031	13-09-2033

शुक्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	13-09-2033	01-06-2035
शनि	01-06-2035	17-02-2037
सूर्य	17-02-2037	05-11-2038
चन्द्र	05-11-2038	23-07-2040
मंगल	23-07-2040	10-04-2042
बुध	10-04-2042	27-12-2043
गुरु	27-12-2043	13-09-2045

शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	13-09-2045	01-06-2047
सूर्य	01-06-2047	16-02-2049
चन्द्र	16-02-2049	05-11-2050
मंगल	05-11-2050	23-07-2052
बुध	23-07-2052	10-04-2054
गुरु	10-04-2054	27-12-2055
शुक्र	27-12-2055	13-09-2057

सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	13-09-2057	01-06-2059
चन्द्र	01-06-2059	16-02-2061
मंगल	16-02-2061	05-11-2062
बुध	05-11-2062	23-07-2064
गुरु	23-07-2064	10-04-2066
शुक्र	10-04-2066	27-12-2067
शनि	27-12-2067	13-09-2069

चन्द्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	13-09-2069	01-06-2071
मंगल	01-06-2071	16-02-2073
बुध	16-02-2073	04-11-2074
गुरु	04-11-2074	23-07-2076
शुक्र	23-07-2076	10-04-2078
शनि	10-04-2078	27-12-2079
सूर्य	27-12-2079	13-09-2081



शनि की साढ़ेसाती का विचार

ज्योतिष तत्व प्रकाश के अनुसार -

**द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चरः।
सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुःखैर्युतो भवेत्॥**

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से गोचर में जब शनि द्वादशा, प्रथम एवं द्वितीय स्थानों में भ्रमण करता है, तो साढ़े-सात वर्ष के समय को शनि की साढ़ेसाती कहते हैं।

आपकी जन्म राशि कर्क है, अतः शनि जब मिथुन, कर्क व सिंह राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की साढ़ेसाती कहलायेगी।

एक साढ़ेसाती तीन ढैया से मिलकर बनती है। क्योंकि शनि एक राशि में लगभग ढाई वर्षों तक चलता है।

प्रायः जीवन में तीन बार साढ़ेसाती आती है।

निम्नलिखित सारणी में प्रत्येक साढ़ेसाती के प्रारम्भ और समाप्ति का समय दर्शाया जा रहा है।

साढ़ेसाती चक्र	शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग शनि	सर्व
प्रथम चक्र की साढ़े साती						
प्रथम ढैया (जन्म राशि से द्वादश)	मिथुन			--	3	29
	मिथुन (व)			--		
द्वितीय ढैया (जन्म राशि पर)						
	कर्क			--	4	25
	कर्क (व)			--		
तृतीय ढैया (जन्म राशि से द्वितीय)	सिंह	03-11-1979		1-2-29	4	24
	सिंह (व)	14-03-1980	27-07-1980	0-4-13		
द्वितीय चक्र की साढ़ेसाती						
प्रथम ढैया (जन्म राशि से द्वादश)	मिथुन	23-07-2002	08-01-2003	0-5-15	3	29
	मिथुन (व)	07-04-2003	05-09-2004	1-4-28		
द्वितीय ढैया (जन्म राशि पर)	कर्क	05-09-2004	13-01-2005	0-4-8	4	25
	कर्क (व)	26-05-2005	01-11-2006	1-5-5		
तृतीय ढैया (जन्म राशि से द्वितीय)	सिंह	01-11-2006	10-01-2007	0-2-9	4	24
	सिंह (व)	15-07-2007	09-09-2009	2-1-24		
तृतीय चक्र की साढ़ेसाती						
प्रथम ढैया (जन्म राशि से द्वादश)	मिथुन	30-05-2032	12-07-2034	2-1-12	3	29
	मिथुन (व)			--		
द्वितीय ढैया (जन्म राशि पर)	कर्क	12-07-2034	27-08-2036	2-1-15	4	25
	कर्क (व)			--		
तृतीय ढैया (जन्म राशि से द्वितीय)	सिंह	27-08-2036	22-10-2038	2-1-25	4	24
	सिंह (व)	05-04-2039	12-07-2039	0-3-7		

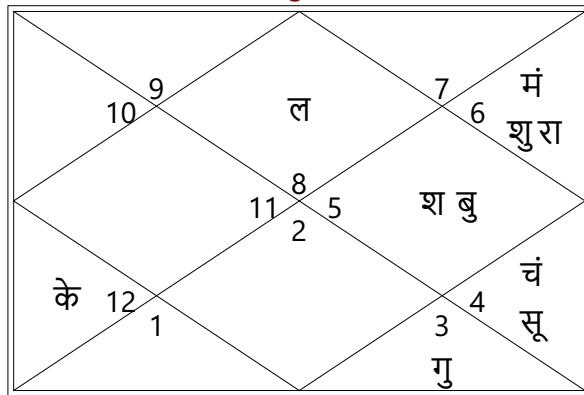


कृष्णमूर्ति पद्धति

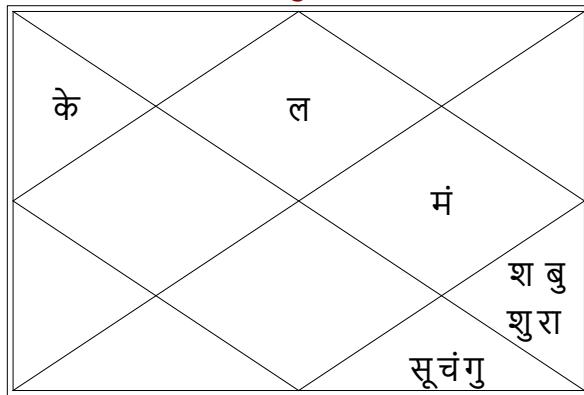
4 अगस्त 1978 • 15:15 घंटे • Jabalpur, Madhya Pradesh, India

ग्रह	व/अ	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
लग्न	वृश्चिक	25:48:51	ज्येष्ठा	3	मं	ब्र	रा	सू	
सूर्य	कर्क	17:13:21	आश्लेषा	1	चं	ब्र	ब्र	शु	शु
चन्द्र	कर्क	22:11:40	आश्लेषा	2	वं	ब्र	सू	शु	शु
मंगल	कन्या	06:33:17	उत्तराफाल्गुनी	3	ब्र	ब्र	ब्र	गु	गु
बुध	सिंह	09:32:08	मघा	3	सू	सू	ब्र	श	श
गुरु	मिथुन	29:55:27	पुनर्वसु	3	ब्र	ब्र	श	श	चं
शुक्र	कन्या	02:31:30	उत्तराफाल्गुनी	2	सू	सू	गु	गु	गु
शनि	सिंह	07:36:29	मघा	3	ब्र	सू	गु	शु	शु
राहु	कन्या	04:02:56	उत्तराफाल्गुनी	3	ब्र	सू	श	के	के
केतु	मीन	04:02:56	उत्तराभाद्रपद	1	गु	गु	श	श	चं
यूरेनस	तुला	18:56:19	स्वाति	4	शु	श	रा	चं	के
नैपच्यून (व)	वृश्चिक	22:13:51	ज्येष्ठा	2	मं	ब्र	चं	चं	चं
प्लूटो	कन्या	20:54:02	हस्त	4	ब्र	चं	शु	सू	

जन्म कुण्डली



कस्प कुण्डली



भाव विवरण

भाव कस्प	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
1. प्रथम	वृश्चिक	25:48:51	ज्येष्ठा	3	मं	ब्र	रा	सू
2. द्वितीय	धनु	27:04:33	उत्तराषाढ़ा	1	गु	सू	सू	श
3. तृतीय	कुंभ	01:06:28	धनिष्ठा	3	श	मं	ब्र	रा
4. चतुर्थ	मीन	05:14:13	उत्तराभाद्रपद	1	गु	श	रा	गु
5. पंचम	मेष	05:46:44	अश्विनी	2	मं	के	रा	रा
6. षष्ठ	वृष	01:59:35	कृतिका	2	शु	सू	गु	के
7. सप्तम	वृष	25:48:51	मृगशिरा	1	शु	मं	रा	सू
8. अष्टम	मिथुन	27:04:33	पुनर्वसु	3	ब्र	ब्र	शु	चं
9. नवम	सिंह	01:06:28	मघा	1	सू	के	शु	शु
10. दशम	कन्या	05:14:13	उत्तराफाल्गुनी	3	ब्र	सू	ब्र	ब्र
11. एकादश	तुला	05:46:44	चित्रा	4	शु	मं	चं	रा
12. द्वादश	वृश्चिक	01:59:35	विशाखा	4	मं	गु	रा	श



कृष्णमूर्ति पद्धति

भावों के कारक ग्रह

भाव	भाव स्थित ग्रहों के नक्षत्र में ग्रह	भाव स्थित ग्रह	भाव कस्प स्वामी के नक्षत्र में ग्रह	भाव कस्प स्वामी
1. प्रथम				मं
2. द्वितीय				गु
3. तृतीय	बुश	के	के	श
4. चतुर्थ			गु	गु
5. पंचम				मं
6. षष्ठ				शु
7. सप्तम				शु
8. अष्टम	मं, शु, रा, गु	सूचं, गु	सूचं	बु
9. नवम	सूचं, के	बु, शु, श, रा	मं, शु, रा	सू
10. दशम		मं	सूचं	बु
11. एकादश				शु
12. द्वादश				मं

ग्रहों द्वारा अभिसूचित भाव

ग्रह	ग्रहों से अभिप्राय भाव			
	अत्यधिक बली कारक	बली कारक	सामान्य कारक	निर्बल कारक
सूर्य		8 9		10
चन्द्र		8	9	10
मंगल			8 10	1 5 9 12
बुध			3 9	8 10
गुरु	8		2 4	
शुक्र		9	8	6 7 11
शनि		3	9	
राहु		9	8	
केतु		3	9	

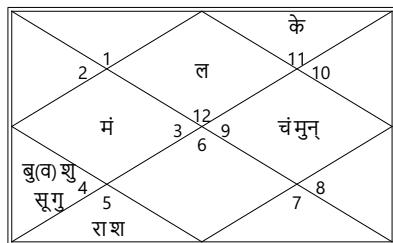
स्वामी ग्रह

वारेश	:	शुक्र	फॉरच्यूना	:	वृश्चिक 29:48:22
लग्नेश	:	मंगल	भोग्य दशा	:	बुध 9व.-11म.-13दि.
लग्न नक्षत्र स्वामी	:	बुध	के.पी. आयनांश	:	-23:27:42
लग्न नक्षत्र उपस्वामी	:	राहु			
चन्द्र राशि स्वामी	:	चन्द्र			
चन्द्र नक्षत्र स्वामी	:	बुध			
चन्द्र नक्षत्र उपस्वामी	:	सूर्य			



वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:1

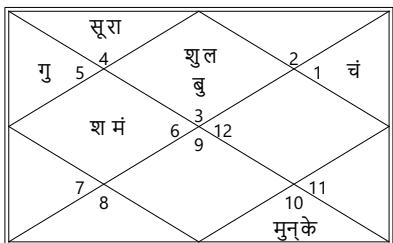
4 अगस्त 1979 21:22 घंटे



लग्र	07:30	मंगल	03:49	शुक्र	12:22
सूर्य	18:06	बुध	11:39	शनि	19:11
चन्द्र	00:13	गुरु	24:33	राहु	15:09
वर्षश	गुरु	मुन्धा	धनु	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:2

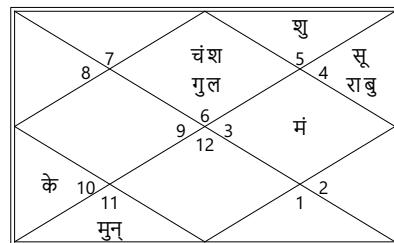
4 अगस्त 1980 03:42 घंटे



लग्र	21:05	मंगल	20:30	शुक्र	04:23
सूर्य	18:06	बुध	29:00	शनि	00:45
चन्द्र	23:40	गुरु	18:37	राहु	26:39
वर्षश	बुध	मुन्धा	मकर	25:43:05	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:3

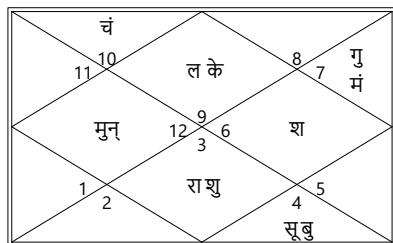
4 अगस्त 1981 09:50 घंटे



लग्र	13:24	मंगल	17:38	शुक्र	19:10
सूर्य	18:06	बुध	11:21	शनि	12:14
चन्द्र	07:25	गुरु	13:01	राहु	08:03
वर्षश	बुध	मुन्धा	क्रृष्ण	25:43:05	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:4

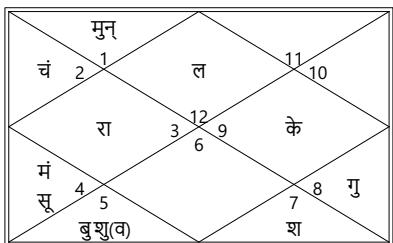
4 अगस्त 1982 15:52 घंटे



लग्र	04:04	मंगल	06:55	शुक्र	24:11
सूर्य	18:06	बुध	28:45	शनि	23:39
चन्द्र	12:26	गुरु	08:51	राहु	19:37
वर्षश	शनि	मुन्धा	मीन	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:5

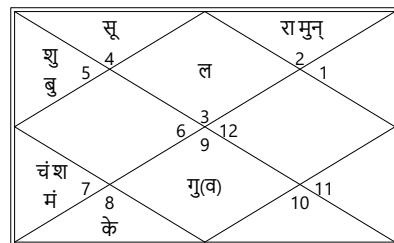
4 अगस्त 1983 22:04 घंटे



लग्र	21:18	मंगल	00:31	शुक्र	15:51
सूर्य	18:06	बुध	11:20	शनि	05:02
चन्द्र	21:12	गुरु	07:30	राहु	00:28
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मेष	25:43:04	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:6

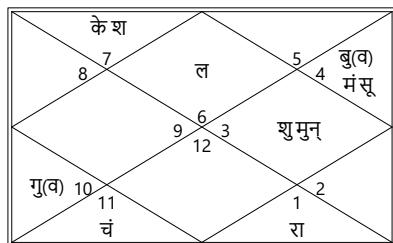
4 अगस्त 1984 04:12 घंटे



लग्र	27:37	मंगल	29:32	शुक्र	01:35
सूर्य	18:06	बुध	15:05	शनि	16:26
चन्द्र	16:02	गुरु	10:31	राहु	10:30
वर्षश	मंगल	मुन्धा	वृष	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:7

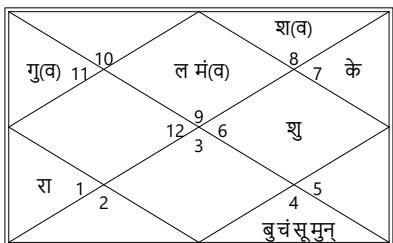
4 अगस्त 1985 10:20 घंटे



लग्र	20:25	मंगल	12:48	शुक्र	08:25
सूर्य	18:06	बुध	29:30	शनि	27:53
चन्द्र	27:40	गुरु	18:24	राहु	20:01
वर्षश	बुध	मुन्धा	मिथुन	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:8

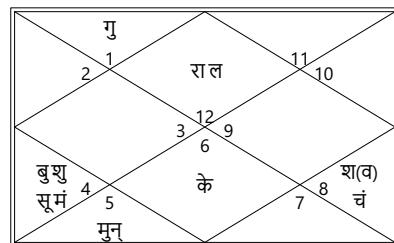
4 अगस्त 1986 16:27 घंटे



लग्र	12:19	मंगल	18:11	शुक्र	02:41
सूर्य	18:06	बुध	02:10	शनि	09:24
चन्द्र	03:00	गुरु	28:21	राहु	00:04
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कर्क	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:9

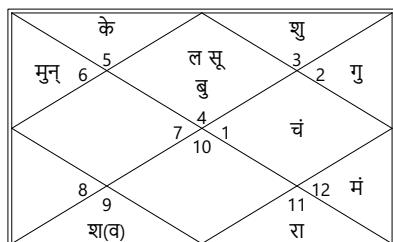
4 अगस्त 1987 22:31 घंटे



लग्र	29:59	मंगल	24:47	शुक्र	12:59
सूर्य	18:06	बुध	02:23	शनि	21:01
चन्द्र	12:17	गुरु	05:40	राहु	10:04
वर्षश	सूर्य	मुन्धा	सिंह	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:10

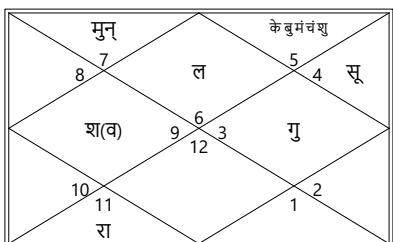
4 अगस्त 1988 04:47 घंटे



लग्र	05:19	मंगल	14:21	शुक्र	03:55
सूर्य	18:06	बुध	19:01	शनि	02:46
चन्द्र	07:58	गुरु	08:21	राहु	20:49
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कन्या	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:11

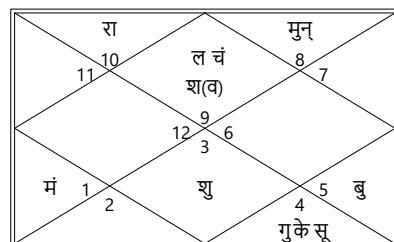
4 अगस्त 1989 10:55 घंटे



लग्र	28:16	मंगल	06:42	शुक्र	19:43
सूर्य	18:06	बुध	04:53	शनि	14:42
चन्द्र	17:38	गुरु	07:08	राहु	02:04
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	तुला	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:12

4 अगस्त 1990 16:56 घंटे



लग्र	19:12	मंगल	21:04	शुक्र	24:46
सूर्य	18:06	बुध	14:23	शनि	26:48
चन्द्र	23:17	गुरु	03:16	राहु	13:34
वर्षश	मंगल	मुन्धा	वृश्चिक	25:43:01	

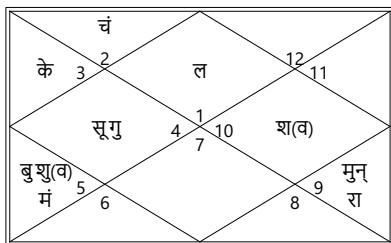
Mr. Ahuja



वर्षफल कुण्डलियां - 2

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:13

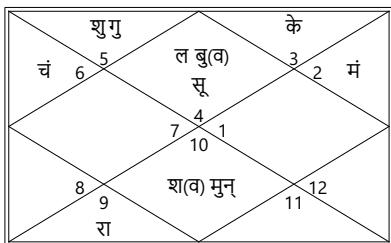
4 अगस्त 1991 23:13 घंटे



लग्र	13:19	मंगल	18:47	शुक्र	13:22
सूर्य	18:06	बुध	11:42	शनि	09:07
चन्द्र	04:23	गुरु	27:53	राहु	25:00
वर्षश	गुरु	मुन्धा	धनु	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:14

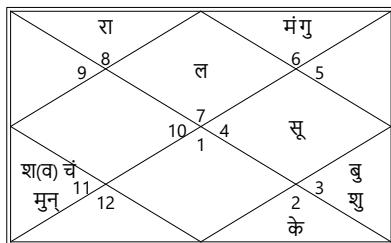
4 अगस्त 1992 05:23 घंटे



लग्र	13:18	मंगल	11:46	शुक्र	02:12
सूर्य	18:06	बुध	16:10	शनि	21:38
चन्द्र	29:43	गुरु	21:57	राहु	06:06
वर्षश	बुध	मुन्धा	मकर	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:15

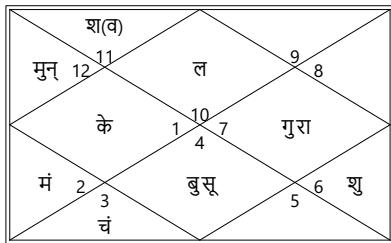
4 अगस्त 1993 11:33 घंटे



लग्र	06:57	मंगल	01:21	शुक्र	08:52
सूर्य	18:06	बुध	28:50	शनि	04:20
चन्द्र	07:55	गुरु	16:29	राहु	16:25
वर्षश	बुध	मुन्धा	क्रृष्ण	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:16

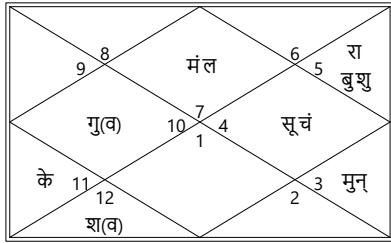
4 अगस्त 1994 17:43 घंटे



लग्र	00:46	मंगल	28:03	शुक्र	02:55
सूर्य	18:06	बुध	08:44	शनि	17:13
चन्द्र	13:26	गुरु	12:35	राहु	26:33
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मीन	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:19

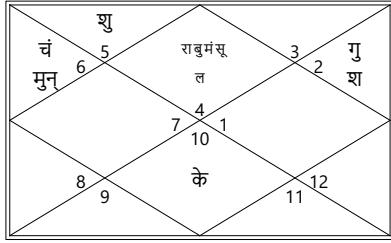
4 अगस्त 1997 12:10 घंटे



लग्र	15:15	मंगल	00:06	शुक्र	20:16
सूर्य	18:06	बुध	15:23	शनि	26:31
चन्द्र	28:26	गुरु	23:51	राहु	26:17
वर्षश	बुध	मुन्धा	मिथुन	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:22

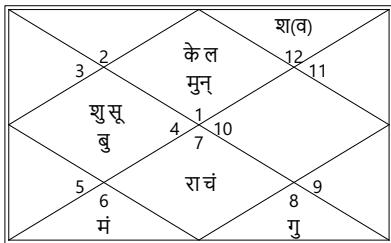
4 अगस्त 2000 06:33 घंटे



लग्र	28:43	मंगल	08:04	शुक्र	02:50
सूर्य	18:06	बुध	00:46	शनि	05:45
चन्द्र	11:38	गुरु	12:34	राहु	00:39
वर्षश	बुध	मुन्धा	कन्या	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:17

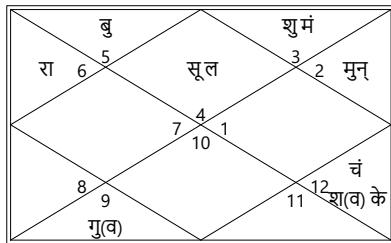
4 अगस्त 1995 23:46 घंटे



लग्र	22:59	मंगल	14:50	शुक्र	13:37
सूर्य	18:06	बुध	26:21	शनि	00:15
चन्द्र	26:13	गुरु	11:44	राहु	06:05
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	मेष	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:18

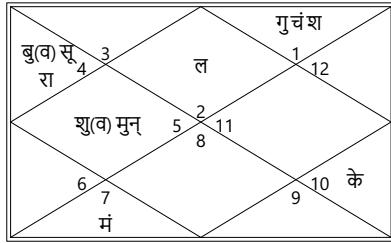
4 अगस्त 1996 06:02 घंटे



लग्र	21:51	मंगल	12:23	शुक्र	03:31
सूर्य	18:06	बुध	09:53	शनि	13:22
चन्द्र	21:01	गुरु	15:26	राहु	15:52
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	वृष	25:43:04	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:21

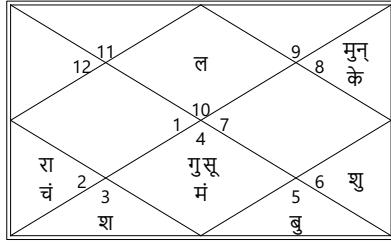
5 अगस्त 1999 00:25 घंटे



लग्र	03:52	मंगल	19:26	शुक्र	10:38
सूर्य	18:06	बुध	04:49	शनि	22:46
चन्द्र	18:55	गुरु	10:27	राहु	19:06
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	सिंह	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:24

4 अगस्त 2002 18:53 घंटे

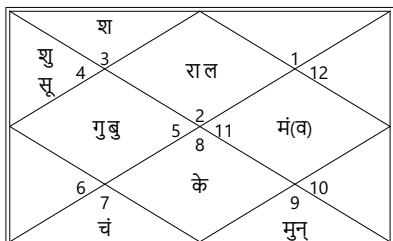


लग्र	20:01	मंगल	20:08	शुक्र	03:08
सूर्य	18:06	बुध	02:50	शनि	01:20
चन्द्र	23:47	गुरु	06:44	राहु	22:32
वर्षश	मंगल	मुन्धा	वृश्चिक	25:43:03	



वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:25

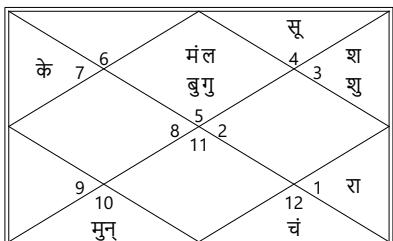
5 अगस्त 2003 00:58 घंटे



लग्र	12:30	मंगल	15:57	शुक्र	14:15
सूर्य	18:06	बुध	13:30	शनि	13:54
चन्द्र	11:32	गुरु	01:11	राहु	02:21
वर्षेश	गुरु	मुन्धा	धनु	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:26

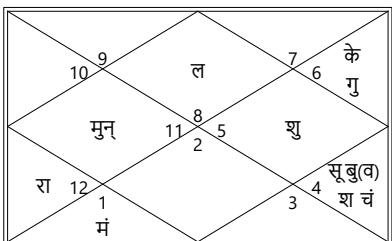
4 अगस्त 2004 07:15 घंटे



लग्र	08:05	मंगल	02:03	शुक्र	03:12
सूर्य	18:06	बुध	13:22	शनि	26:17
चन्द्र	02:33	गुरु	25:13	राहु	12:00
वर्षेश	शनि	मुन्धा	मकर	25:43:04	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:27

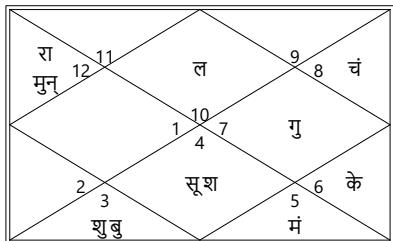
4 अगस्त 2005 13:25 घंटे



लग्र	01:34	मंगल	10:06	शुक्र	20:48
सूर्य	18:06	बुध	20:58	शनि	08:29
चन्द्र	09:24	गुरु	19:51	राहु	21:48
वर्षेश	शनि	मुन्धा	क्रृष्ण	25:43:04	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:28

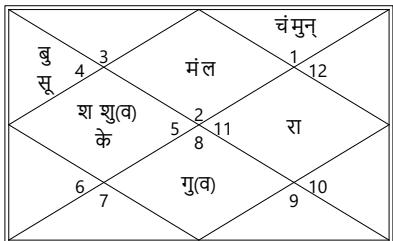
4 अगस्त 2006 19:22 घंटे



लग्र	28:44	मंगल	14:02	शुक्र	25:58
सूर्य	18:06	बुध	29:20	शनि	20:31
चन्द्र	13:57	गुरु	16:16	राहु	02:22
वर्षेश	गुरु	मुन्धा	मीन	25:43:01	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:29

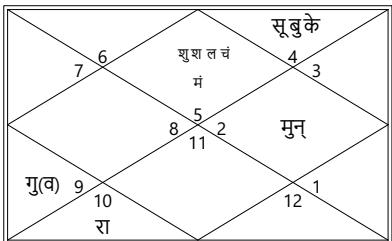
5 अगस्त 2007 01:37 घंटे



लग्र	22:26	मंगल	04:27	शुक्र	07:41
सूर्य	18:06	बुध	06:16	शनि	02:23
चन्द्र	04:10	गुरु	15:58	राहु	13:18
वर्षेश	शुक्र	मुन्धा	मेष	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:30

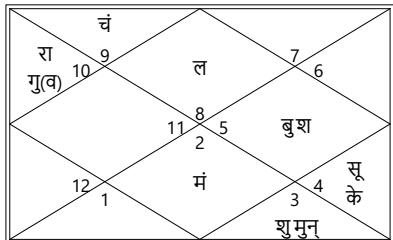
4 अगस्त 2008 07:46 घंटे



लग्र	15:06	मंगल	26:22	शुक्र	03:27
सूर्य	18:06	बुध	23:50	शनि	14:07
चन्द्र	22:41	गुरु	20:25	राहु	24:33
वर्षेश	गुरु	मुन्धा	वृष	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:31

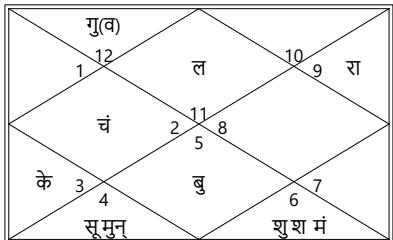
4 अगस्त 2009 13:52 घंटे



लग्र	07:26	मंगल	22:00	शुक्र	09:47
सूर्य	18:06	बुध	08:15	शनि	25:42
चन्द्र	29:43	गुरु	29:24	राहु	06:16
वर्षेश	बुध	मुन्धा	मिथुन	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:32

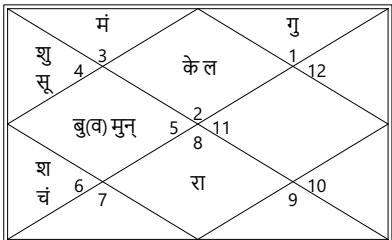
4 अगस्त 2010 20:04 घंटे



लग्र	11:44	मंगल	09:25	शुक्र	03:20
सूर्य	18:06	बुध	15:18	शनि	07:12
चन्द्र	04:43	गुरु	09:09	राहु	17:33
वर्षेश	चन्द्र	मुन्धा	कर्क	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:33

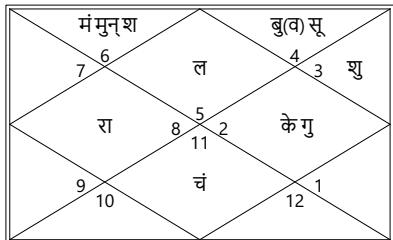
5 अगस्त 2011 02:08 घंटे



लग्र	29:44	मंगल	06:57	शुक्र	14:53
सूर्य	18:06	बुध	07:03	शनि	18:37
चन्द्र	26:50	गुरु	15:16	राहु	28:10
वर्षेश	बुध	मुन्धा	सिंह	25:43:01	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:34

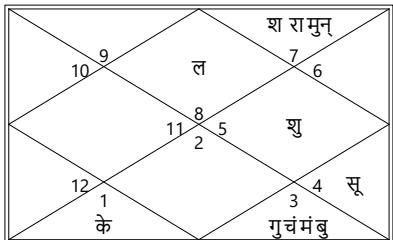
4 अगस्त 2012 08:24 घंटे



लग्र	23:44	मंगल	23:50	शुक्र	02:56
सूर्य	18:06	बुध	08:16	शनि	29:59
चन्द्र	13:11	गुरु	16:45	राहु	08:21
वर्षेश	गुरु	मुन्धा	कन्या	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:35

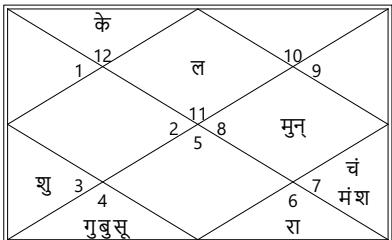
4 अगस्त 2013 14:37 घंटे



लग्र	17:17	मंगल	20:32	शुक्र	21:21
सूर्य	18:06	बुध	29:35	शनि	11:21
चन्द्र	20:04	गुरु	14:38	राहु	18:30
वर्षेश	शुक्र	मुन्धा	तुला	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:36

4 अगस्त 2014 20:35 घंटे

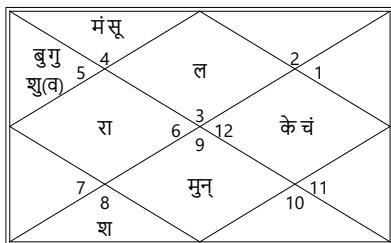


लग्र	21:53	मंगल	11:05	शुक्र	26:34
सूर्य	18:06	बुध	13:34	शनि	22:45
चन्द्र	25:16	गुरु	10:11	राहु	27:53
वर्षेश	शनि	मुन्धा	वृद्धिका	25:43:01	



वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:37

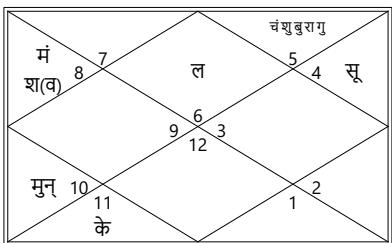
5 अगस्त 2015 02:53 घंटे



लग्र	10:07	मंगल	03:16	शुक्र	04:31
सूर्य	18:06	बुध	00:40	शनि	04:12
चन्द्र	19:13	गुरु	04:30	राहु	08:02
वर्षेश	गुरु	मुन्धा	धनु	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:38

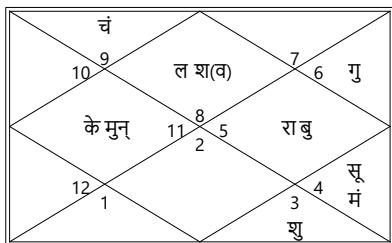
4 अगस्त 2016 09:05 घंटे



लग्र	03:04	मंगल	06:27	शुक्र	04:04
सूर्य	18:06	बुध	12:24	शनि	15:45
चन्द्र	03:46	गुरु	28:33	राहु	18:48
वर्षेश	मंगल	मुन्धा	मकर	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:39

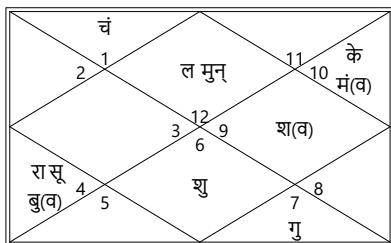
4 अगस्त 2017 15:08 घंटे



लग्र	24:12	मंगल	15:28	शुक्र	10:16
सूर्य	18:06	बुध	14:30	शनि	27:26
चन्द्र	10:23	गुरु	23:22	राहु	00:08
वर्षेश	शनि	मुन्धा	क्रृष्ण	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:40

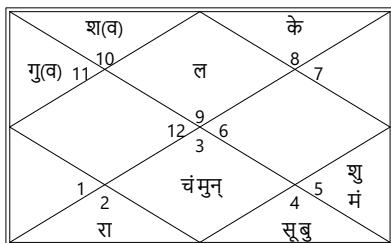
4 अगस्त 2018 21:20 घंटे



लग्र	06:45	मंगल	07:46	शुक्र	03:30
सूर्य	18:06	बुध	25:44	शनि	09:15
चन्द्र	16:50	गुरु	20:09	राहु	11:44
वर्षेश	मंगल	मुन्धा	मीन	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:43

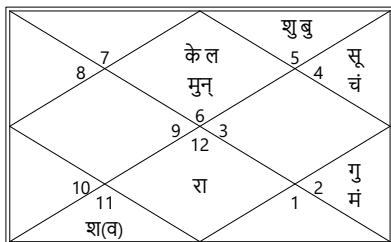
4 अगस्त 2021 15:46 घंटे



लग्र	02:46	मंगल	09:20	शुक्र	21:52
सूर्य	18:06	बुध	21:14	शनि	15:52
चन्द्र	00:19	गुरु	05:03	राहु	14:43
वर्षेश	मंगल	मुन्धा	मिथुन	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:46

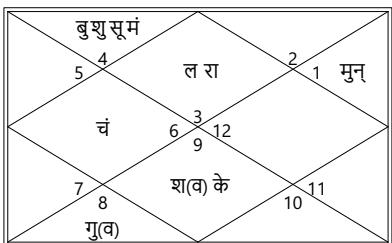
4 अगस्त 2024 10:10 घंटे



लग्र	17:59	मंगल	15:34	शुक्र	04:41
सूर्य	18:06	बुध	09:51	शनि	24:13
चन्द्र	14:58	गुरु	20:45	राहु	13:50
वर्षेश	मंगल	मुन्धा	कन्या	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:41

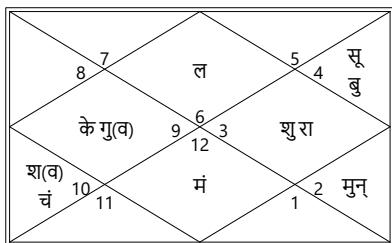
5 अगस्त 2019 03:22 घंटे



लग्र	16:34	मंगल	27:25	शुक्र	15:31
सूर्य	18:06	बुध	00:33	शनि	21:16
चन्द्र	11:00	गुरु	20:26	राहु	23:17
वर्षेश	मंगल	मुन्धा	मेष	25:43:01	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:42

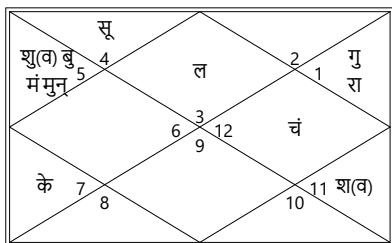
4 अगस्त 2020 09:34 घंटे



लग्र	09:45	मंगल	25:26	शुक्र	02:44
सूर्य	18:06	बुध	04:01	शनि	03:27
चन्द्र	24:04	गुरु	25:38	राहु	04:16
वर्षेश	मंगल	मुन्धा	वृष	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:45

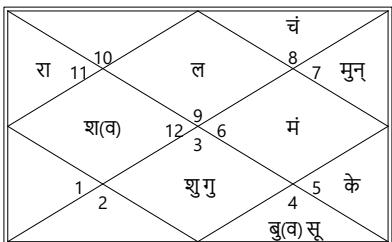
5 अगस्त 2023 03:58 घंटे



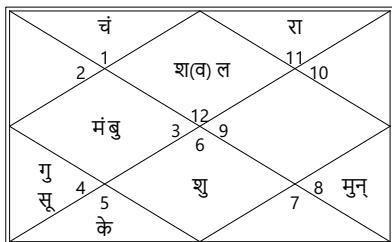
लग्र	24:30	मंगल	21:30	शुक्र	01:11
सूर्य	18:06	बुध	14:55	शनि	11:16
चन्द्र	02:51	गुरु	19:53	राहु	03:47
वर्षेश	गुरु	मुन्धा	सिंह	25:43:01	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:47

4 अगस्त 2025 16:13 घंटे



लग्र	08:57	मंगल	04:12	शुक्र	10:45
सूर्य	18:06	बुध	12:23	शनि	07:18
चन्द्र	20:13	गुरु	18:13	राहु	24:45
वर्षेश	मंगल	मुन्धा	तुला	25:43:01	

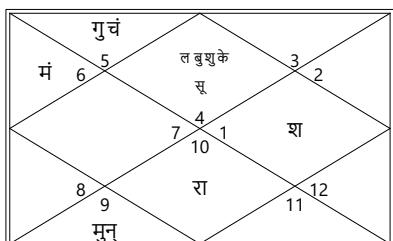


लग्र	29:32	मंगल	01:20	शुक्र	03:38
सूर्य	18:06	बुध	28:55	शनि	20:27
चन्द्र	00:19	गुरु	13:33	राहु	05:39
वर्षेश	गुरु	मुन्धा	वृश्चिक	25:43:02	



वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:49

5 अगस्त 2027 04:36 घंटे



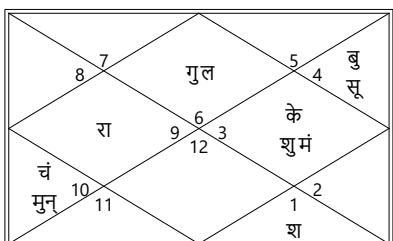
लग्र	02:55	मंगल	17:59	शुक्र	16:09
सूर्य	18:06	बुध	10:53	शनि	03:36
चन्द्र	23:47	गुरु	07:46	राहु	17:14
वर्षश	मंगल	मुन्धा	धनु	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:50

4 अगस्त 2028 10:51 घंटे

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:50

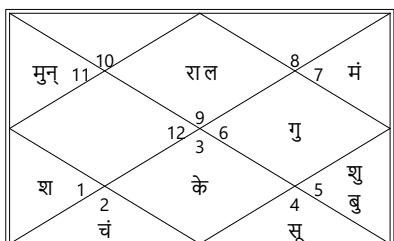
4 अगस्त 2028 10:51 घंटे



लग्र	27:17	मंगल	15:22	शुक्र	02:36
सूर्य	18:06	बुध	28:21	शनि	16:44
चन्द्र	05:37	गुरु	01:53	राहु	28:58
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मकर	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:51

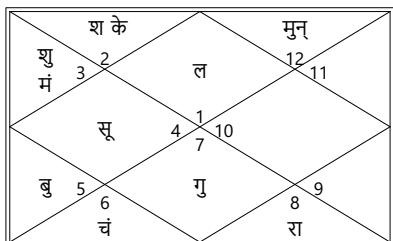
4 अगस्त 2029 17:05 घंटे



लग्र	21:20	मंगल	03:51	शुक्र	22:24
सूर्य	18:06	बुध	11:06	शनि	29:47
चन्द्र	10:20	गुरु	26:54	राहु	09:50
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कुंभ	25:43:04	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:52

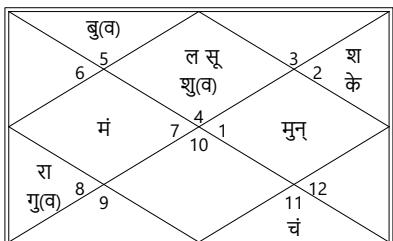
4 अगस्त 2030 23:00 घंटे



लग्र	09:28	मंगल	28:23	शुक्र	27:47
सूर्य	18:06	बुध	15:09	शनि	12:44
चन्द्र	22:39	गुरु	24:06	राहु	20:13
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मीन	25:43:01	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:53

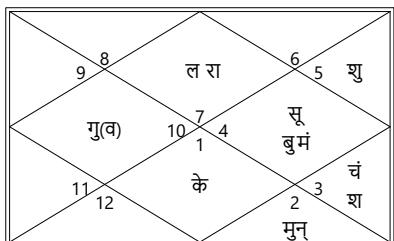
4 अगस्त 2031 05:14 घंटे



लग्र	11:15	मंगल	24:49	शुक्र	27:39
सूर्य	18:06	बुध	00:13	शनि	25:32
चन्द्र	14:59	गुरु	25:02	राहु	00:21
वर्षश	शनि	मुन्धा	मेष	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:54

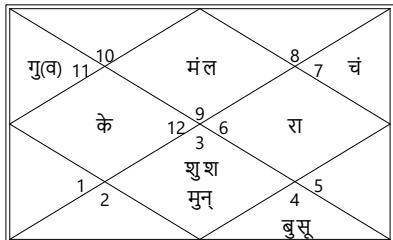
4 अगस्त 2032 11:26 घंटे



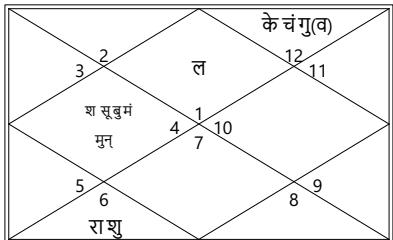
लग्र	05:19	मंगल	10:45	शुक्र	05:18
सूर्य	18:06	बुध	02:33	शनि	08:10
चन्द्र	26:22	गुरु	00:55	राहु	10:10
वर्षश	शक्र	मुन्धा	वृष	25:43:02	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:55

4 अगस्त 2033 17:26 घंटे



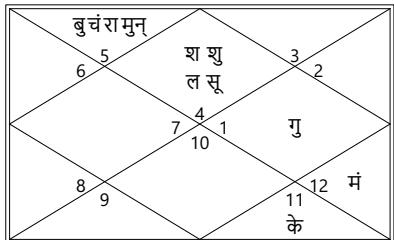
लग्र	26:32	मंगल	05:31	शुक्र	11:14
सूर्य	18:06	बुध	02:05	शनि	20:38
चन्द्र	29:58	गुरु	10:36	राहु	20:01
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मिथुन	25:43:00	



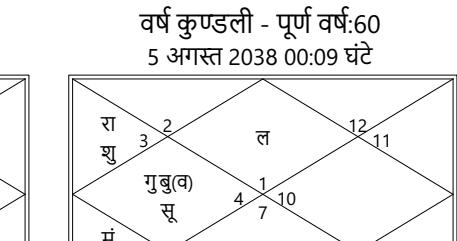
लग्र	20:48	मंगल	22:46	शुक्र	03:45
सूर्य	18:06	बुध	18:33	शनि	02:56
चन्द्र	14:57	गुरु	19:36	राहु	00:17
वर्षश	मंगल	मुन्धा	कर्क	25:43:01	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:56

4 अगस्त 2034 23:38 घंटे



लग्र	17:36	मंगल	03:21	शुक्र	16:47
सूर्य	18:06	बुध	04:33	शनि	15:03
चन्द्र	05:45	गुरु	24:21	राहु	11:10
वर्षश	मंगल	मुन्धा	सिंह	25:43:00	



लग्र	29:30	मंगल	16:42	शुक्र	28:23
सूर्य	18:06	बुध	16:59	शनि	20:30
चन्द्र	07:10	गुरु	16:55	राहु	15:34
वर्षश	बुध	मुन्धा	वृथिश्व	25:43:00	



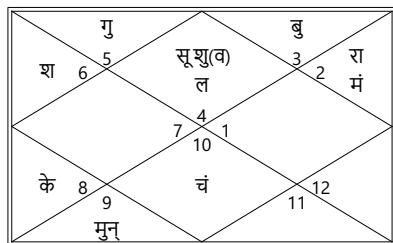
लग्र	08:07	मंगल	16:34	शुक्र	22:56
सूर्य	18:06	बुध	12:01	शनि	08:49
चन्द्र	20:23	गुरु	21:47	राहु	04:25
वर्षश	मंगल	मुन्धा	तुला	25:43:02	

लग्र	11:40	मंगल	04:40	शुक्र	02:30
सूर्य	18:06	बुध	14:15	शनि	27:01
चन्द्र	17:06	गुरु	24:40	राहु	22:48
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	कन्या	25:43:01	



वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:61

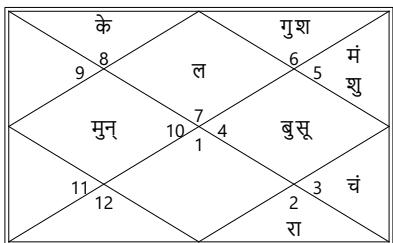
5 अगस्त 2039 06:25 घंटे



लग्र	26:42	मंगल	08:39	शुक्र	24:00
सूर्य	18:06	बुध	28:52	शनि	02:03
चन्द्र	26:27	गुरु	11:06	राहु	26:26
वर्षेश	मंगल	मुन्धा	धनु	25:43:01	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:62

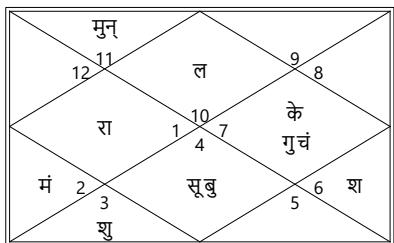
4 अगस्त 2040 12:41 घंटे



लग्र	21:57	मंगल	29:10	शुक्र	05:55
सूर्य	18:06	बुध	08:18	शनि	13:31
चन्द्र	07:35	गुरु	05:17	राहु	06:52
वर्षेश	मंगल	मुन्धा	मकर	25:43:03	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:63

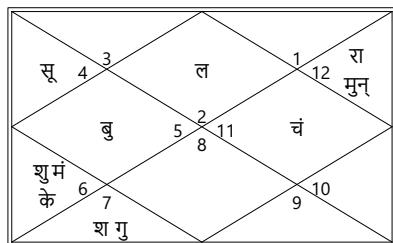
4 अगस्त 2041 18:41 घंटे



लग्र	16:34	मंगल	25:26	शुक्र	11:44
सूर्य	18:06	बुध	25:55	शनि	24:55
चन्द्र	10:36	गुरु	00:32	राहु	15:57
वर्षेश	शनि	मुन्धा	क्रृष्ण	25:43:01	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:64

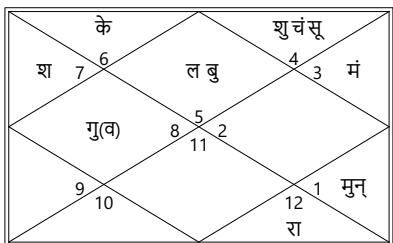
5 अगस्त 2042 00:53 घंटे



लग्र	11:23	मंगल	12:27	शुक्र	03:49
सूर्य	18:06	बुध	09:37	शनि	06:18
चन्द्र	29:38	गुरु	28:09	राहु	25:43
वर्षेश	शुक्र	मुन्धा	मीन	25:43:01	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:65

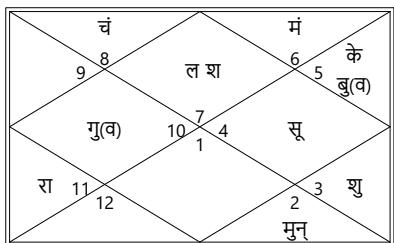
4 अगस्त 2043 07:01 घंटे



लग्र	04:43	मंगल	10:02	शुक्र	17:25
सूर्य	18:06	बुध	15:23	शनि	17:42
चन्द्र	17:38	गुरु	29:40	राहु	06:02
वर्षेश	मंगल	मुन्धा	मेष	25:43:01	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:66

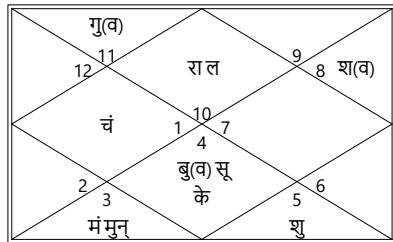
4 अगस्त 2043 07:01 घंटे



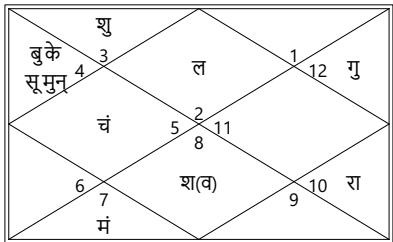
लग्र	28:10	मंगल	27:18	शुक्र	02:27
सूर्य	18:06	बुध	04:12	शनि	29:08
चन्द्र	27:56	गुरु	06:08	राहु	16:57
वर्षेश	शुक्र	मुन्धा	वृष	25:43:01	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:67

4 अगस्त 2045 19:25 घंटे



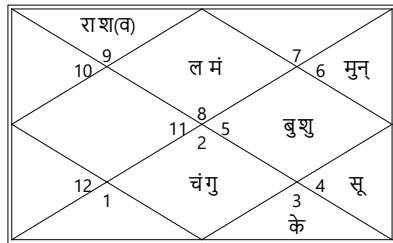
लग्र	29:33	मंगल	23:23	शुक्र	23:27
सूर्य	18:06	बुध	05:20	शनि	10:39
चन्द्र	01:24	गुरु	15:57	राहु	28:18
वर्षेश	शनि	मुन्धा	मिथुन	25:43:02	



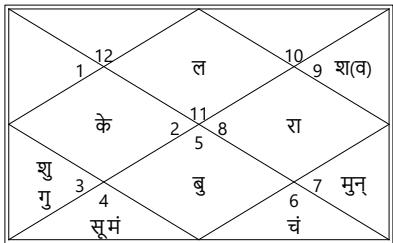
लग्र	18:34	मंगल	15:36	शुक्र	28:59
सूर्य	18:06	बुध	00:31	शनि	22:17
चन्द्र	21:08	गुरु	24:28	राहु	09:58
वर्षेश	सूर्य	कर्क	25:43:00		

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:70

4 अगस्त 2048 13:51 घंटे



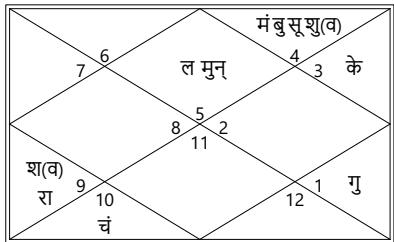
लग्र	07:09	मंगल	14:50	शुक्र	06:31
सूर्य	18:06	बुध	02:29	शनि	16:00
चन्द्र	18:08	गुरु	28:27	राहु	02:15
वर्षेश	मंगल	मुन्धा	कन्या	25:43:02	



लग्र	07:16	मंगल	18:07	शुक्र	12:14
सूर्य	18:06	बुध	13:20	शनि	28:08
चन्द्र	22:27	गुरु	25:17	राहु	12:15
वर्षेश	बुध	मुन्धा	तुला	25:43:00	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:69

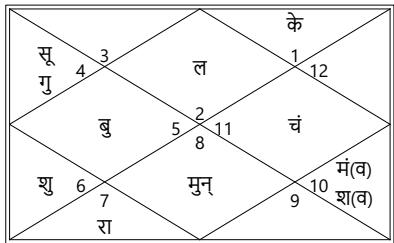
5 अगस्त 2047 07:34 घंटे



लग्र	12:15	मंगल	05:59	शुक्र	20:16
सूर्य	18:06	बुध	15:50	शनि	04:03
चन्द्र	08:28	गुरु	28:35	राहु	21:20
वर्षेश	गुरु	मुन्धा	सिंह	25:43:00	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:72

5 अगस्त 2050 02:02 घंटे



लग्र	28:26	मंगल	29:34	शुक्र	03:51
सूर्य	18:06	बुध	13:36	शनि	10:28
चन्द्र	13:04	गुरु	20:16	राहु	22:05
वर्षेश	शनि	मुन्धा	वृद्धि	25:43:01	



जन्मकालिक पंचांगादि विवरण

वेद सर्वग्रन्थों में आद्य ग्रन्थ हैं। जगत के सब शास्त्रों की उत्पत्ति का आधार वेद ही हैं। वेद शब्द की उत्पत्ति विद् धातु से हुई है जिसका अर्थ है, ज्ञान। ज्योतिष शास्त्र द्वारा जीवात्मा के ज्ञान के साथ-साथ परमात्मा का ज्ञान भी सहज प्राप्त हो सकता है। इसीलिये ज्योतिष को वेद के चक्षु कहते हैं। त्रिकालज्ञ महषिर्यों ने हजारों वर्ष पूर्व अपने तपोबल व योगबल द्वारा ग्रहों के गुण, धर्म, रंग, रूप, स्वभाव आदि का चराचर जगत पर पढ़ने वाले शुभाशुभ परिणामों का वर्णन ज्योतिष फलित शास्त्रों में विस्तार पूर्वक किया है। प्रत्येक व्यक्ति के जन्म के स्थान, दिन व समय के अनुसार उस क्षण ब्रह्माण्ड में ग्रह-राशि-नक्षत्रों की स्थिति के चित्रण को 'जन्म कुण्डली' कहा जाता है। जन्म के समय पूर्व क्षितिज में जो राशि उदित होती है उसे 'लग्न' कहते हैं। चन्द्र जिस राशि में होता है उसे 'जन्म राशि' और जिस नक्षत्र में होता है उसे 'जन्म नक्षत्र' कहा जाता है। आपके जन्म के समय पंचांग के विभिन्न अंगों का विवरण नीचे दिया गया है।

अवकहडा चक्र

लग्न	:	वृश्चिक
चन्द्र राशि	:	कर्क
चन्द्र राशि स्वामी	:	चन्द्र
जन्मकालीन नक्षत्र	:	आश्लेषा
नक्षत्र चरण	:	2
नामाक्षर	:	झू
राशि पाया	:	चाँदी
नक्षत्र पाया	:	चाँदी
वर्ण	:	ब्राह्मण
वश्य	:	जलचर
नाड़ी	:	अन्त्य
योनि	:	मार्जर
गण	:	राक्षस

जन्मकालीन पंचांगादि

विक्रम संवत्	:	2035
मास	:	श्रावण
जन्मकालीन तिथि	:	शुक्ल प्रतिपदा
जन्मकालीन योग	:	व्यतिपात
जन्मकालीन करण	:	किंस्तुद्धि
आधुनिक जन्म वार	:	शुक्रवार
ज्योतिषिय जन्म वार	:	शुक्रवार

घात चक्र

घात मास	:	पौष
घात तिथि	:	2/7/12
घात वार	:	बुधवार
घात नक्षत्र	:	अनुराधा
घात योग	:	व्याघात
घात करण	:	नाग
घात प्रहर	:	1
घात चन्द्र	:	सिंह



कुण्डली फल

ज्योतिष शास्त्र के ज्ञान से मनुष्य को श्रेष्ठ लाभ यह है कि उसे पूर्वजन्म के शुभाशुभ कर्मों का ज्ञान, वर्तमान जन्म में शुभकर्म करने की आवश्यकता, मानवीय जन्म का उद्देश्य, ईश्वरीय व मानवीय शक्ति में अन्तर, कर्म और भोग की मर्यादा, प्रारब्ध और प्रयत्न की सीमा व दोनों का परस्पर सम्बन्ध, अनुकूल व प्रतिकूल समय का ज्ञान व संकट समय मन में धैर्य रख उस पर विजय प्राप्त करने की शक्ति प्राप्त होती है। इस शक्ति से मन में सन्तोष, सन्तोष से चिन्ता का नाश, चिन्ता-नाश से धर्म की प्राप्ति, धर्म से धैर्य व शक्ति की प्राप्ति और शक्ति से ईश्वर के प्रति भक्ति व विश्वास क्रमशः प्राप्त करते हुए व संसारिक आपत्तियों को सहर्ष स्वीकार करने की क्षमता प्राप्त होती है।

प्रकृति एवं स्वभाव

- 1 - आप कर्मठ और लगनशील होंगे, एक बार जो संकल्प मन में ठान लेंगे उसे पूरा किये बिना चैन से नहीं बैठेंगे।
- 2 - अंतिम परिणाम ईश्वर पर छोड़कर आपक बाधाओं एवं कठिनाइयों से अंत तक संघर्ष करेंगे।
- 3 - आप उर्वर कल्पना शक्ति तथा तीव्र बुद्धि के होंगे।
- 4 - आप में तीव्र अनुभूति एवं भावुकता होगी। आप में उल्लेखनीय अंतः प्रज्ञा शक्ति होगी।
- 5 - आप में आत्म-विश्वास, आवेश में काम करने की प्रवृत्ति, साहस, संकल्प स्वतन्त्रता, दबंगपन जैसे गुण होंगे।
- 6 - आप अतिवादी होंगे - प्रेम करेंगे तो दीवानेपन की हट तक और धृणा करेंगे तो पागलपन तक।
- 7 - आप सफल आलोचक होंगे अर्थात् दूसरों की त्रुटियाँ निकालने में सिद्धहस्त होंगे। आलोचना तर्कसंगत होगी तथा सामान्यतः कोई प्रतिवाद नहीं कर सकेंगे।
- 8 - आप को अपनी आलोचना असहनीय होगी, किसी बात का नकरात्मक उत्तर सुनकर बुरा लगेगा। आपका विरोध करना अकारण ही उसे क्रोधित करना सिद्ध होगा। विरोधी के प्रति शत्रुवत आचरण करेंगे।
- 9 - आप स्पष्टवादी होंगे, कई परिस्थितियों में कटुभाषी भी - जैसे काने को काना कहने में आपको संकोच नहीं होगा। व्यंगात्मक टिप्पणी करने में भी आपकी रुचि होगी।
- 10 - आप में प्रतिशोध की भावना प्रबल होगी। यदि कोई मर्म को चोट पहुँचाये तो उसे नहीं भूलेंगे।
- 11 - आप बाह्य रूप से बहुत उदार, नीतिज्ञ प्रतीत होंगे किंतु आपके अंतःकरण में एक शंकालु मन भी होगा।
- 12 - आप में दोहरा जीवन जीने की प्रवृत्ति होगी- एक दुनिया को दिखाने के लिये, दूसरी अपने लिये।
- 13 - आप अपने महत्व के प्रति अत्यंत सचेत होंगे। अपने कृत्यों को बड़ा करके बताने में पटु होंगे।
- 14 - आप को रहस्य, अज्ञात, मृत्यु, और पराशक्ति जैसे विषय बहुत भायेंगे। रहस्यात्मक विषयों- जैसे ज्योतिष, तंत्र-मंत्र, सामुद्रिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, दर्शन शास्त्र और मनोविज्ञान में रुचि होगी।
- 15 - आपमें सात्त्विक प्रेम की प्रबल लालसा होगी तथा जिससे प्रेम होगा उसके प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध होंगे तथा अटूट निष्ठा एवं विश्वास का पालन करेंगे। प्रेमास्पद के लिये किसी भी ल्याग हेतु तत्पर रहेंगे।
- 16 - स्वभाव में परिवर्तन आवश्यक हैं - व्यंगात्मक टिप्पणी न करें, अति आलोचना न करें, गुप्त शत्रुता न करें, क्रोध पर नियन्त्रण रखें, धोखा न दें।



शास्त्रों के अनुसार फल

आप लम्बे कद, मध्यम शरीर, स्थूल गर्दन, मध्य ललाट में रेखा, दुबली देह, सिर छोटा अधिक बालयुक्त, स्थूल कण्ठ, मोटी कमर है, उन्नति कटि अर्थात् उँची जाँघ युक्त, बगल, पैर में या पैर के उपर काले तिल आदि का निशान होता है। परोपकारी, गुणी, साधु स्वभाव, मिलनसार, वस्तुओं के संग्रह में कुशल, माता-पिता में भक्ति, गुरु एवं साधुओं में भक्ति, ज्योतिष शास्त्र में रुचि, कार्यों में कुशल, राजा के सचिव या मंत्री, प्रेम से वशीभूत, अधिक कामवासना से युक्त, जलाशय व बगीचों के प्रेमी, जलयात्रा प्रेमी, अधिक जल पीने में रुचि, जल-विहार के शौकन, चंद्रमा के समान हानि-वृद्धि अर्थात् कभी धनी-कभी निर्धन, अच्छे मित्र युक्त, गृहादि निर्माण कार्य में रुचि, एक से अधिक मकान का सुख, भाइयों का सुख, कई संतान किंतु कोई एक विशेष योग्य, बाल्यावस्था में कम सुखी, युवावस्था में विशेष सुखी, वद्धावस्था में धर्म में आसक्त, तीर्थ-यात्रा में तत्पर, प्रवासी (घर से दूर निवास), घर में अनासक्त, कुटिल, अपने परिश्रम से स्ववंश की उन्नति करने में समर्थ हैं। सिर में रोग या पीड़ा, बांये अंग में अग्नि का भय, जल से भय, उँचे स्थान से गिरने का खतरा होता है, हृदय रोग तथा खून की बीमारी का भय होता है।

आधुनिक मत से फल

आप अत्यंत संवेदनशील, अत्यधिक भावुक, कल्पनाशील तथा परिवर्तनशील विचारों से युक्त, बाहर से कठोर किंतु भीतर से बेहद कोमल हैं। प्रेम-पात्रों, कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान और पूज्यजनों के प्रति श्रद्धावान हैं। गान विद्या में स्वाभाविक रुचि होती है और संगीत सुनने में अति आनंदित होते हैं। चित्त वृत्ति अस्थिर किंतु किंचित मात्रा में अंतर्दृष्टि से संपन्न होती है। अपने परिवार से, विशेष रूप से माँ से अगाध लगाव होता है। अपमान से डरनेवाले, कभी महा कठोर, तथा कई परिस्थितियों में घबराये हुआ असहाय दिखेंगे। मिष्ठान विशेष प्रिय है। यात्रायें प्रिय हैं, जन्मभूमि एवं देश से लगाव होने के बावजूद भी प्रवासी एवं भ्रमणशील हैं। देखने में खुले हुआ और स्पष्टवादी हैं किंतु वास्तव में आप ऐसे नहीं हैं, आप दूसरों से बहुत सी बातें छिपा लेते हैं। व्यक्तित्व में कम या अधिक मात्रा में जो दुर्गुण सम्बन्ध हैं वे हैं - अधैर्य, परिवर्तनशीलता, अतिसंवेदनशीलता, निष्क्रियता, क्रोधी मिजाज।

शारीरिक लक्षण

- 1 - आपका चेहरा चौकोर होता है।
- 2 - ललाट चौड़ा, आँखे काली, सतर्क, निर्भिक, और दृष्टि चुम्हती हुयी होती है।
- 3 - आपकी नासिका संतुलित, प्रशस्त एवं आकर्षक होती है।
- 4 - शारीरिक व्यक्तित्व पर्याप्त प्रभावशाली और भव्य होता है। आपके शरीर से स्फूर्ति और चुस्ती प्रकट होती है।



महत्त्वपूर्ण जानकारी

आपका मूल वाक्य है
मैं चाहता हूँ।

सबसे बड़ा गुण है
अदिग स्वभाव

सबसे बड़ी कमी है
सहानुभूति का अभाव।

महत्वाकांक्षा
सम्पन्नता और सुरक्षित जीवन जीने की चाहत।

शुभ दिन
सोमवार, मंगलवार।

शुभ रंग
सफेद, लाल, चाकलेटी, नारंगी तथा पीला शुभ हैं। नीला तथा हरा रंग ठीक नहीं हैं।

शुभ अंक
9 सर्वाधिक शुभ हैं।

शुभ रत्न
मोती, लाल मूँगा, पीला पुखराज।

शुभ उपरत्न
संगरतुआ।

अशुभ मास तारीखें

प्रतिवर्ष जनवरी मास, प्रतिमास 6, 9, 18, 27 तारीखें तथा काले रंग के वस्तादिपदार्थ ठीक नहीं हैं।

अशुभ तिथि
प्रतिपदा, सप्तमी और द्वादशी तिथि जातक के लिए अनिष्टकर होते हैं।

शुभ राशि
सिंह, मिथुन और कन्या राशि का मनुष्य उत्तम तथा शेष राशियों के मनुष्य साधारण मित्र होते हैं।

शुभ दिवस
सोमवार शुभ, बुधवार का दिन ठीक नहीं हैं।

अरिष्ट समय
यवनाचार्य के मतानुसार वैशाख मास, शुक्लपक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, हस्तनक्षत्र एवं मध्याद्वन समय अरिष्टकारी होता है।



ग्रह फल

सूर्य

सूर्य नवम भाव में

शुभ फल : नवमभाव में सूर्य होने से जातक रूपवान् होता है और उसके केश सुन्दर होते हैं। कुल के लोगों का हित चाहने वाला, देवताओं, ब्राह्मणों में श्रद्धा रखनेवाला होता है। साहसी, सदाचारी, योगी, तपस्वी तथा सत्यवक्ता होता है। जातक शुभकर्म करता है तो उसके मूल में दंभ होता है-दिखावा होता है-परन्तु यह भी मान-प्रतिष्ठा और यश का कारण हो जाता है। जातक में नेतृत्व के गुण होते हैं। सूर्य नवमभाव में होने से जातक संसार में प्रसिद्ध, दूसरों के धन से सुखी और सुशोभित होता है। युवावस्था में स्थिरता मिलती है तथा धनाद्वय होता है। नौकर-चाकरों तथा वाहन का सुख मिलता है। सम्पत्ति और सम्पत्ति जनित सुखों का उपभोग करता है तथा अपने वर्चस्व से समाज में पूजित हुआ करता है। मातृसुख एवं पुत्रसुख प्राप्त होता है। पुत्र सर्वथा योग्य होते हैं। गुरुजनों तथा देवताओं में श्रद्धा रखता है। जातक कुल परम्परा प्राप्त श्रोतस्मार्त धर्म में तथा क्रियाकाण्ड (कर्मकाण्ड) में रुचि रखता है। नवमभाव का रवि कुछ न कुछ ख्याति अवश्य देता है। सूर्य नवमभाव में होने से जातक धार्मिक होता है तथा सूर्य आदि देवताओं का पूजक होता है।

जलराशि (4, 8, 12) में हो तो सागर पर्यटन करनेवाला होता है।

कर्क, वृश्चिक और मीन में सूर्य होने से जातक कवि, नाटककार या रसायन विद्या का संशोधक हो सकता है।

अशुभ फल : नवें भाव में सूर्य होने से जातक अभागा, विद्याहीन, विवेकहीन और दुष्ट स्वभाव का होता है। जातक की तपस्या शुभ भावनामूलक नहीं होती, अतः चित्त अशान्त ही रहता है। परदेश में रहने से मन उद्विग्न और असन्तुष्ट रहता है। जातक के काम में बहुत विघ्न होते हैं। सहोदर भाइयों से तथा अन्य लोगों से चिन्ता बराबर बनी रहती है। पिता से और स्त्री से प्रेम नहीं होता है अर्थात् इनके साथ विरोध रखता है। जातक के सम्बन्ध मातृकुल से अच्छे नहीं रहते प्रत्युत इसका व्यवहार और बर्ताव मामा-मामी आदि से शत्रु जैसा होता है। जातक रोगी और दीन होता है। वचपन में रोग होते हैं। जातक का गुरुजनों से वैमनस्य रहता है। अपने कुलपरम्परागत धर्म को छोड़कर दूसरे के धर्म को अपनाता है। अर्थात् विधर्मी हो जाता है। नवमभाव स्थित सूर्य का सामान्य फल इस प्रकार है:-पूर्ववय में कष्ट, मध्यवय में सुख और उत्तर आयु में पुनः दुःख।

रवि के साथ शुभग्रह का सम्बन्ध होने से अथवा रवि पर किसी शुभग्रह की दृष्टि होने से जातक का पिता दीर्घयु होता है।



ॐ

चन्द्र

ॐ

चन्द्र नवम भाव में

शुभ फल : नवे भाव में बैठा चन्द्रमा यौवनावस्था के प्रारम्भ से ही भाग्यवान् होता है। इक्कीसवें वर्ष में भाग्योदय करता है। नीरोग, शरीर से सुखी रहता है। शारीरिक बल चन्द्रमा के समान ही घटता बढ़ता-रहता है। जातक तेजस्वी, सुन्दर, स्वधर्मपारायण, सज्जनमान्य और निष्पाप होता है। कल्पनाशक्ति से युक्त, स्थिरचित्त और अभिमानी होता है। मित्र-बन्धु से युक्त होता है। जातक कार्यशील, प्रवास-प्रिय, न्यायी, चंचल, एवं साहसी होता है। जातक का साहस-अर्थात् पराक्रम चन्द्रमा के समान बढ़ता-घटता रहता है। समाज में आदरणीय, विख्यात पुरुष होता है। जातक की स्तुति, गुणगान जनता के लोग, ब्राह्मण लोग और बन्दी लोग (भाटलोग) करते हैं। जातक बुद्धिमान विद्वान् विद्याप्रिय होता है। सन्तति-युक्त सन्तान सुख और पुत्रवान् होता है। जातक धार्मिक, धर्मात्मा, धर्मनिष्ठ होता है। तीर्थयात्रा के अवसर प्रदान करता है।

तर्पण-श्राद्ध-सन्ध्या-देवपूजा आदि कार्यों का करने वाला और दानशील होता है। जातक का अनुराग और प्रेम पुराणों की कथा श्रवण करने में होता है। शुभकर्मकर्ता और उत्तम तीर्थ करनेवाला होता है। जातक देवभक्त तथा पितृभक्त होता है। ईश्वर को जाननेवाला, धर्म और शास्त्रों का प्रेमी, अध्यात्मज्ञानी, योगी होता है। बहुश्रुत होता है अर्थात् बहुशास्त्रनिष्ठात होता है और ज्ञानवान् होता है। पुण्यकर्मों को करनेवाला होता है। लोगों के सुख के लिए तालाब बनवाता है। मन्दिर और धर्मशाला आदि बनवाता है। सवारियों पर चलने वाला होता है। सम्पत्तियुक्त, धनवान्, सुखी होता है। इसके प्रभाव से जातक विलासी बनता है। अपनी स्त्री को सुख देनेवाला होता है। उन्मत यौवनारूढ़ स्त्रियों के आँखों का तारा होता है। चन्द्रमा पूर्ण बलवान् होने से जातक बहुत प्रकार के सुख भोगता है। अल्पभ्रातृवान् तथा भाइयों का सुख कम मिलता है। पुत्रों का सुख मिलता है। चन्द्रमा पूर्णबली होने से जातक का पिता दीर्घायु होता है। नवम चन्द्र के फलस्वरूप 24 वें वर्ष में लाभ होता है। जलमार्ग से प्रवास करता है। पर्वी के संबंधियों से और अपने आपजनों से अच्छी सहायता मिलती है। कानून, हिस्सेदारी, शास्त्रीयज्ञान और जलपर्यटन से अच्छा लाभ होता है।

नवमस्थ चन्द्र पुरुषराशि में होने से जातक को एक-दो या बहुत छोटे भाई होते हैं। परन्तु बड़ा भाई नहीं होता है। यदि हुआ तो अलग रहता है। छोटी बहिनें नहीं होती हैं। स्त्रीराशि में होने से जातक को बड़ी बहिन नहीं होती। छोटे भाई नहीं होते। छोटी बहिनें होती हैं।

नवमस्थ चन्द्र द्वषित हो या स्त्रीराशि का हो तो पुत्र सन्तान बहुत देर से (48 वें वर्ष के करीब) होती है। यह भी संभव है कि पुत्र सन्तान हो ही नहीं।

कर्क, वृश्चिक, मीन, मेष, सिंह तथा धनुराशि का चन्द्र होने से जातक लेखक, प्रकाशक, या मुद्रक होता है।

अशुभ फल :

चन्द्रमा के साथ पापग्रह युति करता है अथवा यह चन्द्र पापग्रह की राशि में होने से जातक अभागा होता है। पिता और माता की मृत्यु होती है।



मंगल



मंगल एकादश भाव में

शुभ फल : ग्यारहवें भाव में मंगल होने से जातक रोगहीन, साहसी, शूर, न्यायवान् एवं धैर्यवान् होता है। जातक बोलने में चतुर, सत्यवक्ता, मधुरभाषी, सुशील और व्रत का वद्धता से पालन करनेवाला होता है। स्वभाव से विनोदशील होता है। ग्यारहवें स्थान में मंगल की स्थिति होने से जातक पंडित और विद्वान् होता है। देव तथा ब्राह्मणों का भक्त होता है। आत्मसंयमन की शक्ति प्रबल होती है। जातक सुखी, धनाद्युय होता है। अपने गुणों से बहुत लाभ प्राप्त करनेवाला होता है। जातक की धनाद्युयता के बारे में कोई चुगली न कर दें-कहीं चोरों को इसकी धन संपत्ति का पता न लग जावे-इस कारण निर्धन-सा बना रहता है। इस मंगल के फलस्वरूप बड़ी बिल्डिंग, जमीन, धन, वाहन आदि से सुख प्राप्त होता है। जातक तांबा, मूंगा, सोना, सुंदर लाल वस्त्र, हर्ष, राजकृपा, मान-इनसे युक्त होता है। जातक जरी, रेशमी, मखमली, जर्कसी आदि वस्त्रों से युक्त तथा हाथी, घोड़ा, गाड़ी आदि वाहन नौकर आदि रखनेवाला होता है। 24-28 वें वर्ष में धन प्राप्त होता है। खेती, कृषि-तृणादि से लाभ प्राप्त करता है। गाय-भैंस आदि पशुधन से, एवं घोड़ा-ऊँट-हाथी आदि सवारी के जानवरों के व्यापार से मालामाल हो जाता है-अटूट द्रव्यलाभ से समृद्ध हो जाता है। जातक को यात्रा से, साहस से, अग्नि वा शस्त्रों से, या सोने वा जवाहरात के व्यापार से बहुत धन मिलता है। किन्तु दूसरों की दी हुई पूंजी से व्यापार किया तो उसमें बहुत नुकसान होता है। अग्नितत्व की राशि में होने से सद्वा, लाटरी, रेस और जुए में अच्छा लाभ होता है। उत्तम खाद्यपदार्थ खाने को मिलते हैं। स्त्रियों का लाभ होता है। जातक स्त्रियों के साथ क्रीड़ा करने में समर्थ होता है। जातक के मित्र विश्वस्त नहीं होते। मित्रों द्वारा ठगाया जाता है। किन्तु इस पर शुभग्रह की दृष्टि होने से मित्रों से अच्छा लाभ होता है। भाई का द्रव्य मिलता है। ग्यारहवें स्थान में मंगल शत्रुओं के लिए अच्छा नहीं होता, शत्रुओं को पीड़ित करता है। जातक के सामने शत्रु टिक नहीं पाते। जातक के शत्रु भी इसके प्रताप से दबकर इसकी प्रशंसा-इसकी बड़ाई करने लगते हैं। जातक संग्राम में शत्रुओं पर विजय पानेवाला होता है। डाक्टरों के लिए यह योग अच्छा है, सर्जरी में तथा स्त्रीरोग विशेषज्ञता में यशस्वी होते हैं। वकीलों के लिए भी लाभभाव का मंगल लाभदायक है धन मिलता है, अदालत पर प्रभाव भी पड़ता है-कभी ऐसा भी होता है कि सनद रद्द होने का समय भी आजावे। इनको वादी-प्रतिवादी दोनों से रिश्वत लेने की आदत होती है-इसी से कठिनाई भी होती है। ग्यारहवें स्थान में मंगल इंजिनीयर, फिटर, सोनार, लोहार आदि के लिए भी अच्छा होता है।

स्त्रीराशि के मंगल होने से द्रव्यलाभ, तथा अधिकार प्राप्ति के लिए चाहे कैसा भी यत्न करने की प्रवृत्ति होती है।

मंगल स्त्रीराशि में हो तो तीन पुत्र होते हैं।

अशुभफल : ग्यारहवें भाव में मंगल होने से कटुभाषी, दम्भी, झगड़ालू, क्रोधी, चंचल, प्रवासी, अंहकारी, और धूर्त बनाता है। मृत जैसा निष्क्रिय तथा निराश अन्तःकारण का होता है। जातक कामुक होता है। लाभभाव का मंगल संतान के लिए अच्छा नहीं होता, क्योंकि इस स्थान का मंगल संतान को पीड़ित करता है। सन्तान के बारे में कष्ट होता है। पुत्र के दुःख से पीड़ित होता है। अग्नि और चोरों से हानि होती है। ग्यारहवें भाव से सप्तम भाव सुत स्थान रहने के कारण मंगल छोटी (बड़े से छोटे) सन्तानों को क्षति पहुंचाता है।



बुध



बुध दशम भाव में

शुभ फल : दसवें स्थान में बुध की स्थिति उत्तम मानी जाती है। प्रायः सभी शास्त्रकारों ने दशमभावगत बुध के फल विशेष अच्छे कहे हैं। दसवें स्थान में बुध के होने से जातक न्यायप्रिय और नीतिनिपुण होता है। विवेकी, गुणवान्, गुणनुरागी, सत्यवादी, धैर्यवान्, विनम्र होता है। जातक बुद्धि में श्रेष्ठ- धार्मिक, सात्त्विक बुद्धिवाला, मनस्वी होता है। जातक ज्ञानी, मधुरभाषी, प्रसंग के अनुकूल बोलने का कौशल्य होता है। शुद्ध तथा सदाचारी, सत्कर्म करनेवाला, श्रेष्ठ कार्य करनेवाला, सत्यपर दृढ़ रहनेवाला होता है। प्रतिष्ठायुक्त, आदरणीय और व्यवहारकुशल, सामाजिक व्यक्ति तथा कीर्तिमान् होता है। दसवें स्थान में बुध के होने से जातक लोकमान्य और परम प्रतापी होता है। रूपवान्, बलवान्, शूर और पराक्रमी होता है। दसवें भाव में हो तो मातृ-पितृ-भक्त एवं गुरुजनों का भक्त होता है। बुध प्रबल होने से मातृसौख्य प्रचुरमात्रा में होता है। स्मरण शक्ति अच्छी होती है। गणित और भाषाशास्त्र में प्रवीण होता है। जातक विद्वान्, काव्य में कुशल होता है। अपने भुजबल से घनोपार्जन करनेवाला होता है। नानाविधि संपत्तियुक्त, नाना भूषण भूषित, घनाढ़ीय, होता है। विलासी होता है। आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न होता है। विविध भूषणों से युक्त और सुखी होता है। पैतृक सम्पत्ति भी मिलती है। विविध वैभव से सम्पन्न, राजमान्य होता है। राज्य के सहयोग से अर्थ लाभ करता है अथवा राज्य में उत्तम पद प्राप्त करता है। राजकीय अधिकार के प्राप्त हो जाने के कारण, और इस राजकीय अधिकार से निग्रह-अनुग्रह सामर्थ्ययुक्त हो जाने के कारण जातक का संसार में विशेष आदर मान होता है, सर्वसाधारण लोगों की दृष्टि में जातक एक मान्य और पूजनीय व्यक्ति होता है। कविता करने से, शिल्पकला से, लेखन से, व्यापार से, कलीवों के साहाय्य से और साहस से घन मिलता है। जातक को वाहन का सुख प्राप्त करता है। दशमभाव का बुध जातक को सर्वथा सभी पदार्थों से परिपूर्ण कर देता है। जिस कार्यों को प्रारम्भ करता है उसमें प्रारम्भ में ही सफलता प्राप्त होती है। व्यापार में यशस्वी होता है। व्यापार से लाभ कमाता है। दलाली, लेखन और साहूकारी में अच्छा यश किलता है। उपजीविका शिल्प कला से होती है। मेष, सिंह, घनु राशियों में बुध होने से गणित जाननेवाले अध्यापक और इंजिनीयरिंग डिपार्टमैन्ट में क्लर्क होते हैं। लग्न से दशम स्थान में बुध पुरुषराशियों में होने से शास्त्रकारों के वर्णित शुभफल मिलते हैं।

अशुभ फल : 28 वें वर्ष में नेत्र में रोग होता है। बुध शत्रु के घर में या पापप्रह के साथ होने से मूढ़, कर्म करने में विद्य करने वाला होता है। नीचकर्म करता है और आचारभृष्ट होता है।



२

बृहस्पति

२

बृहस्पति अष्टम भाव में

शुभ फल : बृहस्पति अष्टम भाव में होने से विनयशीलता, मधुर भाषण एवं सज्जनता जातक के स्वभाव के अंग होते हैं। जातक शीलसम्पन्न, शान्त, बुद्धिमान्, विवेकी, ज्योतिषप्रेमी, स्थिरमति और सुन्दर शरीरवाला होता है। योगमार्ग में निरत रहता है अर्थात् योगाभ्यासी होता है। कुलाचार-कुलपरंपरागत परिपाठी को माननेवाला होता है। आठवें स्थान पर विराजमान गुरु के प्रभाव से जातक दीर्घायु, चिरंजीवी होता है। शरीर छूटने पर वैकुण्ठ में जाता है। मृत्यु शान्त अवस्था में होती है। अपने जन्म का साध्य पूरा हुआ, यह जानकर ही मानों मृत्यु का स्वागत करता है। जातक उत्तम-उत्तम तीर्थों की यात्रा करता है। धनी मित्रों की संगति प्राप्त होती है। अपने पिता के घर में बहुत समय तक नहीं रहता है। नौकर या गुलाम होता है-स्वजनों में नौकरी करनेवाला होता है। नौकरी से जीवन निर्वाह करता है। किसी के वसीयत द्वारा अथवा मृत्यु के कारण धन मिलता है। जब कभी रोगों से ग्रस्त भी हो जाता है पर इससे जातक की प्रकृति में अन्तर नहीं आता।

अष्टमभाव में मेष, सिंह, धनु, मिथुन या तुला में गुरु होने से वसीयत द्वारा सम्पत्ति प्राप्त होती है। उत्तराधिकारी के रूप में भी सम्पत्ति मिल सकती है।

धनु या मिथुन राशि में गुरु होने से विधवा स्त्रियों की सम्पत्ति-जो अमानत के रूप में रखी हुई होती है-प्राप्त होती है। ऐसा तब होता है जब विधवाएँ मर जाती हैं।

गुरु बलवान् होने से विवाह से आर्थिक लाभ होता है, और प्रगति होने लगती है। शुभफलों का अनुभव विशेषतः पुरुषराशियों में आता है।

गुरु मिथुन में होने से कर्ण रोग से मृत्यु होती है।

अशुभफल : आठवें स्थान में बृहस्पति होने से जातक मलिन, दीन, विवेकहीन, विनयहीन, सदैव आलसी और दुर्बल देह होता है। जातक कृपण (कंजूस), लोभी, शोकाकुल, शत्रुओं से धिरा हुआ, बुरे काम करने वाला तथा कुरुक्षण होता है। जातक का शरीर कभी निरोग नहीं रहता है। अर्थात् सदैव रोगी रहता है। कई विकार होते हैं। 31 वें वर्ष रोग होते हैं। पीलिया, ज्वर, अतिसार, जैसे रोग, दरिद्रता, अनेक प्रकार की दुश्मन्तायें और व्याधियां प्राप्त करता है। कुल के अयोग्य काम करने वाला होता है। जातक का मन चंचल रहता है। पैतृक धन-धान्य प्राप्त नहीं होता है। दीन और नीच वर्ग की स्त्री का उपभोग करनेवाला होता है। इसका अपमान होता है। पराशरमत से अष्टमस्थगुरु बन्धनयोग करता है। अष्टमभावस्थ गुरु दीर्घायुष्य देता है। गुरु चाहे किसी राशि में हो व्यक्ति की मृत्यु के लिए नेष्ट है-मृत्यु बुरी हालत में होती है।

गुरु पुरुषराशि में होने से 7-14-21-28-35-9-18-27,-36 वर्ष आपत्तियों के होते हैं।

गुरु पुरुषराशि में होने से घर के भेद बाहर प्रकट नहीं होते-पत्नी और नौकर विश्वासपात्र होते हैं।



♀

शुक्र

♀

शुक्र एकादश भाव में

शुभ फल : ग्यारहवें भाव में शुक्र अत्यन्त शुभ फल देता है। लाभभाव में शुक्र होने से जातक का शरीर नीरोग, तथा स्वरूप अत्यन्त देदीष्यमान, आकर्षक होता है। जातक गुणवान्-अच्छे स्वभाव का, अत्यन्त सुशील, परोपकारी, उदार, सदाचारसम्पन्न होता है। जातक उत्तम गुणों से युक्त, हास्यप्रिय, सत्यभाषण करनेवाला होता है। भृगु पुत्र शुक्र लाभभव में होने से जातक की रूचि गायन विद्या, नृत्य आदि कलाओं में होती है। जातक संगीत और नृत्य का आदर करनेवाला होता है। जातक के घर में संगीत का वातावरण रहता है। जातक की चित्तवृत्ति सदा शुभकर्मों की ओर लगी रहती है, तथा आचरण शास्त्रानुकूल, धार्मिक होता है। जातक ज्ञानवान् होने से ईश्वरभक्त होता है। सभा में वचनचातुरी से कीर्तियुक्त होता है। किसी प्रकार का शोक नहीं होता है। उसकी इच्छायें पूरी होती हैं। एकादश भाव में स्थित शुक्र के प्रभाव से सभी प्रकार की समृद्धि और सम्पन्नता रहती है। प्रतिदिन धनागम होता रहता है, अर्थात् जातक की धनवृद्धि प्रतिदिन दिन-दूनी रात-चौगुनी होती रहती है। सर्वविधि भोग भोगने वाला, ऐश्वर्यवान्, प्रभुत्व सामर्थ्यवान् राजा के समान सामर्थ्ययुक्त, एक प्रकार से राजा ही होता है। ग्यारहवें भाव में शुक्र होने से विलासी, वाहनसुखी, स्थिरलक्ष्मीवान्, लोकप्रिय, जौहरी, धनवान् होता है। एकादश भाव में स्थित शुक्र से व्यक्ति व्यापार से लाभ कमाता है। राजकीय व्यक्तियों से लाभ होने की अधिक संभावना रहती है। स्त्रियों के सम्बन्ध से, घूमने-फिरने के व्यवसाय से मोती-चाँदी आदि के व्यापार से काफी धन मिलता है। एकादशस्थान का शुक्र शुभ होता है। अतः प्रत्येक ग्रन्थकार ने अच्छा फल लेखनीविद्धि किया है। गाँव या शहर के सम्बन्ध से और इमारतें बनवाने के कामों से धन का लाभ होता है। एकादशभाव का शुक्र अच्छे मित्रों की मदद से प्रगति करता है। विख्याति और यश देने वाले काम करने की योग्यता प्राप्त होती है। विवाह से भी धनलाभ होता है। स्त्रियों के आश्रय से भग्योदय होता है। मित्रों के परिवारों से विवाह सम्बन्ध होते हैं। जातक रत्नरूपा उत्तम स्त्री तथा रत्नों से युक्त होता है। लाभभाव में शुक्र के होने से जातक को स्त्रियों का सुख विपुलमात्रा में मिलता है। जातक को बहुत प्रकार के वाहन, घोड़ा-हाथी-गाड़ी-स्कूटर मोटर आदि प्राप्त होता है। वह नौकरों से युक्त होता है। जातक के दास और भृत्य आज्ञा के अधीन चलने वाले होते हैं। पुत्र एवं पुत्रियों का सुख होता है। शत्रुगण सतत भयभीत रहते हैं। आसमुद्रान्त निर्मलकीर्ति निरन्तर प्राप्त होती है।
मंगल से शुभयोग होने से आकस्मिक प्रेम से अच्छा लाभ होता है।

अशुभ फल : यदि जातक का जन्म नीच वर्ग का हो तो भाग्योदय 22 वर्ष से सम्भावित होता है। यदि जातक उच्चवर्ग से हो तो भाग्योदय की सम्भावना 32 वें वर्ष से होती है। जातक को सदैव मानसिक चिन्ताएँ लगी रहती है। परस्ती रतिलोल्लुप, परांगना में आसक्त होता है।

नीचराशि में, पापग्रह के साथ या अष्टमेश से युक्त होने से लाभ नहीं होता है।

शुक्र पापग्रहों से युक्त होने से बुरे कामों से धन का लाभ होता है।

एकादश शुक्र मंगल, शनि, हर्षल या नेपच्यून से युक्त होने से अशुभफल मिलते हैं।

यदि यह शुक्र स्त्रीराशियों में हो तो पुत्र अधिक और कन्याएं कम होती हैं। एकादशस्थशुक्र के जातकों का आचरण दूषित होता है। पथभ्रष्टास्त्रियों से अनुचित तथा अवैध सम्बन्ध रहता है। ये कृपण और कंजूस होते हैं इनके विरुद्ध अफवाहों का बाजार गर्म रहता है-ये स्वार्थी तथा मित्रता की फिक्र न करने वाले होते हैं।



ॐ

शनि

ॐ

शनि दशम भाव में

शुभ फल : दसवें स्थान में शनि होने से जातक सर्वदा प्रसन्न, पुण्यकार्य करनेवाला, माननीय और स्वेह करनेवाला होता है। जातक नीतिज्ञ, नम्रस्वभाव, महत्वाकांक्षी, परिश्रमी और चतुर होता है। दशमस्थान में शनि होने से जातक स्वाभिमानी, शूर, अपने कुल में प्रभावशाली और श्रेष्ठ तथा शासक होता है। जातक मतिमान, नेतृत्व के गुणों से युक्त होता है। नगर, गांव और जनसमूह का नेता होता है। जातक लोकसेवा करनेवाला, समाज के लिए काम करने वाला तथा विख्यात होता है। अपने पराक्रम से-अपने भुजबल से ही सब कुछ करनेवाला होता है। जीविका का सुख धीरे-धीरे मिलता है। कामों में प्रगति धीरे-धीरे कर पाता है। तात्पर्य यह है कि दशमभाव में शनि होने से जातक सहसा उन्नत नहीं होता और नाहीं सहसा सुखी ही होता है। अच्छे गाँव, नगर और जनसमूह में प्रमुख अधिकारी होता है। राजकाज करने के लिए योग्य और निपुण होता है। दुष्टों का दमन करने के लिए दण्डाधिकार अर्थात् न्यायाधीश मैजिस्ट्रेट का पद मिलता है। चोरों, दग्गाबाजों आदि को कारावास आदि दंड देने की शक्ति प्राप्त होती है। राजा के घर में कोषाध्यक्ष का पद प्राप्त होता है। राजमान्य, राजमंत्री या सेनापति होता है। जातक गांव का मुखिया, खेती-बाड़ी में रुचि रखनेवाला होता है। जातक धन से पूर्ण अर्थात् धनाद्य द्वारा होता है। विदेश में जाकर राजप्रासादों में निवास करता है-अर्थात् विदेश में मान-प्रतिष्ठा से रहता है। भूत्यर्वग में प्रेम रखता है-अर्थात् नौकरों से प्रेम तथा विश्वास से काम करवाता है। शत्रुओं से भय नहीं होता है। बहुत मित्र होते हैं और जातक आदरपात्र होता है। जातक 25 वें वर्ष गंगास्नान करता है। लडाई-झगड़े में, युद्ध में विजयी होता है। दशमभावस्थ शनि के प्रभाव में आए हुए दो प्रकार के लोग देखे जाते हैं - (1) अत्यन्त कामासक्त, कामशास्त्र के उपदेशक। (2) वेदान्तशास्त्र के प्रवर्तक। इन दोनों प्रवृत्तियों के लोग कीर्ति और सम्मान पाते हैं-इन्हें धन भी मिलता है।

दशमभावस्थित शनि के शुभ फलों का अनुभव मेष, सिंह, धनु, मिथुन, कर्क, वृश्चिक, तथा मीन राशियों में आता है।

दशम में बलवान् शनि कानून के क्षेत्र में अधिकार देता है। सबजज, जज, हाईकोर्ट के जस्टिस आदि होते हैं।

दशमस्थ शनि यदि मेष, सिंह, धनु या मिथुन में होने से जातक प्राध्यापक, अधिकारी तथा गुढशास्त्रों का अभ्यास करता है।

मेष, सिंह, धनु, मिथुन, कर्क, वृश्चिक तथा मीन में शनि होने से जातक एम०ए० आदि उपधियाँ प्राप्त करता है। न्याय विभाग में जज आदि का अधिकार प्राप्त करता है।

अशुभ फल : जातक दुराचारी, दुर्बुद्धि तथा नीचकर्मकर्ता और नीचवृत्ति से युक्त होता है। जातक लोभी, कूर (बे-रहम), निर्दय, चंचल तथा झूठ बोलनेवाला और गुणहीन होता है। जातक के स्वभाव में उद्दण्डता और अभिमान रहता है। दुश्मित्तायें, चित्तभ्रम होता है। जातक को शत्रुओं से भय रहता है। दशमभावस्थ शनि पिता के लिए घातक तथा मारक होता है तथा माता के लिए भी कष्टकारक होता है। शनि के कारण बचपन में ही माता-पिता का वियोग होने का योग बनता है। यह वियोग मृत्युरूपमें अथवा गोदीपुत्र बनकर दूसरे के घर जाने के रूप में होता है। अथवा विदेश में जाने से भी वियोग होता है। बाप-बेटा एकत्र नहीं रह सकते और यदि रहें तो पिता को सतत कष्ट का अनुभव होता है। पिता-पुत्र एक साथ प्रगति नहीं कर पाते। दशमस्थ शनि का बालक बड़ा होने पर माता-पिता से वैमनस्य रखता है। विदेश में भाग्योदय और प्रगति होती है-जन्मभूमि में भाग्योदय नहीं होता है। आजीविका नहीं चलती। बेकारी का शिकार होता है। अतएव अपमानित भी होता है। पैतृक संपत्ति नहीं मिलती-यदि मिली तो जब तक नष्टभृत न हो किसी काम में सफलता नहीं मिलती। दशमस्थ शनि का जातक विषयासक्त रहता है। दशमस्थ शनि अशुभता और अति विपत्ति का कारण होता है। कष्टमय जीवन, जीविका की तंगी, पैतृक संपत्ति का न मिलना, नौकरी में बहुत उतार चढ़ाव, बहुतबार परिवर्तन आदि शनि के साधारण फल हैं। जीविका के लिए कठोर परिश्रम, और



कष्टदायक काम करने पड़ते हैं। पीड़ित शनि से प्राप्त अधिकार का दुरुपयोग करता है। दुराचार, झूठे षडयंत्र, अप्रामाणिक व्यवहार से सत्ता प्राप्त होती है, अतः अधःपात भी जल्दी ही होता है। व्यवसाय बदलना, नुकसान होना, कारोबार का बन्द हो जाना, बेकार रहना, कर्ज न चुका सकना और कारावास आदि बातें होती हैं। नौकरी में असफल होना, वरिष्ठ अधिकारी से इगड़ा होना, उच्चपद छोड़कर हल्के पद पर नियुक्त होना, पदावनति होना, ससपैंड होना आदि फल पीड़ित शनि से प्राप्त होते हैं। स्वतंत्र व्यवसाय में दिक्कतें आती हैं। निर्वासित होना, फौजदारी से जेल भुगतना, सामाजिक काम में नुकसान होना आदि कष्ट होता है। बेइज्जती के अवसर बार-बार आते हैं। जातक पित्तपकृति होता है। पेट की बीमारी लगी रहती है। जंघा में रोग होते हैं। असाध्य रोगों से कष्ट होता है। जातक दुष्ट पुत्रों से युक्त होता है। 'दुष्टपुत्र' से ऐसा पुत्र मन्तव्य है जो पिता की आज्ञा का पालन न करे, समृद्ध न हो, धार्मिक न हो और मूर्ख हो। जातक को शरीरसुख, वाहनसुख, मित्रों का सुख नहीं मिलता है।

शनि के साथ पापग्रह होने से कामों में रुकावटें आती हैं।



॥

राहु

॥

राहु एकादश भाव में

शुभ फल : एकादश भाव में राहु अरिष्टनाशक होता है। (3-6-11 स्थानों में राहु अरिष्ट दूर करता है) राहु लाभभाव में होने से जातक का शरीर पुष्ट होता है और दीर्घायु होता है। लाभभाव में राहु होने से जातक परिश्रमी, विलासी, कवि हृदय, धनवान और भोगी होता है। एकादशभाव में राहु होने से जातक इन्द्रियों का दमन करने वाला होता है। जातक साँवले रंग का, सुन्दर-मितभाषी, शास्त्रों का ज्ञाता, विद्वान्, विनोदी चपल होता है। जिस भी किसी समाज में रहे उसी का अग्रणी बनता है। देश में प्रतिष्ठा होती है। यश प्राप्त करता है। चतुर पुरुषों के साथ मित्रता स्थापित करता है। ग्यारहवें भाव में राहु के रहने से जातक को अनेक प्रकार के लाभ के अवसर मिलते हैं। अपने लाभ और लोभ के प्रति जातक अत्यधिक सावधान होता है। धन तथा धान्य की समृद्धि प्राप्त होती है। ग्यारहवें स्थान पर राहु जातक को धनलाभ कराता है किन्तु धनलाभ के तरीके अनैतिक ही रहते हैं। एकादशस्थान में राहु से म्लेच्छों से धन का लाभ होता है। विदेशियों से धन या कीर्ति मिलती है। वक्ता होकर धन प्राप्त करता है। सम्पूर्ण धन का लाभ होता है। विविध वस्त्रों की प्राप्ति, चौपायों का लाभ और कांचन का लाभ प्राप्त करता है। विदेशियों और पतियों से हाथी, घोड़े, रथ आदि की प्राप्ति होती है। सेवकों को साथ लेकर चलता है। पुत्र सन्तानि होती है। पुत्रजन्म का सुख मिलता है। पुत्र सन्तान अच्छी होती है। जातक को राजाओं से मान और सुख प्राप्त होता है। जातक की विजय होती है। मनोरथ पूरे होते हैं। जातक के शत्रु नष्ट होते हैं। प्रताप से शत्रुओं को सन्ताप करनेवाला होता है। शत्रु भी नम्र होते हैं। जातक के मित्र अच्छे होते हैं तथा उनकी सहायता से जातक का जीवन अच्छा होता है। मित्र ज्योतिषी या मंत्रशास्त्रवेत्ता होते हैं। जातक अधिकारी होकर रिक्षत खाता है किन्तु कानून की गिरफ्त में नहीं आता है। व्यवसाय करे वा नौकरी करे-दोनों ही सफल होते हैं। बड़े भाई की मृत्यु-या इसकी वेकारी से कुटुम्ब का बोझा स्वयं उठाना होता है। 42 वें वर्ष में सहसा धन प्राप्ति सम्भावित होती है। 28 वें वर्ष जीविका का आरम्भ होना सम्भावित है। 27 वें वर्ष में विवाह सम्भावित होता है।

राहु उच्च या स्वगृह का होने से राजा द्वारा आदर पाता है।

राहु स्त्रीराशि में होने से प्रथम सन्तान कन्या, बहुत काल के अनन्तर पुत्र होता है। कन्याएँ अधिक होती हैं। आचार्यों ने प्रायः एकादश राहु के फल शुभ ही बतलाए हैं- ये स्त्रीराशियों में मिलते हैं।

अशुभ फल : ग्यारहवें भाव में राहु होने से जातक मन्दमति, लाभहीन, निर्लज्ज और एक अभिमानी व्यक्ति होता है। जातक बेकार समय बितानेवाला, कर्जा लेनेवाला और झगड़ा करने वाला होता है। धूर्तों का मित्र तथा अनर्थ करनेवाला होता है। स्करों के साथ मित्रता रखता है। जातक की बुद्धि दूसरे का धन अपहरण करने में लगी रहती है। दूसरे के धन को ठगी से हथिया लेता है। रेस, सद्वा, लाटरी में लाभ नहीं होता है। जातक का व्यवसाय ठीक-नहीं चलता, कर्ज रहता है। जातक को पुत्र तथा कुटुम्ब की चिन्ता में कष्ट होता है। राहु एकादश भाव में होने से जातक बहरा (वधिर) होता है। कान के रोग से युक्त होता है। सहसा श्रीमान् हो जाऊँ-इस अभिलाषा से एकादशभावगत राहु का जातक रेस, सद्वा-लाटरी-जूआ आदि में धन का खर्च करता है। इसी आकांक्षा से, अधिकारी होने से अस्थाधुम्ब रिक्षत लेता है और कानून के शिकंजे में आ जाता है। इसी कारण जातक लोभी परद्रव्यापहारी और बरताव अनियमित होता है- मित्रों से हानि, भाग्योदय में रुकावटें आती हैं।



४

केतु

५

केतु पंचम भाव में

शुभ फल : पाँचवे स्थान में केतु होने से जातक वीर्यवान् अर्थात् बलवान् होता है। अल्प-सन्तति होता है-एक या दो पुत्र होते हैं। पुत्र थोड़े और कन्याएँ अधिक होती हैं। जातक की सन्तति जातक के बान्धवों को प्यारी होती है। गायें आदि पशुओं का लाभ होता है अर्थात् इसे पशुधन प्राप्त रहता है। तीर्थयात्रा या विदेश में रहने की प्रवृत्ति होती है। जातक बड़ा पराक्रमी होकर भी दूसरों का नौकर बनकर रहता है। नौकरों से युक्त होता है। कपट से लाभ होता है। बन्धु सुखी होते हैं। जातक के उपदेश प्रभावी होते हैं। विदेश जाने का इच्छुक होता है।

सिंह, धनु, मीन या वृश्चिक में यह केतु अच्छा सुख या ऐश्वर्य देता है।

उच्च या स्वगृह में स्वतन्त्र और बलवान् केतु होने से राजयोग या मठाधीश होने का योग होता है।

केतु शुभराशि में, स्वगृह में या उच्चराशि में होने से शुभफल मिलता है।

अशुभ फल : पंचम में केतु होने से जातक शठ, कपटी, मत्सरी, दुर्बल, डरपोक और धैर्यहीन होता है। पंचमभाव में केतु से जातक खलप्रकृति, कुचाली और दुर्बुद्धि होता है। जातक मूर्खता भरे कार्य करता है और पछताता है। जातक की बुद्धि दूषित होती है इससे मानसिक व्यथा या शरीरिक कष्ट होता है। अपने ही भ्रमात्मक ज्ञान से-अपनी ही गलती से शरीर में क्लेश होता है। अत्याधिक पीड़ा भी होती है। सदैव दुःखी और पानी से डरने वाला होता है। जातक विद्या और ज्ञान से वंचित रहता है। पाँचवे स्थान में केतु होने से जातक के सगे भाइयों को शस्त्र से अथवा वायुरोग से कष्ट होता है। पंचमभाव में केतु होने से सहोदरों में झगड़ा और वाद-विवाद से कष्ट होता है। भाई-बन्धुओं से पीड़ित जातक मंत्र-तंत्र से भाइयों का घात करता है। पंचम भाव में केतु से सन्ततिहानि होती है अर्थात् या तो सन्तति होती नहीं और यदि होती है तो नष्ट हो जाती है। निरन्तर पुत्र के साथ कलह होने के कारण पुत्रसुख नहीं होता है। पंचम में केतु होने से पुत्र नष्ट होते हैं। वात रोगों से पीड़ित रहता है। जिसके पंचमभाव में केतु हाने से अपने शरीर (पेट आदि) पर शस्त्रघात से अथवा ऊँचे स्थान पर से गिर पड़ने के कारण कष्ट होता है। पंचम में केतु होने से जातक के पेट में वातरोग से कष्ट होता है। पेट में रोग तथा विशाच से पीड़ा होती है।



भावेश फल

लग्रेश - एकादश स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

लग्रेशे द्वितीये लाभे स लाभी प्रणितो नरः।

सुशीलो धर्मविन्मानी बहुदारगुणैर्युतः॥

यवन जातक के अनुसार -

सुबहुजीवित आयगते नरस्तनुपतौ शुभभावसमन्विते।

गजरथाश्वसकोशनृपात् सुखं विविध कीर्ति विवेकविचारण॥

गर्ग संहिता के अनुसार -

एकादशगस्तनुपः सुजीवितं सुतसमन्वितं विदितम् तेजः।

कलितं कुरुते पुरुषं बलिनं न सीदतिचेत्॥

लग्रेश लाभस्थन में होने से जातक कई प्रकार से लाभ प्राप्त करता है, पाण्डित, अच्छा आचरण करनेवाला, धर्म का जानकार, अभिमानी, बहुत स्त्रियों से युक्त होता है। शुभ ग्रह से युक्त हो तो दीर्घायु होता है। हाथी, रथ, घोड़े खजाना आदि का सुख राजा से प्राप्त होता है, कीर्ति मिलती है, विवेकपूर्वक विचार करने वाला होता है। निर्बल न हो तो दीर्घायु, प्रसिद्ध, तेजस्वी, बलवान् एवं पुत्रों से युक्त होता है। मित्र अच्छे मिलते हैं, धन व अन्य अनेक प्रकार के लाभ हमेशा होते रहते हैं।

धनेश - अष्टम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

धनेशे मृत्युगेहस्थे भूमिद्रव्यं लभेद् धूरवम्।

जायासौख्यं भवेदल्पं ज्येष्ठभ्रातृसुखं न हि॥

यवन जातक के अनुसार -

धनाधिपो मृत्युगतः करोति मनाकृ कलि धातकरं स्वदेहे।

उत्पन्नभुग् भौगयुतं सुरूपं धनाधिपं भावयुतं पुमासम्॥

गर्ग संहिता के अनुसार -

धनपे चाष्टमभावे स्वल्पकलिश्वात्मधातकः पुरुषः।

उत्पन्नभुग विलासी परहिंसकः सदैव दैवपरः॥

धनेश अष्टम में होने से जातक जमीन में गड़ा धन मिलता है य पत्नी का सुख कम मिलता है तथा बड़े भाई का सुख बिलकुल नहीं मिलता। झगड़ालू, पाखंडी, अपने ही शरीर पर आघात करनेवाला, अपने मेहनत की कमाई खानेवाला, सुन्दर, धनवान्, भावुक होता है। जातक हिंसक तथा देवता पर भरोसा रखनेवाला होता है। सट्टा, लाटरी, रेस, हुंडी आदि के द्वारा आकस्मिक धन का साधारणतः लाभ होता है।

अनुभवः धनेश गुरु होने के कारण उपर्युक्त शुभ फल अनुभव में आते हैं।



तृतीयेश - दशम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

तृतीयेशो सुखे कर्मे पंचमे वा सुखं सदा ।

अतिकूरा भवेद् भार्या धनाद्यौ मतिमान् भवेत् ॥०

यवन जातक के अनुसार -

सहजपे दशमे च नृपात् सुखं पितृजनैः कुलवृद्धजनाश्रयः ।

बहुसुभाग्ययुतो नयनोत्सवो भवति मित्रयुतोऽतितरां शुचिः ॥

गर्ग संहिता के अनुसार -

दुश्मिक्येशो दशमे नृपपूज्यो मातृबन्धुपरिभक्तः ।

उत्तमबन्धुसुमान्यो विनिश्चितो जायते मनुजः ॥

तृतीयेश दशम स्थान में होने से जातक सदा सुखी, धनवान व बुद्धिमान होता है, पत्नी कूर होती है। राजा व पिता आदि से सुख मिलता है, यह घर के वृद्ध लोगों को सहारा देता है, भाग्यवान, मित्रों से युक्त शुद्ध तथा सुन्दर होता है। राजा द्वारा सम्मानित, माता तथा बन्धु पर भक्ति रखनेवाला, अच्छे सम्बन्धियों द्वारा सम्मानित होता है। अपने पराक्रम से प्रगति करता है, बड़े-बड़े व्यवसाय शुरू करता है, सम्मान तथा राजदरबार में प्रमुख पद प्राप्त करता है। धनवान तथा पराक्रमी होता है।

चतुर्थेश - दशम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

सुखेशो दशमे सस्य मातृसौख्येन संयुतः ।

धनधान्य समायुक्तो धर्मे प्रीतिश्च जायते ॥

यवन जातक के अनुसार -

गगनगे सुखपे गृहणीसुखं जनकमातृकरो धनभुक क्षमी ।

सुनयनः परतो पृपसम्मतः खलखगैर्विपरीतफलं वदेत् ॥

चतुर्थेश दशम स्थान में होने से जातक को माता का सुख मिलता है, धन धान्य मिलता है तथा धर्म में रुचि रहती है। चतुर्थेश पापग्रह (रवि, मंगल तथा शनि) हो तो यह अपने पुत्र व उसकी माता (अपनी पत्नी) को छोड़ कर दूसरी स्त्री से सम्बन्ध रखता है। शुभग्रह हो (चन्द्र, बुध, शुक्र तथा गुरु) तो दूसरों की सेवा करता है। पत्नी का सुख मिलता है, मातापिता से धन मिलता है, क्षमावान, सुन्दर आंखोंवाला, राजद्वारा सम्मानित होता है, किन्तु चतुर्थेश पापग्रह हो तो सब फल उलटे बताने चाहिये।

चतुर्थेश पापग्रह हो तो पुत्र माता को छोड़ देता है तथा उसकी पत्नी को कन्याएं ही होती है।

अनुभव: चतुर्थेश शनि होने के कारण जातक अपने पुत्र व उसकी माता (अपनी पत्नी) को छोड़ कर दूसरी स्त्री से सम्बन्ध रखता है



पंचमेश - अष्टम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

सुतेशो चायुषि वित्ते बहुमैत्रो न सशयः।

उदरव्याधिसंयुक्तः क्रोधयुक्तो धनान्वितः॥

यवन जातक के अनुसार -

सुतपतौ निधनस्थलगे नरः कुवचनाभिरतो विगतांगकः।

भवति चंडरुचिश्वपलो नरो गतधनो विकलः शठतस्करः॥

गर्ग जातक के अनुसार -

सुतपे निधनगृहस्ये कुस्तिवाडनिरालयो मन्दः।

नष्टा व्यंगास्तनयाः सहजा अपि संभवन्ति तथा॥

पंचमेश अष्टम स्थान में होने से जातक को बहुत मित्र मिलते हैं, पेट की बीमारी होती है, क्रोधी तथा धनी होता है। कठोर, कुस्ति बोलनेवाला, व्यंग से युक्त, कूर, चंचल, निर्धन, चोर, बदमाश होता है। बेघरबार, मूर्ख होता है, इस के भाई तथा पुत्र नष्ट होते हैं या व्यंगयुक्त होते हैं। शिक्षा अधूरी रहती है तथा सन्तति सुख ठीक नहीं मिलता। छाती में रोग होते हैं।

अनुभवः पंचमेश गुरु होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

षष्ठेश - लाभ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

षष्ठेशो सप्तमे लाभे लग्ने वा पशुमान् भवेत्।

धनवान् गुणवान् मानी साहसी पुत्रवर्जितः॥

यवन जातक के अनुसार -

भवगतेऽरिपतौ खलसंगमो रिपुजनान्मरणं खलुजायते।

नृपतिचौरजनाद्धनहानिकृत् शुभखण्गैः सततं शुभकृद् भवेत्॥

गर्ग जातक और मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा वर्णन है, सिर्फ

चतुर्ष्पदाल्लाभवान् मनुजः इतना अधिक बतलाया है।

षष्ठेश लाभ में होने होने से जातक धनवान, गुणवान, अभिमानी, साहसी, पशु पालनेवाला, किन्तु पुत्रहीन होता है। षष्ठेश पापग्रह (रवि, मंगल तथा शनि) लाभ में हो तो जातक दुष्टों की संगति में रहता है, शत्रु से उसकी मृत्यु होती है, राजा तथा चोरों से धनहानि होती है, शुभग्रह हो तो हमेशा शुभ फल मिलता है। चौपाये पशुओं से लाभ होता है। जातक को बड़े लाभ नहीं होते, मित्रों से शत्रुता होती है।

अनुभवः षष्ठेश मंगल होने के कारण जातक दुष्टों की संगति में रहता है, शत्रु से उसकी मृत्यु होती है, राजा तथा चोरों से धनहानि होती है।



सप्तमेश - लाभ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

दृयनेशो सहजे लाभे मृतपुत्रोपि जायते।
कदाचित् जीवति कन्या पश्चात् पुत्रोपित जीवति॥

यवन जातक के अनुसार -

भवगते तु कलत्रपतौ सदा स्वदयिता प्रियकृच्च तथ सती।
अनुचरी स्वधवस्य सुशीलिनी वसुमती कलना पितृसंश्या॥

गर्ग जातक के अनुसार -

लाभस्थे जायेशो भक्ता रूपान्विता सुशीला च।
दयिता परिणीता स्याद् मिरयते सा च प्रसवसमये॥

सप्तमेश लाभस्थान में होने से जातक के पुत्र जन्मते ही मरते हैं, कदाचित कन्या जीवित रहती है, बाद में पुत्र भी जीवित रहते हैं। पत्नी पति पर प्रेम करनेवाली, पति का कहना माननेवाली, सदाचारी, धनी, होती है, उसे पिता के विषय में संदेह रहता है। पत्नी सुन्दर, सुशील, प्रिय, प्रेम करनेवाली होती है किन्तु प्रसूति में उसकी मृत्यु सम्भव होती है। सन्तति को कष्ट होता है। धन, पुत्र तथा मित्रों का सुख अच्छा मिलता है।

अनुभव : सप्तमेश शुक्र होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

अष्टमेश - दशम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

अष्टमेशे सुखे कर्मे पिशुनो बन्धुवर्जितः।
मातापित्रोर्भवेन्मृतयुः स्वल्पकगलेन भीतियुक्॥

यवन जातक के अनुसार -

मृतिपतौ दशमस्थलमाश्रिते नृपतिकर्मकरोपि समःखलैः।
भवति कर्मकरश्च नरः सदा प्रियजनै रहितः खलु दुःखितः॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

कर्मस्थे निधनेशो नृपकर्मा नीचकर्म निरतश्च।
अलसः क्रूरोऽन्यभवस्तनयवान् जीवति माता॥

अष्टमेश दशम में होने से जातक चुगली करनेवाला, बन्धुओं से रहित होता है, जातक के माता-पिता की मृत्यु जल्द होती है, थोड़े-थोड़े समय से भय उत्पन्न होता है। जातक राजकर्मचारी होता है, पापग्रह हो तो नौकर, प्रिय लोगों से रहित दुःखी होता है। नीच काम करनेवाला आलसी, क्रूर, व्यभिचार से उत्पन्न, पुत्रयुक्त होता है, इसकी माता अधिक काल जीवित नहीं रहती। जातक को राजा से पुरस्कार, वेतन, पद पर नियुक्ति आदि का लाभ मिलता है, जागीर या इनाम मिलता है।

अनुभव : अष्टमेश बुध होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।



नवमेश - नवम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

धनधान्ययुतो नित्यं गुणसौन्दर्यसंयुतः।
बहुभ्रातृसुखैर्युक्तो भाग्येशो नवमे स्थिते॥

यवन जातक के अनुसार -

सुकृतभावपतिर्नवमे स्थितो भवति बन्धुजनैः सहितः शुचिः।
अरुचितश्च विवादकरो जनो गुरुसुहृत्स्वजनेषु रतः सदा॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा वर्णन है।

नवमेश नवम स्थान में होने से जातक धनधान्य से संपन्न, गुणवान, सुंदर, बहुत भाइयों के सुख से युक्त होता है। बन्धुओं से युक्त, पवित्र, जिस विषय में रुचि न हो ऐसे विवाद करनेवाला, गुरु, मित्र तथा सम्बन्धियों पर प्रेम करनेवाला होता है। जातक भाग्यवान, कीर्तिमान, सफल, पुण्यकार्य करनेवाला तथा धर्मनिष्ठ होगा।

अनुभव : नवमेश चन्द्र होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

दशमेश - नवम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

कर्मेशो नवमे यस्य धर्मकर्मसु तत्परः।
देवद्विजेषु भक्तिश्च तीर्थयोगेषु तत्परः॥

यवन जातक के अनुसार -

भवति ना सुभगस्तनुजः सदा शुभसहोदरमित्रपराक्रमी।
दशमपे नवमस्थलगे नरः सततसत्यवचा वसुशालिना॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

शुभशीलः सद्बन्धुः सन्मित्रो दशमपे नवमलीने।

तन्मातापि सुशीला सुकृतवती सत्यवसचनरता॥

दशमेश नवम स्थान में होने से जातक धार्मिक कार्य, तीर्थयात्रा, देव व ब्राह्मणों की भक्ति करनेवाला होता है। सुन्दर होता है, इसके भाई, मित्र अच्छे होते हैं, पराक्रमी होता है। हमेशा सच बोलता है, धनी होता है। सदाचारी होता है, इसकी माता सुशील, अच्छे काम करनेवाली, सच बोलनेवाली होती है। स्वतन्त्र व्यवसाय में प्रगति करता है, धार्मिक व पुण्यकार्य करनेवाला होता है। भाग्यवान होता है।

अनुभव : दशमेश रवि होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।



लाभेश - दशम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

लाभेशं गगने धर्मे राजपुत्रो धनाधिपः।

चतुरः सत्यवादी च निजधर्मसमन्वितः॥

यवन जातक के अनुसार -

पितरि वैरयुतो जननीप्रियः बहुलसद्धनकीर्तियुतो नरः।

जननिपालनकर्मरतः सदा भवपतिदंशमस्थलगो यदा॥

लाभेश दशम में होने से जातक राजपुत्र होता है, धनी, चतुर, सच बोलनेवाला व अपने धर्म का पालन करनेवाला होता है। पिता से शत्रुता व माता पर प्रेम करता है, धनी व कीर्तिमान होता है, माता का पालन करता है। व्यवसाय करके धनी होगा व दरिद्रता दूर करेगा।

व्ययेश - लाभ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

व्ययेशे दशमे लाभे पुत्रसौख्यं भवेत्रहिं ।

मणिमाणिक्यमुक्ताभिर्धनं किंचत् समालभेत॥

यवन जातक के अनुसार -

धनयुतो बहुजीवितयुक्तं पुमान् न च खलः प्रमदश्च उदारधीः।

भवगे सति सत्यवाक् सकलकार्यकरः प्रियवाग् भवेत्॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा वर्णन है, सिर्फ अपने स्थान में

श्रेष्ठ व प्रसिद्ध होना इतना फल अधिक बताया है।

व्ययेश लाभ में होने से जातक को पुत्रसुख नहीं मिलता, हीरे, जवाहरात, मोती आदि के रूप में कुछ धन मिलता है। जातक धनी, दीर्घायु, सदाचारी, खुशमिजाज उदारबुद्धि, सच बोलनेवाला, सब काम करनेवाला, मीठा बोलनेवाला होता है। जातक अपने स्थान में श्रेष्ठ व प्रसिद्ध होगा। जातक को बड़े लाभ नहीं होते, मित्रों के कारण संकट आते हैं।

अनुभव : व्ययेश शुक्र होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।





मंगली-दोष विचार

1. अगस्त्य संहिता के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
भार्या भर्तु विनाशाय भर्तुश्च स्त्री विनाशनम्॥

2. मानसागरी के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्या भर्तुविनाशाय भर्तुः कन्या विनश्यति॥

3. बृहत् ज्योतिषसार के अनुसार -

लग्रे व्यये चतुर्थे च सप्तमे वा अष्टमे कुजः।
भर्तरं नाशयेद् भार्या भर्ताभार्या विनाशयेत्॥

4. भावदीपिका के अनुसार -

लग्रे व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्रीणां भर्तु विनाशः स्पात् पुंसां भार्या विनश्यति॥

5. बृहत् पाराशर होरा के अनुसार -

लग्रे व्यये सुखे वापि सप्तमे वा अष्टमे कुजे।
शुभ द्वग् योग हीने च पतिं हन्ति न संशयम्॥

उपरोक्त श्लोकों का भावार्थ यह है कि जन्म लग्र से प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या द्वादश स्थान में मंगल स्थित होने पर मंगल दोष या कुज दोष होता है।

कुछ आचार्यों के अनुसार लग्र के अतिरिक्त चन्द्र लग्र, शुक्र या सप्तमेश से इन्हीं स्थानों में मंगल स्थित होने पर भी मंगली दोष होता है।

शास्त्रोक्ति है -

लग्रेन्दु शुक्राद् दुःस्थाने यद्यस्ति क्षिति संभवः।
तदशापाक समये दोषमाहर्मनीषिणः॥

यदि मंगल लग्र, चंद्रमा या शुक्र से दुःस्थान में स्थित हो तो उसकी दशा में अशुभ फल प्राप्त होते हैं।

सामान्यतः मंगल दोष को लग्र व चन्द्र से देखा जाता है।

Mr. Ahuja की कुण्डली में मंगल लग्र से ग्यारह भाव में स्थित है और चन्द्र लग्र से तृतीय भाव में स्थित है।
अतः **Mr. Ahuja** जन्म लग्र व चन्द्र लग्र दोनों से मांगलिक नहीं हैं।



मंगली दोष का फल

मंगली दोष वैवाहिक जीवन को विभिन्न प्रकार से प्रभावित करता है - विवाह में विप्लव, विलम्ब, व्यवधान या धोखा, विवाहोपरान्त दम्पति में से किसी एक अथवा दोनों को शारीरिक, मानसिक अथवा आर्थिक कष्ट, पारस्परिक मन-मुटाव, आरोप-प्रत्यारोप तथा विवाह-विच्छेद। अगर दोष अत्यधिक प्रबल हुआ तो दोनों अथवा किसी एक की मृत्यु हो सकती है।

फिर भी मंगली दोष से भयभीत या आतंकित नहीं होना चाहिये। प्रयास यह करना चाहिये कि मंगली का विवाह मंगली से ही हो क्योंकि मंगल-दोष साम्य होने से वह प्रभावहीन हो जाता है तथा दोनों सुखी रहते हैं।

**दम्पत्योर्जन्मकाले व्ययधनहिबुके सप्तमे लग्नरस्ते। लग्नाच्चन्द्राच्च शुक्रादपि भवति यदा भूमिपुत्रो द्वयोर्वै॥
तत्साम्यात्पुत्रमित्रप्रचुरधनपतां दंपती दीर्घ-काला। जीवेतामेकहा न भवति मश्तिरिति प्राहुरत्रात्रिमुख्याः॥**

अर्थात् यदि वर और कन्या के जन्मांग में मंगल द्वितीय, द्वादश, चतुर्थ, सप्तम अथवा अष्टम भाव में लग, चंद्रमा अथवा शुक्र से सम्भाव में स्थित हो तो समता का मंगल दोष होने के कारण वह प्रभावहीन हो जाता है। परस्पर सुख, धनधार्य, संतानि, स्वास्थ्य एवं मित्रादि की उपलब्धि रहती है।

कुज दोष वत्ति देया कुजदोषवते किल। नास्ति दोषो न चानिष्टं दम्पत्यो सुखवर्धनम्॥
मंगल दोष वाली कन्या का विवाह मंगल दोष वाले वर के साथ करने से मंगल का अनिष्ट दोष नहीं होता तथा वर-वधू के मध्य दाम्पत्य-सुख बढ़ता है।

मंगली दोष परिहार के उपाय

मंगली दोष की शान्ति के लिये प्रमुख उपाय हैं -

* मंगलवार का व्रत रखें। दिन में नमक के बिना तरल भोज्य पदार्थ (चाय, काफी, दूध, लस्सी, फलों के रस) लें। सायंकाल थाली में रोली से त्रिकोण बनाएँ तथा पंचोपचार (लाल चंदन, लाल पुष्प, धूप, दीप तथा नैवेद्य) से पूजन करें। तत्पश्चात् सूर्यास्त से पूर्व ही गेहूँ की रोटी, घी, गुड़ ग्रहण करें।

* मंगल दोष अधिक प्रबल हो तो मंगल चंडिका स्तोत्र का 108 दिन तक नित्यप्रति 21 बार जप करें।
प्रातः काल पूर्वाभिमुख होकर बैठें व पंचमुखी दीप प्रज्वलित करके अपने इष्ट तथा मंगल ग्रह का पंचोपचार से पूजन करें, फिर निम्नलिखित जप करें -

**रक्ष रक्ष जगन्मातर्देवि मंगलचंडिके ।
हारिके विपदां राशो हर्षमंगलकारिके ॥
हर्षमंगलदक्षे च हर्षमंगलदायिके ।
शुभे मंगलदक्षे च शुभे मंगलचंडिके ॥
मंगले मंगलाहें च सर्वमंगलमंगले ।
सदा मंगलदे देवि सर्वेषां मंगलालये ॥**



साढ़ेसाती फल

प्राचीन काल से सामान्य भारतीय जनमानस में यह धारणा प्रचलित है कि शनि की साढ़ेसाती बहुधा मानसिक, शारीरिक और आर्थिक दृष्टि से दुखदायी एवं कष्टप्रद होती है। शनि की साढ़ेसाती सुनते ही लोग चिन्तित और भयभीत हो जाते हैं। साढ़ेसाती में असन्तोष, निराशा, आलस्य, मानसिक तनाव, विवाद, रोग-रिपु-ऋण से कष्ट, चोरों व अप्ति से हानि और घर-परिवार में बड़ों-बुजुर्गों की मृत्यु जैसे अशुभ फल होते हैं। शास्त्र शनि की साढ़ेसाती का फल इस प्रकार बतलाते हैं-

कल्याणं खलु यच्छति रविसुतो राशौ चतुर्थै में व्याधि बन्धुविरोधदेशगमनं क्लेशं च चिन्ताधिकम्॥

राशौ द्वादशशीर्षजन्महृदये पादौ द्वितीये शनिनानाक्लेशकरोऽपि दुर्जनभयं पुत्रान् पश्चन् पीडनम्॥

हानिःस्यान्मरणं विदेशगमनं सौख्यं च साधारणम् रामारिध्यविनाशनं प्रकृतं तुर्याष्टमै वाथवा॥

अर्थात् चन्द्र राशि से चौथे या आठवें स्थान में शनि आने पर रोग, भाइयों से लड़ाई विदेश में प्रवास, कष्ट, चिन्ता ये फल मिलते हैं। चन्द्र राशि से बारहवें, पहले या दूसरे स्थान में गोचर के शनि से (साढ़ेसाती में) सिर, हृदय, पैर में पीड़ा होती है, दुष्टों से भय होता है, पुत्रों और पशुओं को कष्ट होता है।

अनुभव में पाया गया है कि सम्पूर्ण साढ़े-सात साल पीड़ा दायक नहीं होते। बल्कि साढ़ेसाती के समय में कई लोगों को अत्यधिक शुभ फल जैसे विवाह, सन्तान का जन्म, नौकरी-व्यवसाय में उन्नति, चुनाव में विजय, विदेश यात्रा, इत्यादिभी मिलते हैं।

प्रथम चक्र की साढ़े साती का फल

(से 27-07-1980 तक)

शनि के साढ़ेसाती का प्रथम चक्र अत्यन्त प्रबल होता है इस अवधि में आपको शारीरिक कष्ट, अवरोध एवं अनेकप्रकार से क्षति उठानी पड़ सकती है। माता-पिता को भी शनि पीड़ित करता है।

द्वितीय चक्र की साढ़े साती का फल

(23-07-2002 से 09-09-2009 तक)

द्वितीय आवृत्ति में शनि अपेक्षाकृत मध्यम प्रभाव डालता है। इस अवधि में आपकी अपने श्रम व संघर्ष से उत्तेजित होगी। मानसिक अशान्ति अवश्य बनी रह सकती है किन्तु भौतिक उन्नति निश्चित होगी। माता-पिता या अन्य बुजुर्गों का वियोग सहन करना पड़ सकता है।

तृतीय चक्र की साढ़ेसाती का फल

(30-05-2032 से 12-07-2039 तक)

तृतीय आवृत्ति में शनि अनेक कठोर फल देता है। इस अवधि में मारक का प्रभाव अधिक होने के कारण आपको प्रबल शारीरिक कष्ट हो सकता है। इस आक्रमण से सौभाग्यशाली ही सुरक्षित रह पाते हैं।



साढ़ेसाती की प्रथम, द्वितीय व तृतीय फैया का फल

यह सामान्यतः पाया गया है कि साढ़ेसाती की तीन फैया में से एक शुभ, एक मध्यम तथा एक अशुभ फलदायी होती है। इसका निर्णय शनि के अष्टक वर्ग तथा सर्वाष्टक वर्ग में प्राप्त शुभ रेखाओं की संख्या के आधार पर किया जाता है। यदि शनि अष्टक वर्ग में चार रेखायें तथा सर्वाष्टक वर्ग में 28 रेखायें हैं तो शनि मिश्रित फलदायी होता है। इससे कम है तो अशुभ तथा अधिक होने पर शुभ फल प्राप्त होते हैं। यदि जन्म कुण्डली में शनि बलवान् (उच्च, स्वक्षेत्रीय आदि) या योगकारक हो या चन्द्रराशि का स्वामी हो तो जातक के लिए शनि का दुष्प्रभाव औरों की अपेक्षा बहुत कम होता है।

साढ़ेसाती की प्रथम फैया का फल

प्रथम चक्र से तक व से तक

द्वितीय चक्र 23-07-2002 से 08-01-2003 तक व 07-04-2003 से 05-09-2004 तक

तृतीय चक्र 30-05-2032 से 12-07-2034 तक व से तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से बाहरवे भ्रमण करता है तथा दूसरे, छठे, नवे भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। प्रथम फैया में शनि का निवास सिर पर रहता है। मानसिक-शारीरिक सुख में कमी आती है। नेत्रों की व्याधि, चश्में आदि का प्रयोग सम्भव है। अचानक आर्थिक हानि होती है। अवांक्षित अतिरिक्त व्यय, अपव्यय होता है। जातक आर्थिक रूप से व्यथित रहता है आय की अपेक्षा व्यय अधिक होता है। कुटुम्ब से वियोग हो सकता है। परिवार में अशान्ति रहती है। पिता को कष्ट होता है। पिता से तनाव होता है। भाय पतन का भय रहता है। कार्यों में परेशानियाँ एवं विलम्ब होता है। प्रयासों के सुफल नहीं मिलते। लोगों से सहयोग नहीं मिलता। राजकीय लोगों से पीड़ा सम्भव है। आध्यात्मिकता में रुचि जाग्रत होती है। दुर्घटनाओं का भय होता है। व्यर्थ भ्रमण होता है। दूर की यात्रा करनी पड़ती है, जिसमें कष्ट उठाना पड़ता है। यह शनि पंचम से अष्टम होता है, अतः सन्तान के लिए भी यह समय कष्टप्रद होता है।

साढ़ेसाती की द्वितीय फैया का फल

प्रथम चक्र से तक व से तक

द्वितीय चक्र 05-09-2004 से 13-01-2005 तक व 26-05-2005 से 01-11-2006 तक

तृतीय चक्र 12-07-2034 से 27-08-2036 तक व से तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि पर भ्रमण करता है तथा तीसरे, सातवें, दसवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। शनि इस फैया में उदर भाग में रहता है। अतः शरीर के सम्पूर्ण मध्य भाग में रोग व्याधि सम्भव होती है। शारीरिक तेज प्रभावित होता है। बुद्धि काम नहीं करती, गलत निर्णय होते हैं। भाईयों से तथा व्यापार में सांदर्भ से विवाद होता है। पत्नी को शारीरिक कष्ट अथवा पत्नी से गड़ा होता है। आर्थिक चिन्ताएँ निरन्तर रहती हैं। मानसिक स्तर पर प्रबल उद्देलन रहता है। व्यर्थ का भय व्यथित करता है। कोई कार्य मनोनुकूल नहीं होता, अपूर्ण कार्य दुःखी करते हैं, व्यवधान प्रबल रहते हैं। पारिवारिक तथा व्यवसायिक जीवन अस्त-व्यस्त रहता है। किसी सम्बन्धी को मारक कष्ट होता है। दूर स्थानों की यात्राएँ, शत्रुओं से कष्ट, आत्मिय जनों से अलगाव व्याधि, सम्पत्ति क्षति व सामाजिक पतन, मित्रों का अभाव एवं कार्यों में अवरोध इस चरण के फल हैं।

साढ़ेसाती की तृतीय फैया का फल

प्रथम चक्र से तक व 14-03-1980 से 27-07-1980 तक

द्वितीय चक्र 01-11-2006 से 10-01-2007 तक व 15-07-2007 से 09-09-2009 तक

तृतीय चक्र 27-08-2036 से 22-10-2038 तक व 05-04-2039 से 12-07-2039 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से दूसरे भ्रमण करता है तथा चौथे, आठवें, यारहवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। उत्तरती साढ़ेसाती में शनि पैरों पर रहता है, अतः इस अवधि में पैरों में कष्ट होता है। शारीरिक दृष्टि से निर्बलता आती है। दैहिक रूप से जड़ता का अनुभव होता है, शरीर में आलस्य रहता है। आनन्द बाधित होता है। व्यर्थ के विवाद उत्पन्न होते हैं। आत्मियों से अकारण संघर्ष होता है उन्हें गम्भीर व्याधि अथवा किसी को मरण तुल्य कष्ट होता है। सुखों का नाश होता है, पदाधिकार पर संकट आता है। व्यय अत्यधिक होता है। पैसा आता है किन्तु उसी गति से व्यय भी होता है। निम्न श्रेणी के लोगों से कष्ट मिलता है। अष्टम पर दृष्टि होने से आयु प्रभावित होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से गृह सुख, मातृसुख, वाहन सुख आदि तथा भौतिक सुख-सुविधाओं में बाधा आती है।



लघु कल्पाणी दैया व कंटक शनि का फल

शनि की चतुर्थ स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 06-10-1982 से 21-12-1984 तक व 31-05-1985 से 16-09-1985 तक

द्वितीय चक्र 15-11-2011 से 16-05-2012 तक व 04-08-2012 से 02-11-2014 तक

तृतीय चक्र 27-01-2041 से 06-02-2041 तक व 26-09-2041 से 11-12-2043 तक

चन्द्र राशि से शनि चतुर्थ स्थान में भ्रमण करता है तो छठे, दसवें एवं चन्द्र लग्र पर पूर्ण दृष्टि रहती है। स्थान परिवर्तन या स्थानान्तरण होता है। आवासीय सूख की क्षति होती है। हृदय सम्बन्धी कष्ट या अनियमित रक्तचाप सम्बन्ध होता है। सम्बन्धियों से वियोग होता है। पारिवारिक सूख में कमी आती है। जनता एवं राज्य दोनों द्वारा विरोध होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि छठे भाव पर रहती है। अतः शत्रुओं एवं रोगों से कष्ट होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि दशम पर रहती है। अतः कार्य क्षेत्र में अवरोध आता है। शनि की दशम दृष्टि चन्द्र लग्र पर रहती है। अतः मन में घबड़ाहट रहती है।

शनि के सप्तम स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 20-03-1990 से 20-06-1990 तक व 14-12-1990 से 14-12-1990 तक

द्वितीय चक्र 24-01-2020 से 29-04-2022 तक व 12-07-2022 से 17-01-2023 तक

तृतीय चक्र 06-03-2049 से 09-07-2049 तक व 04-12-2049 से 24-02-2052 तक

जन्म राशि से शनि सप्तम स्थान में भ्रमण करता है तो नवम, चन्द्र लग्र एवं चतुर्थ पर पूर्ण दृष्टि रहती है। पत्नी को शारीरिक कष्ट होता है अथवा पत्नी या व्यापार के भागीदारी से गम्भीर मतभेद होते हैं। जातक मूत्र-जनन तन्त्र सम्बन्धी रोगों से कष्ट पाता है। मानसिक चिन्ताएं बढ़ती हैं। नवम पर दृष्टि होने से भाग्य में गतिरोध आता है, पिता को कष्ट होता है, मान सम्मान पर अंच आती है तथा कार्यक्षेत्र में उथल पूथल होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से माता का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। वाहन सम्बन्धी कष्ट होते हैं। घर छोड़ना पड़ता है, दीर्घ प्रवास होता है, यात्रायें होती हैं और यात्रा में कष्ट होता है।

शनि के अष्टम स्थान की दैया का फल

प्रथम चक्र 05-03-1993 से 15-10-1993 तक व 09-11-1993 से 02-06-1995 तक

द्वितीय चक्र 29-04-2022 से 12-07-2022 तक व 17-01-2023 से 29-03-2025 तक

तृतीय चक्र 24-02-2052 से 14-05-2054 तक व 01-09-2054 से 05-02-2055 तक

जन्म राशि से शनि अष्टम स्थान में भ्रमण करता है तो दसवें, दूसरे एवं पंचम भाव पर पूर्ण दृष्टि रहती है। आयु बल प्रभावित होता है। दीर्घावधि की बीमारी या दुर्घटना की संभावना रहती है। अपमानित होने का भय रहता है। राजकीय लोगों से पीड़ा का भय रहता है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन का योग बनता है। कार्य व्यापार पर आघात लगता है। धन सम्पत्ति की हानि होती है। सन्तान को कष्ट होता है या सन्तान वियोग की संभावना बनती है।

शनि के दशम स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 17-04-1998 से 06-06-2000 तक व से तक

द्वितीय चक्र 02-06-2027 से 20-10-2027 तक व 23-02-2028 से 08-08-2029 तक

तृतीय चक्र 07-04-2057 से 27-05-2059 तक व से तक

शनि राशि से दसवें भ्रमण करता है तो बारहवें, चतुर्थ एवं सप्तम भावों को भी अपनी पूर्ण दृष्टि से प्रभावित करता है। कार्यक्षेत्र में अवरोध आता है। आजीविका क्षेत्र में उत्थान पतन या व्यतिक्रम होता है। किसी ऐसे कार्य (व्यापार) में प्रवृत्ति हो जिसमें असफलता हो या ऐसा दुष्कर्म बन जाए जिसके कारण अप्रतिष्ठा हो, सम्मान भंग हो। अनावश्यक आर्थिक व्यय के प्रसंग आते हैं। पत्नी से मतभेद या अलगाव संभव है। घर सम्पत्ति के बारे में चिन्ता उत्पन्न होती है।



शनि की साड़ेसाती तथा ढैया के उपाय

शनि की साड़ेसाती या ढैया के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय करें -

1. मन्त्र

(क) महामृत्युंजय मंत्र का सवा लाख जप (नित्य 10 माला, 125 दिन) करें -

ॐ त्रयम्बकम् यजामहे सुगच्छि पुष्टिवर्द्धनं उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।

(ख) शनि के निम्नदत्त मंत्र का 21 दिन में 23 हजार जप करें -

ॐ शत्रोदेवीरभिष्ठय आपो भवन्तु पीतये । शंयोरभिस्त्वन्तु नः । ॐ शं शनैश्चराय नमः ।

(ग) पौराणिक शनि मंत्र -

ॐ नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् । छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥

2. स्तोत्र

- शनि के निम्नलिखित स्तोत्र का 11 बार पाठ करें या दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करें।

कोणस्थः पिंगलो बध्नुः कृष्णो रौद्रोऽन्तको यमः । सौरिः शनैश्चरो मन्दः पिप्लादेन संस्तुतः ॥
तानि शनि-नामानि जपेदश्वत्यसन्निधौ । शनैश्चरकृता पीडा न कदाचिद् भविष्यति ॥

साड़ेसाती पीडानाशक स्तोत्र - पिप्लाद उवाच -

नमस्ते कोणसंस्थय पिङ्गलाय नमोस्तुते । नमस्ते बध्नूरूपाय कृष्णाय च नमोस्तु ते ॥

नमस्ते रौद्रदेहाय नमस्ते चान्तकाय च । नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो ॥

नमस्ते यमदसंज्ञाय शनैश्चर नमोस्तुते । प्रसादं कुरु देवेश दीनस्य प्रणतस्य च ॥

3. रत्न / धातु

शनिवार के दिन काले घोड़े की नाल या नाव की सतह की कील का बना छल्ला मध्यमा में धारण करें।

4. व्रत

शनिवार का व्रत रखें। व्रत के दिन शनिदेव की पूजा (कवच, स्तोत्र, मन्त्र जप) करें। शनिवार व्रतकथा पढ़ना भी लाभकारी रहता है। व्रत में दिन में दूध, लस्सी तथा फलों के रस ग्रहण करें, सायकाल हनुमान जी या भैरव जी का दर्शन करें। काले उड़द की खिचड़ी (काला नमक मिला सकते हैं) या उड़द की दाल का मीठा हलवा ग्रहण करें।

5. औषधि

प्रति शनिवार सुरमा, काले तिल, सौंफ, नागरमोथा और लोध मिले हुए जल से सान करें।

6. दान

शनि की प्रसन्नता के लिये उड़द, तेल, इन्द्रनील (नीलम), तिल, कुलथी, भैंस, लोह, दक्षिणा और श्याम वस्त्र दान करें।

7. अन्य उपाय

(क) शनिवार को सांयकाल पीपल वृक्ष के चारों ओर 7 बार कच्चा सूत लपेटे, इस समय शनि के किसी मंत्र का जपे करते रहें। फिर पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करें, तथा ज्ञात-अज्ञात अपराधों के लिए क्षमा माँगें। (ख) शनिवार को अपने हाथ की नाप का 19 हाथ काला धागा माला बनाकर पहनें। (ग) टोटका - शनिवार के दिन उड़द, तिल, तेल, गुड़ मिलाकर लड्डू बना लें और जहाँ हल न चला हो वहाँ गाड़ दें। (घ) शनि की शान्ति के लिए बिच्छू की जड़ शनिवार को काले डोरे में लपेट कर धारण करें।



रत्न परामर्श

रत्न धारण करने से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संभावित परिवर्तन किए जा सकते हैं। यह एक प्रचीन विद्या है। मणि माला नामक ग्रन्थ में रत्नों के बारे में कहा गया है -

**माणिक्यं तरणे: सुजात्यममलं मुक्ताफलं शीतगोमहियस्य च विद्वुमो निगदितः सौम्यस्य गारुत्मतं ।
देवेज्यस्य च पुष्परागमसुराचार्ण्यसय वत्रं शनेर्नालं निर्मलमन्ययोश्च गदिते गोमेदवैदूर्यकं ॥**

"ग्रहों के विपरीत होने पर उन्हें शान्त करने के लिए रत्न पहने जाते हैं। सूर्य के विपरीत होने पर निर्दोष माणिक, चन्द्र के विपरीत होने पर उत्तम मोती, मंगल के लिए मूँगा, बुध के लिए पत्रा, बृहस्पति के लिए पुखराज, शुक्र के लिए हीरा, शनि को शान्त करने के लिए नीलम, राहु के लिए गोमेद एंव केतु के विपरीत होने पर लसुनिया धारण करना चाहिए।"- मणि माला भाग 2, 79

धन्यं यशस्यमायुष्यं श्रीमद् व्यसनसूदनं । हर्षणं काम्यमोजस्यं रत्नाभरणधारणं ॥

ग्रहदृष्टिहरं पुष्टिकरं दुःखप्रणाशनं । पापदौर्भाग्यशमनं रत्नाभरणधारणं ॥

"रत्न जडित आभूषण को धारण करने पर सम्मान, यश, लम्बी आयु, धन, सुख और धन में वृद्धि होती है तथा सभी प्रकार की अभिलाषाओं की पूर्ति होती है। ऐसा करने से ग्रह के विपरीत प्रभाव कम होते हैं, शरीर पुष्ट होता है तथा दुःख, पाप एंव दुर्भाग्य का नाश होता है।" - मणि माला, भाग 2, 121-122

जीवन रत्न

लग्नेश का रत्न धारण करना सदा शुभफल देने वाला होता है। यह स्वास्थ्य, प्राणशक्ति, कार्य में सिद्धि तथा कुशलता प्रदान करता है। यह जीवन के बाकी क्षेत्रों में भी सहायता प्रदान करता है। आपका लग्नेश मंगल है अतः मंगल का रत्न धारण करना आपके लिए शुभकारी होगा। मंगल के लिए रत्न हैं - मूँगा।

"स्वच्छ, कोमल, शीतल तथा विशिष्ट लाल रंग का मूँगा शुभ, हितकारी घनधान्य प्रदान करने वाला तथा विष का नाश करने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 1, 356

"मूँगा खट्टा तथा मधुर, कफ-पित्त दोष का नाश करने वाला, बलकारी, शरीर को शोभा देने वाला तथा धारण करने वाली स्त्रियों का मंगल करने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 2, 66

धारण करने की विधि - मंगल के रत्न को चांदी में जडित किया जाना चाहिए। किन्तु यदि इसे साहस, बल, तथा शारीरिक उष्णता में वश्चिद्ध के लिए धारण करने के लिए इसे स्वर्ण में भी जडित किया जा सकता है। रत्न जडित अंगूठी को अनामिका अथवा कनिष्ठा में मंगलवार को सूर्योदय के एक घटे पश्चात धारण करें। मंगल के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ऊँ अं अंगारकाय नमः।



पुण्य रत्न

पंचमेश का रत्न पुण्य प्रदान करता है तथा यह सूजनात्मक शक्ति तथा सन्तान के लिए भी शुभकारी है। आपका पंचमेश बृहस्पति है, अतः बृहस्पति का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। बृहस्पति के लिए रत्न है - पुखराज, पीला टोपाज, सिटराइन।

"पुखराज खट्टा, शीतल, वायु का नाश करने वाला, जठराश्रि की वृद्धि करने वाला तथा घारण करने पर यश, घन तथा बुद्धि की वृद्धि करने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 2, 65

धारण करने की विधि - बृहस्पति के रत्न को स्वर्ण में जड़ित किया जाना चाहिए। रत्न जड़ित अंगूठी को तर्जनी में गुरुवार को सूर्योदय से एक घन्टा पहले धारण करें।

बृहस्पति के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ बृं बृहस्पतये नमः।

भाग्य रत्न

नवमेश के लिए रत्न भाग्य प्रदान करता है। आपका नवमेश चन्द्र है, अतः चन्द्र का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। चन्द्र के लिए रत्न है - मोती, चन्द्रकांता।

"मोती धारण करने से उम्र और घन में वृद्धि होती है तथा सारे पापों का नाश होता है।" - मणि माला, भाग 1, 307
"मोती मधुर, अतिशीतल, नेत्ररोगों, विष तथा यक्ष्मा रोग का नाश करने वाला, दुर्बल शरीर को बल तथा पुष्टि देने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 2, 63

"मोती बहुमूल्य, पुत्र, घन, यश प्रदान करने वाले तथा रोगों एवं दुःख का नाश करने वाले तथा राजाओं को इच्छित वस्तु प्रदान करने वाले जाने गए हैं।" - बृहत संहिता

धारण करने की विधि - चन्द्र के रत्न को चांदी में जड़ित किया जाना चाहिए। रत्न जड़ित अंगूठी को अनामिका में सोमवार को संध्या के समय धारण करें।

चन्द्र के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ सों सोमाय नमः।

सामान्य निर्देश

साधारणतया सदा उच्च कोटि के रत्न धारण किए जाने चाहिए। उपरत्न व कम शक्ति के रत्न कम मंहगे होते हुए भी अच्छे फल देते हैं मगर फलदायक होने के लिए इनका बड़ा आकार का होना आवश्यक है। रत्न को प्रभावकारी करने के लिए, धारण करने से पहले उसे कच्चे दूध और शुद्ध जल से धोना चाहिए। इसके पश्चात इसे हाथ में लेकर ध्यान केन्द्रित करते हुए दिए गए मंत्र का 108 बार जाप करें। पुरुषों को रत्न दाएं हाथ पर तथा स्त्रियों का बाएं हाथ पर धारण करना चाहिए। रत्न को अंगूठी में अथवा बाजू में पहनना चाहिए। इन्हें गले में भी पहना जा सकता है पर इससे लगातार शरीर से सम्पर्क नहीं रहता। रत्न का शरीर से सम्पर्क अति आवश्यक है।



कुण्डली में शुभ योग

संख्या - केदार योग

सब ग्रह जब चार स्थानों में होते हैं, तब 'केदार' योग बनता है।

फल : केदारयोगज जातक बहुतों का उपकारक, किसान, सत्यवादी, सुखी, चंचल स्वभाव वाला तथा धनी होता है। बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 36, श्लोक 17, 47) मतान्तर से धनवान, कृषि से लाभ, सुस्त, बुद्धिमान, उपकारी, नौकरी से लाभान्वित, पूर्व आयु में कष्ट बाद में कष्ट, रहित जीवन, माता-पिता का सुख बहुधा दीर्घजीवी होते हैं।

दुरुधरा योग

जब चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश में सूर्य के अतिरिक्त कोई ग्रह हो तो दुरुधरा नाम का योग होता है।

फल : दुरुधरोत्पन्न मनुष्य धनी, वाहनयुक्त, दानी, सुखी, नौकरों से युक्त तथा शत्रुहन्ता होता है। दुरुधरोत्पन्न मनुष्य वाणी बुद्धि पराक्रम व गुणों से भूमि (संसार) में खाति प्राप्त करने वाला, स्वतन्त्र सुख लक्ष्मी वाहन सवारी आदि के सुख को भोगने वाला, दानी, पारिवारिक पालन से दुःख प्राप्त करने वाला, अच्छे व्यवहार वाला व प्रधान होता है। योगजनक ग्रह : मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि।

दुरुधरा योग (बुध गुरु)

जब चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश बुध गुरु ग्रह हों तो दुरुधरा नाम का योग होता है।

फल : बुध गुरु से दुरुधरा योग हो तो जातक धर्मपरायण, शास्त्रज्ञाता, वाचाल, सुन्दर कवि, धनी, त्यागी और प्रसिद्ध होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 24)

दुरुधरा योग (गुरु शनि)

जब चन्द्रमा से द्वितीय तथा द्वादश गुरु शनि ग्रह हों तो दुरुधरा नाम का योग होता है।

फल : जातक सुख नीति विज्ञान से युक्त, प्यारी वाणी बोलने वाला, श्रेष्ठ विद्वान्, उत्तम, शान्त, धनवान् व स्वरूपवान् होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 28)

उभयचर योग

सूर्य से द्वितीय, द्वादश दोनों में चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य ग्रहों के रहने से उभयचर योग होता है।

फल : फल : (1) 'पाप' उभयचरोत्पन्न जातक रोगप्रस्त, दरिद्री, अस्वतन्त्र कर्म करने वाला होता है। 'शुभ' उभयचरोत्पन्न जातक राजा तुल्य धनी, ऐश्वर्यशाली, बलवान्, सुखी, सुशील, दयावान् बनाते हैं। (2) जातक समस्त कार्यभार को सहन करने वाला, कल्याण से युत (पाठान्तर से सुन्दर समदृष्टि वाला), समान शरीर वाला, अधिक बलवान्, अधिक ऊँची देह से रहित, समस्त वस्तु व साधनों से पूर्ण, विद्यावान्, सुन्दर ऐश्वर्य से युत, अधिक नौकर व धन से युत, अपने बन्धु बास्तवों का रक्षक, राजा के सदश, पूर्ण उत्साही, प्रसन्न चित्त व सुख भोग करने वाला होता है। योगजनक ग्रह : सूर्य, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि।

शंख योग



पंचमेश और षष्ठेश यदि एक दूसरे से केन्द्र में हों और लग्नेश बलवान हो तो 'शंख' योग बनता है।

फल : शंखयोगोत्पन्न जातक दयालु, पुण्यवान्, विद्वान, पुत्र, धन, स्त्री से युक्त, दीर्घायु, तथा शुभ आचरण वाला होता है। मानवतावादी, सत्कर्म में रुचि, धार्मिक, विद्वान तथा आनंदप्रिय, पत्नीण्संतान और भूमि से युक्त दीर्घायु होता है। दूसरों के प्रति व्यवहार मधुर और सौम्य होता है तथा पारिवारिक दृष्टि से सफल होता है। योगजनक ग्रहः सूर्य चन्द्रमा मंगल बुध बृहस्पति शुक्र शनि।

लक्ष्मीयोग

लग्नेश प्रबल हो, भाग्येश स्वभवन, स्वोच्च या मूलत्रिकोणस्थ होकर केन्द्रगत हो तो लक्ष्मीयोग होता है।
बृहत्पाराशार होराशास्त्रम् (अध्याय 37, श्लोक 27,28)

फल : जातक सुन्दर, धमिष्ठ, धनी, गुणी, यशस्वी राजा तथा अनेक पुत्रों से परिपूर्ण होता है।

केन्द्र त्रिकोण राज योग

लग्नेश का सम्बन्ध केन्द्र (4, 7, 10) या त्रिकोण (5, 9) भावों के स्वामियों से हो तो 'राजयोग' बनता है।

फल : ग्रहों के योग चार प्रकार से बनते हैं - 1. जब दो ग्रह परस्पर देखते हों। 2. जब एक ग्रह दूसरे को देखता हो। 3. जब दो ग्रहों में राशि परिवर्तन हो। 4. जब दो ग्रह एक ही राशि में हों। राजसी स्वभाव, सम्मान तथा सभी प्रकार के वैभव से युक्त होता है। योगजनक ग्रहः के स्वामीण्सूर्य, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, चन्द्रमा।

राज योग (धर्मकर्माधिपति योग)

नवमेश तथा दशमेश में परस्पर सम्बन्ध हो तो धर्मकर्माधिपति राजयोग बनता है।

फल : सफलता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। यह प्रथम श्रेणी का राजयोग है। जातक यशस्वी, ऐश्वर्यमय जीवन व्यतीत करने वाला, तथा समाज में सम्मानित होता है। योगजनक ग्रहः के स्वामी एं सूर्य, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, चन्द्रमा

राज योग

सुखेश व कर्मेश, पंचमेश या नवमेश के साथ संयुक्त हो तो राज योग होता है। (बृहत्पाराशार होराशास्त्र, अध्याय 40, श्लोक 37)

फल : राजा या राजसी पद प्राप्त होता है। सफलता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। आधुनिक संदर्भ में उच्च राजकीय पद मिलता है।

राजयोग

चन्द्र अथवा लग्न से केन्द्र में स्वक्षेत्री या उच्च ग्रह के साथ यदि दुर्बल ग्रह की युति हो तो राजयोग होता है। (सर्वथिंचिन्तामणि 9/13)

फल : जातक राजा होता है अथवा राजा के समान उच्च पद प्राप्त करता है।

राजयोग



नवमांश राशि के स्वामी यदि चन्द्र के आधिपत्य में हो और केन्द्र अथवा लग्न अथवा बुध से त्रिकोण में हो तो राजयोग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 9/28)

फल : जातक सेनापति अथवा शासक के समान होता है ।

राजयोग

एकादश नवम अथवा द्वितीय में से किसी भाव का स्वामी यदि चन्द्र से केन्द्र में हो तथा बृहस्पति द्वितीय, पंचम अथवा एकादश भाव के स्वामी हो तो राजयोग होता है । (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक महापुरुष अथवा सम्मानित शासक होता है ।

स्वरीर्ध धन योग

द्वितीयेश लग्नेश से केन्द्र अथवा त्रिकोण में हो या स्वाभाविक शुभ ग्रह (मित्र ग्रह) द्वितीयेश उच्च का हो या उच्च के ग्रह के साथ हो तो यह योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 3)

फल : जातक स्वयं के पराक्रम से अर्थ अर्जित करता है ।

कर्मजीव योग

चन्द्र या लग्न से सूर्य दशम स्थान (यह अन्य कर्मजीव योग से कम अंश का है) का स्वामी हो तो कर्मजीव योग होता है । (बृहत् जातक)

फल : जातक के लिए ग्रहों की यह स्थिति सूर्य से सम्बन्धित व्यवसायों में सहायक होती है । जातक सुगन्धित द्रव्य, ऊन और दवाइयों से जुड़ा होता है अथवा चिकित्सक या सहायक चिकित्सक हो सकता है ।

कर्मजीव योग

लग्न से या सूर्य से दशम स्थान चन्द्र से युत हो या दृष्ट हो तो कर्मजीव योग होता है । (बृहत् जातक)

फल : जातक के ग्रहों की यह स्थिति चन्द्र से सम्बन्धित व्यवसायों, कृषि से सम्बन्धित जलीय उत्पादों से सम्बन्धित, मुंगाप्पोतीण्सीप आदि से सम्बन्धित व्यवसायों के लिए सहायक होती है । जातक महिला पर निर्भर करता है ।

कर्मजीव योग

लग्न, चन्द्र या सूर्य से दशम स्थान का स्वामी यदि मंगल हो तो कर्मजीव योग होता है । (बृहत् जातक)

फल : ग्रहों की स्थिति मंगल से सम्बन्धित व्यवसायों खनिज तत्वों, अग्नि तत्वों (पटाखे, रसोई, इंजन चालक, अग्नि और ताप से सम्बन्धित कार्य) शस्त्रों, रोमांचकारी कार्यों और बाहुबल कार्यों में सहायक होती है ।

कर्मजीव योग

लग्न या चन्द्र से दशम स्थान पर बुध हो तो कर्मजीव योग होता है । (बृहत् जातक)

फल : जातक का व्यवसाय और सामाजिक प्रतिष्ठा लेखन, गणित, काव्य एवं ललित कला द्वारा होती है ।



जातक लेखक, चित्रकार, मर्तिकार, नक्काश, वास्तुकार, अभियान्त्रिक या इत्र बनाने वाला हो सकता है। जातक को अपने मित्र से धनार्जन हो सकता है। (बुध)

कर्मजीव योग

नवमांश का स्वामी बृहस्पति दशमेश हो तो यह योग होता है। (बृहत् जातक 10/3)

फल : जातक को सम्पदा और उपजीविका शिक्षित वर्ग के सम्पर्क से, ज्ञान से, कानून, धर्म, मन्दिरों, दानण्ड्य एवं साधना, तीर्थ यात्रा, आध्यात्मिक अनुसरण आदि से प्राप्त होती है। जातक को धनार्जन अगली पीढ़ी से, बच्चों से हो सकती है।

कर्मजीव योग

लग्र, चन्द्र या सूर्य से दशमेश शुक्र से वृष्ट हो या युत हो तो यह योग होता है। (बृहत् जातक) (अन्य कर्मजीव योग से यह योग कम अंश का होता है)

फल : ग्रहों की स्थिति शुक्र से सम्बन्धित व्यवसायों में सहायक होती है। जैसे रक्त, चांदी, गाय, भैंस, मूल्यवान वस्तु, आनन्दित करने वाला या सौदर्य सम्बन्धी कार्य।

कर्मजीव योग

लग्र से दसवें भाव में शनि उपस्थित हो या सूर्य या चन्द्र से दसवें भाव में शनि हो तो कर्मजीव योग होता है। (बृहत् जातक)

फल : व्यक्ति का व्यवसाय या सामाजिक स्तर परिश्रम सम्बन्धित होता है - जैसे भार वहन करना या निम्न स्तर का व्यापार करना जो कि पारिवारिक परंपराओं के खिलाफ हो। (शनि)

भ्रातृवृद्धि योग

तृतीयेश या मंगल या तृतीय स्थान शुभ ग्रहों से वृष्ट हो या युत हो और शक्तिशाली हो तो यह योग होता है। (सर्वथ चिन्तामणि 4/16)

फल : जातक भाईयों या आश्रितों द्वारा अच्छा भाग्य बनेगा जो कि बेहद सम्पन्न होगे।

बंधु पूज्य योग

चतुर्थ भाव या चतुर्थेश (बृहस्पति) गुरु से युत हों या गुरु से वृष्ट हों तो यह योग होता है। (सर्वथ चिन्तामणि 4/65)

फल : जातक परिवार एवं मित्रजनों से आदर प्राप्त करता है।

मातृदीर्घायुर योग

नवमांश का स्वामी राशि का स्वामी चतुर्थेश के साथ बली होकर लग्र या चन्द्र चन्द्र से केन्द्र में हो तो मातृदीर्घायुर योग होता है। (सर्वथ चिन्तामणि 4/132)

फल : जातक की माता दीर्घजीवी होगी।



वाहन योग

लग्नेश चतुर्थ भाव या नवम् भाव हो या एकादश भाव में हो तो वाहन योग होता है। (सर्वर्थचिन्तामणि 4/162)

फल : जातक का स्वयं का वाहन होगा तथा अन्य भौतिक सुविधा, प्राप्त होगी।

औरसपुत्र योग

पंचम भाव में शुभ ग्रह हों या इस भाव में शुभ राशि स्थित हो या यह भाव शुभग्रहों द्वारा दृष्ट हो तो औरसपुत्र योग होता है। (सारावली 34/25)

फल : जातक को स्वयं भी वैद्य पत्नी से वैद्य संतान होगी।

जपध्यान समाधि योग

नवमांश राशि का स्वामी बली दशमेश के साथ हो तथा नवमेश एवं दशमेश के बीच आपसी सम्बन्ध हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थचिन्तामणि 7/2/41)

फल : जातक जप, ध्यान और समाधि में रत रहेगा।

अरिष्ट भंग योग

बली बुध, बृहस्पति या शुक्र केन्द्र में किसी भी भाव में स्थित हों तो अरिष्ट भंग योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग बालारिष्ट योग को जो नवजात शिशु भी मौत का संकेत देता है, को भंग करता है।

अरिष्ट भंग योग

राहु लग्न से तृतीय भाव में हो या षष्ठम भाव में हो या एकादश भाव में हो तो अरिष्ट भंग योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग बालारिष्ट योग, जो कि नवजात शिशु की मौत का संकेत देता है, को निरस्त या भंग करता है।

पूर्णायु योग

लग्नेश और अष्टमेश दोनों चर राशि में हों या एक द्विस्वभाव राशि में, दूसरा स्थिर राशि में हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की दीर्घायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है।

पूर्णायु योग

लग्न और होरा लग्न दोनों चर राशि में हो या एक द्विस्वभाव राशि में और दूसरी राशि में हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की पूर्णायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है।

Mr. Ahuja



मृतका योग

शानि दशम् भाव में, शुभ ग्रह से वृष्टि नहीं हो तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14/58)

फल : जातक श्रेष्ठ सेवक होगा।



कुण्डली में सम योग

आश्रय योग - मुसलयोग

यदि लग्र स्थिर राशि में हो तथा कई ग्रह स्थिर राशि में हों तो मुसलयोग होता है।

फल : मुसल योगोत्तर जातक मानी, ज्ञानी, धनसम्पत्तियुक्त, राजप्रिय, विख्यात, अनेक पुत्रवान् तथा स्थिर बुद्धि वाला होता है। जातक विश्वसनीय, निश्चित, दृढ़, और स्थायित्व युक्त होता है। जो भी हो जातक दुराग्रही (जिद्दी), शीघ्र निर्णय लेने में असमर्थ, और परिवर्तन स्वीकार करने में कठिनाई महसूस करता है। बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 36, श्लोक 7, 20)

अधम योग

यदि सूर्य से केन्द्र में (1, 4, 7, 10) चन्द्रमा हो तो अधम योग होता है।

फल : यदि अधम योग में उत्पन्न हो तो द्रव्य, सवारी, यश, सुख, सम्पत्ति, ज्ञान, बुद्धि, निपुणता, विद्या, उदारता और सुख योग, इनका बहुत कम फल प्राप्त हो। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 14, 18)

बहुस्त्री योग

लग्रेश और सप्तमेश साथ हो या आपस में एक दूसरे से वृष्ट हों तो यह योग होता है। (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक के कई पति / पत्नी होंगे।

गोहन्ता योग

पापग्रह बिना किसी शुभ ग्रह की वृष्टि के केन्द्र में हो और बृहस्पति अष्टम स्थान पर हो तो यह योग होता है। (वृहत् जातक)

फल : जातक कसाई के रूप में अपने रोजगार का चुनाव करता है।

मध्यायु योग

लग्र और चन्द्र दोनों द्विस्वभाव राशि में या एक चर राशि में और दूसरा स्थिर राशि में हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की मध्यायु 70 वर्ष तक को दर्शाता है।

सूर्य चन्द्र योग

सूर्य और चन्द्र एक ही भाव में हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : जातक शूरवीर, अहंकारी, पत्थर का कार्य करने में दक्ष, मशीन और औजारों के कार्य में प्रवीण, अत्यधिक सम्पन्न, रुखा या निष्ठुर, निर्दयी और आसानी से महिला के समक्ष झुक जाने वाला होता है।

बुध शनि योग

बुध तथा शनि यदि किसी भाव में युत हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

Mr. Ahuja



फल : जातक का शारीरिक गठन अनाकर्षक होता है। वह ज्ञानी, धनी, बहुत से लोगों का पालन करने वाला, झगड़ालू, चंचल मन का, विभिन्न कलाओं में दक्ष, अपने से बड़ों की आज्ञा की अवहेलना करने वाला तथा धोखेबाज होता है।



कुण्डली में अशुभ योग

शकट योग

बृहस्पति लग्र से केन्द्र में न हो तथा चन्द्रमा से बारहवें में हो तो शकट योग बनता है।

फल : जातक दीन हीन (निराश्रय), दरिद्र, हमेशा मुश्किल में फंसा हुआ, सबका अप्रिय तथा सदा भाग्य में उतार चढ़ाव आता रहता है। जातक अनासक्त (अलग), गृह विहीन, दीर्घायु तथा दूसरों के उपकार व दया पर जीने वाला होता है।

निःस्वयोग

दूसरे घर का मालिक 6, 8, 12 इन तीनों स्थानों में से कहीं हो तो "निःस्वयोग" होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 59)

फल : "निःस्व" का अर्थ है जिसके पास अपना कुछ न हो अर्थात् दरिद्री। जातक के दांत और नेत्र खराब होते हैं। अच्छे वचन नहीं बोलता। कुटुम्ब भी विफल होता है। जिसके कुटुम्ब में बहुत से आदमी हों वह सफल कुटुम्ब जिसके घर में स्त्री, पुत्र कन्या आदि न हों मान लीजिये कि केवल मात्र स्त्री है तो वह विफल कुटुम्ब हुआ। निःस्व योग वाला मनुष्य अच्छी संगति में नहीं रहता। ऐसा व्यक्ति बुद्धि, पुत्र, विद्या और वैभव से हीन होता है। उसके धन को शत्रु लोग हर लेते हैं।

पामर योग

यदि पंचमेश दुःस्थान में पड़ा हो तो पामर योग होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 62)

फल : जातक दुःख से जीवन व्यतीत करता है। ऐसा व्यक्ति असत्य बोलने वाला अविवेकी तथा वंचक (दूसरे को ठगने वाला) होता है। ऐसे जातक को संतान सुख नहीं होता या तो संतान होवे ही नहीं या होकर मर जावे। यदि सन्तान चिरजीवी हों तो भी उनसे सुख प्राप्त न हो पिता के प्रति कर्तव्य पालन न करने वाली बल्कि पिता को संताप देने वाली पितृद्वेषी सन्तान होती है। ऐसा व्यक्ति नास्तिक होता है और छोटे तथा दुष्ट आदमियों की सोहबत करता है। ऐसे व्यक्ति बहुत अधिक भोजन करते हैं अर्थात् पेटू होते हैं।

वंचन चोर भीति योग

लग्रेश पापयुक्त (शनि, राहु या केतु के साथ) हो।

फल : जातक को अपने आस-पास के लोगों पर संदेह रहता है कि वे उसे धोखा न दे दें। ठग चोरों से भय होता है। सर्वर्थ चिन्तामणि (अध्याय 2, श्लोक 76)

देहकष्ट योग

लग्रेश यदि पापग्रह के साथ हो या अष्टम भाव में हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/109)

फल : जातक को शारीरिक सुख के अभाव में जीवन यापन करना होगा।

कृसंग योग

लग्रेश यदि शुष्क राशि में हो या उस राशि में हो जिसका स्वामी शुष्क ग्रह हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/83)



फल : जातक को शारीरिक कष्ट और पीड़ा होगी तथा जातक कृशकाय होगा ।

मूक योग

यदि द्वितीयेश (बृहस्पति) गुरु के साथ यदि अष्टम भाव में स्थित हो तो मूक योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/30)

फल : जातक गूंगा हो जाएगा ।

विषप्रयोग योग

द्वितीय भाव में पापग्रह हो अथवा पापग्रह से वृष्टि हो और द्वितीयेश कूर नवमांश में पापग्रह द्वारा वृष्टि हो तो विषप्रयोग योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/143)

फल : जातक को दूसरों से विषपान सम्बन्धी संकट उत्पन्न हो सकता है । (दूसरों द्वारा उसे जहर दिया जा सकता है)

बंधुभीष्यकता योग

यदि चतुर्थेश पापग्रहों से जुड़ा हो या नीच षष्ठिमांश में हो या शत्रु राशि में या दुर्बल राशि में हो तो यह योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/68)

फल : जातक अपने निकटवर्ती परिजनों के कारण संकटग्रस्त होगा तथा गलतफहमी का शिकार हो उनके द्वारा त्याग दिया जाएगा ।

मातृशां योग

चन्द्रमा यदि पापग्रहों के बीच पीड़ित (फँस) जा, या पापग्रहों से युत हो या वृष्टि हो तो यह योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/133)

फल : जातक की माँ का निधन शीघ्र हो जाता है ।

अरिष्ट योग

लग्नेश यदि षष्ठमेश, अष्टमेश या द्वादशेश के साथ हो या एक दूसरे से वृष्टि हो तो यह योग होता है । (यदि द्वितीयेश और सप्तमेश का दखल हो तो इसका प्रभाव और अधिक गम्भीर हो जाता है) (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक का स्वास्थ्य खराब रहेगा । (ग्रह जो यह योग बनाते हैं वे इस सम्बन्ध में विशिष्ट जानकारी दे सकते हैं)

अरिष्ट योग

यदि षष्ठमेश अष्टमेश या द्वादशेश के साथ हो या आपस में एक दूसरे से वृष्टि हो तो यह योग होता है । (यदि द्वितीयेश और सप्तमेश का दखल हो तो इसका प्रभाव और अधिक गम्भीर हो जाता है) (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक का स्वास्थ्य खराब रहेगा । (ग्रह जो यह योग बनाते हैं उनसे इस सम्बन्ध में विशिष्ट



जानकारी मिल सकती है)

अरिष्ट मतिभ्रम योग

षष्ठमेश पापग्रहों से वृष्ट या युत हो षष्ठम भाव में पापग्रह स्थित हों या षष्ठम भाव पापग्रह से वृष्ट हो बुध व चन्द्र द्वास्थान पर हो या पापग्रहों से वृष्ट हों तो यह योग होता है। (मेजर एस. जी. खूट)

फल : जातक मानसिक असंतुलन से ग्रस्त रहेगा।

दरिद्र योग

शुभ ग्रह पाप भावों में स्थित हों और पाप ग्रह शुभ भावों में स्थित हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : जातक गरीबी, कंजूसी और खराब स्वास्थ्य से पीड़ित हो सकता है।

अल्पायु योग

केन्द्र में शुभ ग्रह न हो और अष्टम भाव में हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक को अल्प आयु या 32 वर्ष तक की आयु का संकेत देता है।

अल्पायु योग

तृतीयेश और मंगल अस्त, पाप ग्रहों से पीड़ित हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक को अल्प आयु या 32 वर्ष तक की आयु का संकेत देता है।

योगारिष्ट (योगज आयु) योग

लग्नेश और अष्टमेश यदि पापग्रह हो और षष्ठम और द्वादश भाव में गुरु न हों तो यह योग होता है। (जातक पारिजात)

फल : जातक की कुल आयु अठारह वर्ष होगी। (ध्यान रहे कि यह एक पृथक विचार है। इसके सत्य होने के लिए अन्य संकेतों का होना आवश्यक है। अरिष्ट भंग योग इस योग को निरस्त करता है।)

मंगल शुक्र योग

मंगल तथा शुक्र की युति किसी भाव में होने पर यह योग बनता है। (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक धोखेबाज, झूठा या सटेबाज होता है। वह औरों के जीवनसाथी के प्रति झुकाव रखता है तथा लिंग के स्वाभाविक रूप से भिन्न रुख अपनाता है। वह सभी द्वारा नकारा जाता है, पर गणित विषय में दक्षता हासिल किये होता है। जातक पहलवान चरवाहा हो सकता है तथा व्यक्ति विशेष के सदुगण (नेकी) के आधार पर जन समुदाय में पहचाना जाएगा।

मंगल शुक्र शनि योग

मंगल, शुक्र तथा शनि किसी भाव में साथ हों तो यह योग होता है। (डॉ. के. एस. चरक)

Mr. Ahuja



फल : जातक के पास विदेशी आवास होता है। उसकी संतान खराब होती है तथा किसी खूबसूरत नारी द्वारा अपमानित होता है।



जीवन फलादेश



आपने अपने व्यक्तित्व को गरिमा युक्त व उल्कृष्ट बनाया है। आपमें अनेक अच्छे गुण हैं। आपका चरित्र अच्छा है तथा स्वभाव से आप रोचक है। आपका व्यक्तित्व बहिर्मुखी है।

बाहर से आप सहनशील व उदार दिखाइ देते हैं, भीतर से आप संदेहशील हैं। आप कर्तव्य निष्ठ व्यक्ति हैं और दूसरों की सेवा करने का उत्तरदायित्व भी निभाते हैं। आप ज्यादा से ज्यादा व्यक्तियों को उनके लाभ के लिए अपने संस्थान से जोड़ना चाहते हैं।

आप गंभीर व्यक्ति हैं। आप गूढ़ व्यक्ति हैं।

आपका व्यक्तित्व सदाचारी है। आप चतुर हैं। आप समझदार हैं तथा जानते हैं कि विकास किस प्रकार किया जा सकता है। आप संतुलित इंसान है।

आप आदर्श रूप से कर्म प्रधान हैं व निष्क्रिय नहीं हैं। आप ओजस्विता व लक्ष्यपूर्ण हैं यद्यपि आप अन्तर्मुखी हैं। आप विश्वास के साथ कार्यारम्भ करते हैं। आप धीरे-धीरे समय के साथ आत्मनिर्भर होते जाएंगे। आप अपना सुख सकारात्मक सोच व नई कोशिश में खुलेपन से प्राप्त करना चाहते हैं। आप बहुत आवेगशील हैं। आप स्वनिर्मित इंसान हैं, व अपने लक्ष्य प्राप्ति पर आनन्दित होते हैं। आप अपनी रचनात्मकता को अपनी लक्ष्य प्राप्ति के लिए लगाते हैं। आपमें समझदारी, दृढ़ता है तथा उपयोगी दिव्य सम्मोहन है, जो आपसे बहुत कुछ करवा देता है।

आप निरंकुश हो सकते हैं। आप जो भी चाहते हैं, उसमें आपको सफलता मिल जाती है। आप किसी भी चुनौती का सामना कर सकते हैं।

आपको निर्जन और एकान्त स्थान पसंद हैं। आप ऐसे एकान्तप्रिय व्यक्ति हो सकते हैं जिसके व्यवहार के बारे में निश्चित तौर पर पहले से कुछ भी नहीं कहा जा सकता है।

आप घमण्डी हैं। आप भौतिक संसाधनों का रसास्वादन करते हैं। आपको विरोधी विचार पसंद नहीं आते हैं। कभी-कभी आप अपनी राय पर इतने कायम हो जाते हैं कि उसे दूसरों पर थोपने का प्रयास करते हैं।

आप अपने कष्ट और दुःख दूसरों को प्रदर्शित नहीं करते हैं। आपका अति प्रबल या प्रधान व्यक्तित्व संबंधों को कठिन या दुष्कर बनाता है। आप सामाजिक नियमों या प्रस्थापित धर्मों के प्रति कुछ चिड़चिड़े हो सकते हैं।

आप अधीर हैं, तथा निष्कर्षों पर शीघ्र पहुँच जाते हैं। आप एक बहुत आक्रमक इन्सान हैं।

आप दूसरों को सरलता से आपकी आगवानी करने देते हैं। जब आप स्वयं को, एक भाग्यवादी आत्मसमर्पण की भाँति निष्क्रिय होने देते हैं, तो सबसे बुरी चीज आपके साथ घटित होती है।



आप सिद्धान्तवादी नहीं हैं, पर न ही आप बाधाओं के प्रति सावधान रहते हैं।

यदि आप हानि सहन कर लें, व प्रतिशोध से दूर रहें, तो आप स्वयं देखेंगे कि आप वह सब पुनः प्राप्त कर रहे हैं जिन्हें आपने खो दिया था। आप पा सकते हैं कि आपको असामंजस्य या भटकने की प्रवृत्ति को दूर करने के लिए कुछ कार्य करने पड़ते हैं।

दूसरों के साथ सभा एवं व्यापार करना आपके लिए संतोष लायेगा। यह प्रायः सम्भव है कि आप दूसरों को सुरक्षा तथा संतुष्टि प्रदान करके स्वयं के लिए संसाधन (उदाहरण स्वरूप अचल सम्पत्ति) जुटा लें। बच्चों तथा निवेश के द्वारा प्रसन्नता से संबंधित कुछ कठिनाईयाँ होंगी।



आप आकर्षक हैं। आप सम्भवतः हृष्ट-पुष्ट हैं। आपका सीना चौड़ा है तथा अपकी जंघाएँ, घुटने तथा टाँगे गोलाकार हैं। आप केश काले हो सकते हैं। आपका मुखमण्डल उत्तम है। आपका मुखमण्डल पीला पड़ा हुआ है। आपका मुखमण्डल रक्तिम है। आपका मुखमण्डल श्यामल है। आपके चक्षु तीक्ष्ण, नियोजित परन्तु चमकदार हैं। आपके चेहरे या सिर पर मस्सा हो सकता है।

आप शाही किन्तु शान्त हैं।

आप अत्यधिक स्पष्टवादी, सीधे तथा मुँह-फट हो सकते हैं। आप बातचीत में पूर्णतः स्पष्ट हो सकते हैं।

आप एक मुक्त विचारक हैं। आप मंजे हुए वक्ता हैं, आप अधिकार के साथ बोल सकते हैं। आप सुस्पष्ट एवं बुद्धिमान हैं।

आप वही बोलने को प्रवृत्त हैं, जो आवश्यक होता है। जहां तक आपके भाषण से संबंध है, आप देखने से पहले ही कूद जाते हैं। खामोश रहकर आप गलत समझे जा सकते हैं। आप अपने भाषण के साथ चतुर या रहस्यमयी बनने का प्रयास कर सकते हैं।

आप संभवतः शर्मिले हैं, तथा बहुत अधिक बोलते नहीं हैं।

आप शीघ्र क्रोधित होने वाले हैं तथा भाषण में अपरिपक्ष हो सकते हैं।

आपने बचपन में देरी से भाषा ज्ञान सीखा तथा बोलने में कुछ अटकते थे।



आप सामान्यतः अदुभूत, स्पष्ट व क्रियात्मक सोच रखते हैं।



पेरेशान या अस्त-व्यस्त मस्तिष्क के बाद भी गणित व वैधानिक विवादों में प्रतिभा रखते हैं। आप का मस्तिष्क तीक्ष्ण है। आप अति संवेदी व जीवन के छुपे कोनों को खोजकर ग्रहण करने वाले हैं। आप समझते हैं कि आपकी सीखने की क्षमता कमजोर है परन्तु वास्तव में आप अति प्रतिभावान व सृजनात्मक तरीके से समझने की क्षमता रखते हैं। आपको नियमों को स्वीकारने में तथा परम्परागत मूल्य के साथ साम्य समर्पित करने की परेशानी नहीं होती। एक बार लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करने के बाद आप इसे पूरा करते हैं।

आपका मानस उत्साही, संतुलित व प्रसन्न है। आपका दिमाग संसाधनों से युक्त व संवेदी है। आपका मन दूरदर्शी है। आप गूढ़ व गहरे राज को जानना चाहते हैं अतः अपराधियों के बारे में आपका ज्ञान गहन है।

आप उन चीजों/बातों का मानसिक अवलोकन कर सकते हैं जिन्हें दूसरे समझ नहीं पाते। आप जो सोचते हैं उसे बताने में हिचकिचाते हैं। आपकी मानसिक योग्यता दूसरों से छुपी है अतः आपकी प्रतिभा को पहचानने में कठिनाई होती है। आपका अस्थिर दिमाग ध्यान में व प्रेम प्रसंगों में बाधा पैदा करता है।

आप कई बार अवर्णनीय रूप से घबरा जाते हैं।

आप शान्त मन के व्यक्ति हैं व आसानी से परेशान नहीं होते हैं। आप की आत्मा पवित्र है। आपके चारों ओर का वातावरण व व्यक्ति आपको प्रभावित करते हैं। आप स्वयं की भावनाओं से सुपरिचित हैं तथा अच्छे श्रोता हैं। आप ज्यादा संवेदनशील हैं तथा विचारों से ज्यादा भावनाओं को सुनते हैं। कभी-कभी जीवन की उत्तरति की गति मन्द प्रतीत होती है।

आप अपनी मौज में चले जाते हैं। आप बौद्धिक चिन्ता से ग्रसित हैं। आप अपनी तर्क-शक्ति के प्रति दुर्बलता अनुभव करते हैं। जीवन में निराशा, कुण्ठा की भावना उत्पन्न कर सकती है। कई सम्पर्क आपके लिये असमंजस भरे साबित होंगे। आप अन्तर्मुखी, कभी-कभी परेशानी भरे तथा आन्तरिक रूप से सक्रिय हैं। दृढ़ इच्छा शक्ति के बाद भी वातावरण व भावनात्मक कारक परिस्थितियां भावनात्मक उथल-पुथल मचा देंगे।

आपका स्वभाव उग्र और संवेदात्मक हो सकता है व भाषा भी उसी प्रकार की होगी। भावनात्मक रूप से व्यक्ति गति होने पर आप अपने गुजरे वक्त के बारे में सोचते हैं।

आप विषयपरक मुद्दों के बारे में अपने विचार स्वयं तक रखते हैं तथा अपनी भावनाओं के द्वारा ही अपना मार्ग प्रशस्त करते हैं।

आपकी बुद्धि तीक्ष्ण होगी। आपकी बुद्धि प्रखर व तार्किक है। आपकी विकसित छठी इन्द्री आपको आने वाली समस्याओं के बारे में चेता देती है।

आप सतर्क बुद्धि के स्वामी हैं।



आप अच्छी शैक्षणिक ऊँचाइयाँ पा सकते हैं। आप अपना भविष्य, शिक्षा व दूसरे सम्बन्धित क्षेत्रों, को सावधानी से नियोजित



करते हैं।

कुछ आध्यापकों का आपके जीवन पर अमिट प्रभाव है। आप अपने गुरु से काफी प्रभावित हैं। आपका शिक्षक सम्भवतः आपके जीवन में अधिक साथ नहीं होगा।

आपकी रसायन, औषधि, शल्य चिकित्सा, आयुर्वेद तथा अन्य और प्रकार की चिकित्सा में रुचि है। आपकी उच्च शिक्षा आपकी जीविका का आधार बनेगी। शिक्षा आपकी जीविका का उत्तम आधार बनेगी। आप एक शिक्षित दायरे में रहना पसंद करते हैं अतः उच्च शिक्षा के लिए कभी भी जा सकते हैं।

आप अनेकों समस्याओं, विम्बों व बाधाओं के बाद उपाधि हासिल करेंगे। आपने जिस तरह से सोचा उस तरह से योजनाबद्ध रूप से, कुछ रुकावटों के कारण, अपनी शिक्षा पूर्ण नहीं कर पाएंगे। चुनौतियां या बाधाओं के कारण आप छुपी हुए तरीके से अपनी शिक्षा पूर्ण करेंगे। आप की शिक्षा औसत से भिन्न है।

आपके पास शैक्षणिक, पण्डिताई संबंधित, आध्यात्मिक, साक्षरता तथा वैज्ञानिक उपलब्धियों जैसे कई क्षेत्रों का महत्वपूर्ण ज्ञान है। आप मानवीय मनोविज्ञान में श्रेष्ठ हैं। आपको जीवन के छुपे क्षेत्रों की जानकारी व ज्ञान प्राप्त होगा। आपको धर्म संबंधी, काव्य संबंधी व अन्य सधन मानवीय सीखने के क्षेत्रों का ज्ञान है।

आप अपने जीवन को अपने ग्रहण किये ज्ञान पर निर्भर रखते हैं। आप पांच इन्द्रियों को नियंत्रित करने का ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं व सफल होंगे।



आप किसी न किसी कार्य में श्रेष्ठ हैं व इसके लिये जाने जाते हैं। आपकी कुशलता लगातार विकसित हो रही है। आप हमेशा कार्य पूर्ण करते हैं।

आप में समस्या को खोजने का धैर्य व तर्कसंगता है व उसे हल करने की योग्यता भी। आप लक्ष्य प्राप्ति के लिये ध्यान व समझौतों के तरीकों का इस्तेमाल करेंगे। आपका प्रभावशाली सामाजिक जीवन, लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक होगा। आप अन्य लोगों को सहज बनाने में व समूह में काम करवाने की योग्यता रखते हैं। आप में उल्कृष्ट संपर्क योग्यता है जिसका आप व्यवसाय में उपयोग करते हैं। आप में राजनैतिक बुद्धि है।

आप वातावरण के साथ सामंजस्य में है तथा व्यवस्थित तरीके से सोचने में कुशल हैं, व जो परिणाम प्राप्त होते हैं वे प्रारम्भ से ही सफल होते हैं। आपमें दूरदर्शी व्यवस्थापन व संचालन की योग्यता है। आप अच्छे संचालक व व्यवस्थापक हैं तथा पैसे के मामले में अति सावधान व व्यवहारिक हैं।

आप में वो अन्तर्दृष्टि है जो कुछ ही लोगों को मिलती है। आप दूसरों के चेहरे पढ़कर उनके चरित्र को समझ सकते हैं।

आपकी सही व मददगारी स्थितियों को चुनने की क्षमता आपके लिये भाग्य वद्धक रहेगी। आप में एक आर्थिक सलाहकार की अच्छी योग्यता है। आप उस धन के साथ निवेश की अच्छी योग्यता रखेंगे जो आपके साझीदार या आप से जुड़े किसी अन्य व्यक्ति का है। व्यर्थ व बेकार जमीन - जायदाद को किसी मूल्यवान चीज़ से बदल सकने की कला आप में है। आप पुराने घर, वाहन या फर्नीचर के श्रेष्ठ दलाल हो सकते हैं। आपके पास चिकित्सिय कौशल, उपचार में दक्षता व रसायनों के साथ कार्य करने की योग्यता हैं।



सफल सौदों के लिये सही सम्पर्क नहीं बना पाने के कारण आप असफल रहते हैं। आपको दूसरे व्यक्तियों को अपने विचार समझाने में दिक्कत होती है।

आप अच्छी विवाद योग्यता रखते हैं फिर भी अपनी शैक्षणिक व बोलने की योग्यता के प्रति असुरक्षित हैं।

आप मंत्र व संगीत की समझ रखते हैं। आप यान्त्रिक समस्याओं को जल्दी निपटा देते हैं।

आप परीश्रमी हैं।

आप अच्छे तैराक हैं।



आप सरल, शान्त व सुव्यवहारिक हैं। आप बाहरी रूप से अपने व्यवहार में कठोर व अक्खड़ दिखाई देते हैं, पर अन्दर से कोमल व निर्मल हैं।

आपमें धार्मिक रुद्धान हैं जो की अन्य धर्म व आध्यात्म के आदर के रूप में सामने आता हैं।

आपमें उच्च नैतिकमूल्य है तथा आप अधिकारयुक्त कार्य करते हैं। आपमें अपने दायित्व के प्रति नैतिक ज्ञान है और आप कई अच्छे कार्य करते हैं। आप नजर में आने वाले व अलग प्रकार के कई कार्य करेंगे जिससे अत्यन्त सम्मान प्राप्त करेंगे। आपमें नितिगत व धार्मिक क्रियाओं का भान है और आप बढ़ो का सम्मान करते हैं। आप अपने समूह के लोगों के लिये मददगार हैं। आप दूसरों के भले के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। आप समाज को प्रभावित करने वाले कार्यों में सदैव सच्चे मन से लगे रहते हैं। आप उदार हैं और अपने राजमर्मा के कार्यों में दूसरों की भलाई के बारे में सोचते हैं। आप समाज की भलाई के लिए बहुत से अच्छे कार्य करते हैं। आप अधिकारियों, बुर्जुगों और पुरातन लोगों की बुद्धिमता का सल्कार करते हैं।

आपके नकारात्मक व्यवहार से स्वयं को नुकसान हो सकता है और आप गलत रास्ते पर जा सकते हैं। आप कभी-कभी पिता, अध्यापक और नियोक्ता के प्रति कठोर हो सकते हैं। आपके पास भले ही उत्तम विचार हों पर बहुदा आप वह नहीं कर पाते जो आप कहना चाहते हैं। आपको यदि कोई आहत पहुँचाता है तो आप उसे आसानी से भुला नहीं पाते। अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए कहानियाँ गढ़ने और दूसरों का फायदा उठाने के लिए धोखे या विधि विरुद्ध साधनों का उपभोग करने के आप विरुद्ध नहीं हैं।

आप भड़कीले और क्रोधी स्वभाव के हो सकते हैं क्योंकि आप एक नेता बनना चाहते हैं। आप यदि असंवैदानिक गतिविधियों में शामिल होते हो तो आप अपकार के लिए अविश्वसनीय प्रवीणता दर्शित कर सकते हैं।





आप सुंदरता की उसके प्रत्येक रूप में प्रशंसा करते हैं।

आपकी वस्त्रसज्जा, बागवानी और पाक-कला में विशेष रुचि हो सकती है। आप चिकित्सा में रुचि रखते हैं। आपकी रुचि दर्शन, विधि और आध्यात्मिक ज्ञान में है। आपकी रुचि प्राकृतिक या अप्राकृतिक मृत्यु जैसे हूबना, अग्नि, दुर्घटना या आत्म-हत्या इत्यादि के आंकड़ों के संबंध में है। आपकी रुचि योग और जादूगरी में हो सकती है। आपको लाभ-जीत और अपनी इच्छापूर्ति पसंद है।

आपकी प्रकृति में घर, कार्य और संबंधों में स्थिरता नियत है। आप निवेश और आकलन पसंद करते हैं।

आपको कला, फिल्म अदाकारी पसंद है। आपको प्रकृति, सौन्दर्य, कविता और साहित्य से लगाव है।

आपका रुझान आध्यात्म की ओर है और आपको धार्मिक पुस्तकें पसंद हैं। आपको आजादी पसंद है और आपके आध्यात्मिक गुरु के साथ आपके संबंध अति प्रबल हो सकते हैं। आपके मन में सामान्य व्यक्ति की तुलना में मृत्यु का भय बहुत कम है।

आपके प्रति जो पशु प्रेम भाव रखते हैं उनसे आप भी प्रेम प्रदर्शित करते हैं। आपके पालतू पशु समस्याप्रद हैं।

आपको रोजमर्ग के नीरस कार्य पसंद नहीं हैं। आपको आकर्षण का केन्द्र होना पसन्द नहीं है।

आपको गर्म, मसालेदार भोजन, कॉफी और मदिरा पसंद हो सकती है जो कि आपके लिए अच्छा नहीं है।



आपको व्यायाम के लिए समय नहीं मिलता।

आपके पावों के निचले भाग में कमजोर परिसंचरण के कारण उत्तकों और नसों की सूजन की समस्या हो सकती है। आपके उदर में किसी छिपे हुए रोग की आशंका है। आपको मधुमेह, जननांग या पाचन संबंधी समस्या हो सकती हैं। आपके लिवर को ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है, ऐसा भोजन ना ले जो इसे नुकसान पहुचाएं। आप वृद्धावस्था में बहरे हो सकते हैं या आपको कानों से संबंधित अन्य समस्याएँ हो सकती हैं। आपकी प्राणशक्ति दिन की तुलना में रात में अधिक शक्तिशाली है।

आपको नौका विहार के दौरान सावधान रहना चाहिए।



आप अपने अभिभावकों के नजदीक हैं। आपके अभिभावक सरल, अन्तर्मुखी, अध्ययनशील व्यक्ति हैं।

आपकी माता की रुचि दैवीय तत्वों की ओर है वे अपने मित्रों पर इसे प्रभावी रूप से लागू करती हैं। वे दूसरों की मदद करती हैं क्योंकि उनमें अन्तर्दृष्टि है और मानव स्वभाव की जानकारी रखती हैं। रक्षात्मक होने पर वे कुछ उप्र हो जाती हैं। उनकी



असाधारण और नवीन पद्धतियां दूसरों के लिए दुरुह होती है और वे विरोध करते हैं। आपकी माता वैज्ञानिक और क्रियाशील वस्तुओं के बारे में उत्साही हैं। वे दूसरों पर प्रभाव डालने और प्रभावशील व्यक्तियों से संपर्क बनाने में समर्थ हैं। आपकी माता का सामना विषम परिस्थितियों से हो सकता है जो उनकी स्वयं की योजना, कार्य या संवाद का उत्पाद हो सकती है। वे किसी एक ही विषय पर एक साथ पक्ष या विपक्ष में बोल सकती है। वे कार्य की नयी युक्ति निकाल लेती है। उनकी शिक्षा संभवतया बीच में छूट गयी थी। आपकी माता को अध्ययन अति प्रिय है। उन्हें अपने मित्रों के व्यवहार और चरित्र का अंकलन करना अच्छा लगता है। वे एक नवीन नकनीकी अपनाने वाली और बुद्धिमान महिला हैं जो एक आलोचनात्मक प्रबंधक या अच्छी पथप्रदर्शक हो सकती हैं। वे चूंकि दैवीय बाधाओं को नहीं समझ पाती इसलिए कभी-2 हताश हो जाती हैं। उनका व्यक्तित्व दक्ष लोगों और विदेशियों के साथ कार्य करने के अनुकूल है। आपकी माता के जीवन में आध्यात्मिक ऊर्जा आ सकती है। वे व्यक्तिगत जीवन को मानवता के हित के लिए उत्थान में लगाती हैं। कभी-2 आन्तरिक भावनाओं से उनके कारोबारी और पारिवारिक जीवन में कोई परिवर्तन आ सेकता है। वे किसी बात पर संवेदनशील और आंतरिक तौर पर विचार करती है अतः एकान्त में वे बेहतर निर्णय ले पाती हैं। वे अपने दायित्वों का शीघ्रता से निष्पादन कर देती है। आपकी माता दार्शनिक और गंभीर प्रकृति की महिला हैं। आपकी माता स्तरीय महिला है। आपकी माता के विचार, जिस वस्तु को वह चाहती है उस पर स्पष्ट है और प्रत्येक वस्तु के बारे में निश्चित वृष्टिकोण है। सामाजिक वार्तालाप से आपकी माताजी को प्रेरणा मिलती है और उक्सर आराम का बोध होता है। आपकी माताजी सकारात्मक, हवाई, मानवीय और बातूनी हैं। आपकी माताजी अपने दुर्खों को हँसी में छिपा लेती हैं। आपकी माताजी आदर्श रूप में पहले हैं। आपकी माता को आरामदायक, कलात्मक और राजसी जीवन पसंद है। आपकी माता कला, संगीत और सांस्कृतिक उपलब्धियों को सराहती है और इसके साथ सहज महसूस करती है। आपकी माता को इन्टरनेट पर दूसरों से वार्ता करना पसंद है। आपकी माता को ज्ञानार्जन पसंद है।

आपकी माताजी को कार्य के समय आस-पास आवाज पसंद नहीं है। आपकी माता अपने कार्य में अवैयक्तिक है। आपकी माता का भाषण बुझा हुआ, अव्यवस्थित अपूर्ण, अस्पष्ट या द्विअर्थी हो सकता है।

आपकी माता विवाह और स्वलंघन से ग्रस्त हो सकती है। आपकी माता में अपने ज्ञान को दूसरों तक पहुंचाने की योग्यता है। आपकी माता खोज की यात्राओं के लिए सदैव तैयार रहती है। आपकी माता का मिजाज संभवतया ठीक न हो या वे आय जन को प्रभावित करने वाला करिश्मा न जानती है। आपकी माता के बौद्धिक और समझदार लोगों से अच्छे तालुकात है। आपकी माता के लिए भाषा संबंधी समस्या के कारण बाहर के संदेश असाध्य हो सकते हैं। आपकी माता को एकान्त त्याग कर क्रियाशीलता का सहारा लेना चाहिए। आपकी माता के व्यक्तित्व ने आप पर गहरी छाप छोड़ी है। आपकी माता उत्सावर्धक है और सफलता प्राप्त करने में आपको बढ़ावा देती है। आप अपनी माता के समान हैं। आपकी विमाता या दूसरी माता हो सकती है पर वे आपकी उद्देश्य पूर्ति में सहायता करती है। माता को यदा कदा भावनात्मक कष्ट देने के बावजूद आय उनके हित के लिए कार्य करते हैं। आपकी माता और उनके परिवार जन कभी-कभी यह नहीं समझ पाते कि आपके व्यवहार के प्रति वे क्या प्रतिक्रिया व्यक्त करें।

आपके पिता घर या किसी आरामदाय स्थान पर अच्छा महसूस करते हैं। वे अपनों को बहुत ध्यान रखते हैं। वे मेहनती इन्सान हैं। वे भावुक हैं पर साहसिक कार्य करने में समर्थ हैं। उन्हें अपनी कार पसंद है। उन्हें जमीन जायदाद से लाभ प्राप्त हो सकता है। आपके पिता बहुत अच्छे परिवार से है उन्होंने राजनीतिक क्षेत्र में भी उपलब्धि प्राप्त की है। वे निरंतर, बौद्धिक और परम्परागत तरीके व्यवहार करते हैं किन्तु कभी-कभी कठोर हो जाते हैं। वे सामाजिक जीवन में सफल व्यक्त हिं। कुछ लोग सोचते हैं कि आपके पिता दूसरों की नहीं सुनते पर अगर वे सब्र से काम लें तो पायेंगे कि आपके पिता दूसरों की भी चिन्ता करते हैं आपके पिता परिवार का निर्वहण अच्छे से करते हैं वे पर्यावरण का भी ध्यान रखते हैं। आपके पिता मेहमाननवाज हैं तथा उनके घर के दरवाजे उनके मित्रों के लिये हमेशा खुले रहते हैं। आपके पिता में अत्यधिक सफलता प्राप्त की होगी। आपके पिता जिम्मेदारियों को पूरा करने में गर्व से फूल जाते हैं लेकिन मनोवैज्ञानिक रूप से परेशान रहने पर वे मुझ्जा जाते हैं।

आपके पिता कभी-कभी लोगों के लिए अत्यधिक समर्पित हो सकते हैं। आप एक अच्छे परिवार से होंगे तथा आपके पिता प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। आपके पिता को जब प्यार व स्नेह दिये जाते हैं तो वे अत्यधिक वफादारी से इसका प्रति-उत्तर देते हैं। आपके पिता के मिजाज की आकृति लगभग चन्द्रमा के समान जो कि घटती- बढ़ती रहती उसी के अनुसार आपके पिता कभी अत्यधिक कल्पनाशील व प्रगतिशील होते हैं तो कभी कम होते हैं।

आपके पिता जब सक्रिय मस्तिष्क से सोच रहे होते हैं जब सामाजिक पुनरुद्धार के विचारों पर बात कर रहे हों पढ़ रहे हों और



चाहे तर्क-वितर्क कर रहे हों पर वे इन बाहरी क्रियाकलापों के बारे में इतनी जीवंतता से नहीं सोचते लेकिन अपने परिवार की खुशहाली की अत्यधिक परवाह करते हैं। आपके पिता के लिये भावनाओं के आवेश में कार्य करना नुकसान दायक हो सकता है।

आपका अपने पिता से स्नेह है। आप अपने पिता की आज्ञाओं का पालन करने की कोशिश करते हैं। आप अपने पिता से अत्यधिक प्रभावित होते हैं। आप अपने पिता के पद चिन्हों पर चलने वाले या किसी प्रसिद्ध आध्यात्मक या परामर्शदाता के शिष्य हो सकते हैं। आपके पिता के बीच सम्बन्धों में द्वन्द्वात्मक स्थिति हो सकती है। आप अपने पिता दूर हो गये हैं क्योंकि आपके पिता आपका पूर्ण सहयोग पाने में असफल रहे लेकिन आप उनसे अधिक से अधिक सम्पर्क बनाये रखने की कोशिश करते हैं। आप अपने पिता के सहायक हो सकते हैं लेकिन वे अपने रिश्ते में आपकी तुलना में ज्यादा समर्पित होंगे। आपके पिता आपके जीवन में बहुत लम्बे समय तक नहीं रह सकते।

आप अपने परिवार में सम्भवतः सबसे बड़े बच्चे हैं। आप बचपन में थोड़े शर्मिले व अर्न्तमुखी रहे हों।

आप अपने घर को प्यार करने वाले हैं व अपने परिवार से अत्यधिक जुड़े हुए हैं। आप के दादा-दादी अपनी बातों से आपका समर्थन करने वाले हैं। आपको अपने परिवार की खुशहाली में कुछ कमी महसूस हो सकती है। आप परिवार की अशांति से परेशान हो सकते हैं जो कि आपके बच्चों से संबंधित हो सकती है या आपके साझेदारों या भाईयों द्वारा किये जाने वाले नुकसान के कारण हो सकती है।

आपका अगर कोई बड़ा भाई या बहिन है तो उसको जीवन में कुछ परेशानी हो सकती है। आप अक्सर अपने मित्रों भाई बहिनों तथा साथियों के साथ अक्सर चिड़ियां हो सकते हैं। आपका कोई भाई या बहिन आपके जीवन में अत्यधिक प्रभाव डाल सकता है। आपके कोई भाई/बहिन या आप पर निर्भर रहने वाले हो सकते हैं जो कि आप के धन तथा जायदाद को खर्च कर सकते हैं। अगर आप के भाई बहिन होंगे तो बहनों की संख्या भाईयों की तुलना में अधिक होगी।

आपका एक बड़ा भाई/बहिन व्यवसाय में आपकी मदद करेगा/करेगी। आपका एक भाई या बहिन आपको बहुत पसन्द कर सकता है लेकिन बड़े भाई/बहिन के साथ आपके संबंधों में कुछ परेशानियां हो सकती हैं। आपके किसी बड़े भाई/बहिन से आपके संबंधों में कटुता हो सकती है। आपका बड़ा भाई या बहिन तथा आपके बीच प्रतिद्वंद्वता हो सकती है। आप अपने बड़े भाई बहिन या पूर्वस्थापित साथियों के प्रति कटु हो सकते हो। आपका बड़ा भाई/बहिन पेशेवर तथा उच्च पद पर हो सकता/सकती है। आपके बड़े भाई/बहिन के पेशे में विदेश यात्रा या विदेश से संबंध हो सकते हैं। आपका बड़ा भाई/बहिन विदेशी संबंध से अपनी आजीविका कमा सकता/सकती है। आपके बड़े भाई/बहिन व्यापार में आपकी मदद करेंगे। आपका बड़ा भाई/बहिन लू, बूखार, सूजन, कटना जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं।

आपके अपने छोटे भाई/बहिन से मधुर संबंध रहेंगे अगर वो संख्या में एक है। आपका एक भाई या बहिन अत्यधिक सफल रहेगा/रहेगी।

आपके मां के परिवार वाले कुछ चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। आप अपने चाचाजी या सबसे बड़े चचेरे भाई के करीब होंगे। आपकी मां का मित्र आपका बहुत सहयोगी है।



आप अपने प्यार के संबंधों में अत्यधिक भावनाप्रधान हैं। आपकी ओर महिलाएं आकर्षित होती हैं और आपकी मित्रता पसन्द करती है।



आपकी कामवासना प्रबल है। आप अपने साथी के प्रति यौनाकर्षण के कारण आसक्त हो सकते हैं।

आपको प्रगति करने के लिये भावनात्मक व सैक्स के असंतुलन से उबरना होगा। आपको सैक्स में असामंजस्य के विभिन्न स्तरों से गुजरना पड़ सकता है। आपके रिश्तों विपरीत लिंग के साथ सैक्स तक जा सकते हैं।

आपका वैवाहिक जीवन सौभाग्यशाली होगा। आप अपनी भौतिक सुविधाओं की तुलना में अपने कार्य को प्राथमिकता देते हैं लेकिन फिर भी अच्छा वैवाहिक जीवन, घर व बच्चों का आनन्द ले पाते हैं।

आपकी शादी एक से अधिक बार हो सकती है। आपकी दो शादियां हो सकती हैं पहली जल्दी होगी व कम समय तक रहेगी व दूसरी देर से होगी व जीवन भर रहेगी। आप जब अपनी साथी से प्रशंसा व सहानुभूति की अपेक्षा करते हैं तब आप उसके प्रति कठोर हो सकते हैं। आपके रिश्तों अथवा वैवाहिक सम्बन्धों में कुछ दूरी तनाव या सादगी हो सकती है।

शादी गुलाबों की सेज नहीं है आपको धैर्य माफ करना व बहुत ज्यादा जिद्दी न होना सीखना होगा। आपके विवाह से सम्पन्नता आएगी। आपको अपने जीवनसाथी से धन तथा बुद्धिमता दोनों का लाभ होगा यद्यपि आपके वैवाहिक व रोमांस में कुछ परेशानियां हो सकती हैं। आपका जीवनसाथी या साझेदार आपकी आर्थिक समृद्धि में सहायक होगा। आप अपने जीवनसाथी से अत्यधिक आय व सहयोग प्रदान करने में सक्षम होंगे।

आपका जीवनसाथी प्यारा है। आपकी पत्नी उद्देश्यपूर्ण व एकाग्रचित होने के कारण उन चीजों में पूर्ण तटस्थ रहती है जिनसे उनका मतलब नहीं। आपकी पत्नी को स्वभाव का हठीलापन, अपनी योजनाओं को पूरा करने की ताकत देता है। आपकी पत्नी स्वभाव से दृढ़ है। आपकी पत्नी की इच्छाएँ प्रबल तथा मूलभूत हैं। आपका जीवनसाथी विषयासक्त है, परन्तु हो सकता है आप उसका पूर्ण सम्मान न करें। आपकी पत्नी शान से यात्रा करना पसन्द करती हैं-उनके भ्रमण अभियान विस्तृत व्यापार हैं।

आपके जीवन-साथी को भू-संपत्ति के क्षेत्र में सफलता प्राप्त है।

आपके जीवन साथी का आध्यात्म की ओर रुझान हो सकता है एवं वह आपके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

आपके जीवन-साथी विचारशील है परंतु आपके बच्चों से संभवतः इतनी सरलता से आदान-प्रदान नहीं कर पाते। आपकी पत्नी अत्यधिक आधिकारिक हो सकती हैं। आपकी पत्नी के मन पर कभी-कभी भौतिक लालसाएँ विजय पा लेती हैं। प्राकृतिक-प्रवाह की जकड़ में वह स्वार्थी, यहाँ तक कि राक्षसी भी अनुभव कर सकती हैं। आपकी पत्नी सामान्यतः कुद्द नहीं होती परंतु यदि होती हैं तो उनका क्रोध भूकम्प की भाँति हिंसापूर्ण एवं खतरनाक होगा। आपका जीवन-साथी गंभीर उत्थान-पतन से गुजर सकता है।

आपके जीवन-साथी को प्रसव में कठिनाईयाँ आ सकती हैं। आपका जीवन साथी अच्छा कमाता है एवं एक पेशेवर के रूप में कार्य कर सकता है।



आपके अनेक मित्र हैं। आपके अधिकांश मित्र विपरीत लिंग के सदस्य हैं। आप प्राचीन ज्ञान से संबंध रखने वाले अथवा



विचित्र व्यक्तियों से मित्रता करेंगे। आप जिन लोगों का संग विशेषरूप से रहते हैं, उनमें से कुछ व्यक्ति उद्यमी एवं दृढ़ हैं। आप ऐसे लोगों का संग रहते हैं जिनकी रुचि उत्तम है एवं जो सुविधाओं को महत्व देते हैं। आप जिन व्यक्तियों का संग रहते हैं उनमें से अनेक कलात्मक प्रतिभाओं के धनी हो सकते हैं। आपके मित्रों की आय किसी विदेशी संपर्क से है। आपको अवचेतन रूप से लगता है जैसे आप अपने मित्रों से प्रतिस्पर्धा में हैं। आपका जीवन व्यस्त होने के कारण घनिष्ठ मित्रता को बनाए रखना समस्यात्मक हो सकता है। आप अपने मित्रों पर खर्च करना पसंद करते हैं परंतु कभी-कभी उनकी समस्याएँ आपके लिए परेशानी उत्पन्न कर देती हैं। आप अपने मित्रों से दूरी बनाए रखेंगे ऐसा संभव है।

आपके मित्रों में कंप्यूटर प्रोग्रामकर्ता, लेखाकार एवं आपसे अपना बन्धुत्व मानने वाले होंगे। आपकी प्रायः उच्च स्थानों पर स्थित व्यक्तियों से मित्रता रहती है। आपकी अनेक आकर्षक एवं तरुणी प्रतीत होने वाली स्त्रियाँ मित्र हैं।

आप मैत्रीपूर्ण एवं सहायक स्वभाव के हैं। आपको मित्रों एवं सामाजिक संपर्कों के संग से प्राप्त लाभ के द्वारा सफलता प्राप्त होगी। आप एक वास्तविक रूप से अच्छे मित्र होने के लिए अत्यधिक गोपनशील हैं। आप दीर्घ-कालीन मित्रताएँ बनाते हैं। आपका अपने मित्रों से घनिष्ठ संबंध है एवं उनका आप पर काफी प्रभाव है। आपकी लोगों से मित्रता योग्यताओं के ज्ञान पर अथवा प्रशिक्षण के समान तरीकों पर आधारित है। आप अपने समुदाय में काफी प्रभावशाली हैं तथा आपके शक्तिशाली मित्र हैं जो आपके उद्यमों का समर्थन करते हैं। आपके उन्नत सहकर्मी हैं जो भौतिक रूप से आपको व्यापार में सहायता करते हैं। आपकी एक बड़ी मित्र-मण्डली है एवं मित्रता स्थापित होते ही आप व्यापारिक संबंध बनाने को प्राथमिकता देते हैं। आप अत्यंत व्यस्त होने के कारण मित्रों पर अपनी इच्छानुसार समय व्यतीत नहीं कर पाते। आपका अपने मित्रों पर ज़ोरदार प्रभाव है परंतु कभी-कभी आप उनके साथ संपर्क में रुखे होते हैं।

आपके संभवतः बहुत से शत्रु एवं प्रतियोगी हों एवं आपके मित्र अविश्वसनीय हों। आपने जिन व्यक्तियों को अपना समर्थक माना था संभव है कि वे समर्थकों के रेष में प्रतिद्वन्द्वी सिद्ध हों। आप प्रतिस्पर्धापूर्ण परिस्थितियों से लाभान्वित हो सकते हैं। आपके पास शत्रुओं पर विजय पाने के अनेक उपाय हैं। आपके शत्रु अथवा प्रतिद्वन्द्वी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित रहते हैं अथवा वैधानिक-विवादों में उलझे रहते हैं जिससे वे आप का विरोध नहीं कर पाते। आपको ऐसा लग सकता है कि संसाधनों को प्राप्त करने के बहुत से अवसर आपके विरोधियों अथवा प्रतिद्वन्द्वियों के माध्यम से प्राप्त होंगे। यह आश्वर्यजनक हो सकता है परंतु आपकी इन उपायों से अर्थोपार्जन की अच्छी संभावना है। आपके लिए अन्य अवसर वास्तविक रूप में बाधापूर्ण हो सकते हैं।

आपका व्यक्तित्व एक और विस्तृत संगठन पर अपनी छाप छोड़ता है। संभव है अन्य लोग यह सोचें कि आपका धरती की तरंगों के साथ तालमेल नहीं है। आप अत्यंत लोकप्रिय होंगे। आप जिन समूहों में यात्रा करते हैं, उनमें विष्णात हैं।

आप विपरीत समयावधि से गुजर सकते हैं जो आपकी ख्याति को क्षति पहुँचाता है।

लोगों के समह में आप कभी-कभी सभी को एक समान लक्ष्य के विषय में प्रोत्साहित करने के महत्वपूर्ण उपकरण सिद्ध होते हैं। आप लोगों में भाषण, लेखन अथवा प्रकाशन के द्वारा विचारों का संचार कर सकते हैं। आप अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं को प्रायः समग्र रूप से समाज की आवश्यकताओं के आगे बलि होने देते हैं। आप अन्य आध्यात्मिक प्रयासकों को अपने मार्ग से अवगत करते हैं, भले ही वे उसका पालन करें अथवा नहीं, आप यह कार्य सेवा भावना से करते हैं।

आप अत्यंत आतिथ्यकारी हैं एवं लोगों का सल्कार करना पसंद करते हैं। आपका बड़ी शैक्षणिक संस्थाओं से अथवा विदेशों से काफी कार्य - कलाप हो सकता है। लोगों के लिए आपका परामर्श अत्यंत सहायक हो सकता है परंतु वे सदा उसके प्रति इतने ग्रहणशील नहीं रहते। एक स्त्री के माध्यम से आपके जीवन की महत्वपूर्ण अभिलाषा पूर्ण होगी। आपके महत्वपूर्ण संगठनों से संपर्क हैं जो आपके लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहायक हैं। आपके लिए मुक्ति का अर्थ, अच्छी संगति में रहना एवं ऐसे लोगों का संग है जो कभी-कभी आपके भावावेश उबाल को उलट दें। ऐसा प्रतीत होता है कि आप लोगों की आवश्यकताओं अथवा उद्देश्यों को समझ जाते हैं। **निष्कर्षतः** आपके संबंध एवं प्रेमलाप की क्षमता अच्छी रहेगी। आपके बच्चे, कर्मचारी एवं छात्र परिवर्तन के ऐसे दौर से गुजर सकते हैं जिनमें उनको सुख एवं समृद्धि प्राप्त होने से पहले संघर्ष करना पड़ता है।



आप विदेशों में अच्छे समझे जाते हैं।



आप चाहते हैं अतः आपकी आवश्यकताएं पूर्ण होंगी। आप परिश्रमी हैं परन्तु आपकी जीवन वृत्ति में कुछ अन्तराल होंगे। आप अपने कार्य को लगन से करते हैं। आप अपने नाम, पेशे की प्रगति व उच्च सामाजिक स्तर के लिये आसानी से चुनौतियों को स्वीकार करते हैं। आपके लक्ष्य मजबूत हैं और जब आप निर्धारित परिणाम के लिए प्रयास करते हैं तो महसूस करते हैं कि जीवन अपने चरम की ओर जा रहा है। आप अपनी लगन व अनुशासन से अपनी महत्वाकाँक्षा को पूर्ण करेंगे। आप सेवा मुक्त होने तक अपना पेशा सावधानी से चलाते हैं। आप अपने अफसर की सहमति के लिए कुछ भी कर या कह सकते हैं।

विस्तृत ब्यौरों के साथ कार्य कुशलता आपके कार्य के लिए महत्वपूर्ण है। आप एक स्वाभाविक दुनियादारी के कारण बड़े प्रकार के कार्य कर सकते हैं। हो सकता है आप अपने क्षेत्र के लोगों के साथ किसी चुनौतिपूर्ण मुकाबले में लगे हों। आप जिस परिश्रम में लिप्त हैं उसमें एक समय सीमा के साथ संर्घण्य करना होगा। जीवन के जिस भी क्षेत्र से आपका कार्य जुड़ा है उसमें आप ज्यादा मूलभूत नींव पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। आप कई प्रकार की योजनाओं में भाग लेंगे तथा हर बार कुछ नया सीखेंगे। कई बार आप उन लोगों की मदद करते हैं जिन्हें आप अपने कार्य के दौरान मिलते हैं। आप अपने अध्ययन के क्षेत्र का गहन दोहन करते हैं। आप चर्म, काष्ठ, सस्ते धातु, तेल का व्यापार कर सकते हैं। आप एक श्रेष्ठ शिक्षक बन सकते हैं। आपका पेशा परिवर्तनशील स्वभाव का होगा व इसमें आपकी कौशल आवश्यक होगा। आप एक स्वतंत्र विचारों के शिक्षक होंगे।

आपका व्यवसाय अतिविशाल परन्तु कम लाभ देने वाला होगा। आप बड़े व्यावसायिक क्षेत्र में सौदे कर सकते हैं। आपमें ठेकेदारी उत्साह है व आप अवसरों से लाभ प्राप्त करने को तप्तर हैं। आपका व्यापार हमेशा तरक्की करेगा। आप व्यवसाय में अपने व परायों को अच्छे से जानते हैं। आप सही दिशा में व्यापारिक निर्णय लेते हैं।

आपकी गलतियों के कारण भागीदार चले जायेंगे। आप उनसे भागीदारी कर सकते हैं जो वाहनों का कार्य करते हैं व भरोसेमन्द नहीं है। साझेदारी व उत्तराधिकार से आर्थिक सफलता मिल सकती है।

आपके बड़े अफसर आपका पक्ष लेते हैं। आपका मालिक आपको अद्वितीय समझता है।

आप अपने विद्यार्थियों व कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील हैं। आप अपने कर्मचारियों से अपनी जैसी बुद्धि व परिश्रम चाहेंगे। इससे आप असंतुष्ट, चिढ़ चिढ़े रहेंगे तथा उन पर दबाव बढ़ाएंगे जिससे वो नकारा हो जाएंगे। आपके कर्मचारीयों व विद्यार्थियों में लगातार बदलाव होगा जिसमें आपकी योजना पर असर होगा।

आपका व्यावसाय ही आपका पेशा है। आपका कार्य पहचाना जाएगा और आप व्यवसाय को आनन्द के साथ मिला सकते हैं। ज्यादा कार्य करने से आप शारीरिक रूप से ध्यान नहीं रख पाएंगे। आप अपने कार्य से प्राप्त अनुभवों से परिवर्तित हो गए हैं। आप आर्थिक सफलता प्रसिद्धि तथा स्वयं को पहचानने में अन्तर्तामा की आवाज को सुनते हैं। सावधानी पूर्ण सोच आपको सभी कार्यों में मदद करती है व शासन की शक्ति प्रदान करती है। आप व्यर्थ कारणों में समय फिजूल न करके एक ही मुख्य बिन्दु पर केन्द्रित रहते हैं। आप अपना कार्य कुछ पारम्परिक व गम्भीर तरह से करते हैं। किसी भी चीज की अनदेखी करना एवं दक्षता की कमी आपकी किसी भी योजना में बाधक हो सकती हैं एवं आपकी पदोन्नति को भी रोक सकती है। आपका कार्य आपको समूह और संस्थाओं के सम्पर्क में लाता है जहाँ पर आपको विभिन्न नाटकीय एवं परीक्षणों के दौर से गुजरना पड़ता है।

आप प्रसिद्धि पायेंगे। आप अपनी इच्छाओं के प्रति अत्यंत गम्भीर हैं और प्रतिष्ठा की अपेक्षा भी रखते हैं। आपके जीवन में उच्च कोटि के एवं शासकीय लोगों के द्वारा अनेक महान उपलब्धियाँ होंगी। आप अनेक सामाजिक समूहों के प्रतिनिधि हैं और



चहुँ ओर परीचित हैं। आप अपने अति उत्तम कार्यों से धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाएंगे। आप बहुत लोकप्रिय होंगे, संपन्न लोगों से आपका संपर्क आपके प्रयासों में सहायक होगा। आप सत्ता और शक्ति प्राप्त करेंगे ताकि आप उन मार्गे पर, जो आपको विश्वास है सफल बनायेंगे, चल सकें। आपके कार्य पर्याप्त सहायता के कारण सफल होंगे। आपका कैरियर सफल होगा और आप चुने हुए व्यवसाय में बहुत सम्मानित होंगे। आप जीवन में कहां से प्रारम्भ करते हैं इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता, आप सफल होंगे और उच्च एवं प्रभावशाली पद प्राप्त करेंगे। आप अपने व्यवसाय में वित्तीयरूप से सफल हो सकते हैं और स्वयं को सुखद स्थिति में स्थापित कर सकते हैं। आप जीवन में उच्च स्थान प्राप्त करेंगे क्योंकि आप अपने नैतिक मूल्यों और स्थिर आधारितिक सिद्धान्तों को अपनी प्रतिष्ठा का आधार बनायेंगे। आपके जीवन में अनेक अवसर आयेंगे और आप में सफल होने की तीव्र उल्कंठा है। आपके सहयोगी आपकी सफलता में योगदान करते हैं। आपका सुसंघटित व्यक्तित्व आपको बहुत लोकप्रिय एवं सफल बनाता है।

आपके कैरियर में प्रगति अनियमित होगी और बड़े परिवर्तनों से भरी होगी। आपके कार्य कलापों में बाधाएं और चुनौतियां हैं। आपको बहुत सफलता मिलेगी, यद्यपि आपके कार्यों का फल मिलने में देर हो सकती है। आप बहुत प्रकार की नौकरियां करने और फिर खोने या स्वयं छोड़ने का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। आप का कैरियर शनै:-शनै: प्रगति करेगा एवं किसी प्रकार के आकस्मिक अथवा नाटकीय उतार-चढ़ाव नहीं होंगे। विदेशी व्यक्तियों के साथ आपके संबंध आपके कैरियर में लाभप्रद हो सकते हैं। आप विदेश से गुप्त अथवा सटीक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

आप अपने काम में सहज अनुभव करेंगे। इसमें बहुत सफलता की संभावना है और यह आपको विशेष सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान दिलायेगा। आप राजनैतिक प्रभाव, सरकार या सत्ता दल की कृपा वृष्टि जैसे कुछ ऐसे साधनों का उपयोग करेंगे कि आप प्रसिद्धि और सत्ता प्राप्त करने की ओर अग्रसर होंगे। सरकार आपकी गतिविधियों का अनुमोदन करती है। आप विभिन्न प्रकार के सरल मार्ग अपनाने के स्तर तक गिर सकते हैं। संभव है, आप अपने पद और कैरियर की वृद्धि के लिए, गुप्त साधन अपनाने के प्रलोभन में प्रवृत हो जाएं। आप अपने कृत्य को तर्कसंगत और सही ठहराने का प्रयास कर सकते हैं। किन्तु कानून और शासन इसे अस्वीकारते हुए पुनः उचित कार्य करने के लिए बाध्य कर सकते हैं।



आप अपने प्रतिद्वन्द्वियों, प्रतियोगियों और शत्रुओं से धन प्राप्त करते हैं।

आपकी वित्तीय समझ अच्छी है। आप अच्छे समृद्धि कारक अवसरों को पहचानने में सतर्क हैं और आप अच्छी आय अर्जित करेंगे। आपका स्वयं को अद्यतन और योग्यतापूर्ण रखना, आपकी इच्छाओं की पूर्ति व सुचारू नकद प्रवाह को सुनिश्चित करता है। आपके पास नकद का सुचारू प्रवाह है और सत्तासीन व्यक्ति आपके व्यापार के समर्थक हैं। आप समृद्धता की वृद्धि के लिए प्रत्येक अवसर का उपयोग करेंगे और सुरक्षित आय का आनंद भोगेंगे। आप किसी स्थिति की पूर्ण वित्तीय क्षमता के प्रति सतर्क हैं, किन्तु आप इससे और अधिक चाहते हैं। आपकी धन कमाने की अच्छी क्षमता है। आप बहुत सा धन कमा सकते हैं और बड़ी आय प्राप्त कर सकते हैं। धन का आसान प्रवाह होगा। आप आसानी से लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी कुछ आय बिना प्रयास और अनार्जित होगी। आप एक अन्य परियोजना से अतिरिक्त रूप में स्थायी आय विकसित कर सकते हैं।

आप धन, भूमि और शक्तिशाली मित्र प्राप्त करने के लिए दृढ़ निश्चयी हैं। आपकी वित्त व्यवस्था पर्याप्त रूप से सुचारू नहीं हो सकती है। ऐसी स्थितियां हो सकती हैं जहां धन तीव्रता से अर्जित किया जाता है किन्तु आपको उसके लिए संघर्ष करना पड़ सकता है व न्यायालय में कार्यवाही करनी पड़ सकती है। आप कठिन परिश्रम से आय और परिणाम प्राप्त करेंगे।

आप की धन संपदा और संपत्ति समयान्तराल में बढ़ेगी।



आप मृत या मरणासन्न व्यक्तियों से संबंधित व्यवसाय से धनोपार्जन कर सकते हैं। कला या सुविधाएं प्रदान करने वाली वस्तुओं के व्यापार से धनोपार्जन किया जा सकता है।

कभी-कभी जिन कार्यों को आपने लाभ की आशा से प्रारंभ किया है, वे आपके लिए हानिकारक हो सकते हैं। बेरोजगारी या कार्यविहीन अन्तराल हो सकते हैं।

आप पुरानी किन्तु सुसंधारित गाड़ियाँ चलाते हैं।

आप अनेक मकानों के स्वामी होंगे।

आप धन खर्च करना पसंद करते हैं। आप भावावेशित और अत्यधिक व्यय करने के लिए प्रवृत्त हैं। आप किसी भी वस्तु का अधिकतम सदुपयोग करते हैं। आप धन का मूल्य जानते हुए मितव्यी हैं और काम चलाने के लिए न्यूनतम संभव धन व्यय करते हैं। आप अपने रुप रंग, प्रेमियों, अपनी गाड़ी और मकान पर व्यय करते हुए स्वनियंत्रण में कमी अनुभव करते हैं।

आपको ऋण लेने एवं क्रेडिट कार्ड का प्रयोग करने में सावधान रहना चाहिए।



आप कानून का पालन गहनता से करते हैं एवं सच्ची धार्मिक आकाक्षासें से युक्त हैं। आपका मस्तिष्क परमशक्ति की ऊर्जा से परिपूर्ण है। आप अपने मार्ग में अनवरत प्रयास करते हैं। आप अपने आध्यात्मिक लक्ष्यों की प्राप्ति में प्रकृति का अच्छा सहयोग प्राप्त करते हैं।

आप मानवता के कल्याण में वृद्धि करने वाली गतिविधियों में प्रवृत्त हैं। और आध्यात्मिक कार्यों में संलिप्त हैं। आप सत्यनिष्ठ एवं दार्शनिक हैं।

आप इस जीवन काल में ज्ञानोदय को प्राप्त कर सकते हैं। आप पुनर्जन्म एवं दीर्घायु के रहस्यों पर चिन्तन मनन करते हैं। पराविद्या के विषय आपको मोहित करते हैं। आप रहस्यवाद एवं पराविद्या के विषय में अधिक ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। आप यदि आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर होते हैं तो आप एक महिला गुरु प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक देवी की आराधना कर सकते हैं। आपका अमूर्त दर्शन अथवा आध्यात्मिक ज्ञान के प्रति भी झुकाव हो सकता है।

आप बच्चों से आध्यात्मिक शिक्षा सीखेंगे। आप एक गहन आध्यात्मिक एवं चैतन्य व्यक्ति होने के कारण साधारण व्यक्ति को प्रायः असामान्य एवं अव्यवहारिक प्रतीत हो सकते हैं।

आप धार्मिक हैं। आप धार्मिक स्थानों की ओर आकर्षित होते हैं। आप आध्यात्मिक रूप से प्रवृत्त हो सकते हैं एवं धार्मिक प्रवृत्त से संपन्न हो सकते हैं। आप बहुत मनोविज्ञानी हो सकते हैं एवं आपकी रुचि धर्मग्रन्थों के अध्ययन में है।

आप सामान्यतः परम्परागत धार्मिक नहीं हैं और न हीं आप परम्पराओं की अधिक चिन्ता करते हैं।



आप अपने आवास से संतुष्ट नहीं। आप अपने जन्मस्थान से दूर जा सकते हैं।

आप परिवर्तनशील हैं और धूमना फिरना पसंद करते हैं, आपके जीवन में कई परिवर्तन आएंगे। आपको जल और जल यात्राएं पसंद हैं पर उतना ही सुखकर घर वापस लौटना भी लगता है। आप कभी भी यात्रा के लिए तैयार हो जाते हैं। आप अपने जीवन में कई समुद्र पारीय यात्राएं करेंगे। आप बहुदा यात्रा कर सकते हैं। आप समय-2 पर यात्राएं और विदेश में निवास कर सकते हैं। आप समय-2 पर यात्राएं और विदेश में निवास कर सकते हैं। आप आध्यात्मिक या ऐतिहासिक ज्ञान के लिए यात्रा करेंगे।



आपके जीवन में बेहतर लक्ष्य की ओर परिवर्तन होगा। जब बाधाएं खत्म हो जाएंगी तब खुशियां आएंगी। आपके कुछ जटिल व धीमी प्रक्रिया के बाद अच्छा विकास होगा। आपके जीवन में अनेक विचित्र अनुभव आपके पूर्व जन्मों के कर्मों के कारण हो सकते हैं। जीवन मृत्यु व पुनर्जीवन की प्रक्रिया है। आपके बचपन में आपने विपरीत परिस्थितियों का सामना किया। आपके बाद के जीवन में अत्यधिक प्रतिभाशाली पोतियां होंगीं

आपके जीवन में बार-बार बाधाएं आ सकती हैं। आपका व्यक्तिगत जीवन आपके माता पिता तक के लिए एक बन्द किताब हो सकता है। अपने जीवन को पूर्ण आभा के साथ प्रस्तुत करने में आपको कुछ परेशानी हो सकती है आपमें असुरक्षा की भावना जिसे आप प्राप्त करना चाहते हैं उसमें बाधक हो सकती है। आप दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप करने से बचते हैं हालांकि इस कारण आप दूसरों की मदद करने के मौकों को गंवा देते हैं। अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के बहुत से मौकों को गंवाने के कारण आप निराश हो सकते हैं। आपको अपने अन्दर की ऊर्जा का उपयोग करने के बारे में सावधान रहना चाहिए।

आप एक भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आपके साथ जीवन में विपरीत होने वाली चीजों से बचाने के लिए एक विशेष सुरक्षा है।

आप अच्छे जीवनसाथी, भाई-बहिन, मित्रों व बच्चों की तरफ से भाग्यशाली हैं। अदुभूत व पवित्र ज्ञान आपका विकास व सौभाग्य ला सकता है। आप अच्छी उच्च शिक्षा प्राप्त करने में समर्थ हो सकते हैं।

आप परिस्थितियों की वजह से शायद अपने वातावरण का पूर्ण सहयोग प्राप्त नहीं कर पाते। आपका लेखन कभी-कभी आपको परेशानी में डाल सकता है।

आपको सरकार तथा करों से सम्बन्धित मामलों में कानूनी तौर पर सही पक्ष की ओर रहने के लिये सावधान रहना चाहिये। आपको सुरक्षित प्रकार के निवेशों के अलावा सभी प्रकार के निवेशों से बचना सुनिश्चित करना चाहिये।

आपको अपने हिस्से से अधिक लेने की प्रवृत्ति से बचेना चाहिये क्योंकि कभी-कभी आप अपना हक जमाने के लिए गलत तर्कों का प्रयोग कर सकते हैं।

Mr. Ahuja



माणिक्य, पुखराज, मोती, सुनहला, लाल सुजलाइट व लाल तामड़ा आपके लिए लाभदायक हैं।



गोचर फल

जन्म चंद्रमा से सूर्य का षष्ठ भाव से गोचर (16 दिसम्बर 2025 04:19:51 से 14 जनवरी 2026 15:07:05)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताओं का है। आप धन प्राप्ति से बैंक खाते में वृद्धि, समाज में उच्च स्थान व जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन की आशा कर सकते हैं। यह समय आपकी चित्तवृत्ति हेतु सर्वश्रेष्ठ है। आपकी पदोन्नति हो सकती है व सबसे ऊँचे पदाधिकारी द्वारा आपका सम्मान किया जा सकता है। आपके प्रयासों की साराहना व अपने वरिष्ठ अफसरों से अनुकूल सम्बन्ध इस काल की विशेषता है। शत्रु आपके जीवन से खदेड़ दिए जाएंगे।

जहाँ तक स्वास्थ्य का प्रश्न है, आप रोग, अवसाद, अकर्मण्यता व चिन्ताओं से मुक्त रहेंगे। आपके परिवार का स्वास्थ्य भी इस काल में उत्तम रहेगा।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का षष्ठ भाव से गोचर (20 दिसम्बर 2025 07:45:14 से 13 जनवरी 2026 03:57:50)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह गोचर आपके लिए कुछ कठिन समय ला सकता है। आपके प्रयासों में अनेक परेशानियाँ आ सकती हैं। शत्रुओं के बढ़ने की संभावना है और आपका अपने व्यावसायिक साझेदार से झगड़ा हो सकता है। यह भी संभव है कि आपको अपनी इच्छा के विरुद्ध शत्रुओं से समझौता करना पड़े।

इस दौरान पत्नी व बच्चों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें। आपको यह भी सलाह दी जाती है कि लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि दुर्घटना की संभावना है।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि आप रोग, मानसिक बेचैनी, भय तथा असमय यौन इच्छा से ग्रसित हो सकते हैं।

समाज में प्रतिष्ठा व कार्यालय में सम्मान बनाए रखने का इस समय भरसक प्रयास करें नहीं तो आपको अपमान, व्यर्थ के विवाद व मुकदमेबाजी झेलना पड़ सकता है।

जन्म चंद्रमा से बुध का षष्ठ भाव से गोचर (29 दिसम्बर 2025 07:23:42 से 17 जनवरी 2026 10:23:51)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके छठे भाव में होते हुए गोचर करेगा। इस दौरान सकारात्मक व नकारात्मक गतिविधियों का मिश्रण रहेगा। यह विशेष समय व्यक्तिगत जीवन में सफलता, स्थिरता व उन्नति का सूचक है। आपकी योजना व परियोजनाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न होंगी व उनसे लाभ भी प्राप्त होगा।

कार्यक्षेत्र में आपके और भी अच्छा काम करने की संभावना है। आप समस्त कार्यों में उन्नति की आशा कर सकते हैं।

इस समय में समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आपका सामाजिक स्तर बढ़ने की भी संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति व संतोष अनुभव करने की पूर्ण संभावना है।

किन्तु फिर भी, आपमें से कुछ के लिए बुध की यह गति शत्रु पक्ष से चिंताएँ व कठिनाइयाँ ला सकती हैं।

अपने वित्त का पूरा ध्यान रखें। अपने अधिकारियों से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें।

स्वास्थ्य को जोखिम में डालने वाली हर गतिविधि से बचें। शरीर का ताप इन दिनों कष्ट का कारण बन सकता है।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का सप्तम भाव से गोचर (13 जनवरी 2026 03:57:50 से 6 फरवरी 2026 01:11:24)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह स्त्रियों के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के समय का द्योतक है। स्त्रियों के साथ किसी भी मुकदमेबाजी से दूर रहें व पत्नी के साथ मधुर सम्बन्ध बनाएं रखें। यह ऐसी महिलाओं के लिए विशेष रूप से अस्वस्थता का समय है जिनकी जन्मपत्री में शुक्र सातवें भाव में है। आपकी पत्नी अनेक स्त्री रोगों, शारीरिक पीड़ा, मानसिक तनाव आदि से ग्रसित हो सकती हैं।

धन की वृष्टि से भी समय अच्छा नहीं है। वित्तीय नुकसान न हो अतःस्त्रियों के सम्पर्क से बचें।



आपको यह अग्रीस भी हो सकता है कि कुछ दृष्ट मित्र आपका अनिष्ट करने की चेष्टा कर रहे हैं। व्यर्थ की महिलामंडली के साथ उलझाव संताप का कारण बन सकता है। यह भी संभावना है कि किसी महिला से सम्बन्धित झगड़े में पड़कर आप नए शत्रु बना लें।

इस समय आपके मानसिक तनाव, अवसाद व क्रोध से ग्रसित होने की संभावना है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप यौन रोग, मूत्र-नलिका में विकार अथवा दूसरे छोटे-मोटे रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं।

व्यावसायिक रूप में भी यह समय सुचारू रूप से कार्य - संचालन का नहीं है। दृष्ट सहकर्मियों से दूर रहें क्योंकि वे उत्तरि के मार्ग में रोड़े अटका सकते हैं। आपको अपने उच्च पदाधिकारी द्वारा सम्मान प्राप्त हो सकता है।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का सप्तम भाव से गोचर (14 जनवरी 2026 15:07:05 से 13 फरवरी 2026 04:08:43)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह कष्टप्रद यात्रा, स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताएँ तथा व्यापार में मंदी का सूचक है। कार्यालय में अपने से वरिष्ठ व्यक्तियों तथा उच्चाधिकारियों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें। कार्यालय अथवा दैनिक जीवन में कोई नए शत्रु न बने इसके प्रति विशेष सावधान रहें।

व्यापार में इस काल में गतिरोध आ सकता है या धक्का लग सकता है। आपको अपने प्रयास बीच में ही छोड़ने के लिए विवश किया जा सकता है। उस उद्देश्य अथवा लक्ष्य प्राप्ति में इस अवधि में बाधाएँ आ सकती हैं जिसे पाना आपका सपना था।

अपने जीवनसाथी के शारीरिक कष्ट, विषाद व मानसिक व्यथा आपकी चिन्ता का कारण बन सकते हैं। आपको स्वयं भी स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि आप पेट में गड़बड़ी, भोजन से प्रत्यूर्जता (एलर्जी) विषाक्त भोजन से उत्पन्न बीमारियाँ अथवा रक्त की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। बच्चों का स्वास्थ्य भी चिन्ता का कारण हो सकता है। इसके अतिरिक्त आप इस अवधि में थकान महसूस कर सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से मंगल का सप्तम भाव से गोचर (16 जनवरी 2026 04:28:18 से 23 फरवरी 2026 11:50:08)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके सातवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धों की दृष्टि से यह कठिन समय है।

आपके स्वयं की पति/पत्नी की अथवा किसी नजदीकी व प्रियजन के स्वास्थ्य की समस्या अत्यधिक मानसिक चिन्ता का कारण बन सकती है। आप थकान महसूस कर सकते हैं तथा नेत्र सम्बन्धी कष्ट, पेट के दर्द या छाती की तकलीफ का शिकार हो सकते हैं। आपको अपने जीवनसंगी के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना पड़ सकता है। आप व आपकी पति/पत्नी को कोई गहरी मानसिक चिन्ता सता सकती है।

आपमें से अधिकांश की किसी सज्जन, व्यक्ति से शत्रुता होने की संभावना है। आप व आपके पति/पत्नी के बीच व्यर्थ अनुमानित अलग सोच के कारण गलतफहमी न हो जाय, इसका ध्यान रखें व इससे बचें। यदि बुद्धि चारुर्य से कुशलतापूर्वक इससे नहीं निपटा गया तो ये आप दोनों के बीच एक बड़े झगड़े का रूप ले सकता है। अपने मित्रों व प्रियस्वजनों से समझौता कर लें। आपके सम्बन्धी आपकी मनोव्यथा का कारण बन सकते हैं। अपने व्यवहार को नियंत्रित रखें क्योंकि अपनी संतान तथा भाई-बहनों के प्रति आप क्रोध कर सकते हैं व अपशब्दों का प्रयोग कर सकते हैं।

धन सम्बन्धी मामलों के प्रति भी सचेत रहें। व्यर्थ की प्रतियोगिता के चक्कर में आप व्यर्थ गँवा सकते हैं। रंगरेलियों पर व्यय न करके अच्छे भोजन व वस्त्रों पर ध्यान दें।

जन्म चंद्रमा से बुध का सप्तम भाव से गोचर (17 जनवरी 2026 10:23:51 से 3 फरवरी 2026 21:51:48)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह शारीरिक व मानसिक दृष्टि दोनों से ही कठिन समय है। यह रोग का सूचक है। आपको इस समय शरीर में दर्द व कंजमोरी झेलनी पड़ सकती है।

मानसिक रूप से आप चिंतित व अशान्त अनुभव कर सकते हैं। यह समय मानसिक उलझन व परिवार के साथ गलतफहमियाँ भी दर्शाता है। अपनी पती/पति बच्चों से बात करते समय विवाद अथवा परस्पर संचार में कमी न आने दें। ध्यान रखें कि ऐसी स्थिति न आ जाय जो आपको अपमानित होना पड़े या नीचा देखना पड़े।

अपने प्रयासों में बाधाएँ आपको और अधिक क्षुब्ध कर सकती हैं। यदि आपकी यात्रा की कोई योजना है तो सम्भव है वह कष्टकर हो व वांछित फल न दे पाए।

जन्म चंद्रमा से बुध का अष्टम भाव से गोचर (3 फरवरी 2026 21:51:48 से 11 अप्रैल 2026 01:15:51)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर धन व सफलता का प्रतीक है। यह आपके



समस्त कार्यों व परियोजनाओं में सफलता दिलाएगा । यह वित्तीय पक्ष में स्थिरता व लाभ का समय है । आपका समाज में स्तर ऊँचा होगा । लोग आपको अधिक सम्मान देंगे व आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी ।

इस दौरान जीवन शैली आरामदायक रहेगी । संतान से सुख मिलने की संभावना है । परिवार में शिशु जन्म सुख में वृद्धि कर सकता है । इस विशेष काल में आपकी संतान का संतुष्ट व सुखी रहने का योग है ।

आपमें चैतन्यता व बुद्धिमानी बढ़ेगी । आप अपनी प्रतिभा व अन्तर ज्ञान का सही निर्णय लेने में उपयोग करेंगे ।

शत्रु परास्त होंगे व आपके तेज के सामने फीके पड़ जाएँगे । आप इस बार सब ओर से सहायता की आशा कर सकते हैं ।

परन्तु इस सबके बीच आपको स्वास्थ्य की ओर अतिरिक्त ध्यान देना होगा क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं । खाने-पीने का ध्यान रखें, प्रसन्नचित्त रहें तथा व्यर्थ के भय व उदासी को पास न फटकने दें ।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का अष्टम भाव से गोचर (6 फरवरी 2026 01:11:24 से 2 मार्च 2026 00:56:50)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होते हुए गोचर करेगा । यह अच्छे समय का प्रतीक है । इस विशेष समय में आप भौतिक सुख-साधनों की आशा कर सकते हैं तथा पूर्व में आई विपत्तियों पर विजय पा सकते हैं । आप भूमि जायदाद व मकान लेने के विषय में विचार कर सकते हैं ।

यदि आप अविवाहित युवक या युवती हैं तो अच्छी वधु / वर मिलने की आशा है जो सौभाग्य भी लाएगी / लाएगा । इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गुजरेगा । अतः आप मनोहारी व सुन्दर महिलाओं का साथ पाने की आशा रख सकते हैं ।

स्वास्थ इस दौरान अच्छा रहेगा ।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो और अधिक उत्तमता करेंगे । आपकी प्रखरता की ओर सबका ध्यान जाएगा अतः सामाजिक वृत्त में आपका मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।

व्यवसाय हेतु अच्छा समय है । व्यापार व व्यवसाय शुभ - चिन्तकों व मित्रों की सहायता से फूलेगा । किसी राजकीय पदाधिकारी से मिलने की संभावना है ।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का अष्टम भाव से गोचर (13 फरवरी 2026 04:08:43 से 15 मार्च 2026 01:02:48)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । कुल मिलाकर यह समय हानि व शारीरिक व्याधियों का है । व्यर्थ के खर्चों से विशेष रूप से दूर रहें व आर्थिक मामलों में सावधान रहें ।

यह अवधि कार्यालय में अप्रिय घटनाओं की है । अने कार्यालय अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारियों से किसी भी प्रकार के मनामालिन्य से बचें तभी सुरक्षित रह पाएंगे ।

घर में पति/पत्नी से विवाद, झगड़े का रूप ले सकता है । पारिवारिक सामंजस्य व सुख के लिए परिवार के सदस्यों व शत्रुओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा न हो, इसके प्रति विशेष सचेत रहें ।

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें क्योंकि आप पेट की गड़बड़ी, रक्त चाप, बवासीर जैसी बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं । आप व्यर्थ के भय, चिन्ता व बैचेनी से आक्रान्त हो सकते हैं । अपने अथवा अपने परिवार के सदस्यों के जीवन को किसी खतरे में न डालें । किसी रिश्तेदार की समस्याएँ अचानक उभरकर सामने आ सकती हैं व चिन्ता का कारण बन सकती हैं ।

जन्म चंद्रमा से मंगल का अष्टम भाव से गोचर (23 फरवरी 2026 11:50:08 से 2 अप्रैल 2026 15:29:21)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके आठवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा । यह अधिकतर शारीरिक खतरों का सूचक है । अपने जीवन, स्वास्थ्य व देह-सौष्ठुव के प्रति अत्यधिक सतर्कता इस समय विशेष की माँग है । रोगों से दूर रहें साथ ही अच्छे स्वास्थ्य के लिए किसी भी प्रकार के नशे व बुरी लत से दूर रहें । आपमें से कुछ को रक्त सम्बस्थी रोग जैसे एनीमिया (रक्त की कमी), रक्त स्त्राव अथवा रक्त की न्यूनता से उत्पन्न बीमारियाँ हो सकती हैं । इस समय शस्त्र व छद्मवेशी शत्रु से दूर रहें । जीवन को खतरे में डालने वाला कोई भी कार्य न करें ।

आर्थिक मामलों पर नजर रखना आवश्यक है । यदि सावधानी नहीं बरती जो आपमें से अधिकांश को आय में भारी गिरावट का सामना



करना पड़ सकता है। जो भी ऋण लेने से बचें व स्वयं को ऋण-मुक्त रखने की चेष्टा करें।

यदि अपने कार्य/व्यवसाय में सफल होना चाहते हैं तो अतिरिक्त प्रयास करें। अपने पद व प्रतिष्ठा पर पकड़ मजबूत रखें क्योंकि यह कठिनाईपूर्ण घटिया स्थिति भी गुजर ही जाएगी।

आपमें से अधिकांश को विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। यहाँ तक कि काफी समय के लिए परिवार से दूर रहकर उनका विछोह झेलना पड़ सकता है।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का नवम भाव से गोचर (2 मार्च 2026 00:56:50 से 26 मार्च 2026 05:09:04)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके नवम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपकी मंजूषा में नए वस्त्र संचित करने का सूचक है। इसके अतिरिक्त यह शारीरिक व भौतिक सुख व आनन्द का परिचायक है।

वित्तीय लाभ व मूल्यवान आभूषणों का उपभोग भी इस समय की विशेषता है। व्यापार अबाध गति से चलेगा व संतोषजनक लाभ होगा।

यह समय शिक्षा में सफलता भी इंगित करता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

घर परिवार में आपको भाई - बहनों का सहयोग व स्नेह पहले से भी अधिक मिलेगा। आपके घर कुछ मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे और यदि अविवाहित हैं तो विवाह करने का निर्णय ले सकते हैं। आपको आपका मनपसन्द जीवन साथी मिलेगा जो सौभाग्य लेकर आएगा।

यह समय सामाजिक गतिविधियों के संचालन का है अतः आपके नए मित्र बनाने की संभावना है। आपको आध्यात्म की राह दिखाने वाला पथ - प्रदर्शक भी मिल सकता है। कला में आपकी अभिरुचि इस दौरान बढ़ेगी। आपके सदुगणों सत्कृत्यों की ओर स्वतः ही सबका ध्यान आकृष्ट होगा। अतः आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में चार चाँद लगेंगे।

इस समय मनोकामनाएँ पूर्ण होंगी व शत्रुओं की पराजय होगी। यदि आप किसी प्रकार के तर्क - वितर्क में लिप्त हैं तो आपके ही जीतने की ही संभावना है। आप इस दौरान लम्बी यात्रा पर जाने का मानस बना सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का नवम भाव से गोचर (15 मार्च 2026 01:02:48 से 14 अप्रैल 2026 09:32:23)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके नवे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका आपके जीवन पर विशेष महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। इस काल में आप पर किसी कुचाल के कारण दोषारोपण हो सकता है, स्थान बदल सकता है तथा मानसिक शान्ति का अभाव रह सकता है।

आपको विशेष ध्यान देना होगा कि आपके अधिकारी आपके कार्य से निराश न हों। हो सकता है कि आपको अपमान अथवा मानभंग झेलना पड़े और आप पर मिथ्या आरोप लगने की भी संभावना है। स्वयं को पेचीदा अथवा उलझाने वाली परिस्थिति से दूर रहें।

आर्थिक रूप से यह समय कठिनाई से परिपूर्ण है। पैसा वसूल करने में कठिनाई आ सकती है। व्यर्थ के खर्चों से विशेष रूप से बचें। आपके और आपके गुरु के मध्य गलतफहमी या विवाद हो सकता है। आपमें और आपके परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के बीच मतभेद या विचारों का टकराव झगड़े व असंतोष का कारण बन सकता है।

इस बीच शारीरिक व मानसिक व्याधियों की संभावना के कारण आपको स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देना होगा। आप इन दिनों अधिक थकावट व निराशा/अवसाद महसूस कर सकते हैं।

इस सबके बावजूद आप किसी सत्कार्य के विषय में सोच सकते हैं तथा उसमें सफलता भी प्राप्त कर सकतें हैं। यात्रा का योग है।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का दशम भाव से गोचर (26 मार्च 2026 05:09:04 से 19 अप्रैल 2026 15:46:39)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके दसवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय मानसिक संताप, अशान्ति व बेचैनी लेकर आया है। इस दौरान शारीरिक कष्ट भोगना पड़ेगा।

धन के विषय में विशेष सतर्क रहें तथा ऋण लेने से बचें क्योंकि इस पूरे समय आपकी ऋण में डूबे रहने की संभावना है।

शत्रुओं से सावधान रहें तथा अनावश्यक व्यर्थ के विवाद से दूर रहें क्योंकि इससे कलह बढ़ सकता है व शत्रुओं की संख्या में वृद्धि हो सकती है। समाज में बदनामी व तिरस्कार न हो, इसके प्रति सचेत रहें।



अपने सगे सम्बन्धियों व महिलाओं के प्रति व्यवहार में विशेष सतर्कता बरतें क्योंकि मूर्खतापूर्ण गलतफहमी शत्रुओं की संख्या बढ़ा सकती है। अपने वैवाहिक जीवन में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी पत्नी/पति से विवाद से दूर ही रहें।

आपको अपने उच्चाधिकारी अथवा सरकारजनित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपने समस्त कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

जन्म चंद्रमा से मंगल का नवम भाव से गोचर (2 अप्रैल 2026 15:29:21 से 11 मई 2026 12:38:24)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके नवम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय छोटे से बड़े तक शारीरिक कष्ट व पीड़ा का है। इस में आपको निर्जलन (डीहाइड्रेशन) तथा कमजोरी व शारीरिक शक्ति में क्षीणता का सामना करना पड़ सकता है। आप मांस-पेशियों में दर्द अथवा किसी शस्त्र से लगे घाव से भी पीड़ित हो सकते हैं।

मानसिक रूप से अधिकतर आप चिंतित व निराश रहेंगे। आपमें से कुछ को विदेश जाकर कष्टपूर्ण जीवनयापन करना पड़ सकता है।

धन का विशेष ध्यान व सुरक्षा रखें क्योंकि विशेष रूप से इस समय थोड़ा बहुत हाथ से निकल सकता है।

आपके व्यावसायिक जीवन को भी सही ढंग से व परिश्रम से काम करने की अपेक्षा है। आपमें से कुछ को कुछ समय के लिए कष्टदायक परिस्थितियों में काम करना पड़ सकता है। अपने कार्यालय या व्यावसायिक क्षेत्र में अपना पद व गरिमा बनाए रखने के लिए परिश्रम करें।

घर में शान्ति व सामन्जस्य बनाए रखें तथा प्रिय स्वजनों के बीच छावेशी शत्रु पर नजर रखें। आपमें से कुछ को कोई ऐसा काम करने की तीव्र लालसा हो सकती है तो धर्म के मापदण्ड पर स्वीकार करने योग्य न हो।

जन्म चंद्रमा से बुध का नवम भाव से गोचर (11 अप्रैल 2026 01:15:51 से 30 अप्रैल 2026 06:52:20)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके नवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह रोग व पीड़ा का सूचक है। यह काल विशेष आपके कार्यक्षेत्र में बाधा व रुकावट ला सकता है। कार्यालय में अपना पद व प्रतिष्ठा बनाए रखें। यह भी निश्चित कर लें कि आप कोई ऐसा कार्य न कर बैठें जो बाद में पछताना पड़े।

कोई भी नया काम आरम्भ करने से पहले देख लें कि उसमें क्या बाधाएँ आ सकती हैं। अनेक कारणों से मानसिक रूप से आप इल्लाहट, अत्यधिक भार व अस्थिरता का अनुभव कर सकते हैं।

शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि इस दौरान वे आपको अधिक हानि पहुँचा सकते हैं। परिवार व सम्बन्धियों से विवाद में न पड़ें क्योंकि यह झगड़े का रूप ले सकता है।

इस दौरान अपने चिड़चिड़े स्वभाव के कारण आप धर्म अथवा साधारण धारणाओं में कमियाँ या गलतियाँ ढूँढ़ सकते हैं। इस समय कार्य सम्पन्न करने हेतु आपको अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है। परन्तु कार्य रुचिकर न लगना आपको परिश्रम करने से रोक सकता है।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि इसके कष्टकर होने की संभावना है व वांछित फल भी नहीं मिलेगा। भोजन में अच्छी आदतों को अपनाएँ साथ ही जीवन में सकारात्मक रवैया अपनावें।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का दशम भाव से गोचर (14 अप्रैल 2026 09:32:23 से 15 मई 2026 06:21:46)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय शुभ है। यह लाभ, पदोन्नति, प्रगति तथा प्रयासों में सफलता का सूचक है।

आप कार्यालय में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों की कृपा दृष्टि, सत्ता की ओर से सम्मान तथा और भी अधिक सुअवसरों की आशा की जा सकती है।

यह अवधि आप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सफलता है व अटके हुए मामलों को पराकाष्ठा तक पहुँचाने की है।

समाज में आपको और भी सम्माननीय स्थान मिल सकता है। आपका सामाजिक दाएरा बढ़ेगा, अर्थात् और लोगों से, विशेष रूप से आप यदि पुरुष हैं तो महिलाओं से और महिला हैं तो पुरुषों से सकारात्मक लाभप्रद आदान-प्रदान बढ़ेगा। आप इस दौरान सर्वोच्च सत्ता से भी



सम्मान प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। जहाँ की आशा भी न हो, ऐसी जगह से आपको अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और हर ओर सुख ही सुख बिखरा पाएंगे।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का एकादश भाव से गोचर (19 अप्रैल 2026 15:46:39 से 14 मई 2026 10:53:32)

इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह मूल रूप से वित्तीय सुरक्षा व ऋण से मुक्ति का द्योतक है। आप अपनी अन्य आर्थिक समस्याओं के समाधान की भी आशा कर सकते हैं।

यह समय आपके प्रयासों में सफलता प्राप्त करने का है। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व प्रतिष्ठा निरन्तर ऊपर की ओर उठेगी।

आपका ध्यान भौतिक सुख, भोग - विलास के साधन व वस्तुएँ, वस्त्र, रक्त व अन्य आकर्षक उपकरणों की ओर रहने की संभावना है। आप स्वयं का घर लेने के विषय में भी सोच सकते हैं।

सामाजिक रूप से यह समय सुखद रहेगा। मान - सम्मान में वृद्धि होगी तथा मित्रों का सहयोग मिलता रहेगा।

विपरीत लिंग वालों के साथ सुखद समय व्यतीत होने की आशा कर सकते हैं। यदि विवाहित हैं तो दाम्पत्य जीवन में परमानन्द प्राप्त होने की आशा रख सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से बुध का दशम भाव से गोचर (30 अप्रैल 2026 06:52:20 से 15 मई 2026 00:31:50)

इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह सुख के समय व संतोष का सूचक है। आप प्रसन्न रहेंगे व समस्त प्रयासों में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक पक्ष में आप अच्छे समय की आशा कर सकते हैं। आप स्वयं को सौंपे हुए कार्य सफलतापूर्वक नियत समय में सम्पन्न कर सकेंगे।

यह समय घर पर भी सुख का द्योतक है। आप किसी दिलचस्प व्यक्ति से मिलने की आशा कर सकते हैं। आपमें से कुछ विपरीत लिंग वाले के साथ भावनापूर्ण व्यतीत कर सकते हैं। इस व्यक्ति विशेष से लाभ की भी आशा है।

वित्तीय दृष्टि से भी यह अच्छा समय है। आपके प्रयासों की सफलता से आपको आर्थिक लाभ मिलेगा व आप और भी लाभ की आशा कर सकते हैं।

इस अवधि में समाज में आपका स्थान ऊँचा होने की भी संभावना है। आपको सम्मान मिल सकता है व समाज में प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है। समाज में आप अधिक सक्रिय रहेंगे व समाज सुधार कार्य में भाग लेंगे।

यह समय मानसिक तनाव मुक्ति एवम् शान्ति का सूचक है। शत्रु सरलता से परास्त होंगे व जीवन में शान्ति प्राप्त होने की संभावना है।

जन्म चंद्रमा से मंगल का दशम भाव से गोचर (11 मई 2026 12:38:24 से 20 जून 2026 23:59:19)

इस अवधि में मंगल चन्द्रमा की ओर से आपके दसवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह सफलता के बी ऊबड़-खाबड़ मार्ग का द्योतक है। इसमें अनेक मिली-जुली मुसीबतें आ सकती हैं जैसे अफसरों को अभद्र व्यवहार, प्रयासों में विफलता, दुःख, निराशा, थकान आदि। फिर भी आपको अपने कार्यक्षेत्र में अन्त में सफलता मिल सकती है। आपसे कुछ तो पहले से भी अच्छा कार्य सम्पन्न करेंगे। हाँ कार्य की माँग के अनुसार आपमें से कुछ को यहाँ-वहाँ जाना पड़ सकता है।

इस काल में आपको प्रतिष्ठा, पद व अधिकार में वृद्धि दिए जाने की संभावना है। आपका नाम अपने अधिकारियों के विशेष कृपा-पात्रों की सूची में आ सकता है तथा अच्छे मित्रों का दायरा भी बढ़ सकता है।

आपका महिमामंडित गौरव आपके जीवन में कुछ नए मित्र ला सकता है।

किन्तु स्वास्थ्य आपका ध्यान अपनी ओर अवश्य खींचेगा। ध्यान रखिए कि आप क्या खा रहे हैं व स्वस्थ मानसिकता बनाए रखें।

आपमें से कुछ को चिंताओं से मुक्ति मिलने व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है। कुछ भी हो, शत्रुओं को कम न समझें व शस्त्रों से दूर रहें।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वादश भाव से गोचर (14 मई 2026 10:53:32 से 8 जून 2026 17:42:45)



इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह जीवन में प्रिय व अप्रिय दोनों प्रकार की घटनाओं के मिश्रण का सूचक है। एक और जहाँ इस दौरान वित्तीय लाभ हो सकता है वहीं दूसरी ओर धन व वस्तों की अप्रत्याशित हानि भी हो सकती है। यह अवधि विदेश यात्रा पर पैसे की बर्बादी व अनावश्यक व्यय की भी दौतक है।

इस समय आप बढ़िया वस्त फहनेंगे जिनमें से कुछ खो भी सकते हैं। घर में चोरी के प्रति विशेष सतर्कता बरतें।

यह समय दाम्पत्य सुख भोगने का भी है। यदि आप अविवाहित हैं तो विपरीत लिंग वाले व्यक्ति के साथ सुख भोग सकते हैं।

मित्र आपके प्रति सहयोग व सहायता का रवैया अपनाएँगे व उनका व्यवहार अच्छा होगा।

नुकीले तेज धार वाले शस्त्रों व संदेहात्मक व्यतियों से दूर रहें। यदि आप किसी भी प्रकार से कृषि उद्योग से जुड़े हुए हैं तो विशेष ध्यान रखें क्योंकि इस समय आपको हानि हो सकती है।

जन्म चंद्रमा से बुध का एकादश भाव से गोचर (15 मई 2026 00:31:50 से 29 मई 2026 11:11:41)

इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह धन लाभ व उपलब्धियों का सूचक है। यह समय आपके लिए धन लाभ लेकर आ सकता है। आप विभिन्न स्त्रोतों से और अधिक आर्थिक लाभ की आशा कर सकते हैं। आपके व्यक्तिगत प्रयास, व्यापार व निवेश आपके लिए और अधिक मुनाफा और अधिक धन लाभ ला सकते हैं। यदि आप सेवारत हैं या व्यवसायी हैं तो इस विशेष समय में आपके और अधिक सफल होने की संभावना है। आप इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अधिक समृद्ध होंगे।

स्वास्थ्य अच्छा रहना चाहिए। आप स्वयं में पूर्ण शान्ति अनुभव करेंगे। आप बातचीत व व्यवहार में और भी अधिक विनम्र हो सकते हैं।

घर पर भी आप सुख की आशा कर सकते हैं। आपके बच्चे व जीवनसाथी प्रसन्न व विनीत रहेंगे। कोई अच्छा समाचार प्राप्त होने की संभावना है। आप भौतिक सुविधाओं से धिरे रहेंगे।

सामाजिक दृष्टि से भी यह अच्छा दौर है। समाज आपको और अधिक आदर-सम्मान देगा। आपकी वाकपटुता व मनोहारी प्रकृति के कारण लोग आपके पास खिंचे चले आएँगे।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का एकादश भाव से गोचर (15 मई 2026 06:21:46 से 15 जून 2026 12:52:44)

इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका अर्थ है धन लाभ, आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार व उन्नति।

अपने अफसर से पदोन्नति माँगने का यह अनुकूल समय है। यह अवधि कार्यालय में आपकी उन्नति, पदाधिकारियों के विशेष अप्रत्याशित अनुग्रह तथा राज्य से सम्मान तक प्राप्त होने की है।

इस समय आप व्यापार में लाभ, धन प्राप्ति और यहां तक कि मित्रों से भी लाभ प्राप्त करने की आशा की जा सकती है।

समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा पड़ोस में सम्मान में वृद्धि हो सकती है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा जो परिवार के लिए आनन्ददायक होगा।

इस काल के दौरान आपके घर कोई आध्यात्मिक निर्माणात्मक कार्य सम्पन्न होगा जो घर - परिवार के आनन्द में वृद्धि करेगा। आमोद-प्रमोद, अच्छा स्वादिष्ट भोजन व मिष्ठान आदि का भी वितरण होगा। कुल मिलाकर यह समय आपके व परिवार के लिए शान्तिपूर्ण व सुखद है।

जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (29 मई 2026 11:11:41 से 22 जून 2026 15:30:21)

इस अवधि में बुध चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए व्यय का द्योतक है। सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है।

इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें। समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें।



कई कारणों से आप मानसिक रूप से त्रस्त हो सकते हैं। इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है। इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है। इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से गुरु का प्रथम भाव से गोचर (2 जून 2026 01:49:46 से 31 अक्टूबर 2026 12:02:02)

इस अवधि में बृहस्पति चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके जीवन में कुछ महत्वपूर्ण नकारात्मक परिणामों का सूचक है। किसी भी प्रकार के रोग से बचने को स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान देने व सावधानी बरतने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य का प्रश्न हो तो जीवन को खतरे में न डालें।

वित्त की दृष्टि से भी समय कठिन है और कुछ अनावश्यक खर्चों के कारण धन हाथ से जा सकता है।

लम्बी यात्रा से बचें क्योंकि वांछित परिणाम मिलने की संभावना नहीं है व कष्ट झेलना पड़ सकता है। आपके मातृभूमि से दूर रहने की भी संभावना है।

यदि आप बेरोजगार हैं तो निराशा ही हाथ लग सकती है। व्यवसाय में भी कठिन समय से गुजरना पड़ सकता है। वरिष्ठ व्यक्तियों से विवाद से बचें क्योंकि यह मानसिक कष्ट का कारण बन सकता है। अपनी परियोजना समय पर सफलतापूर्वक पूरी करने हेतु अतिरिक्त श्रम करें।

इस समय आपको सरकार का आक्रोश, अपमान व अवनति भी झेलनी पड़ सकती है। अपने पद व प्रतिष्ठा को बनाए रखें व किसी भी मूल्य पर उन्हें खतरे में न डालें।

साथ ही परिवार में भी विवाद से बचें व शान्त रहें। अन्य व्यक्तियों से व्यवहार करते समय अपने निर्णयों का ध्यान रखें। यह समय मानसिक यातना व अवसाद ला सकता है अतः अपना उत्साह व जोश बनाए रखें।

फिर भी, आपमें से कुछ को इस विशेष समय में पुरानी समस्याओं का हल मिलेगा। आपको बालक के गर्भाधान का समाचार भी मिल सकता है। धार्मिक कृत्यों में सुचि बढ़ेगी।

विद्यार्थियों को उत्तम सफलता मिलने की संभावना है। आपका सामाजिक सम्मान भी इस दौरान बढ़ सकता है।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का प्रथम भाव से गोचर (8 जून 2026 17:42:45 से 4 जुलाई 2026 19:13:41)

इस अवधि में शुक्र चन्द्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए भौतिक व ऐन्ड्रिक भो विलास सुख का सूचक है। आप व्यक्तिगत जीवन में अनेक घटनाओं की आशा कर सकते हैं। यदि आप अविवाहित हैं तो आपको आदर्श साथी मिलेगा। आपमें से कुछ परिवार में ए कनए सदस्य के आने की आशा भी कर सकते हैं। सामाजिक रूप से नए लोगों से मिलने व विपरीत लिंग वालों का साथ पाने हेतु यह अच्छा समय है। समाज में आपको सम्मान मिलने व प्रतिष्ठा बढ़ने की संभावना है। आपको सुस्वादु देशी-विदेशी बढ़िया भोजन का आनन्द उठाने के ढेर सारे अवसर मिलेंगे। इस दौरान जीवन को और ऐश्वर्ययुक्त व मादक बनाने हेतु आपको वस्तुएँ व अन्य उपकरण उपलब्ध होंगे। आप वस्त्र, सुगम्यियाँ (छत्रादि), सौंदर्य प्रसाधन व वाहन का भी आनन्द उठा सकते हैं।

वित्तीय दृष्टि से यह समय निर्विघ्न है। आपकी आर्थिक दशा में भी सुधार होगा।

यदि आप विद्यार्थी हैं तो ज्ञानोपार्जन के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने हेतु यह उत्तम समय है।

आप इस समय विशेष में शत्रुओं के विनाश की आशा कर सकते हैं। ऐसे किसी भी प्रभाव से बचें जो आपमें नकारात्मक आक्रोश जगाए।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वादश भाव से गोचर (15 जून 2026 12:52:44 से 16 जुलाई 2026 23:39:06)

इस अवधि में सूर्य चन्द्रमा से आपके बारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह काल विशेष रूप से आर्थिक चुनौतियों से परिपूर्ण है। अतः कोई भी वित्त सम्बन्धी निर्णय सोच-समझकर सावधानी पूर्वक लें।

यदि आप कहीं कार्यरत हैं तो आप और आपके अधिकारी के बीच कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं। अधिकारी आपके कार्य की सराहना



नहीं करेंगे और संभव है कि आपको दिए गए उत्तरदायित्व में कटौती करें या आपका वेतन कम कर दें। यदि आपको अपने प्रयासों व परिश्रम की पर्याप्त सराहना न हो, इच्छित परिणाम न निकलें तो भी निराश न हों।

यदि आप व्यापारी हैं तो व्यापार में धक्का लग सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें।

यह समय सामाजिक दृष्टि से भी कठिनाईपूर्ण है। किसी विवाद में न पड़ें क्योंकि मित्र व वरिष्ठ व्यक्तियों से झगड़े की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

आपको लम्बी यात्रा पर जाना पड़ सकता है परन्तु उसके मनचाहे परिणाम नहीं निकलेंगे। ऐसे कार्यकलापों से बचें जिनमें जीवन के लिए खतरा हो, सुरक्षा को अपना मूल-मंत्र बनाएं। अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें क्योंकि ज्वर, पेट की गड़बड़ी अथवा नेत्र रोग हो सकता है। इस समय असंतोष आपके घर की शांति व सामंजस्य पर प्रभाव डाल सकता है।

जन्म चंद्रमा से मंगल का एकादश भाव से गोचर (20 जून 2026 23:59:19 से 2 अगस्त 2026 22:51:12)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके ग्यारहवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आप व आपके परिवार के लिए सुखद समय लाएगा। इस समय आपको भूसम्पत्ति की प्राप्ति होगी एवं व्यवसाय व व्यापार में लाभ होगा। संतान पक्ष से भी आपमें से कुछ को लाभ प्राप्त होने की संभावना है। सेवारत व्यक्तियों हेतु भी समय शुभ है। आपमें से कुछ की वेतनवृद्धि व पदोन्नति हो सकती है। आपके समस्त प्रयास व उद्यम सफल होंगे व अधिक लाभ प्राप्त होगा।

इस समय आप केवल व्यवसाय में ही नहीं वरन् अपने दैनिक जीवन में भी सुधार देखेंगे। आपका सामाजिक स्तर, सम्मान व प्रतिष्ठा सभी में वृद्धि की संभावना है। आपकी उपलब्धियों से आपके व्यक्तित्व में और अधिक निखार आएगा।

आपमें से कुछ परिवार में शिशु जन्म से सुख व शान्ति में वृद्धि होगी। संतान व भाई-बहनों से और भी अधिक सुख मिलेगा।

अच्छे स्वास्थ्य व रोगमुक्त शरीर के कारण आप प्रसन्ना अनुभव करेंगे। आप अपने को पूर्णतया इतना निर्भीक अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा।

जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (22 जून 2026 15:30:21 से 7 जुलाई 2026 10:46:15)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है। इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े। इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द हृदय को छलनी कर दें। स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है। ध्यानपूर्वक खर्च करें।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं। अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें। आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपनै दाएरे में व्यर्थ ही शत्रुता का कारण बन सकता है। मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें। ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्व व गरिमा कम हो। सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें। अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं। यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं। घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं। स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है। सभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ट परिणाम निकलेंगे।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का द्वितीय भाव से गोचर (4 जुलाई 2026 19:13:41 से 1 अगस्त 2026 09:28:03)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आर्थिक लाभ का समय है। इसके अतिरिक्त यह समय जीवनसंगी व परिवार के साथ अत्यंत मंगलमय रहेगा। यदि आप पर लागु हो तो परिवार में नए शिशु के आने की आशा की जा सकती है।

आर्थिक रूप से आप सुख - चैन की स्थिति में होंगे व आपके परिवार की समृद्धि में निरन्तर वृद्धि की आशा है। व्यक्तिगत रूप से आप बहुमूल्य पोशाक व साथ के सारे साज सामान जिनमें बहुमूल्य रत्न भी शामिल हैं। अपने स्वयं के लिए क्रय कर सकते हैं। कला व संगीत



में आपकी रुचि बढ़ेगी। आप उच्च पदाधिकारियों अथवा सरकार से अनुग्रह की आशा कर सकते हैं।

स्वास्थ्य बढ़िया रहने की आशा है साथ ही सौंदर्य में भी वृद्धि हो सकती है।

जन्म चंद्रमा से बुध का द्वादश भाव से गोचर (7 जुलाई 2026 10:46:15 से 5 अगस्त 2026 19:54:01)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके बारहवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए व्यय का द्योतक है। सुविधापूर्ण जीवन के लिए आपको अनुमानित से अधिक खर्च करना पड़ सकता है। मुकदमेबाजी से दूर रहें क्योंकि यह धन के अपव्यय का कारण बन सकता है। इसके अलावा आपको अपने द्वारा सम्पादित कार्यों को पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ सकता है।

शत्रुओं से सावधान रहें और अपमानजनक स्थिति से बचने के लिए उनसे दूर ही रहें। समाज में अपना मान व प्रतिष्ठा बचाए रखने का प्रयास करें।

कई कारणों से आप मानसिक रूप से त्रस्त हो सकते हैं। इस समय आपको बेचैनी व चिन्ताओं की आशंका हो सकती है। इस दौर में असंतोष व निराशा के आप पर हावी होने की भी संभावना है।

आपका खाने से व दाम्पत्य सुखों से मन हटने की भी संभावना है। इन दिनों आप स्वयं को बीमार व कष्ट में महसूस कर सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का प्रथम भाव से गोचर (16 जुलाई 2026 23:39:06 से 17 अगस्त 2026 07:58:29)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका आपके कार्य एवम् आपके व्यक्तिगत जीवन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा। इसमें स्थायी अथवा अस्थाई स्थान परिवर्तन, कार्य करने के स्थान पर कठिनाइयाँ तथा अपने वरिष्ठ अफसरों अथवा मालिक की अप्रसन्नता झेलना विशिष्ट हैं। अपने कार्य करने के स्थान या कार्यालय में बदनामी से बचने को आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी।

अपने नियत कार्य पूर्ण करने अथवा उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु आपको सामान्य से अधिक प्रयास करना होगा। आपको लम्बी यात्राओं पर जाना पड़ सकता है परन्तु आवश्यक नहीं है कि आपका मनचाहा परिणाम प्राप्त हो।

इस समय के दौरान आप थकान महसूस कर सकते हैं। आपको उदर रोग, पाचन क्रिया सम्बन्धी रोग, नेत्र तथा हृदय से सम्बन्धित समस्याएँ हो सकती हैं। अतः स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने व ध्यान देने की आवश्यकता है। इस काल के दौरान आप कोई भी खतरा मोल न लें।

जहाँ तक घर का सम्बन्ध है, परिवार में अनबन तथा मित्रों से मन-मुटाव वाली परिस्थितियाँ गृह-कलह अथवा क्लेश का कारण बन सकती हैं। जीवन साथी से असहमति अथवा विवाद आपके वैवाहिक सम्बन्धों को प्रभावित कर सकता है। कुल मिलाकर घर की शान्ति एवम् परस्पर सामन्जस्य हेतु यह समय चुनौतीपूर्ण है।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (1 अगस्त 2026 09:28:03 से 2 सितम्बर 2026 13:44:14)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है। आप अपनी विवितीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा है। आपके सहयोगी व परिचारों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा। इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा। आप इस समय अच्छे वस्तु पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं। आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है। यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है। आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं।



फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो। आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है। शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं। हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें।

जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वादश भाव से गोचर (2 अगस्त 2026 22:51:12 से 18 सितम्बर 2026 16:35:19)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा की ओर से आपके बाहरवे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह शारीरिक व्याधि व पीड़ा का द्योतक है। यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो यह समय तनावपूर्ण रहेगा। स्वास्थ्य के सम्बन्धित सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दें क्योंकि इस समय आपमें रोग पनप सकता है, विशेष रूप से नेत्र व पेट सम्बन्धी व्याधियाँ उभर सकती हैं। पैरों का भी ध्यान रखें। इन दिनों शारीरिक सक्रियता वाली गतिविधियों से बचें क्योंकि जीवन को खतरा हो सकता है। आपमें से कुछ को भयानक स्वप्न या दुःस्वप्न आ सकते हैं।

आपका कार्यक्षेत्र सफलता प्राप्त करने के प्रयास में अत्यधिक दबावपूर्ण व अधिक कार्य के कारण कठोर हो सकता है। यदि आप सावधानी नहीं बरतेंगे तो आपमें से कुछ को अपमान व अवमानना झ़िलनी पड़ सकती है जिससे पद खतरे में पड़ सकता है।

वित्त सम्बन्धी सावधानियाँ बरतें तथा अपव्यय से बचें।

घर पर पति/पत्नी, संतान, भाई बहन, संतान और रिश्तेदारों से मधुर सम्बन्ध रखें। उनसे विवाद में न पड़ें। शत्रुओं से टकराव से बचें व नए शत्रु न बने इसके प्रति सावधानी बरतें।

आपको विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं। किन्तु आपमें से कुछ को यात्रा के फलस्वरूप वांछित परिणाम नहीं मिलेंगे और यूँ ही निरुद्देश्य भटकते रहेंगे।

जन्म चंद्रमा से बुध का प्रथम भाव से गोचर (5 अगस्त 2026 19:54:01 से 22 अगस्त 2026 19:31:37)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका जीवन में विपरीत परिणाम हो सकता है। इसमें अधिकतर ऐसी स्थिति आती है जब आपको किसी की इच्छा के विरुद्ध अनचाही सेवा करनी पड़े। इस दौरान आप उत्पीड़न के शिकार हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में घसीटे जाने से बचें जहाँ मन को दग्ध करने वाले और कोड़ों की तरह बसने वाले दयाहीन शब्द हृदय को छलनी कर दें। स्वयं को आगे न लाना व अपना कार्य करते रहना ही स समय उत्तम है।

अपव्यय के प्रति सचेत रहें क्योंकि यह पैसे की कमी का कारण बन सकता है। ध्यानपूर्वक खर्च करें।

आपकी ऐसे कुपात्रों से मित्रता की भी संभावना है जो हानि पहुँचा सकते हैं। अपने निकट वाले व प्रियजनों से व्यवहार करते समय शब्दों का ध्यान रखें। आपमें संवेदनशीलता का अभाव आपके अपने दाएरे में व्यर्थ ही शत्रु का कारण बन सकता है। मुकदमों व दुर्जनों की संगत से बचें। ऐसा कुछ न करें जिससे आपका महत्त्व व गरिमा कम हो। सौभाग्य की निरन्तर आवश्यकता रहती है, उसे बचाए रखें। अपनी शिक्षा व अनुभव का लाभ उठाते हुए जीवन में व्यवधान न आने दें।

लचीलेपन को अपनाएँ क्योंकि आपकी योजना, परियोजना अथवा विचारों में अनेक ओर के दबाव से भय की आशंका को देखते हुए कुछ अन्तिम समय पर परिवर्तन करने पड़ सकते हैं। यदि आप विदेश में रहते हैं तो कुछ बाधाएँ आ सकती हैं। घर में भी अनुष्ठान सम्पन्न करने में बाधाएँ आ सकती हैं। स्वयं का व परिवार का ध्यान रखें क्योंकि इस दौरान छल-कपट का खतरा हो सकता है। संभव हो तो यात्रा न करें क्योंकि न तो आनन्द आएगा न अभीष्ट परिणाम निकलेंगे।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का द्वितीय भाव से गोचर (17 अगस्त 2026 07:58:29 से 17 सितम्बर 2026 07:52:41)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके लिए धन सम्बन्धी चुनौतियों का है। इस दौरान आपको पूर्वभास हो जाएगा कि व्यापार में अपेक्षित लाभ न होकर धन का ह्रास हो रहा है। यदि आप कृषि सम्बन्धी कार्य करते हैं तो उसमें भी कुछ हानि हो सकती है।

इस समय अनेक प्रकार के प्रिय व निकट रहने वाले आक्रांत करते रहेंगे। आप अपने प्रिय व निकट रहने वाले व्यक्तियों के प्रति चिड़िचिड़ेपन का व्यवहार करेंगे। आपके कार्य घटिया व नीचतापूर्ण हो सकते हैं। आप पाएंगे कि सदा आसानी से किए जाने वाले साधारण क्रियाकलापों को करने में भी आपको कठिनाई अनुभव हो रही है।

नेत्रों के प्रति विशेष सावधानी बरतें। यह समय नेत्र सम्बन्धी समस्याओं का है। इन दिनों आप सिर दर्द से भी परेशान रह सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से बुध का द्वितीय भाव से गोचर (22 अगस्त 2026 19:31:37 से 7 सितम्बर 2026 13:32:41)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आर्थिक लाभ व आय में वृद्धि का द्योतक है। विशेष रूप



से उनके लिए जो रत्न व्यवसाय से जुड़े हैं।

इस समय सफलतापूर्वक कुछ नया सीखने से व ज्ञान अर्जित करने से आपको आनन्द का अनुभव होगा।

इस काल में अच्छे व्यक्तियों का साथ मिलेगा और सुस्वादु बढ़िया भोजन करने के अवसर प्राप्त होंगे।

यह सब कुछ होते हुए भी कुछ लोगों के लिए यह विशेष समय कष्ट, समाज में बदनामी व शत्रुओं द्वारा हानि पहुँचाने का हो सकता है। इस काल में आप किसी सम्बन्धी व प्रिय मित्र को भी खो सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (2 सितम्बर 2026 13:44:14 से 6 नवम्बर 2026 01:04:17)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का द्योतक है। आप समृद्धि बढ़ने की आशा कर सकते हैं। यदि आप कृषि व्यवसाय में हैं तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है। साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है। आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं। इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे। इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से बुध का तृतीय भाव से गोचर (7 सितम्बर 2026 13:32:41 से 26 सितम्बर 2026 12:38:19)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह आप व आपके अधिकारियों के बीच विषम स्थिति का सूचक है। आपको अपने से वरिष्ठ अधिकारी व अफसर से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। किसी भी ऐसे तर्क से जो विवादपूर्ण है अथवा गलतफहमी को जन्म दे, दूर रहें।

जाने-पहचाने शत्रुओं से दूर रहें तथा अनजानों के प्रति सावधान रहें। फिर भी यह दौर आपको कुछ न व सुयोग्य मित्र भी दे सकता है जिनकी मित्रता जीवन की एक मूल्य निधि होगी। वित्त को सावधानीपूर्वक खर्च करें क्योंकि धन पर इस समय विशेष ध्यान की आवश्यकता है। धन हाथ से न निकल जाय इसके प्रति विशेष सावधानी बरतें।

बुध की इस यात्रा में आप विषाद, पुराने तथ्यों को पुनः एकत्रित करने की परेशानी, मानसिक तनाव व प्रयासों में आई अप्रत्याशित रुकावट से कष्ट भोग सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का तृतीय भाव से गोचर (17 सितम्बर 2026 07:52:41 से 17 अक्टूबर 2026 19:51:25)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके व्यवसाय एवम् व्यक्तिगत जीवन में सुख व सफलता का है। व्यवसाय में आपकी उन्नति के सुअवसर हैं। आपको आपके अच्छे कार्य व उपलब्धियों हेतु राजकीय पुरस्कार प्राप्त हो सकता है।

समाज में आपको और भी अधिक सम्माननीय स्थान प्राप्त हो सकता है। परिवार के सदस्य, मित्र व परिचित व्यक्ति आपको सहज स्वार्थरहित सेह देंगे तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी।

व्यक्तिगत जीवन में आप स्वयं को मानसिक व शारीरिक रूप से इतना स्वस्थ अनुभव करेंगे जैसा पहले कभी नहीं किया होगा। इस दौरान धन लाभ भी होगा। जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण सकारात्मक व उत्साहपूर्ण होगा। बच्चे जीवन में विशेष आनन्द का स्तोत होंगे। कुल मिलाकर सुखमय समय का वरदान मिला है।

जन्म चंद्रमा से मंगल का प्रथम भाव से गोचर (18 सितम्बर 2026 16:35:19 से 12 नवम्बर 2026 20:18:16)

इस अवधि में मंगल आपके प्रथम भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह कठिनाइयों का सूचक है। व्यापार और व्यवसाय के लिए यह समय काँटों भरी राह का है। आपको अपनी परियोजना समय पर सफलतापूर्वक समाप्त करने में कठिनाई आ सकती है। अच्छा हो इन दिनों



आप कोई नया कार्य आरम्भ न करें। यदि आप सेवारत हैं तो वरिष्ठ सदस्यों, अधिकारियों व सरकारी विभाग से विवाद एवं गलतफहमियों से बचें। आपमें से कई को अपने पद में परिवर्तन झेलना पड़ सकता है।

शत्रुओं पर नजर रखें क्योंकि वे इस समय आपके लिए समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं।

आपको कुछ अनचाहे खर्चे करने पड़ सकते हैं अतः धन के सम्बन्ध में विशेष सावधानी बरतें। धन व्यय करने की ललक पर नियंत्रण रखें।

इस अवधि में यात्रों के अनेक अवसर हैं। अतः आप विवाहित हैं तो जीवनसाथी व बच्चों से दूर रहने का योग है।

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आर रोज के जीवन में बुझा-बुझा सा व उत्साहीन अनुभव कर सकते हैं। आपमें ज्वर तथा रक्त व पेट से सम्बन्धित कष्ट पनप सकते हैं। आप हथियार, अग्नि, विषैले जीव अर्थात् ऐसी हर वस्तु से दूर रहें जो जीवन के लिए खतरा बन सकती है। अपने आप को चुस्त-दुरुस्त रखने का प्रयत्न करें क्योंकि इसमें आपको विषाद, घबराहट व व्यर्थ के भय के दौरे से पड़ सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से बुध का चतुर्थ भाव से गोचर (26 सितम्बर 2026 12:38:19 से 2 दिसम्बर 2026 17:27:16)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह जीवन के हर क्षेत्र में उत्त्रांति का सूचक है। व्यक्तिगत रूप से आप अपने जीवन से पूर्णतया संतुष्ट होंगे और हर कार्य, हर उद्यम में लाभ होगा। समाज में आपका स्तर बढ़ेगा व आप सम्मान प्राप्त करेंगे।

वित्तीय रूप से भी यह अच्छा दौर है और धन व जायदाद के रूप में सम्पत्ति प्राप्त होने का द्योतक है। आपको अपने पति/पत्नी व विपरीत लिंग वालों से लाभ होने की संभावना है।

घर में यह समय किसी नए सदस्य के आने का सूचक है। आपकी माता आप पर गर्व करे, इसकी भी पूरी संभावना है। आपकी उपस्थिति मात्र से परिवार के सदस्यों को सफलता मिल सकती है।

आपकी उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त व सज्जन व सुसंस्कृत नए व्यक्तियों से मित्रता होने की संभावना है।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का चतुर्थ भाव से गोचर (17 अक्टूबर 2026 19:51:25 से 16 नवम्बर 2026 19:42:56)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह समय आपके वर्तमान सामाजिक स्तर व कार्यालय में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने में कठिनाई का है क्योंकि इसमें गिरावट के संकेत हैं। अपने से वरिष्ठ अधिकारी शुभचिन्तकों व परामर्शदाताओं से विवाद से बचें।

वैवाहिक जीवन में तनाव व दाम्पत्य सुख में यथेष्ट कमी आ सकती है। गृह शान्ति के लिए परिवार के सदस्यों से किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें।

यह संकट अवसाद व चिन्ताओं का समय सिद्ध हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति विशेष सर्वक रहें तथा रोग से बचाव व नशे से दूर रहना आवश्यक है।

इस काल में यात्रा बाधा दौड़ हो सकती है। अतः उसके अपेक्षित परिणाम नहीं निकल सकते।

जन्म चंद्रमा से गुरु का द्वितीय भाव से गोचर (31 अक्टूबर 2026 12:02:02 से 25 जनवरी 2027 01:31:44)

इस अवधि में बृहस्पति चंद्रमा से आपके द्वितीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह कुल मिलाकर शुभ समय का सूचक है। यह दौर आपकी वर्तमान आयु, कृषि, व्यापार में लाभ प्राप्ति व प्रसन्नतापूर्वक दान कार्यों में व्यय किए जाने वाले धन आदि की वृद्धि में वरदानस्वरूप सिद्ध हो सकता है। इसमें भूमि, जायदाद या सम्पदा में आप निवेश कर सकते हैं व यदि कोई ऋण है तो उसे चुकाने में यह समय सहायक होगा।

घर के लिए भी यह सुखमय दौर है व परिवार के लिए आनन्द लेकर आया है। दाम्पत्य जीवन में आप सुख की आशा कर सकते हैं। परिवार में नए सदस्य का आगोचर हो सकता है।

कामकाज में आप अधिकारियों का विश्वास प्राप्त करेंगे व दूसरे आपसे प्रभावित होंगे।



इस समय आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। सामाजिक रूप से यह समय तुष्टिकारक है क्योंकि आपको और अधिक आदर मिलने की संभावना है व आपको उच्च कोटि की शान-शौकत व मान का अनुभव होने वाला है।

मानसिक रूप से आप शान्ति अनुभव करेंगे तथा अपनी बुद्धि को इस समय और भी प्रखर करने की संभावना है।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का तृतीय भाव से गोचर (6 नवम्बर 2026 01:04:17 से 22 नवम्बर 2026 17:20:45)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके तृतीय भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके लिए सुख व संतोष का सूचक है। आप अपनी विवितीय स्थिति में लगातार वृद्धि की आशा व वित्तीय सुरक्षा की भी आशा कर सकते हैं।

व्यवसाय की दृष्टि से यह समय अच्छा होने की संभावना है व आप पदोन्नति की आशा कर सकते हैं। आपको अधिक अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। आपको आपके प्रयासों का लाभ भी मिल सकता है।

सामाजिक दृष्टि से भी समय सुखद है और आपके अपनी चिन्ताओं व भय पर विजय पा लेने की आशा है। आपके सहयोगी व परिचारों का रवैया सहयोगपूर्ण व सहायतापूर्ण रहेगा। इस विशेष समय में मित्रों का दायरा बढ़ने की व शत्रुओं पर विजय पाने की संभावना है।

अपने स्वयं के परिवार से आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपके भाई - बहनों का समय भी आपके साथ आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा। आप इस समय अच्छे वस्तु पहनेंगे व बहुत बढ़िया भोजन ग्रहण कर सकते हैं। आपकी धर्म में रुचि बढ़ेगी व एक मांगलिक कार्य आपको आल्हादित कर सकता है।

स्वास्थ्य के अच्छे रहने की संभावना है। यदि विवाह योग्य है तो विवाह के सम्बन्ध में सोच सकते हैं क्योंकि यह समय आदर्श साथी खोजना का है। आपमें से कुछ परिवार में नए सदस्य के आगोचर की आशा कर सकते हैं।

फिर भी संभव है यह समय इतना अच्छा न हो। आपमें से कुछ को व्यापार में वित्तीय हानि होने का खतरा है। शत्रु भी इस समय समस्याएँ पैदा कर सकते हैं। हर प्रकार के विवाद व गलतफहमियों से दूर रहें।

जन्म चंद्रमा से मंगल का द्वितीय भाव से गोचर (12 नवम्बर 2026 20:18:16 से 10 मार्च 2027 00:13:26)

इस अवधि में मंगल चंद्रमा से आपके दूसरे भाव में होता हुआ गोचर करेगा। यह हानि उठाने का समय है। अपने धन व मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करें क्योंकि इस काल में चोरी की संभावना है। कार्यस्थल पर कुछ अप्रिय घटनाओं के कारण निराशा का दौर रहेगा। विवाद से दूर रहें। किसी के भी सामने बोलने से पहले अपने शब्दों को ताल लें। यदि आपने सावधानी नहीं बरती तो यह बुरा समय आपमें से कुछ को पदच्युत भी कर सकता है।

पुराने शत्रुओं से सतर्क रहें व नए न बनने दें। आपमें दूसरों के लिए ईर्ष्या जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ उभर सकती हैं। अपने अधिकारी व सरकार के क्रोध के प्रति संघेत रहें। इस विशेष समय में आप कुछ दुष्ट लोगों से मित्रता करके अपने परिवार व प्रियजनों से झगड़ा मोल ले सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से सूर्य का पंचम भाव से गोचर (16 नवम्बर 2026 19:42:56 से 16 दिसम्बर 2026 10:24:46)

इस अवधि में सूर्य चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होता हुआ गोचर करेगा। इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ेगा। यह समय विशेष रूप से आर्थिक चुनौतियों व मानसिक शान्ति में विश्व पड़ने का सूचक है। अपने व्यवसाय कार्यालय में भी आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी जिससे आपके अधिकारीगण आपके कार्य से अप्रसन्न न हों। कार्यालय में अपने से ऊँचे पदाधिकारी व मालिक से विवाद से बचें। कुछ सरकारी मसले आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकते हैं। इस काल में कुछ नए लोगों से शत्रुता भी हो सकती है।

संभव है कि आप स्वयं को अस्वस्थ अथवा अकर्मण्य अनुभव करें। अतः स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। आपके स्वभाव में भी अस्थिरता आ सकती है।

संतान से सम्बन्धित समस्याएँ चिन्ता का विषय बन सकती है। ऐसे किसी भी विवाद से बचें जो आप व आपके पुत्र के बीच मतभेद का कारण बने। आपके परिवार का स्वास्थ्य भी हो सकता है। उतना अच्छा न रहे जितना होना चाहिए। मानसिक चिन्ता, भय व बैचेनी आपके ऊपर हावी होकर कुप्रभाव डाल सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से शुक्र का चतुर्थ भाव से गोचर (22 नवम्बर 2026 17:20:45 से 1 जनवरी 2027 23:22:36)

इस अवधि में शुक्र चंद्रमा से आपके चतुर्थ भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह अधिकतर वित्तीय वृद्धि का घोतक है। आप समृद्धि बढ़ने



की आशा कर सकते हैं। यदि आप कृषि व्यवसाय में हैं तो यह कृषि संसाधनों, उत्पादों आदि पा लाभ मिलने के लिए अच्छा समय हो सकता है।

घर में आपका बहुमूल्य समय पत्नी/पति व बच्चों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत करने में व्यतीत होने की संभावना है। साथ ही आप बढ़िया भोजन, उत्तम शानदार वस्त्र व सुगंधियों का आनन्द उठाएँगे।

सामाजिक जीवन घटनाओं से परिपूर्ण रहेगा। आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी व नए मित्र बनने की संभावना है। आपके नए - पुराने मित्रों का साथ सुखद होगा और आप घर से दूर आमोद - प्रमोद में कुछ आनन्दमय समय बिताने के बारे में सोच सकते हैं। इसमें विपरीत लिंग वालों के साथ का आनन्द उठाने की भी संभावना है।

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप अपने भीतर शक्ति महसूस करेंगे। इस विशेष समय में ऐशोआराम के उपकरण खरीदने के विषय में आप सोच सकते हैं।

जन्म चंद्रमा से केतु का प्रथम भाव से गोचर (25 नवम्बर 2026 17:45:35 से 24 मई 2028 15:06:31)

इस अवधि में केतु चंद्रमा से आपके प्रथम भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय आपके लिए संघषपूर्ण रहेगा। शत्रुओं से सावधान रहें क्योंकि उनके और्ध्व शक्तिशाली व आक्रामक होने की संभावना है।

वित्तीय दृष्टि से भी यह नाजुक समय हो सकता है। खर्चे अत्यधिक बढ़ सकते हैं। जबकि धन संचय आपके लिए कठिन हो सकता है। फिर भी, इस दौरान किसी भी प्रकार का ऋण लेने से बचें। संभव है आपके प्रयासों का मनोवांछित फल न मिले। ऐसे क्रिया-कलापों से दूर रहें जिनसे समाज में आपकी बदनामी हो।

स्वास्थ्य को कुछ झटका लग सकता है विशेष रूप से कृष्ण - पक्ष में। जीवन जोखिम में डालने वाले कार्यों से दूर रहें।

आपके उत्तेजित व अशान्त होकर मानसिक रूप से आक्रान्त होने की संभावना है। अतः चित्त को शान्त रखें। सिर से सम्बन्धित रोग आपको पीड़ित कर सकते हैं।

घर के वातावरण को अरुचिकर बनाने से बचें अतः परिवारजनों से विवाद न होने दें। आपके इन दिनों परिवार के सदस्यों से झगड़ा होने की भी संभावना है।

जन्म चंद्रमा से राहु का सप्तम भाव से गोचर (25 नवम्बर 2026 17:45:35 से 24 मई 2028 15:06:31)

इस अवधि में राहु चंद्रमा से आपके सातवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह समय आपके लिए थकान व विनाश लेकर आएगा। यही समय है जब आप जायदाद सम्बन्धी किसी भी प्रकार के मुकदमे व व्यापार से दूर रहें क्योंकि जायदादा हाथ से निकल जाने की संभावना ह। फिर भी आप में से कुछ के व्यापार क्षेत्र में अचानक प्रगति संभव है।

घर पर भी अपने पति / पत्नी से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें क्योंकि यह झगड़े का रूप ले सकता है। मित्रों व सम्बन्धियों से स्वेच्छा सम्बन्ध बनाए रखने की चेष्टा करें जिससे वे आपको छोड़कर न चले जायें। आप के किसी विपरीत लिंग वाले व्यक्ति से अवैध सम्बन्ध होने का खतरा है। इस प्रकार के सम्बन्ध से बचें क्योंकि इसका अंत समाज में आपकी प्रतिष्ठा नष्ट करके होगा।

आपको कोई यौन रोग लग सकता है। अतः स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आपको पित्त अथवा वायु जनित रोग हो सकते हैं। इस विशेष समय में पति / पत्नी का स्वास्थ्य भी चिंता का कारण बन सकता है।

अपने व्यवहार के प्रति सतर्क रहें व शत्रुओं से किसी भी प्रकार के विवाद से बचें। आप इस समय किसी व्यर्थ के मुकदमे में लिप्त हो सकते हैं। अपमान व बदनामी से बचने हेतु हर प्रकार की मुकदमेबाजी से दूर रहें।

आपको किसी सुदूर स्थान पर जाना पड़ सकता है जो आपके लिए मुसीबत का कारण बन सकता है।

जन्म चंद्रमा से बुध का पंचम भाव से गोचर (2 दिसम्बर 2026 17:27:16 से 22 दिसम्बर 2026 07:39:26)

इस अवधि में बुध चंद्रमा से आपके पाँचवें भाव में होते हुए गोचर करेगा। यह आपके व्यक्तिगत जीवन में कष्ट का सूचक है। इस विशेष अवधि में आप अपनी पत्नी, बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों से विवादों के टकराव से बचें। यह ऐसा समय नहीं है कि मित्रों में भी आप हठ कों अथवा अपनी राय दूसरों पर थोपें। अपने प्रियजनों से व्यवहार करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें।

Mr. Ahuja



स्वास्थ्य इस समय चिन्ता का कारण बन सकता है। खाने पर ध्यान दें क्योंकि आप ज्वर अथवा लू लगने से बीमार हो सकते हैं। ऐसे किसी क्रियाकलाप में भाग न लें जिसमें जीवन के प्रति खतरा हो।

मानसिक रूप से आप उत्तेजित व शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं।

इस समय आप बेचैनी व बदन-दर्द से पीड़ित हो सकते हैं।

कामकाज में कष्टदायक कठिन परिस्थिति आ सकती है। यदि आप विद्यार्थी हैं तो वढ़ निश्चयपूर्वक एकाग्रता से पढ़ाई पर ध्यान दें, मन को भटकने न दें।



दशा फल

चन्द्र महादशा: 31 अगस्त 2021 से 31 अगस्त 2031 तक

चन्द्र महादशा फल

स्वाभाविक फल

सामान्य रूप से चन्द्र की महादशा में निम्नलिखित फल होते हैं -

- मन्त्र, वेद में रुचि और देवता, गुरुजनों में श्रद्धा बढ़ेगी।
- राजा की प्रसन्नता तथा कृपा से पद-प्राप्ति तथा अन्य लाभ होंगे।
- युवती स्त्रियां, धन, जमीन, पुष्टि, गन्ध और आभूषण आदि अर्थात् सुख के पदार्थों का लाभ होगा।
- अनेक प्रकार की कलाओं में कुशलता प्राप्त होगी।
- समाज में यश, कीर्ति की वृद्धि होगी।
- विनम्रता, परोपकारिता आदि सदुगणों की वृद्धि होगी।
- चित्त में चंचलता रहेगी। यत्र-तत्र भ्रमण करने की इच्छा उत्पन्न होगी।
- कन्या संतानि का जन्म संभव है।
- जल संबंधी कार्यों से, खेती-बागवानी से लाभ होगा।

- चन्द्रमा निर्बल होने से कफ और वात की अधिकता से शारीरिक कष्ट प्राप्त होगा।
- आलस्य की वृद्धि, निद्रा से व्याकुलता, सिरदर्द और मानसिक अस्थिरता से कष्ट रहेगा।
- अर्थ हानि, और सज्जनों से विरोध हो सकता है।
- स्वजनों से कलह तथा वाद-विवाद संभव है।
- अच्छे कार्यों में चित्त नहीं लगता है।

विशेष फल

चन्द्र के उच्च, नीच आदि स्थान में स्थित होने के कारण, नवमांशादि के भेदाभेद के कारण एवं अन्यान्य ग्रहों से युत या दृष्ट रहने से अवस्थाओं के अनुसार फल में निम्नलिखित परिवर्तन होते हैं -

- चन्द्रमा की महादशा में कृषि या जमीन से लाभ, धन की प्राप्ति होगी।
- राजा से सम्मान, कन्या संतान का सुख, बन्धु जनों से सुख और स्त्रियों से संग होगा।
- चन्द्रमा की महादशा में अग्नि, चोर और राजा से भय, स्त्री सन्तान तथा वन्धुजनों की हानि होगी। लंबी यात्रा करनी पड़ सकती है और बुरे कामों में प्रवृत्ति होगी।
- चन्द्रमा की महादशा में कर्मों में असफलता, कुत्सित अन्न का भोजन मिलेगा।
- क्रोध की अधिकता रहेगी।
- माता अथवा मातृ पक्ष के किसी स्वजन की मृत्यु होगी।
- चन्द्रमा की महादशा में विद्या की उन्नति, कीर्ति लाभ, सुख, विजय की प्राप्ति, अर्थलाभ, नौकर और सन्तानों की वृद्धि होगी।
- चन्द्रमा की महादशा में भाग्योदय तथा धन व ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी।
- अनुकूल परिस्थिति से कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी।
- धार्मिक यात्राओं में रुचि रहेगी।
- पैतृक सुख की प्राप्ति होगी।
- चन्द्रमा की महादशा में परोपकार, धार्मिक एवं यशस्वी कार्यों में रुचि तथा सफलता मिलेगी।
- धन-धान्य और खेती की वृद्धि होगी।



- मकान और स्थावर संपत्ति की प्राप्ति, नवीन कार्य का प्रारंभ होगा।
- अनेक कलाओं में कुशलता प्राप्त होगी।
- वन और पर्वतों में विहार करने की रुचि होगी।
- गुप्त रोग से पीड़ित हो सकते हैं।

चन्द्र-शनि : 30 नवम्बर 2025 से 2 जुलाई 2027 तक

चन्द्रमा की महादशा में शनि की अन्तर्दशा का फल

चन्द्रमा की महादशा में शनि की अन्तर्दशा में -

- माता की पीड़ा से मन में दुःख संभव है।
- कार्य में विलम्ब, हानि तथा भय, शोक, संदेह से दुःख प्राप्ति संभव है।
- अनेक प्रकार के व्यसनों में प्रवृत्ति, वात विकार से पीड़ा हो सकती है।
- अग्नि और चोर से भय, वचन में कठोरता, विरोधियों से विवाद तथा अपमान की संभावना है।
- अनेक प्रकार के रोग से स्त्री, सन्तान और भाई को पीड़ा अथवा इन के द्वारा स्वयं को कष्ट हो सकता है। [?--?:z]
- पुत्र, मित्र, धन सम्पत्ति की प्राप्ति, शूद्र राजा के आश्रय से व्यवसाय में साफल्य, क्षेत्र (खेत) की वृद्धि, पुत्रलाभ, कल्याण तथा राजानुग्रह से सर्वविध वैभव होगा।

चन्द्र-शनि-शनि : 30 नवम्बर 2025 से 2 मार्च 2026 तक

शनि की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक वेदना झगड़े का भय, तथा अनेक विधि दुःख, संभव है।

चन्द्र-शनि-बुध : 2 मार्च 2026 से 23 मई 2026 तक

शनि की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, झगड़े का भय, अन्न, पान का विनाश, धनक्षय, शत्रुभय संभव है।

चन्द्र-शनि-केतु : 23 मई 2026 से 25 जून 2026 तक

शनि की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में शत्रुद्वारा बन्धन, वैवर्ण्य (म्लानता) बुधाधिक्य, मानसिक चिन्ता, भय तथा त्रास हो सकता है।

चन्द्र-शनि-शुक्र : 25 जून 2026 से 30 सितम्बर 2026 तक



शनि की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में विचारित वस्तु (मनोरथ) की सिद्धि, स्वजन में कल्याण, प्रयास में लाभ संभव है।

चन्द्र-शनि-सूर्य : 30 सितम्बर 2026 से 29 अक्टूबर 2026 तक

शनि की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में राजसतेज तथा अधिकार, अपने घर में झगड़ा, ज्वर, व्याधिजन्य पीड़ा संभव है।

चन्द्र-शनि-चन्द्र : 29 अक्टूबर 2026 से 16 दिसम्बर 2026 तक

शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में चन्द्रप्रत्यन्तर में बुद्धिविकाश, महान् कार्यों का आरम्भ, तेजोमान्य, बहुत खर्च, अनेक स्त्रियों के साथ संबन्ध संभव है।

चन्द्र-शनि-मंगल : 16 दिसम्बर 2026 से 19 जनवरी 2027 तक

शनि की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में मंगल प्रत्यन्तर में तेज की कमी, पुत्र को आघात, अग्नि तथा शत्रु से भय, वात तथा पित्त जन्य कष्ट संभव है।

चन्द्र-शनि-राहु : 19 जनवरी 2027 से 15 अप्रैल 2027 तक

शनि की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में धनक्षय, वस्त्रहानि, भूमिनाश, भय, विदेशयात्रा तथा मरण भय संभव है।

चन्द्र-शनि-गुरु : 15 अप्रैल 2027 से 2 जुलाई 2027 तक

शनि की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शनि की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में स्त्री द्वाराकृत गृहच्छिद्र, उनकी देख भाल करने में अक्षमता, झगड़ा तथा मानसिक उद्वेग संभव है।

चन्द्र-बुध : 2 जुलाई 2027 से 30 नवम्बर 2028 तक



चन्द्रमा की महादशा में बुध की अन्तर्दशा का फल

चन्द्रमा की महादशा में बुध की अन्तर्दशा में -

- विद्या, बुद्धि का लाभ, विद्वानों का समागम तथा अधिकार प्राप्ति या व्यवसाय में उन्नति होगी।
- माता पक्ष से धन की प्राप्ति, गौ, घोड़े, हाथी(वाहन) और भूमि की प्राप्ति, सम्पूर्ण ऐश्वर्य की वृद्धि होगी।
- उदारता के कारण खाति अथवा उपाधि प्राप्त हो सकती है।
- चन्द्रदशा में बुध की अन्तर्दशा में धनागम, राजसम्मान, प्रिय, वस्त्रादि-सुख, शास्त्रविचार, ज्ञानवृद्धि, पुत्रप्राप्ति, सन्तोष, लाभकारी व्यापार, छत्रयुक्त तथा अनेक अलंकारों से भूषित वाहन आदि का सुख प्राप्त होगा।
- चन्द्रदशा में बुध की अन्तर्दशा हाँने पर विवाह, यज्ञ, दान-धर्म आदि शुभकार्य तथा राजा को प्रसन्न कराने वाली विद्वानों की संगति, मोती, मणि, प्रवाल आदि रत्न तथा वाहन, वस्त्र, भूषण की प्राप्ति, शान्ति, प्रेम, सुख तथा सोमपान का सुख प्राप्त होगा।

चन्द्र-बुध-बुध : 2 जुलाई 2027 से 13 सितम्बर 2027 तक

बुध की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धि, विद्या, धन, वस्त्र का लाभ, महासुख, सुवर्णादि रत्नलाभ, संभव है।

चन्द्र-बुध-केतु : 13 सितम्बर 2027 से 13 अक्टूबर 2027 तक

बुध की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में कुत्सितान्न (कुभोजन) पेट में रोग, नेत्रों में कामला रोग तथा रक्तपित्तजरोग संभव है।

चन्द्र-बुध-शुक्र : 13 अक्टूबर 2027 से 7 जनवरी 2028 तक

बुध की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में उत्तर दिशा में लाभ, पशुओं से क्षति, राजदरबार में अधिकार संभव है।

चन्द्र-बुध-सूर्य : 7 जनवरी 2028 से 2 फरवरी 2028 तक

बुध की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में तेज में कभी, रोग तथा शारीरिक कष्ट, चित्त में विकलता संभव है।

चन्द्र-बुध-चन्द्र : 2 फरवरी 2028 से 16 मार्च 2028 तक



बुध की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में स्त्री, धन एवं सम्पत्ति का लाभ, कन्योतपत्ति, महाधनलाभ, सर्वविधि सौख्य की प्राप्ति होगी।

चन्द्र-बुध-मंगल : 16 मार्च 2028 से 15 अप्रैल 2028 तक

बुध की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में मंगल के प्रत्यन्तर में धर्म, बुद्धि, धन की प्राप्ति, चोर अग्नि आदियों से पीड़ा, रक्तवस्त्रप्राप्ति, शस्त्र से आघात संभव है।

चन्द्र-बुध-राहु : 15 अप्रैल 2028 से 2 जुलाई 2028 तक

बुध की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, एकाएक भयागम, राजा तथा शस्त्रकृत भय संभव है।

चन्द्र-बुध-गुरु : 2 जुलाई 2028 से 9 सितम्बर 2028 तक

बुध की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में राज्य या राज्याधिकार की प्राप्ति, राजा के द्वारा सम्मान, सदुबुद्धि तथा विद्या की वृद्धि संभव है।

चन्द्र-बुध-शनि : 9 सितम्बर 2028 से 30 नवम्बर 2028 तक

बुध की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- बुध की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक आघात के कारण वात पित्त जनित पीड़ा तथा अनेक रूप में धन का नाश हो सकता है।

चन्द्र-केतु : 30 नवम्बर 2028 से 1 जुलाई 2029 तक

चन्द्रमा की महादशा में केतु की अन्तर्दशा का फल

चन्द्रमा की महादशा में केतु की अन्तर्दशा में -

- धन-जन की हानि संभव है।
- स्त्री को रोग, क्रुटम्ब का नाश और पेट के रोग से पीड़ा हो सकती है।
- मन में उद्वेग, चंचलता तथा अचानक संकट आ सकता है।
- चन्द्रदशा में केतु की अन्तर्दशा में धन-लाभ, महासौख्य, पुत्र-स्त्री के सुख, धर्मकार्य, आरम्भ में धनहानि,



मध्य में उत्तम सुख प्राप्त होगा।

- चन्द्रदशा में केतु की अन्तर्दशा आरम्भ में धनागम, गो, महिषी, आदि पशुओं का लाभ होगा, अन्त में धननाश संभव है।

चन्द्र-केतु-केतु : 30 नवम्बर 2028 से 12 दिसम्बर 2028 तक

केतु की अन्तर्दशा में केतु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दशा में केतु प्रत्यन्तर में एकाएक आपित्त, देशान्तर गमन, द्रव्यनाश संभव है।

चन्द्र-केतु-शुक्र : 12 दिसम्बर 2028 से 17 जनवरी 2029 तक

केतु की अन्तर्दशा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दशा में शुक्र प्रत्यन्तर में म्लेच्छों का भय, या उससे धनक्षय, नेत्ररोग, शिरोवेदना, पशुओं की हानि संभव है।

चन्द्र-केतु-सूर्य : 17 जनवरी 2029 से 28 जनवरी 2029 तक

केतु की अन्तर्दशा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दशा में सूर्य प्रत्यन्तर में मित्रों के साथ विरोध, अपमृत्यु, पराजय, बुद्धिभंश तथा विवाद हो सकता है।

चन्द्र-केतु-चन्द्र : 28 जनवरी 2029 से 14 फरवरी 2029 तक

केतु की अन्तर्दशा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दशा में चन्द्र प्रत्यन्तर में अन्ननाश, याशःक्षय, शारीरिक पीड़ा, बुद्धिभ्रम आमावात की वृद्धि संभव है।

चन्द्र-केतु-मंगल : 14 फरवरी 2029 से 27 फरवरी 2029 तक

केतु की अन्तर्दशा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दशा में भौम प्रत्यन्तर में शस्त्राधात से, गिरने से तथा अग्नि से पीड़ा, नीच से भय और शत्रु से अशंका संभव है।

चन्द्र-केतु-राहु : 27 फरवरी 2029 से 31 मार्च 2029 तक



केतु की अन्तर्दशा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दशा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों से भय, शत्रुओं का प्रादुर्भाव, तथा क्षुद्रजनों से भी भय हो सकता है।

चन्द्र-केतु-गुरु : 31 मार्च 2029 से 28 अप्रैल 2029 तक

केतु की अन्तर्दशा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दशा में गुरु प्रत्यन्तर में धनक्षय, महोत्पात, वस्त तथा मित्रों का विनाश, सर्वत्र क्लेश संभव है।

चन्द्र-केतु-शनि : 28 अप्रैल 2029 से 1 जून 2029 तक

केतु की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में शारीरिक पीड़ा, मित्रों का बध, तथा अत्यल्पलाभ संभव है।

चन्द्र-केतु-बुध : 1 जून 2029 से 1 जुलाई 2029 तक

केतु की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- केतु की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में बुद्धिनाश, महान् उद्वेग, विद्याक्षय, महाभय तथा सतत कार्यसिद्धि में विकलता संभव है।

चन्द्र-शुक्र : 1 जुलाई 2029 से 2 मार्च 2031 तक

चन्द्रमा की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा का फल

चन्द्रमा की महादशा में शुक्र की अन्तर्दशा में -

- धन-धार्य का लाभ तथा स्त्री द्वारा धन की प्राप्ति हो सकती है।
- श्रेष्ठ स्त्री सुख, स्त्रियों के साथ हास-विलास तथा भौतिक सुखों की वृद्धि होगी।
- व्यवसाय में अनुकूलता, जल सम्बन्धी वस्तु तथा वस्त्र आभूषणों का सुख प्राप्त होगा।
- माता के रोग से पीड़ा (अर्थात् माता जिस रोग से पीड़ित होई वही रोग माता के द्वारा जातक को भी) संभव है।
- चन्द्रदशा में शुक्र की अन्तर्दशा में राज्यलाभ, महाराज की कृपा से वाहन, वस्त, भूषण की प्राप्ति, पशुलाभ, स्त्री-पुत्र की अभिवृद्धि, नूतनभवननिर्माण, नित्य मिष्ठान-भोजन, सुगच्छ-पुष्ट की माला, रम्य स्त्री, आरोग्य तथा अनेकविधि सम्पदायें प्राप्त होंगी।
- युत या दृष्ट होने से अन्तर्दशाकाल में भूमि, पुत्र, मित्रादि एवं स्त्री का विनाश, पशुहनि तथा राजद्वार में विरोध संभव है।
- अन्तर्दशा-काल में अपमृत्यु का भयसंभव है।
- दोष-निवारण के लिए रूद्रीयजप, श्वेत गाय तथा चान्दी का दान करना चाहिए।



चन्द्र-शुक्र-शुक्र : 1 जुलाई 2029 से 11 अक्टूबर 2029 तक

शुक्र की अन्तर्दर्शा में शुक्र की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दर्शा में शुक्र प्रत्यन्तर में श्वेत घोड़ा, श्वेत वस्त, मोती, सुवर्ण, माणिक आदि का सौख्य तथा सुन्दर स्त्री की प्राप्ति हो सकती है।

चन्द्र-शुक्र-सूर्य : 11 अक्टूबर 2029 से 10 नवम्बर 2029 तक

शुक्र की अन्तर्दर्शा में सूर्य की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दर्शा में सूर्य प्रत्यन्तर में वातज्वर, शिरोवेदना, राजा तथा शत्रु के द्वारा क्लेश, और थोड़ा सा लाभ भी होगा।

चन्द्र-शुक्र-चन्द्र : 10 नवम्बर 2029 से 31 दिसम्बर 2029 तक

शुक्र की अन्तर्दर्शा में चन्द्रमा की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दर्शा में चन्द्र प्रत्यन्तर में कन्या की उत्पत्ति, राजा से लाभ, वस्त आभूषणों की प्राप्ति, राज्याधिकार संभव है।

चन्द्र-शुक्र-मंगल : 31 दिसम्बर 2029 से 4 फरवरी 2030 तक

शुक्र की अन्तर्दर्शा में मंगल की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दर्शा में मंगल प्रत्यन्तर में रक्त पित्त सम्बन्धी रोग, झगड़ा, मारपीट तथा महाक्लेश होगा।

चन्द्र-शुक्र-राहु : 4 फरवरी 2030 से 7 मई 2030 तक

शुक्र की अन्तर्दर्शा में राहु की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दर्शा में राहु प्रत्यन्तर में स्त्रियों के साथ झगड़ा, अकस्मात् भयागम, राजा तथा शत्रु से कष्ट संभव है।

चन्द्र-शुक्र-गुरु : 7 मई 2030 से 27 जुलाई 2030 तक

शुक्र की अन्तर्दर्शा में बृहस्पति की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दर्शा में गुरु प्रत्यन्तर में प्रचुरद्रव्य राज्य, वस्त, मोती, भूषण, हाथी, घोड़ा तथा स्थान की प्राप्ति होती है।



चन्द्र-शुक्र-शनि : 27 जुलाई 2030 से 31 अक्टूबर 2030 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में शनि की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में शनि प्रत्यन्तर में गदहा, ऊँट, बकरा, की प्राप्ति, लोह, उड़द, तिल का लाभ, तथा शरीर में थोड़ा कष्ट भी होता है।

चन्द्र-शुक्र-बुध : 31 अक्टूबर 2030 से 25 जनवरी 2031 तक

शुक्र की अन्तर्दशा में बुध की प्रत्यन्तर दशा का फल -

- शुक्र की अन्तर्दशा में बुध प्रत्यन्तर में धन ज्ञान का लाभ, राजा के यहां अधिकारप्राप्ति, निक्षेप से भी धनलाभ संभव है।



OUR ASTRO SERVICES

Signature Reading



Numerology



Daily Horoscope



Janm-Kundli



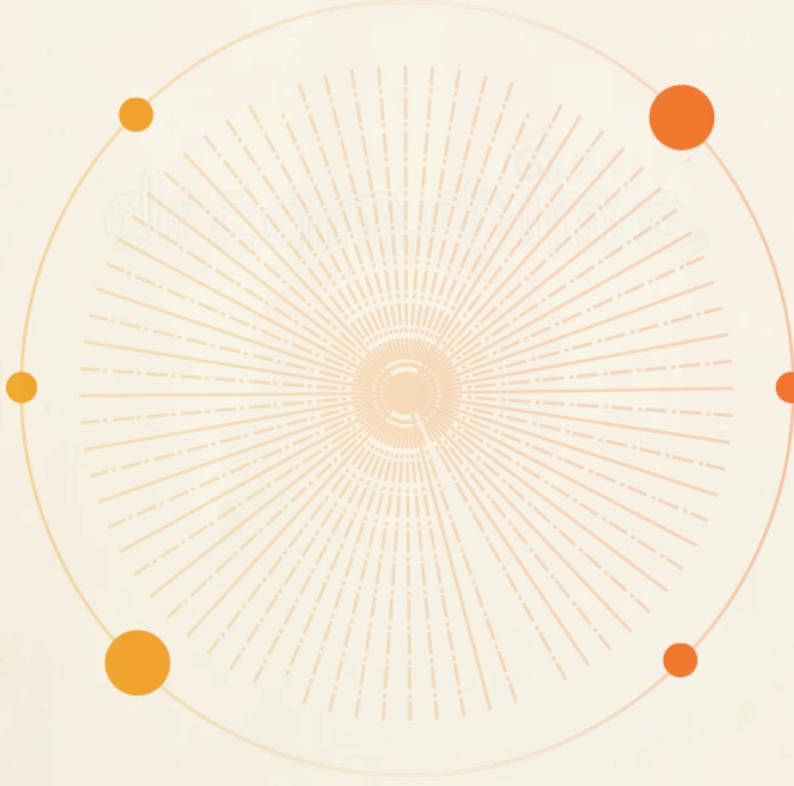
Kundli Matching



Chat With Astrologer



Call With Astrologer



Rajyoga's





93%

Accuracy Report

1000+

Top Astrologer of India

1 Lakhs+

Happy Customers

Thank you for trusting AstroBuddy.

This Kundali is designed to guide you with clarity on your strengths, opportunities, and the cosmic patterns shaping your journey

